किसी भी तरह के विज्ञापन एवं समाचार के लिए संपर्क करें मो0: 9891706853

दैनिक

राष्ट्रीय संस्करण

RNI: UPHIN/2021/84200

समाज जागरण

नोएडा उत्तर प्रदेश,दिल्ली एनसीआर, हरियाणा,पंजाब बिहार,मध्य प्रदेश, छतीसगढ, झारखण्ड असम से प्रसारित

वर्षः 3 अंकः 198 नोएडा, (गौतमबुद्धनगर) शुक्रवार 02 मई 2025 http://samajjagran.in पृष्ठ - 12 मूल्य 05 रुपया

इधर व्हाइट हाउस की पाकिस्तान को चेतावनी, उधर राजनाथ-जयशंकर को कॉल, अमेरिका किसकी ओर?

अमेरिका की कोशिश जंग रोकना है ताकि इस क्षेत्र में हालात खराब न हों. लेकिन वह हर हाल में भारत के साथ मजबूती से खड़ा दिखना चाहता है. व्हाइट हाउस की चेतावनी और राजनाथ-जयशंकर को कॉल इसी बात का संकेत दे रहे हैं.

भारत-पाकिस्तान में टेंशन के बीच अमेरिका अचानक एक्टिव हो गया है. पहले व्हाइट हाउस ने पाकिस्तान को चेतावनी दी कि आतंकियों को नतीजे भुगतने होंगे. दूसरी ओर अमेरिकी रक्षा मंत्री पीट हेगसेथ और विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने एक ही दिन में राजनाथ सिंह और एस. जयशंकर से फोन पर बात की. इस डबल सिग्नल से सवाल उठ रहे हैं कि अमेरिका का मूड आखिर क्या है? वह किसकी ओर है?

व्हाइट हाउस ने एक बयान जारी कर कहा, आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं किया जाएगा. पाकिस्तान को सुनिश्चित करना होगा कि उसकी जमीन से आतंकी गतिविधियां न हों, वरना नतीजे भुगतने होंगे. गुरुवार को अमेरिकी विदेश विभाग ने भी यही दोहराया. कहा, राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप बहुत स्पष्ट कर चुके हैं. ट्रंप प्रशासन के तहत आतंकवाद का समर्थन करने वालों को नतीजे भुगतने होंगे. लेकिन इसके बाद अमेरिकी विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने जयशंकर से बात से बात की. मार्को रुबियो ने तनाव कम करने के लिए पाकिस्तान के साथ मिकर काम करने को कहा. मगर जयशंकर ने साफ कर दिया किआतंकियों और उनके आक-ाओं को न्याय के कठघरे में लेकर आएंगे. इससे कुछ देर पहले मार्को रुबियो पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ से भी बात की थी.

एक्सपर्ट क्या कहते हैं

अमेरिका का रुख साफ है. वह आतंकवाद के खिलाफ भारत का समर्थन करेगा, लेकिन वह नहीं चाहता कि यह तनाव पूर्ण युद्ध में बदल जाए. यह एक कूटनीतिक संतुलन है.
-डॉ. हर्ष पंत, सामरिकि मामलों के एक्सपर्ट

अमेरिका की चेतावनी पाकिस्तान को दबाव में लाने की रणनीति है, ताकि वह आतंकी समूहों पर का-र्रवाई करे. लेकिन भारत को भी संयम बरतने की सलाह दी जा रही है.
-प्रो. सुमित गांगुली (इंडियाना यूनिवर्सिटी)

अमेरिका भारत को सैन्य सहायता दे सकता है, लेकिन वह खुलकर पाकिस्तान के खिलाफ नहीं जाएगा, क्योंकि उसे अफगानिस्तान में पाकिस्तान की जरूरत है.
-रिटायर्ड मेजर जनरल जीडी बख्शी

राजनाथ से क्या बात हुई?

मार्को रुबियो और जयशंकर की बात खत्म ही हुई थी कि कुछ ही देर बाद अमेरिका के डिफेंस मिनिस्टर पीट हेगसेथ ने रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह को फोन लगा दिया. हेगसेथ ने भारत के आत्मरक्षा के अधिकार की वकालत की. साथ ही आतंक को कुचलने में पूरी ताकत के साथ समर्थन देने का भरोसा दिया. रक्षा मंत्री के कार्यालय के मुताबिक, हेगसेथ ने कहा कि अमेरिका भारत के साथ एकजुटता से खड़ा है और भारत के आत्मरक्षा के अधिकार का समर्थन करता है. उन्होंने आतंकवाद के खिलाफ भारत की लड़ाई में अमेरिकी सरकार के मजबूत समर्थन को दोहराया.

अमेरिका का मूड क्या है?

व्हाइट हाउस का बयान साफ संदेश देता है कि अमेरिका आतंक के मुद्दे पर भारत के साथ है. पीएम मोदी को खुली छूट दे दी है. लेकिन मार्को रुबियो ने जिस तरह पाकिस्तिान के साथ मिलकर काम करने को कहा, उससे लगता है कि अमेरिका नहीं चाहता कि यह जंग हो. हालांकि, जैसे ही जयशंकर ने मार्को रुबियो को साफ शब्दों में समझाया किभारत आतंकियों का सफाया करके रहेगा, तो अमेरिका भी खुलकर भारत के साथ आ गया. अमेरिकी रक्षा मंत्री के बयान साफ-साफ इस ओर इशारा करता है.

अमेरिका के एक्टिव होने का क्या पड़ेगा असर?

अमेरिका की चेतावनी से पाकिस्तान पर दबाव बढ़ेगा, लेकिन वह इसे अमेरिकी हस्तक्षेप बता सकता है. पाकिस्तान के नेता वैसे तो अमेरिका के खिलाफ बयानबाजी कर रहे हैं, लेकिन मौजूदा सथिति में उन्हें भी पता है कि सिर्फ अमेरिका ही उन्हें बचा सकता है. अमेरिका की चिंता ये है कि अगर साउथ एशिया में तनाव बढ़ा तो अस्थिरता आएगी. लेकिन ट्रंप प्रशासन नहीं चाहता कि कोई ऐसा मैसेज जाए, जिससे भारत और खासकर पीएम मोदी की कोशिशों को झटका लगे. इसलिए वह खुलकर भारत के साथ खड़ा दिख रहा है.

नोएडा बिल्डर धोखाधड़ी मामला:

13 बिल्डरों ने 2 लाख से ज्यादा घर खरीदारों के 5,000 करोड़ रुपये दूसरे प्रोजेक्ट में 'हटाए'; सुप्रीम कोर्ट ने सीबीआई जांच के आदेश दिए

2 लाख फ्लैट खरीदारों से 5,000 करोड़ रुपये की धोखाधड़ी करने के आरोप में 13 बिल्डर और उनकी 63 सहयोगी कंपनियाँ संघीय जाँच

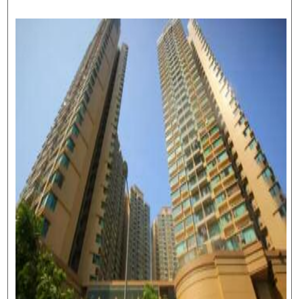

एजेंसियों की जाँच के घेरे में आ गई हैं। जागरण डॉट कॉम की रिपोर्ट के अनुसार, कथित तौर पर इस पैसे को दूसरे प्रोजेक्ट में लगाया गया और बैंकों के साथ मिलीभगत करके 'घोटाला' किया गया।

इसके अलावा, नोएडा प्राधिकरण के लोगों के भी इस मामले में शामिल होने का संदेह है, क्योंकि बिल्डरों को बहुत कम कीमत पर कीमती जमीन आवंटित की गई थी। यह जमीन आवंटन घोटाला 2 लाख करोड़ रुपये का होने का अनुमान है, जिसके लिए आयकर विभाग ने 2011 में इन 13 बिल्डरों के खिलाफ जाँच शुरू की थी, लेकिन जाँच अभी भी लंबित है।

सुप्रीम कोर्ट ने मामले का संज्ञान लिया और इन 13 बिल्डरों द्वारा फ्लैट खरीदारों के साथ की गई धोखाधड़ी की जाँच सीबीआई को सौंप दी। जांच दस्तावेज में 70,000 प्रभावित फ्लैट खरीदारों का जिक्र किया गया है। 21 जून 2024 को लखनऊ से ईडी अधिकारियों ने नोएडा प्राधिकरण को पत्र जारी कर एक डेवलपर और उसकी 63 सहयोगी कंपनियों से जुड़े छह खास बिंदुओं पर जानकारी मांगी थी। इसके बाद इन 13 बिल्डरों की नए सिरे से जांच शुरू की गई।

असम तिनसुकिया जिले में 1078 मतदान केंद्रों पर मतदान ग्रहणकारी अधिकारी व कर्मचारी मौजूद

दैनिक समाज जागरण
गोरखनाथ गुप्ता।

मौजूदा पंचायत चुनाव में पहले चरण का चुनाव तिनसुकिया जिले में भी संपन्न होगा।जिले में 1,078 मतदान केन्द्रों पर मतदान की प्रक्रिया संपन्न होगा।जिसको लेकर सभी मतदान केंद्रों पर मतदान ग्रहणकारी अधिकारी एवं कर्मचारी उपस्थित हो गये है।1 मई की सुबह तिनसुकिया,माकुम और डिगबोई विधानसभा अंतर्गत 451 मतदान केंद्र के लिए तिनसुकिया के सवानंद सिंह स्टे-डियम के परिसर में स्थापित की गई स्ट्रांग रूम से,मार्गेरिटा सम-जिला के अंतर्गत 179 केन्द्र के लिए मार्गेरिटा सम-जिला आयुक्त कार्यालय परिसर से,दुमदुमा सम-जिला अन्तर्गत 173 मतदान केंद्र के लिए दुमदुमा कॉलेज परिसर और सदिया सम-जिला अंतर्गत 275 मतदान केंद्रो हेतु सदिया सम-जिला आयुक्त कार्यालय प-रसर से अधिकारी एवं कर्मचारी रवाना हुये।

प्रत्येक मतदान केन्द्र के लिए एक पीठासीन अधिकारी तथा तीन मतदान अधिकारी नियुक्त किये गये हैं।इनके अलावा प्रत्येक केंद्र पर एक या एक से अधिक सुरक्षा गार्ड तैनात किये गये हैं। केंद्रों के बाहर बड़ी संख्या में सशस्त्र स-ुरक्षाकर्मी भी तैनात किये जायेंगे। केंद्रों की स्थितियों के आधार पर सुरक्षाकर्मियों की संख्या कम और अधिक हो सकती है।

तिनसुकिया जिला सूचना एवं जनसंपर्क अधिकारी विकाश शर्मा द्वारा दी गई जानकारी के अनुसार तिनसुकिया जिले के कुल 8.31 लाख मतदाता 22 जिला परिषद निर्वाचन क्षेत्रों के लिए चुनाव लड़ रहे 66 उम्मी-दवारों, 86 आचंलीक पंचायत सीटों के लिए चुनाव लड़ रहे 200 उम्मीदवारों और 860 गांव पंचायत वार्डों के लिए चुनाव लड़ रहे 2,092 उम्मीदवारों के भाग्य का फैसला करेंगे। हालांकि,इसमे ग्राम पंचायतों के 94 वार्ड और आँचलिक पंचायतों के 10 निर्वाचन क्षेत्र निर्विरोध चुने गए। आज शाम तक सभी पोलिंग तथा प्रिजाईडीगं अधिकारी पहुंच गए।2 मई की सुबह 7:30 बजे से शाम 4:30 बजे तक वॉलेट पेपर मतदान होगी। चुनाव को मद्देनजर रखते हुए 1 मई की शाम से 2 मई की शाम तक जिले में शराब को निषेध दिन रूप मे घोषणा की गई है,साथ ही चुनाव के दिन पंचायती इलाकों में स-ार्वजनिक अवकाश की घोषणा की है इसके अलावा जिले के नगरपालिका इलाकों में अन्य दिनों के जैसे कार्यालय वित्तीय प्रतिष्ठान खुली रहेगी,यह बात जिला आयुक्त ने स्पष्ट किया है।वही जिला आयुक्त स्वप्निल पाल ने वैध मतदाताओ को अपने मताधिकार का प्रयोग शान्ति पुर्ण तरीके से करने का आवाहन किया है।

फिल्मी स्टाइल में मारी एंट्री, दूल्हे को मंडप से उठा ली गई प्रेमिका

झांसीः झांसी के रक्सा थाना क्षेत्र के डेली गांव में एक दिलचस्प घटना सामने आई है, जहां शादी के मंडप में पहुंचकर प्रेमिका ने दूल्हे को ही अगवा कर लिया. प्रेमिका ने दूल्हे को अपनी कार में डालकर सीधे थाने पहुंचा दिया, जहां दोनों पक्षों के बीच लंबी पंचायत हुई. प्रेमिका का दावा था कि उसके और दूल्हे के बीच 10 साल से प्रेम प्रसंग चल रहा है. अंत में समझौते के बाद प्रेमिका दूल्हे को लेकर मध्यप्रदेश के दतिया स्थित अपने गांव चली गई, जहां दोनों की शादी होने वाली है.

दूल्हे ने किया था शादी का वादा

प्रेमिका ने बताया कि वह और दूल्हा सनी पिछले 10 साल से एक-दूसरे के साथ रिलेशनशिप में थे. सनी ने उससे शादी करने का वादा भी किया था, लेकिन अब वह दूसरी लड़की से शादी कर रहा था. जैसे ही उसे इस बात की भनक लगी वह सीधे वहां आ धमकी जहां उसके प्रेमी की शादी हो रही थी. प्रेमिका ने सख्त फैसला लिया और कहा कि वह ऐसा नहीं होने देगी. अपनी पूरी मेहनत और दोस्तों की मदद से उसने सनी को मंडप से उठाया और थाने लेकर पहुंची.

थाने में हुई लंबी पंचायत

थाने में दोनों परिवारों के बीच घंटों चली पंचायत के बाद, आ-खरकार सनी ने युवती से शादी करने को लेकर अपनी रजामंदी दी. युवती ने सनी से अपनी शादी का वादा लिया और उसे मध्य प्रदेश स्थित दतिया अपने घर लेकर चली गई, जहां अब दोनों की शादी की तैयारियां हो रही है. रक्सा थानाध्यक्ष शिवकुमार के ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच सुलह हुई और समझौता होने के बाद दूल्हे सनी को लेकर उसकी प्रेमिका अपने गांव दतिया चली गई. अब वहां दोनों की शादी होगी. पुलिस का कहना है कि मामला पूरी तरह से समझौते के बाद हल हो गया है. इस दिलचस्प घटनाक्रम में दोनों परिवारों की सहमति से फैसला हुआ.

जल्दबाजी में गिरफ्तारी न करें; हवाला संचालकों को पीएमएलए के तहत रिपोर्टिंग इकाई बनाएं: एएसजी राजू

अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एसवी राजू ने गुरुवार को ईडी अधिकारियों से कहा कि वे मनी-लॉन्ड्रिंग के मामलों में "जल्दबाजी" में गिरफ्तारी न करें क्योंकि इससे उन्हें अदालतों में अच्छे परिणाम नहीं मिलेंगे।

उन्होंने यह भी सुझाव दिया कि "हवाला" डीलरों या "अंगड़िया" को रिपोर्टिंग इकाई के रूप में वर्गीकृत किया जाना चाहिए, ताकि वे अपने ग्राहकों के बारे में एजेंसी को जानकारी प्रदान कर सकें जो भारी मात्रा में नकदी ले जाते हैं। राजू ने कहा कि ये

उपाय, मनी-लॉन्ड्रिंग अपराध में उनकी "प्रतिनिधि देयता" स्थापित करने के लिए कंपनी के साथ-साथ उसके निदेशकों को आरोपी बनाने जैसे अन्य उपायों के अलावा, एजेंसी के लिए बेहतर परिणाम और दोषसिद्धि प्राप्त करने के लिए महत्वपूर्ण हैं।

राजू ने यहां "ईडी दिवस" कार्यक्रम में बोलते हुए कहा, "आपको गिरफ्तारी करने के लिए अपनी शक्ति का उदारतापूर्वक नहीं बल्कि संयम से उपयोग करना चाहिए और आपको इसे बहुत देर से करना चाहिए, न कि (जांच के) शुरूआती चरण में।" प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की स्थापना आज ही के दिन 1956 में हुई थी।

सरकार के विधि अधिकारी राजू, जो विभिन्न न्यायालयों में ईडी का प्रतिनिधित्व करते हैं, ने कहा कि जांच करने वाली सभी एजेंसियों के लिए गिरफ्तारी का प्रावधान "बहुत महत्वपूर्ण" है, क्योंकि कई बार गिरफ्तारी का डर ही किसी व्यक्ति को कुछ बातें बताने पर मजबूर कर देता है।

उन्होंने कहा कि गिरफ्तारी के बाद व्यक्ति का आचरण बदल जाता है और ईडी को इस शक्ति का "संयम से" उपयोग करना चाहिए, क्योंकि धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत एजेंसी को किसी को हिरासत में लेने से पहले गिरफ्तारी के आधार प्रस्तुत करने चाहिए।

दिल्ली सरकार ने स्कूलों, धार्मिक स्थलों और बाजारों में सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने का निर्देश दिया, 20 दिवसीय मेगा सफाई अभियान शुरू किया

दैनिक समाज जागरण

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता ने गुरुवार को कहा कि स्कूलों, धार्मिक स्थलों और बाजारों में सिंगल-यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने का निर्देश दिया गया है। उन्होंने कहा कि विरूपण और अतिक्रमण के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। दिल्ली सरकार ने सड़कों और सार्वजनिक स्थानों से कचरा, मलबा हटाने के लिए 20 दिवसीय विशेष अभियान भी शुरू किया। समाचार एजेंसी पीटीआई ने सीएम गुप्ता के हवाले से कहा, "शीर्ष अधिकारियों को जवाबदेह ठहराया जाएगा।" रिपोर्ट में कहा

गया है कि ये घोषणाएं राज निवास में उपराज्यपाल वीके सक्सेना की अध्यक्षता में एक उच्च स्तरीय बैठक के बाद की गईं, जिसमें जिला मजिस्ट्रेट, डिप्टी कमिश्नर, डीसीपी और विभाग प्रमुख शामिल हुए।

सीएम रेखा गुप्ता ने एक प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, "शहर के हर कोने में कैमरे सक्रिय होने चा-हए। हर धार्मिक स्थल, बाजार और स्कूल को सिंगल यूज प्लास्टिक पर प्रतिबंध लगाने का निर्देश दिया गया है। धूल से प्रभावित इलाकों को पौधरोपण के जरिए हरा-भरा किया जाएगा और रोजाना सुबह 8 बजे और शाम को सफाई की जाएगी।"

एआई अल्ट्रासाउंड से भ्रूण विकास को समझना अब आसान: डॉ. कंचन

दैनिक समाज जागरण

तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी के तीर्थंकर महावीर कॉलेज ऑफ नर्सिंग की ओर से आर्टिफियिल इंटेलिजेंस इन फीटल मोनिटरिंग एंड अब्स्टेट्रिक्स अल्ट्रासाउंड पर गेस्ट लेक्चर में स्वामी रामा हिमालयन यूनिवर्सिटी, देहरादून के हिमालयन कॉलेज ऑफ नर्सिंग की सीनियर फैकल्टी डॉ. कंचन बाला ने की शिरकत

स्वामी रामा हिमालयन यूनिवर्सिटी, देहरादून के हिमालयन कॉलेज ऑफ नर्सिंग की सीनियर फैकल्टी डॉ. कंचन बाला ने कहा, एंटीनेटल पीरियड और इंटरानेटल पीरियड के समय एआई की मदद से फीटस का परीक्षण करना बेहद आसान है। एआई की मदद से फीटस में होने वाले विकारों का प्रारम्भिक अवस्था में ही पता लगाकर उनका निदान किया जा सकता है। पहले अल्ट्रासाउंड की मदद से भ्रूण के विकास को समझना थोड़ा मुश्किल होता था, लेकिन एआई से थ्रीडी और फोरडी अल्ट्रासाउंड किए जा रहे हैं, जिससे भ्रूण के विकास को सघनता से समझा जा सकता है। डॉ. बाला तीर्थंकर महावीर यूनिवर्सिटी, मुरादाबाद के तीर्थंकर महावीर कॉलेज ऑफ नर्सिंग की ओर से आ-र्टफियिल इंटेलिजेंस इन फीटल मोनिटरिंग एंड अब्स्टेट्रिक्स अल्ट्रासाउंड पर आयोजित गेस्ट लेक्चर में बतौर मुख्य वक्ता बोल रही थीं। इससे पूर्व मुख्य वक्ता डॉ. कंचन बाला, नर्सिंग की डीन प्रो. एसपी सुभाषिनी, प्रिंसिपल प्रो. एम. जेसलीन, वाइस प्रिंसिपल प्रो. रामनिवास, एचओडीज- प्रो. रामकुमार गर्ग, प्रो. जितेन्द्र सिंह, प्रो. विजिमोल आदि ने मां सरस्वती के समक्ष दीप प्रज्जवलित करके गेस्ट लेक्चर का शुभारम्भ किया। गेक्चर के दौरान मुख्य वक्ता को बुके देकर स्वागत और स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। अंत में मिस चेतना वशिष्ठ ने वोट ऑफ थैंक्स दिया। संचालन एमएससी नर्सिंग फर्स्ट ईयर की छात्रा खुशी जसपर ने किया। डॉ. बाला बोलीं, हमारे लिए एआई जितना मददगार है, दूसरी ओर इसके कुछ दुष्परिणाम भी हैं। उन्होंने आशंका जताई, एआई से पेशेंट की प्राइवेसी लीक हो सकती है। इलेक्ट्रिक सप्लाई में बाधा होने से एआई कमांड को फॉलो नहीं कर पाता, जिससे उचित रिजल्ट नहीं मिलता है। नॉन स्ट्रेस टेस्ट- एनएसटी में एआई का उपयोग करके गर्भ में शिशु की हर्ट रेट, मूवमेंट और हर्ट रेट के प्रति उसकी प्रतिक्रिया का बेहतर तरीके से आंकलन किया जा सकता है। अपने शोध पेपर्स के हवाले से डॉ. बाला ने बताया, एआई यह भी बता सकता है कि नॉर्मल डिलीवरी की जा सकती है

जनरल आसिम मुनीर की फुलप्रूफ 'मुशर्रफ मॉडल' योजना: पाकिस्तान में सेना द्वारा शरीफ सरकार पर शिकंजा कसने से तख्तापलट के संकेत - रिपोर्ट

पाकिस्तान में तख्तापलट? पाकिस्तान सरकार को भारत से नहीं, बल्कि अपनी ही सेना से सबसे बड़ा खतरा है। जनरल मुनीर के तीन नए कदमों से अब पाकिस्तान में तख्तापलट के संकेत मिल रहे हैं। सूत्रों के मुताबिक, पहलगाम आतंकी हमले के बाद पाकिस्तान में सेना और सरकार के बीच तनाव बढ़ गया है। हालात ऐसे हैं कि जनरल मुनीर की सेना कभी भी तख्तापलट कर सकती है। पाकिस्तान में जनरल मुनीर के आदेश पर रातों-रात राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार की नियुक्ति कर दी गई। आईएसआई चीफ आसिम मलिक को प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ का राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) बना दिया गया। माना जाता है कि आईएसआई चीफ आसिम मलिक सेना प्रमुख आसिम मुनीर के करीबी हैं।

मंत्रो की शक्ति हे अपार , इस तरह करे उसका साक्षात्कार

लेखक - प्रतिक संघवी राजकोट गुजरात

मंत्रों का इतिहास और उनकी शक्तिः मंत्रों का इतिहास भारतीय संस्कृति और वैदिक परंपरा से गहराई से जुड़ा है। वेदों, उपनिषदों और पुराणों में मंत्रों का उल्लेख मिलता है, जो हजारों वर्ष पुराने

हैं। मंत्र संस्कृत शब्दों का वह संयोजन है, जो विशिष्ट ध्वनियों और कंपनों के माध्यम से मानव मन, शरीर और आत्मा को प्रभावित करता है। इनका उच्चारण न केवल आध्यात्मिक, बल्कि वैज्ञानिक दृष्टिकोण से भी शक्तिशाली माना जाता है। मंत्रों की शक्ति उनके शब्दों, लय और उच्चारण की शुद्धता में निहित है। यह माना जाता है कि सही ढंग से उच्चारित मंत्र ब्रह्मांड की सकारात्मक ऊर्जा को जागृत कर सकते हैं, जिससे मानसिक शांति, स्वास्थ्य और समृद्धि प्राप्त होती है। इसलिए देखा जाए तो मंत्रो का इतिहास करोड़ों साल पुराना हे और अलग अलग मंत्रो की शक्ति और ध्वनि से अलग अलग ऊजाओं का वहन होता हे यह तो अब विज्ञान भी मानने लगा हे।

मंत्र पढ़ने का उचित समय

मंत्रों का जाप करने का सबसे अच्छा समय ब्रह्ममुहूर्त (सुबह 4 से 6 बजे) माना जाता है, क्योंकि इस समय वातावरण शांत और सात्विक होता है। यह समय ध्यान और आध्यात्मिक साधना के लिए आदर्श होता है। इसके अलावा, सूर्योदय और सूर्यास्त के समय भी मंत्र जाप प्रभावी होता है। कुछ मंत्र, जैसे गायत्री मंत्र, दिन के तीनों समय (सुबह, दोपहर, शाम) जपे जा सकते हैं। हालांकि, मंत्र जाप का समय व्यक्ति की सुविधा और मंत्र के उद्देश्य पर भी निर्भर करता है।अलग अलग मंत्रो की और श्लोकों की अपनी एक समय सीमा होती हे। अगर आपको उस मंत्र या श्लोक का सही फल पाना हे तो उसको वैसे ही नहीं बोलना चाहिए या किसी भी जगह किसी भी रूप में आप यह मंत्र या श्लोक नहीं पढ़ सकते उसकी यह सीमा और मयार्दा जानकर ही मंत्र को आत्मसात कर पढ़ना चाहिए वरना उसकी असर कम या तो विपरीत भी हो सकती हे।

मंत्र आत्मसात करने की चीज, न कि दिखावे की

आज कल हमारे यहां फैशन सा हो चला हे कोई भी मंत्र , श्लोक या उससे बना काव्य कभी भी और किसी भी समय , किसी भी तरह के पहनावे के साथ कर लेते हे और वह सिर्फ और सिर्फ एक या थोड़े बहुत लोगो के दिखावे या मीडिया में चमकने के लिए ही होता हे कभी कभी इसी जाप को शक्ति प्रदर्शन के लिए भी रखते हे लेकिन इनसे मंत्र का प्रभाव उसमें शामिल हुए लोगो पर कम पड़ती हे क्योंकि मंत्र जाप कोई दिखावटी क्रिया नहीं, बल्कि आत्मा से आत्मा का संनाद है। इसका प्रभाव तभी होता है, जब इसे पूर्ण श्रद्धा, एकाग्रता और शुद्ध मन से किया जाए। मंत्रों का जाप केवल शब्दों का उच्चारण नहीं, बल्कि उनके अर्थ और भाव को आत्मसात करना है। बिना श्रद्धा और समझ के जाप करने से वांछित फल प्राप्त नहीं होता। इसलिए, मंत्र जाप करते समय मन को शांत रखना, सही उच्चारण और मंत्र के उद्देश्य को समझना आवश्यक है।

मंत्र को पढ़ने का समय उसके गुण के हिसाब से

विभिन्न मंत्रों के गुण और उद्देश्य अलग-अलग होते हैं, इसलिए उनका जाप करने का समय भी भिन्न हो सकता है। उदाहरण के लिएः गायत्री मंत्रः आध्यात्मिक ज्ञान और शुद्धता के लिए, इसे सुबह और शाम के समय जपना उत्तम है। महामृत्युंजय मंत्रः स्वास्थ्य और दीघार्यु के लिए, इसे किसी भी समय, विशेष रूप से सोमवार या प्रदोष काल में जप सकते हैं। हनुमान चालीसाः साहस और सुरक्षा के लिए, इसे मंगलवार या शनिवार को पढ़ना शुभ माना जाता है। दुर्गा मंत्रः शक्ति और सुरक्षा के लिए, नवरात्रि के दौरान या शुक्रवार को जाप करना प्रभावी होता है। नवकार मंत्र : आत्म शांति और आत्म गुणों को प्रज्वलित करने के लिए जो आप कभी भी पढ़ सकते हो

आगम : - यह हैं जैनों के ग्रन्थ जिसको आप असजायकाल में यानी कि उसके दिए गए वर्णन में से कुछ भी हो तो उसको नहीं पढ़ना चाहिए मिशाल के तौर पे आप ग्रहण के दिन उनके आगे पीछे के काल तक उसे नहीं पढ़ सकते

इस प्रकार, मंत्र का समय उसके उद्देश्य और गुण के आधार पर निर्धारित करना चाहिए।

मंत्रों की ताकत का परिचय करता एक किस्सा

प्राचीन काल में, एक साधारण किसान था, जिसका नाम रामू था। वह बहुत गरीब था और उसकी पत्नी गंभीर रूप से बीमार थी। गाँव के एक साधु ने उसे महामृत्युंजय मंत्र का जाप करने की सलाह दी। साधु ने कहा, ह्लपूर्ण श्रद्धा और एकाग्रता के साथ 108 बार इस मंत्र का जाप रोज सुबह करो।ह्व रामू, जिसे संस्कृत का कोई ज्ञान नहीं था, ने साधु के निदेर्शों का पालन किया। वह हर सुबह एक शांत स्थान पर बैठकर मंत्र जाप करता। कुछ ही महीनों में उसकी पत्नी स्वस्थ हो गई, और गाँव में उसकी आर्थिक स्थिति भी सुधरने लगी। यह चमत्कार नहीं, बल्कि मंत्र की ध्वनि और उसकी श्रद्धा का परिणाम था, जिसने न केवल उसकी पत्नी को ठीक किया, बल्कि उसके जीवन में सकारात्मक बदलाव लाया। यह किस्सा मंत्रों की शक्ति और श्रद्धा के महत्व को दशार्ता है। मंत्रों की बड़ी ताकात हे अंतर आत्मा के भाव जगाने वाली सिर्फ दिल और दिमाग को नहीं पूरी दुनिया को राह दिखाने वाली

पाकिस्तान का हुक्का-पानी बंद

समाज जागरण

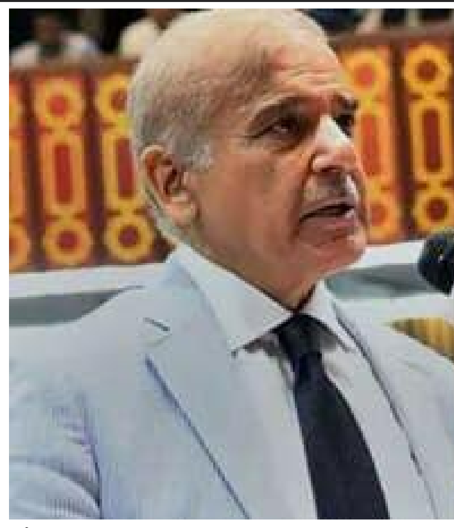

पहलगाम हत्याककांड के बाद भारत ने पाकिस्तान का हुक्का पानी बंद कर दिया, अच्छा किया. पाकिस्तानी नागरिकों को भारत से खदेड दिया, लेकिन क्या इससे काश्मीर में आतंकी हमले स्थाई रूप से रुक जाएंगे या ये लुकका छिपी का खेल पहले की तरह जारी रहेगा?

अगर आप गौर से देखें तो भारत ने पहलगाम हत्याकांड के बाद पाकिस्तान के खिलाफ अनेक प्रतिबंधात्मक कदम आनन फानन में उठाए किंतु सीधे हमला नहीं किया. पहले बार्डर सील किए, वीजा बंद किए, सिंधुजल रोका और अब हवाई मार्ग भी बंद कर दिया.

सरकार की इन तमाम कारावाईयों से अमन पसंद जनता मुतमईन है. लेकिन वीर, अधीर देवतुल्य कार्यकर्त्ता अधीर हैं. पाकिस्तान के खिलाफ आक्रामण को उतावले उनके मन विचलित हैं. विचलित वे हिंदू भी हैं जिनके परिजन केवल हिंदू होने की वजह से मारे गये. लेकिन बाकी देश अपने अपने काम में लगा है. देश का काम केवल युद्ध करना ही नहीं उसे टालना भी होता है. युद्ध टलना ही चाहिए. लेकिन सवाल ये है कि असल मुद्दों को भी नहीं टालना चाहिए. हमारी या किसी भी देश की सरकार आपदा में, अवसर तलाश लेती है. चीन और अमेरिका की सरकारों ने पाकिस्तान के डर का फायदा अपने ढंग से उठाया है. ये दोनों महाशक्तियां भारत का आतंकवाद के खिलाफ समर्न कर रहीं हैं लेकिन पाकिस्तान को भी युद्धक सामान देने के लिए तैयार बैठे हैं. दोनों को भारत से आतंकित पाकिस्तान पसंद है. आतंकित, भयभीत पाकिस्तान ही दोनों को मुफीद पडता है.

आने वाले दिनों में भारत और पाकिस्तान की सरकारें युद्धराग मारू गाकर अपनी जनता को असल मुद्दों से भटकाए रख सकती है. सीमा पर और देश के भीतर तनाव सरकारों को हमेशा फायदा पहुंचाता है, सरकार किस दल की है ये महत्वपूर्ण नहीं होता.कांग्रेस ने अतीत में इस तनाव का लाभ उठाया, आज भाजपा की बारी है. इस माहौल में भी सियासत दबे पांव आगे बढ रही है. जातीय जनगणना का मुद्दा अब आम सहमति की ओर बढता नजर आ रहा है. लोकसभा में प्रतिपक्ष के नेता राहुल गांधी ने पहली बार मोदी सरकार का इस मुद्दे पर सशर्त समर्धन किया है. उन्होने सरकार से जातीय जनगणना की टाइम लाइन बताने को कहा है.

राजनीति और प्रेम में यही फर्क है. राजनीति बिना शर्त नहीं चलती और प्रेम शर्तें मंजूर नहीं करता. दोनों की अपनी तबीयत है. राहुल देश में प्रेम की दूकान खोले बैठे हैं क्योंकि नफरत की तो असंख्य दूकानें पहले से मौजूद हैं. बहरहाल असल मुद्दा पाकिस्तान और आतंकवाद है. इस मुद्दे पर सरकार ने हमेशा की तरह चुप्पी साध रखी है. चुप्पी सरकार का बिना फल का बाण है. चलता भी है और जान भी नहीं लेता. रामजी ने मारीच को बिना बाण का बाण मारा थाऔर सात योजन पीछे धकेल दिया था.सरकार बिना युद्ध लडे पाकिस्तान को सात योजन पीछे करना चाहती है. युद्ध से पाकिस्तान तो बर्बाद हो जाएगा लेकिन भारत की भी कमर टूटेगी ही. भारत पहले से ही अमरीकी टेरिफ वार की मार झेल रहा है.

देश के मौजूदा हालात को देखकर प्रधानमंत्री जी ने 9मयी का अपना रूस दौरा टाल दिया. विक्ट्री डे पर आयोजन समारोह में मोदी जी को शामिल होना था. अब उनके स्थान पर रक्षामंत्री राजनाथ सिंह रूस जाएंगे.विश्व भ्रमण प्रेमी किसी भी आदमी के लिए अपनी यात्रा स्थगित करना आसान बात नहीं है. देश को मोदीजी का आभारी होना चाहिए.

इस संक्रमणकाल में अब सब मौन हैं. न ममता की चर्चा है न मायावती की. न अखिलेश यादव सुर्खियों में हैं न नीतीशकुमार. भाजपा को भी नया अध्यक्ष चुनने से राहत मिली. हालांकि भाजपा राष्ट्रीय अध्यक्ष के चुनाव का भारत पाक तनाव से कोई सरोकार नहीं है. वैसे भी अब भाजपा के लिए अध्यक्ष का चुनाव अब महत्वपूर्ण कार्य नहीं क्योंकि अब ये तदर्थ पद है. पहले पार्टी अध्यक्ष प्रधान होता था, अब प्रधानमंत्री पद महत्वपूर्ण हो गया है.

@ राकेश अचल

जाति की जटिलताएं: गणना, राजनीति और सामाजिक संतुलन का द्वंद्व

2026 से पहले हो सकती है नई जनगणना, राजनीतिक समर्थन के बीच उठे सामाजिक और आर्थिक चिंता के सवाल

राजनीतिक मामलों की केंद्रीय कैबिनेट कमेटी ने बुधवार को अगली जनगणना में जाति की गणना को शामिल करने का निर्णय लिया। आजादी के बाद यह पहला मौका होगा जब जनगणना के दौरान जाति के आंकड़े संग्रहीत किए जाएंगे। हालांकि अनुसूचित जाति और जनजाति के आंकड़े दर्ज किए जाते हैं लेकिन व्यापक स्तर पर जातिगत आंकड़े इससे पहले 1931 की जनगणना में एकत्रित किए गए थे। इस घोषणा को दोनों प्रमुख दलों का समर्थन मिला है जो बताता है कि जाति जनगणना की राह में कोई मुश्किल नहीं है। वास्तव में 2024 के लोक सभा चुनावों में जाति जनगणना कांग्रेस सहित विपक्षी दलों के सबसे प्रमुख चुनावी वादों में से एक था।

चूंकि सरकार ने अगली जनगणना में जाति को दर्ज करने का निर्णय ले लिया है इसलिए अब इसके परिणामों पर चर्चा करना भी आवश्यक है। हालांकि, उससे पहले यह ध्यान देना आवश्यक है कि जल्द से जल्द जनगणना करना भी आवश्यक है। कोविड-19 महामारी के कारण 2020 में होने वाली दशकीय जनगणना को टाल दिया गया था लेकिन यह समझना मुश्किल है कि हालात सामान्य होने के बाद भी सरकार उसे क्यों टालती जा रही है। अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष के आंकड़ों के मुताबिक 2011 में जब भारत में पिछली जनगणना हुई थी तब हमारी अर्थव्यवस्था का आकार 1.8 लाख करोड़ डॉलर था। यह संभव है कि जिस समय तक अगली जनगणना पूरी होगी या उसके परिणाम आने शुरू होंगे तब तक भारत पांच लाख करोड़ डॉलर की अर्थव्यवस्था बन चुका होगा। यह एकदम अलग देश होगा। ऐसे में यह अहम है कि जनगणना नियमित हो।

यही नहीं, जाति को शामिल करने की अतिरिक्त आवश्यकता को देखते हुए इसमें और देरी हो सकती है। ऐसे में यह भी संभव है कि अब जनगणना शायद 2026 के बाद ही हो सके और संविधान के मुताबिक संसदीय सीटों के नए परिसीमन का आधार बने। ऐसे में इसके परिणाम देश में सामाजिक विभाजन को बढ़ाने वाले साबित हो सकते हैं और उनका बहुत सर्तकता के साथ प्रबंधन करना होगा। दक्षिण भारत के राज्यों ने भी नियमित रूप से यह चिंता जताई है कि लोक सभा में उनकी हिस्सेदारी कम की जा सकती है।

यह संभव है कि कुछ राजनीतिक दल विधायिका में भी जाति आधारित आरक्षण की मांग करें। एक स्तर पर जातीय आंकड़े संग्रहीत करना तथा अन्य सामाजिक-आर्थिक आंकड़े हासिल करना उपयोगी हो सकता है क्योंकि यह नीति निर्माण में मददगार होगा। बहरहाल, जोखिम यह है कि जाति के आंकड़ों का इस्तेमाल राजनीतिक कारणों से भी किया जा सकता है। हालांकि यह तो अभी भी हो रहा है। ताजा आंकड़े इस खाई को और बढ़ा सकते हैं। कम तादाद वाले जातीय समूहों को हाशिए पर धकेला जा सकता है।

जाति जनगणना के अन्य संभावित परिणामों में अधिक आरक्षण की मांग भी शामिल है। वास्तव में इसकी शुरूआत हो भी चुकी है। लोक सभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी ने सुझाव दिया है कि आरक्षण पर सीमा समाप्त की जानी चाहिए और निजी शैक्षणिक संस्थानों में भी कोटा लागू किया जाना चाहिए। व्यापक स्तर पर देखें तो 2025 में जाति जनगणना का इतना महत्त्वपूर्ण होना बताता है कि हम अभी तक कुछ बुनियादी चीजों को दुरुस्त करने में विफल रहे हैं।

कई समूहों के लिए जाति जनगणना और आरक्षण में हिस्सेदारी आगे बढ़ने की एक उम्मीद है। कुछ समूह जहां इससे लाभान्वित होंगे वहीं राजनीतिक वर्ग के लिए अहम प्रश्न यह है कि क्या एक ही चीज को अलग ढंग से बांटने से देश बेहतर जगह बन सकेगा? और क्या यह सबसे वांछित हल है। असल मुद्दा है आम जनता के लिए शिक्षा की कम गुणवत्ता और आर्थिक अवसरों की कमी। जब तक इन मुद्दों को हल नहीं किया जाएगा, जाति जनगणना और आरक्षण का संभावित पुनर्संयोजन देश को बहुत आगे नहीं ले जा पाएगा।

चारधाम यात्रा शुरूआत अक्षय तृतीया से होती... !

चारधाम यात्रा की शुरूआत अक्षय तृतीया से होती है,
गंगोत्री और यमुनोत्रीधाम के कपाट खुलने से होती है।
गंगोत्री को माता गंगा का उदगम स्थल माना जाता है,
यमुनोत्री में यमुनामाता अवतरित हुई ये कहा जाता हैं।
गर्मियों में गंगा-यमुना अपने-अपने निवास विराजमान,
सर्दियों में मुखबा-खरसाली गांव में स्थापित देते मान।

चारधाम यात्रा की शुरूआत अक्षय तृतीया से होती है,
गंगोत्री और यमुनोत्रीधाम के कपाट खुलने से होती है।
उनकी विग्रह मूर्ति को शीतकालीन प्रवास करवाते हैं,
गंगोत्री मायके से खास चीज सहित विदा हो जाती हैं।
पौराणिक मान्यता हैं भगीरथ ने कठोर तपस्या की थी, तब जिस-
के फलस्वरुप गंगा धरती पे अवतरित हुई थीं।

चारधाम यात्रा की शुरूआत अक्षय तृतीया से होती है,
गंगोत्री और यमुनोत्रीधाम के कपाट खुलने से होती है।
भगीरथ ने अपने पूर्वजों के उद्धार हेतू गंगा को बुलाया, गंगा का
प्रवाह ज्यादा था शिवजी ने जटाओं में समाया।
भागीरथी नदी पर एक चट्टान पे यह शिवलिंग स्थित है। सर्दियों में
जलस्तर कम हो शिवलिंग दिखें व्यवस्थित हैं।

संजय एम तराणेकर
(कवि, लेखक व समीक्षक)

युवा देश के नौजवानों से आएगी विकास की वैचारिक की क्रांति।

स्वामी विवेकानंद सदैव युवा शक्ति के प्रेरणा स्त्रोत रहे हैं।उन्होंने कहा है की मुझे कुछ साहसी और ऊर्जावान युवा पुरुष मिल जाए, तो मैं देशभर में क्रांति ला सकता हूं'

स्वतंत्रता के बाद भारत के प्रथम प्रधानमंत्री पंडित जवाहरलाल नेहरू, लाल बहादुर शास्त्री, इंदिरा गांधी और कर्तव्यों से युवा ऊर्जावान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हमेशा युवाओं को आगे बढ़ाने और उन पर सदैव भरोसा करने वाली नीतियां बनाते आए हैं' और हमेशा युवाओं पर भरोसा किया है' स्वतंत्रता संग्राम में भी मंगल पांडे ,लक्ष्मीबाई, भगत सिंह, सुभाष चंद्र बोस, चंद्रशेखर आजाद, अशफाक उल्ला खान, राम प्रसाद बिस्मिल, खुदीराम बोस आदि युवाओं ने अपना सब कुछ न्योछावर कर देश को आजादी दिलाई थी' स्वतंत्रता के बाद भी भारत पर पाकिस्तान और चीन ने अनावश्यक आक्रमण कर भारत पर मानसिक दबाव डालना चाहा,पर भारत के नौजवान सैनिकों ने जिस साहस और वीरता के साथ सामना कर विजय प्राप्त की थी वह अत्यंत प्रशंसनीय एवं आदर्श का कार्य है। कारगिल युद्ध में भी भारत के नौजवान अधिकारी, सैनिकों ने पाकिस्तान को हराकर एक विजय गाथा लिखी थी। पेरिस ओलंपिक में भी नीरज चोपड़ा ने सिल्वर, मनु भाकर ने दो ब्रांज और विनेश फोगाट ने सेमीफाइनल में विश्व चैंपियन को हराकर भारत के युवा लोगों का दिशा दर्शन किया है। भारत के युवा गौरव की विजय गाथा किसी से छुपी नहीं है। भारत के युवा लोगों ने बुजुर्ग विद्वानों, दार्शनिकों और वैज्ञानिकों के मार्गदर्शन में देश भक्ति के अलावा अध्यात्म, धर्म,साहित्य, विज्ञान,कृषि तथा उद्योगों में पूरे विश्व में भारत का नाम रोशन किया है। भारत के युवाओं ने यूरोप में अपने परिश्रम और लगन इमानदारी से अपना परचम फैलाया है। मैक्स मूलर ने ली भारत की युवा शक्ति की सराहना करते हैं भारत को एक युवा इस निरूपित कर भविष्य की असीम संभावनाओं की ओर इंगित किया है। भारत एक युवा राष्ट्र है ।और उसमें असीम संभावनाएं अंतर्निहित हैं ।वर्तमान में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने युवा शक्ति को चिन्हित कर सभी युवाओं का आह्वान कर युवा शक्ति को आगे बढ़ाने का संकल्प लिया है। और यही कारण है की युवा शक्ति के साहस और संकल्प में जापान ओलंपिक 2020 में 7 मेडल लाकर एक इतिहास रचा है। राष्ट्रकवि मैथिलीशरण गुप्त ने भी लिखा है कि

देखो हमारा विश्व में कोई नहीं उपमान था,
नरदेव थे हम और भारत देवलोक के समान था"

भारत की महान उपलब्धियों में देश की युवा शक्ति का बहुत बड़ा योगदान है। आज आई, आई, एम, आई,आई,टी, ऑल इंडिया मेडिकल इंस्टिट्यूट तथा देश के अन्य शैक्षणिक संस्थाओं से जुड़े छात्र छात्राओं के शोध और अविष्कार के चलते भारत तेजी से विकसित राष्ट्र बनने की ओर अग्रसर हो रहा है। भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की युवा सोच और दृढ़ संकल्प लें भारत के युवाओं में एक ऊर्जा प्रेरणा और मार्गदर्शन प्रदान किया है। यह अलग मुद्दा है कि स्वतंत्रता के बाद हमारी शिक्षा नीति ने लाखों बेरोजगार लोगों को जन्म दिया है । बेरोजगारी के दंश ने युवा शक्ति को काफी पीछे धकेल दिया है। पर नई शिक्षा नीति के आने से युवा अपने रोजगार तलाशने की ओर आगे बढ़ रहे हैं। भारत की विशाल जनसंख्या एक बड़ा रुकावट का कारण भी है। और यदि युवा संकल्प लें तो अपना निजी उद्योग और निजी व्यवसाय कर के भारत राष्ट्र को एक नई दिशा तथा सन्मार्ग प्रदान कर सकते हैं। 1979 में जयप्रकाश नारायण ने युवा शक्ति को लेकर एक बड़ा आंदोलन चलाया था। और बिहार में सत्ता परिवर्तन की हुआ था। हरिवंश राय बच्चन ने भी अपनी कविताओं में युवाओं को समझाइश दी थी,

युग का युवा मत देख दाएं बाएं,
झांक मत बगले, अगर कुछ देखना है,
देखअपने वे वृषभ कंधे, जिन्हें देता चुनौती,
सामने तेरे खड़ा है युग का जुआ।

(यहां जुआ उस लकड़ी को कहते हैं जो हल चलाने के दौरान बैलों के कंधों पर रखी जाती है) सच में देश का युवा वर्ग जाग जाए और रचनात्मक कार्यों में जुड़ जाए तो देश को समृद्ध उन्नत होने से कोई नहीं रोक सकता। हमें और हमारे युवाओं को स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों और विवेकानंद से सीख लेकर भारत को एक नए युग की ओर ले जाना चाहिए। क्योंकि भारत का 60% युवा इस देश में युग परिवर्तन और भारत की दशा और दिशा को अभिप्रेरित कर सकता है। राष्ट्रपिता महात्मा गांधी ने कहा है कि खुद वो बदलाव बनिए, जो दुनिया में आप में देखना चाहतें है।

संजीव ठाकुर, स्तंभकार, चिंतक, विश्व रिकॉर्ड धारक लेखक, रायपुर छत्तीसगढ़, 9009 415 415,

स्वामी मुद्रक एवं प्रकाशक रमन कुमार झा द्वारा सांई प्रिटिंग प्रेस बी-42 सेक्टर 07 नोएडा से मुद्रित कराकर नियर दुर्गा पब्लिक स्कूल श्याम लाल कॉलोनी बरौला सेक्टर 49 नोएडा 201304, गौतमबुद्धनगर उत्तर प्रदेश से प्रकाशित।
संपर्क 9891706853, संपादक- रमन कुमार झा, समस्त विवादों का निपटारा गौतमबुद्धनगर न्यायालय मे होगा। Website: https://samajjagran.in/ Email: vatankiawaz@gmail.com UPHIN/2021/84200

कभी-कभी कर्म का फल प्राप्त नहीं होता, क्यों?

पंडित राजेश अग्निहोत्री भागवताचार्य।

हम कर्म तो करते हैं परन्तु उसका हमें कभी कभी फल नहीं प्राप्त होता है। ऐसा क्यों? ऐसा इसलिए होता है कि या तो कर्म में कहीं न कहीं अपूर्णता रह जाती है या कर्म को उचित दिशा या दशा में नहीं किया गया। यदि कर्म को उचित दिशा या दशा में जब नहीं किया जाता है तो उसे कर्म करना माना ही नहीं जाता है,और जब कर्म ठीक प्रकार से किया ही नहीं गया तो फल कैसे प्राप्त होगा? मानो कोई व्यक्ति एक दीवार को अपनी पूरी ताकत से धक्का दे रहा है और वह कहे कि मैंने कर्म किया है, तो उसका कर्म किया हुआ नहीं माना जाएगा, क्योंकि उसके धक्का देने से दीवार पर कोई फर्क नहीं पड़ा। दीवार जहां थी वहीं पर है और जिस स्थिति में थी उसी स्थिति में है। विज्ञान कहता है कि जिस वस्तु में हम बल लगाएं और बल लगाने की दिशा में उस वस्तु का विस्थापन हो तब उसे कार्य करना या कर्म करना माना जाता है।इसी प्रकार यदि किसान बीज बोए और उन बीजों में घुन लगा हुआ हो तो बो बीज अंकुरित ही नहीं होंगे।जब बीज अंकुरित ही नहीं हुए तो पौधा कैसे बनेगा? और पौधा नहीं तो फूल और फल भी प्राप्त नहीं होगा। जिस प्रकार से देश के चार स्तम्भ हैं - विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका और संचार माध्यम। कुर्सी या चारपाई के चार पैर होते हैं ठीक इसी प्रकार कर्म पूर्ण रूप से सम्पन्न हो इसके लिए भी चारों की आवश्यकता होती है।वो चार कौन हैं ? आत्मानं रथितं विद्धि,शरीरं रथमेव तु। बुद्धिं तु सारथिं विद्धि, मनः प्रग्रहमेव च ।। ये चार हैं -1 शरीर रूपी रथ, 2- आत्मा रूपी रथ पर बैठा हुआ मालिक,3- शरीर रूपी रथ को चलाने वाली सारथी रूपी बुद्धि,4 - लगाम रूपी मन। यदि कर्म करते समय चारों की भूमिका ठीक प्रकार से होगी तो निश्चित ही कर्म में सफलता प्राप्त होगी। हालांकि असफलता भी हमें कुछ न कुछ सिखाकर जाती है कि हमसे चूक कहां हुई?

सम्पर्क सूत्र 9760478742

अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस पर श्रमिकों के लिए प्लेटफॉर्म का शुभारंभ

नई दिल्ली,2 मई, 2025: अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर दत्तोपंत ठेंगड़ी राष्ट्रीय श्रमिक शिक्षा एवं विकास बोर्ड द्वारा ब्लॉक-11, कल्याणपुरी, नई दिल्ली स्थित सामुदायिक भवन में "श्रमिक प्लेटफॉर्म" का शुभारंभ किया गया। इस कार्यक्रम में 200 से अधिक लोगों ने भाग लिया। सर्व विदित रहे कि पिछले कुछ वर्षों में भारत सरकार ने असंगठित श्रमिकों के जीवन को बेहतर बनाने हेतु कई कदम उठाए हैं। ऐसा ही एक निर्णय निर्माण श्रमिकों के बच्चों को शिक्षा के लिए प्रोत्साहित करने हेतु मासिक वित्तीय सहायता प्रदान करना है। विभिन्न विभागों द्वारा श्रमिकों तक पहुँचने और उन्हें योजनाओं का लाभ दिलाने के प्रयास किए जा रहे हैं।जैसे "अंत्योदय श्रमिक सुरक्षा योजना" विशेष रूप से असंगठित श्रमिकों के लिए शुरू की गई है, जिसमें मात्र 500 वार्षिक प्रीमियम में 10 लाख तक की दुर्घटना और मृत्यु बीमा सुविधा दी जाती है।

DTNBWED के क्षेत्रीय निदेशक संजय कुमार ने कहा, ह्लबोर्ड का उद्देश्य श्रमिकों को योजनाओं के प्रति जागरूक करना और उन्हें उनका लाभ दिलाना है। हमने रैगपिकर्स, सफाई कर्मचारी, घरेलू कामगार, निर्माण श्रमिक, गिग वर्कर, ड्राइवर, दिहाड़ी श्रमिक, रेहड़ी-पटरी वाले जैसे श्रमिकों तक पहुँच बनाते हुए जून 2024 से मार्च 2025 के बीच 312 शिविरों के माध्यम से 31,906 योजनाओं का लाभ दिलाया है, जिनमें ई-श्रम कार्ड, ABHA कार्ड, पैन कार्ड, श्रम कार्ड, पीएम विश्वकर्मा योजना, दिव्यांग पेंशन योजना आदि शामिल हैं। यह श्रमिक प्लेटफॉर्म सेवा वितरण को और बेहतर बनाएगा और असंगठित श्रमिकों की आवाज सरकार तक पहुँचाएगा।श्रमिक प्लेटफॉर्म में 40 से अधिक सदस्य शामिल हैं, जो विभिन्न असंगठित क्षेत्रों से आते हैं और सरकार तथा श्रमिकों के बीच सेतु का कार्य करेंगे।इन्हें विभिन्न योजनाओं की जानकारी दी गई है और ये योजना चयन, शिविर स्थल निर्धारण आदि में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।ये श्रमिक जून 2024 से सेंटर फॉर एडवोकेसी एंड रिसर्च (उत्त्क्षफ) के सहयोग से विशेष शिविरों के आयोजन में सक्रिय हैं। इस प्लेटफॉर्म का औपचारिक शुभारंभ संजय कुमार द्वारा किया गया। यह प्लेटफॉर्म राष्ट्रीय बोर्ड के साथ मिलकर विशेष शिविरों की योजना और क्रियान्वयन में कार्य करेगा। कार्यक्रम में विभिन्न संगठनों के प्रतिनिधियों ने सामाजिक समावेशन और सेवा उपलब्धता के लिए किए जा रहे प्रयासों को साझा किया। पं. दीनदयाल उपाध्याय राष्ट्रीय दिव्यांगजन संस्थान की सुश्री शाहनाज ने कहा, ह्लहम पुनर्वास सेवाएं, फिजियोथेरेपी और ऑक्युपेशनल थेरेपी प्रदान करते हैं। हम वृद्ध श्रमिकों और दुर्घटना के कारण अंग गंवा चुके लोगों को प्रमाण पत्र और उपकरण दिलवाने में सहायता करते हैं।ह्व इस शिविर में ई-श्रम कार्ड, अइल्अ कार्ड, श्रम कार्ड जैसी योजनाओं का लाभ 130 से अधिक श्रमिकों को मिला।

बाद में श्रमिक प्लेटफॉर्म की भूमिका पर विशेष सत्र आयोजित किया गया। श्रमिकों के लिए खेल, प्रश्नोत्तरी और गतिविधियों का भी आयोजन हुआ। इंडिया पोस्ट द्वारा योजनाओं के प्रचार हेतु एक विशेष स्टॉल लगाया गया।

जनपद ग्रामीण युवाओं को बिना पूंजी स्वरोजगार का मौका

निःशुल्क मोटराइज्ड पॉपकॉर्न मशीन से कर सकते हैं रोजगार प्रारंभ

गौतम बुद्ध नगर 01 मई, 2025: शासन एवं जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर मनीष कुमार वर्मा की निदेर्शों के क्रम में ग्रामीण क्षेत्रों के पात्र युवाओं को आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से खादी तथा ग्रामोद्योग विभाग द्वारा एक नई योजना चलाई जा रही है, जिसके तहत बिना पूंजी लगाए स्वरोजगार की शुरूआत की जा सकती है। यह योजना 18 से 45 वर्ष की आयु के युवाओं के लिए है, जिन्हें निःशुल्क मोटराइज्ड पॉपकॉर्न मशीन प्रदान की जाएगी। जिला ग्रामोद्योग अधिकारी गौतम बुद्ध नगर ने बताया कि यह योजना उन लोगों के लिए जो कारीगरी व स्वरोजगार में रुचि रखते हैं और ग्रामीण क्षेत्र में रहते हैं।

ग्राम पंचायतों में बाल सभा के जरिए भविष्य की लीडरशिप को पिरामल के लोगों ने दी नई दिशा

24 अप्रैल से 30 अप्रैल तक चलने वाला बाल सभा अभियान का आज हुआ समापन

दैनिक समाज जागरण

जनपद सिद्धार्थ नगर पंचायती राज दिवस सप्ताह के अवसर पर चलने वाला बाल अभियान का आज समापन किया गया । पिरामल फाउंडेशन के नेतृत्व में चार ब्लॉक के चालीस ग्राम पंचायतों मरवटिया बाजार,अर्जी,खेसरहा,दहियाड,सजनी,करौंदा मसीना,देवरा बाजार,कपिया गोनहा,एवं पोखर भिटवा , जोगिया आदि गाँव में बाल सभा पर केंद्रित विशेष कार्यक्रमों का सफल आयोजन किया गया। कार्यक्रमों के जरिए यह संदेश दिया कि ग्राम पंचायतों की मजबूती तभी संभव है जब उसकी योजना और निर्णय प्रक्रिया में बच्चों की भी प्रभावी भागीदारी हो। कार्यक्रम का उद्देश्य न केवल बच्चों को पंचायत की निर्णय प्रक्रियाओं से जोड़ना था, बल्कि उन्हें नेतृत्व, अभिव्यक्ति और अधिकारों के प्रति जागरूक बनाना भी था। इन आयोजनों में छात्र-छात्राओं, शिक्षकों, पंचायत प्रतिनिधियों और समुदाय के सदस्यों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया। बैठक में बाल सभा के स्वरूप, बच्चों की भागीदारी, उनके विचारों और अधिकारों को लेकर गहन संवाद हुआ। यह पहल न केवल बच्चों की आवाज को मंच देने की दिशा में एक सशक्त कदम है, बल्कि यह भी दशार्ता है कि पिरामल फाउंडेशन ग्राम पंचायतों को बाल मैत्री पंचायत में रूपांतरित करने के लिए प्रतिबद्ध है। बाल सभा के दौरान बच्चों को अपनी बात रखने का मंच मिला। जहां उन्होंने अपने गांव की समस्याएं, जरूरतें और समाधान साझा किए। पंचायत प्रतिनिधियों ने बच्चों के विचारों को गंभीरता से सुना और बाल अधिकारों, शिक्षा, स्वास्थ्य और सुरक्षा जैसे विषयों पर संवाद किया। इस आयोजन ने यह सिद्ध किया कि यदि बच्चों को सुना जाए और उन्हें निर्णय प्रक्रियाओं से जोड़ा जाए, तो वे भी गांव के विकास में अहम भूमिका निभा सकते हैं। पिरामल द्वारा संचालित इस नवाचारी पहल ने ग्राम पंचायतों को बाल अधिकारों के प्रति संवेदनशील और उत्तरदायी बनाने की दिशा में एक ठोस प्रयास प्रस्तुत किया। अंत में सभी पंचायतों ने यह संकल्प लिया कि वे अपने गांवों को बच्चों के लिए सुरक्षित, सशक्त और समावेशी मंच बनाएंगे, जहाँ बच्चों की आवाज को सम्मान मिलेगा और उनकी भागीदारी को पंचायत स्तर पर प्राथमिकता दी जाएगी। पंचायती राज दिवस सप्ताह के अंतिम दिन आज बाल सभा का आयोजन जोगिया ब्लाक के मजीगवां और खेसरहा ब्लाक के मरवटिया बाजार में आयोजित किया गया इस दौरान ग्राम प्रधान लक्ष्मी देवी, पिरामल फाउंडेशन से सत्येन्द्र सिंह गांधी फेलो राखी कुमारी शिवम कुमार आगनबाड़ी सहित अभिभावक व स्कूल स्टाफभी मौजूद रहे।

बाल विवाह की रोकथाम के लिए भारतीय जन कल्याण सेवा संस्थान ने बाल विवाहों की रोकथाम के लिए धर्मगुरुओं के बीच चलाया जागरूकता अभियान

जनपद बलरामपुर अक्षय तृतीया बाल विवाह रोक थाम हेतु जागरूकता कार्यक्रम भारतीय जन कल्याण सेवा संस्थान एवं जस्ट राइट्स फॉर चिल्ड्रेन (जेआरसी) के संयुक्त तत्वाधान मे बाबू हरिकान्त मालती श्रीवास्तव इंटर कालेज भरहा पारा विकास खण्ड हर्राइया सतघरवा,शिवपुरा जनपद बलरामपुर मे किया गया । कार्यक्रम के मुख्य अतिथि उपश्रमायुक्त बलरामपुर रहे । कार्यक्रम का शुभारम्भ माननीय श्रमउपायुक्त कुलदीप सिंह, बद्री विशाल जिला प्रोवेशन, श्याम लाल यादव प्रिंसपल बाबू हरिकान्त मालती श्रीवास्तव इंटर कालेज भरहा पारा, राजेश कुमार प्रधानाध्यापक प्रायमरी पाठशाला भरहा भक्ता ,अश्अ से अमन शाही के द्वारा दीप प्रज्वलन करके किया गया। भारतीय जन कल्याण सेवा संस्थान के निदेशक देवतादीन पाण्डेय ने कहा कि अभी भी देश में बाल विवाह के खिलाफ जरूरी जागरूकता की कमी है। ज्यादातर लोगों को यह पता नहीं है कि यह बाल विवाह निषेध अधिनियम (पीसीएमए), 2006 के तहत दंडनीय अपराध है। इसमें किसी भी रूप में शामिल होने या सेवाएं देने पर दो साल की सजा व जुमार्ना या दोनों हो सकता है। इसमें बाराती और लड़की के पक्ष के लोगों के अलावा कैटरर, साज-सज्जा करने वाले डेकोरेटर, हलवाई, माली, बैंड बाजा वाले, मैरेज हाल के मालिक और यहां तक कि विवाह संपन्न कराने वाले पंडित और मौलवी को भी अपराध में संलिप्त माना जाएगा और उन्हें सजा व जुमार्ना हो सकता है। उन्होंने कहा कि इसीलिए हमने धर्म गुरुओं और पुरोहित वर्ग के बीच जागरूकता अभियान चलाने का फैसला किया क्यों कि यह वो सबसे महत्वपूर्ण वर्ग है जो विवाह संपन्न कराता है। हमने उन्हें समझाया कि बाल विवाह और कुछ नहीं बल्कि बच्चों के साथ बलात्कार है। अठारह वर्ष से कम उम्र की किसी बच्ची से वैवाहिक संबंधों में भी यौन संबंध बनाना यौन अपराधों से बच्चों का संरक्षण (पॉक्सो) कानून के तहत बलात्कार है। बेहद खुशी का विषय है कि आज पंडित और मौलवी इस बात को समझते हुए न सिर्फ इस अभियान को समर्थन दे रहे हैं, बल्कि खुद आगे बढ़कर बाल विवाह नहीं होने देने की शपथ लिए हैं। यदि पुरोहित वर्ग बाल विवाह संपन्न कराने से इनकार कर दे तो देश से रातों रात इस अपराध का सफाया हो सकता है। इस अभियान में उनके आशातीत सहयोग व समर्थन से हम अभिभूत हैं। इसको देखते हुए हमारा मानना है कि जल्द ही हम बाल विवाह मुक्त बलरामपुर के लक्ष्य को हासिल कर लेंगे। मुख्य अतिथि उपश्रमायुक्त श्री कुलदीप सिंह ने कहा कि गरीबी और अशिक्षा के कारण बाल विवाह हो रहा है इस कुप्रथा को उपस्थिति सभी लोगो को मिटाना होगा तभी बाल विवाह मुक्त भारत हो सकता है । बद्री विशाल जिला प्रोवेशन ने चाइल्ड हेल्प लाइन नम्बर के बारे मे बताया। इस कार्यक्रम मे अमन शाही, पंकज कुमार , रेखा देवी, भोलानाथ, सहायक अध्यापक प्रदीप कुमार वर्मा, सुरेश कुमार, बलराम वर्मा आदि लोगो ने बलरामपुर जिले को बाल विवाह मुक्त कराने की शपथ ली । इस कार्यक्रम मे 121 लोगो ने प्रतिभाग किया।

जिलाधिकारी की अध्यक्षता में आर्द्रभूमि समिति की बैठक सम्पन्न

गौतमबुद्ध नगर में आर्द्रभूमियों की स्थिति पर मंथन, आर्द्रभूमियों की रक्षा को लेकर प्रशासन गंभीर, डीएम ने दिए निर्देश

दैनिक समाज जागरण

गौतमबुद्ध नगर, 01 मई 2025: जिलाधिकारी मनीष कुमार वर्मा की अध्यक्षता में आज कलेक्ट्रेट सभागार में जिला आर्द्रभूमि समिति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिले की चिन्हित आर्द्रभूमियों (ही३'ल्लरि) की वर्तमान स्थिति, उनके संरक्षण और विकास के लिए किए जा रहे प्रयासों की विस्तार से समीक्षा की गई।

प्रभागीय वन अधिकारी पी.के. श्रीवास्तव द्वारा जिला अधिकारी को अवगत कराया गया कि समिति द्वारा धनोरी वेटलैंड को वेटलैंड या पक्षी विहार घोषित किया जाना है, जिसका प्रस्ताव समिति के द्वारा शासन को प्रेषित किया जाना है। उन्होंने यह भी बताया कि माननीय एनजीटी द्वारा निर्देश दिए गए हैं कि 164 वेटलैंड का संबंधित अधिकारियों द्वारा सीमा निर्धारण किया जाना है।

जिलाधिकारी ने बैठक की अध्यक्षता करते हुए कहा की जिले में कई महत्वपूर्ण आर्द्रभूमियां हैं, जो न केवल पर्यावरणीय संतुलन बनाए रखने में सहायक हैं, बल्कि स्थानीय जैव विविधता के लिए भी महत्वपूर्ण हैं। उन्होंने निर्देश दिए कि इन क्षेत्रों में जल स्तर की निगरानी, वनस्पति संरक्षण तथा प्रवासी पक्षियों की उपस्थिति पर निरंतर निगाह रखी जा जाये।

बैठक में जिलाधिकारी ने संबंधित विभागों को निर्देशित किया कि आर्द्रभूमियों की सीमाओं का भौतिक सत्यापन कराया जाए और किसी भी प्रकार के अतिक्रमण को सख्ती से रोका जाए। उन्होंने कहा कि आर्द्रभूमियों के संरक्षण में जनभागीदारी सुनिश्चित की जाए और स्थानीय समुदाय को भी जागरूक किया जाए।

बैठक में जिला पंचायत राज विभाग, मत्स्य विभाग, सिंचाई विभाग तथा अन्य संबंधित अधिकारियों ने भी सहभागिता की और अपने-अपने विभागों से संबंधित जानकारी साझा की।

जिलाधिकारी ने अंत में सभी अधिकारियों को निर्देश दिये कि वे समन्वित प्रयासों से आर्द्रभूमियों को संरक्षित करने की दिशा में ठोस कार्ययोजना तैयार करें, ताकि जिले की प्राकृतिक धरोहरों को सुरक्षित रखा जा सके।

इस महत्वपूर्ण बैठक में जिला विकास अधिकारी शिव प्रताप परमेश, जिला पंचायत राज अधिकारी वीरेंद्र यादव, जिला कृषि रक्षा अधिकारी कुमार एवं संबंधित अधिकारीगण उपस्थित रहे। सौजन्य से सूचना विभाग गौतम बुद्ध नगर।

राष्ट्रीय लोक अदालत की सफलता हेतु राजस्व अधिकारियों के साथ बैठक सम्पन्न

गौतम बुद्ध नगर में 10 मई 2025 को लगेगी राष्ट्रीय लोक अदालत

गौतम बुद्ध नगर 01 मई, 2025 : जनपद गौतम बुद्ध नगर में 10 मई 2025 को आयोजित होने जा रही राष्ट्रीय लोक अदालत को सफल बनाने के लिए आज एक अहम बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की अध्यक्षता अपर जिला जज/सचिव पूर्णकालिक जिला विधिक सेवा प्राधिकरण चंद्र मोहन श्रीवास्तव द्वारा की गई।

बैठक में राजस्व विभाग के अधिकारियों को निर्देशित किया गया कि अधिक से अधिक राजस्व वादों की पहचान कर उन्हें लोक अदालत के लिए चिह्नित किया जाए, ताकि उनका शीघ्र समाधान सुनिश्चित किया जा सके।

अपर जिला जज/सचिव पूर्णकालिक जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने कहा कि राष्ट्रीय लोक अदालत का उद्देश्य आमजन को सरल, सुलभ और त्वरित न्याय उपलब्ध कराना है। इसके लिए सभी संबंधित अधिकारी अपनी जिम्मेदारी को गंभीरता से निभाएं।

अपर जिला जज/सचिव पूर्णकालिक जिला विधिक सेवा प्राधिकरण ने बैठक में प्रचार-प्रसार पर विशेष जोर देते हुए यह भी कहा गया कि लोगों को राष्ट्रीय लोक अदालत की प्रक्रिया और लाभों की जानकारी दी जाए, जिससे वे अधिक से अधिक संख्या में इसका लाभ उठा सकें। बैठक में डिप्टी कलेक्टर/ नोडल अधिकारी वेद प्रकाश पांडेय, एडीसीपी आर.के. गौतम, एसीपी ट्रैफिक शकील मोहम्मद, एसीपी क्राइम वर्णिका, तहसीलदार दादरी ओमप्रकाश पासवान, नायब तहसीलदार रामकृष्ण त्रिपाठी सहित कई अधिकारीगण उपस्थित रहे। सौजन्य सूचना विभाग गौतम बुद्ध नगर

विभिन्न सोसाइटीज में ईवी चार्जिंग स्टेशन और लिफ्ट रजिस्ट्रेशन को लेकर कलेक्ट्रेट में मंथन

बिना रजिस्ट्रेशन वाली लिफ्टों पर प्रशासन सख्त, 15 मई से होगी विधिक कार्यवाही

दैनिक समाज जागरण

गौतम बुद्ध नगर, 01 मई 2025: जिलाधिकारी गौतम बुद्ध नगर मनीष कुमार वर्मा के निदेर्शों के क्रम में जनपद में इलेक्ट्रिक वाहनों को बढ़ावा देने और बहुमंजिला इमारतों में लिफ्ट सुरक्षा सुनिश्चित करने के उद्देश्य से आज कलेक्ट्रेट सभागार में एक महत्वपूर्ण बैठक का आयोजन किया गया। इस बैठक की अध्यक्षता अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार द्वारा की गई।

बैठक में डिप्टी रजिस्ट्रार फर्म्स सोसाइटी एवं चिट्स ऋषभ अग्रवाल ने अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व को अवगत कराया कि जनपद की कुछ सोसाइटीज में अब भी लिफ्ट बिना पंजीकरण के चल रही हैं, जिससे नागरिकों की सुरक्षा को खतरा हो सकता है। वहीं दूसरी ओर, इलेक्ट्रिक वाहनों की संख्या तेजी से बढ़ रही है, मगर ईवी चार्जिंग स्टेशन विभिन्न सोसाइटियों में कम स्थापित हुये है।

इन बिंदुओं पर गंभीरता दिखाते हुए अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व अतुल कुमार ने मुख्य अभियंता उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड गौतम बुद्ध नगर और महाप्रबंधक एनपीसीएल ग्रेटर नोएडा को निर्देशित किया कि विभिन्न सोसाइटी में प्राइवेट चार्जिंग एवं कमर्शियल चार्जिंग पॉइंट के लिए जनपद के समस्त फेडरेशन के पदाधिकारियों को सरकार की नीतियों के संदर्भ में ज्यादा से ज्यादा जागरुक करते हुए सर्वे कर ईवी चार्जिंग स्टेशनों के लिए उपयुक्त स्थान चिन्हित करें।

मुख्य अभियंता उत्तर प्रदेश पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड गौतम बुद्ध नगर द्वारा अवगत कराया गया कि ईवी चार्जिंग पॉइंट सर्वे के लिए सर्विस प्रोवाइडर को निर्देशित कर दिया गया है। अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व द्वारा महाप्रबंधक एनपीसीएल ग्रेटर नोएडा को निर्देशित किया कि उनके द्वारा भी ईवी चार्जिंग पॉइंट के लिए व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाए।

लिफ्ट सुरक्षा के मुद्दे पर अपर जिलाधिकारी वित्त एवं राजस्व ने सख्त रुख अपनाते हुए कहा कि "15 मई 2025 के बाद जनपद में जिन लिफ्टों का रजिस्ट्रेशन नहीं हुआ है उनके विरुद्ध विधिक कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। उन्होंने सभी सोसाइटी पदाधिकारियों को बताया कि निर्धारित समय सीमा के भीतर रजिस्ट्रेशन कराना अनिवार्य है, वरना प्रशासनिक कार्रवाई की जाएगी।

अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर मैसर्स टीसीएस प्रोजेक्ट नोएडा में श्रमिकों के पंजीकरण एवं नवीनीकरण हेतु लगाया गया शिविर

श्रमिकों के हितार्थ चलाई जा रही योजनाओं के संबंध में आयोजित शिविर में दी गई विस्तृत जानकारी , डीएम ने मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित होकर श्रमिकों को कार्य करते हुए उनकी सुरक्षा एवं देश के विकास में उनके महत्वपूर्ण योगदान पर प्रकाश डाला

दैनिक समाज जागरण

गौतम बुद्ध नगर 01 मई 2025: अन्तर्राष्टीय मजदूर दिवस के अवसर पर आज मैसर्स टीसीएस प्रोजेक्ट सेक्टर 157 नोएडा में अपर श्रमायुक्त, गौतमबुद्धनगर सरजू राम की अध्यक्षता में श्रम विभाग द्वारा श्रमिकों के कल्याण हेतु संचालित विभिन्न योजनाओं के प्रचार प्रसार एवं श्रमिको के पंजीकरण/नवीनीकरण हेतु कैम्प का आयोजन किया गया।

अपर श्रम आयुक्त, गौतमबुद्धनगर द्वारा सभी श्रमिकों को मई दिवस की उपयोगिता श्रमिकों के हितार्थ श्रम विभाग द्वारा विभिन्न संचालित योजनाएं एवं वर्तमान में देय मजदूरी की दर की जानकारी देते हुए आयोजन के मुख्य अतिथि मनीष कुमार वर्मा जिलाधिकारी, गौतबुद्धनगर का स्वागत किया।

मुख्य अतिथि जिलाधिकारी गौतमबुद्धनगर द्वारा श्रमिकों को कार्य करते हुए उनकी सुरक्षा एवं देश के विकास में उनके महत्वपूर्ण योगदान के बारे में बताया। जिलाधिकारी ने कैम्प का निरीक्षण करते हुए यह निर्देश दिये कि कैम्प लगा कर जनपद में कार्यशील प्रत्येक निर्माण ईकाईयों पर कार्यरत/नियोजित निर्माण श्रमिकों का शत-प्रतिशत पंजीकरण करा दिया जाय, जिससे कि सरकार द्वारा संचालित योजनओं का पंजीकृत निर्माण श्रमिक अधिक से अधिक लाभ उठा सकें। उन्होंने सेवायोजकों को भी निर्देश दिये कि कार्यस्थल पर कार्यरत सभी श्रमिकों का शत-प्रतिशत पंजीकरण करा लिया जाये। सौजन्य से सूचना विभाग गौतम बुद्ध नगर।

जन विकास समिति धरौरा केराकत के कार्यालय का किया गया उद्घाटन

वाराणसी। केराकत नगर पंचायत अध्यक्ष गोलू जायसवाल द्वारा जन विकास समिति के कार्यालय का उद्घाटन किया गया।संस्था द्वारा कंप्यूटर क्लासेज, सिलाई कोर्स, ब्यूटीशियन कोर्स का प्रशिक्षण केंद्र चलाया जाएगा। संस्था के निर्देशक चंद्रन द्वारा बताया गया कि संस्था पिछले 28 वर्षों से 14000 महिलाओं के 820 स्वयं सहायता समूह के साथ कार्य कर रही है इसके साथ ही साथ सामाजिक उत्थान, महिला सशक्तिकरण, स्वास्थ, दिव्यांग के पुनर्वास, शिक्षा पर कार्य करती आ रही है, संस्था का मुख्य कार्यालय मुर्दहा वाराणसी जनपद में हैं जहां से सारे क्षेत्र के कार्यों का नियंत्रण किया जाता है। कार्यक्रम में व्यापार मण्डल अध्यक्ष मनोज जायसवाल , छितौना प्रधान सुभाष यादव , चौकियां प्रधान सरिता , प्रमोद शुक्ला , रमेश प्रधान , कार्यक्रम अधिकारी अभिषेक मिश्रा , फेलिक्स थॉमस, रंजीत सिंह, सुधा सिंह, अशोक प्रजापति सहित कई लोग उपस्थित थे।

दक्ष एकेडमी टीम के चैंपियन हुए विजयी ,जीता पदक

दैनिक समाज जागरण

वाराणसी। यू एस के ए आई ओपन इंटरनेशनल कराटे प्रतियोगिता में 'दक्ष एकेडमी' के 25 सदस्यीय टीम डा0 विभूति नारायण इंडोर हाल बी०एच० यू० वाराणसी में प्रतिभाग किया।

सभी खिलाड़ीयों ने काता और कुमिते प्रतियोगिता में क्रमश स्वर्ण रजत और कांस्य पदक जीत कर 'दक्ष एकेडमी' का नाम रौशन किया।

जिसमेंअवनी, सोनाली,रोशनी, स्वाती,आकृति,आदेश,श्रेयश, रोहित,मोहित,नवीन, नीलेश ,शिवम , अमित , नागेंद्र, आकांक्षा ,अंजली, रेफरी की भूमिका में खुश्बू, पूजा,सेंसई परमतोष विश्वकर्मा सेंसई अजय कुमार टीम कोच सेंपई सूरज श्रीवास्तव, टीम मैनेजर सेंपई किशन टीम की वापसी पर सभी खिलाडियों का जोरदार स्वागत किया गया।

दीपक गोदारा की क्अर परीक्षा में सफलता पर दिल्ली देहात द्वारा भव्य अभिनंदन समारोह आयोजित

दैनिक समाज जागरण

नई दिल्ली (महेश मिश्रा): भरथल गाँव निवासी युवा दीपक गोदारा की संघ लोक सेवा आयोग की सिविल सेवा परीक्षा में 92वीं रैंक प्राप्त करने पर दिल्ली देहात के लोगों एवं जाट समाज द्वारा उनका भव्य अभिनंदन किया गया। यह कार्यक्रम बमरौली स्थित सुल्तान फार्म हाउस में आयोजित किया गया, जिसमें समाज के अनेक प्रतिष्ठित व्यक्तियों ने भाग लिया। दीपक गोदारा ने कठिन परिश्रम, अनुशासन और समर्पण के बल पर यह प्रतिष्ठित उपलब्धि प्राप्त की है। उनकी इस सफलता से न केवल परिवार, बल्कि सम्पूर्ण समाज गौरवांवित हुआ है।

इस अवसर पर आयोजित समारोह की अध्यक्षता पूर्व विधायक श्री विजय लोचव ने की। कार्यक्रम में राष्ट्रीय युवा चेतना मंच के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं फेडरेशन ऑफ साउथ एंड वेस्ट डिस्ट्रिक्ट वेलफेयर फोरम के चेयरमैन श्री रणबीर सिंह सोलंकी, पालम गांव 360 के प्रधान श्री सुरेंद्र सोलंकी, दादादेव प्रबंधन कमेटी (पालम 12 गांव) के नव-निर्वाचित प्रधान श्री ओमवीर सोलंकी, निगम पार्षद श्रीमती सुनीता रामनिवास, दिलबाग सोलंकी, तेजपाल नसीरपुर सहित अनेक गणमान्य अतिथि उपस्थित रहे। सभी अतिथियों ने दीपक गोदारा को पुष्पगुच्छ भेंट कर सम्मानित किया और उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। इस अवसर पर श्री सुरेंद्र सोलंकी ने कहा, "दीपक समाज के लिए प्रेरणास्त्रोत हैं और वह प्रशासनिक सेवा के माध्यम से समाज का नाम रोशन करेंगे।"

वहीं श्री रणबीर सिंह सोलंकी ने अपने संबोधन में कहा, "दीपक जैसे युवा देश के कर्णधार हैं। उनकी तपस्या और लगन से अन्य युवाओं को भी प्रेरणा लेनी चाहिए। हमें विश्वास है कि वे पारदर्शी और भ्रष्टाचार-मुक्त प्रशासन की दिशा में सकारात्मक योगदान देंगे।"

समारोह का समापन शुभकामनाओं और दीपक गोदारा के उज्ज्वल भविष्य की मंगलकामनाओं के साथ किया गया।

तेज रफ्तार थार ने ई-रिक्शा को मारी टक्कर, शादी से लौट रहे यात्री हुए घायल

दैनिक समाज जागरण
मुस्कान खान जनपद बिजनौर

बिजनौर, शेरकोट बिजनौर जिले के शेरकोट थाना क्षेत्र में एक दर्दनाक सड़क हादसा हुआ है, जिसमें तेज रफ्तार थार गाड़ी ने एक सवारी से भरी ई-रिक्शा को टक्कर मार दी। यह हादसा एनएच-74 पर स्थित मनोकामना मंदिर के पास हुआ, जब एक परिवार शादी समारोह से लौट रहा था ई-रिक्शा में सवार 8-10 लोग, जिनमें बच्चे और बुजुर्ग भी शामिल थे, टक्कर के बाद सड़क से नीचे खाई में गिर गए। इस हादसे में कई लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। मौके पर मौजूद राहगीरों ने तुरंत मदद करते हुए घायलों को खाई से बाहर निकाला और उन्हें नजदीकी अस्पताल पहुंचाया। घायलों में बच्चों के साथ-साथ महिलाओं और बुजुर्गों की भी संख्या थी, जो हादसे में

घायल हो गए। पुलिस ने घटनास्थल पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया और घायलों को अस्पताल भेजा। शुरूआती जांच में पता चला है कि हादसा तेज रफ्तार के कारण हुआ। थार गाड़ी के चालक के खिलाफ पुलिस ने मामला दर्ज कर लिया है और उसकी तलाश शुरू कर दी है।स्थानयो लोगों ने हादसे के बाद सड़क सुरक्षा के नियमों के पालन और तेज रफ्तार पर नियंत्रण की जरूरत को लेकर प्रशासन से सख्त कार्रवाई की मांग की है, ताकि भविष्य में ऐसे हादसों से बचा जा सके। क्या सिखाएगा यह हादसा यह हादसा एक बार फिर हमें यह याद दिलाता है कि रफ्तार का एक पल की लापरवाही कितनी बड़ी तबाही ला सकता है। सड़क सुरक्षा और नियमों का पालन जरूरी है, ताकि किसी के परिवार के सपने टूटने से बच सकें।

नीट परीक्षा निष्पक्ष, पारदर्शी व शुचितापूर्ण ढंग से संपन्न कराएं

नीट परीक्षा 04 मई को 07 परीक्षा केन्द्रों पर 2839 परीक्षार्थी देंगे

आई एम खान/दैनिक समाज जागरण ब्यूरो

बदायूँ। जिलाधिकारी अवनीश राय ने आगामी 04 मई को जनपद के 07 परीक्षा केन्द्रों पर आयोजित होने वाली राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट यू.जी.) 2025 की तैयारियों के संबंध में बैठक की अध्यक्षता करते हुए परीक्षा को सफलतापूर्वक, निष्पक्ष, पारदर्शी व शुचितापूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए कहा। उन्होंने कहा कि सभी व्यवस्थाएं समय से पूर्ण कर ली जाएं। जनपद में कुल 2839 परीक्षार्थी प्रतिभाग करेंगे। परीक्षार्थियों की बायोमेट्रिक उपस्थिति होगी तथा परीक्षा केंद्र पर इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स ले जाना प्रतिबंधित रहेगा। परीक्षा सी.सी.टी.वी. कैमरे की निगरानी में होगी। गुरुवार को कलेक्ट्रेट स्थित अटल बिहारी वाजपेयी सभागार में आहूत बैठक में जिलाधिकारी ने बताया कि सभी 07 परीक्षा केंद्रों पर स्टेटिक मजिस्ट्रेट को नामित कर दिया गया है। उन्होंने बायोमेट्रिक उपस्थिति, सी.सी.टी.वी. कैमरे की स्थापना, फर्नीचर की व्यवस्था, परीक्षा कक्ष में अनुमन्य अधिकतम 24 परीक्षार्थियों के बैठने, साफ सफाई, विद्युत व्यवस्था, क्लॉक रूम, खाद्य सुरक्षा, यातयात, पेयजल, एन.टी.ए. के दिशा निदेशार्नुसार फ्रिस्किंग आदि की व्यवस्था के

संबंध में संबंधित अधिकारियों व केन्द्र व्यवस्थापकों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। परीक्षा केन्द्र के 500 मीटर की परिधि में किसी भी फोटो कॉपी की दुकान, साइबर कैफे तथा पी.सी.ओ. आदि परीक्षा के दौरान नहीं खुलेंगे। जिला विद्यालय निरीक्षक प्रवेश कुमार ने बताया कि जनपद में नीट परीक्षा 04 मई को 07 परीक्षा केंद्रों पर आहुत की जाएगी, जिसमें कुल 2839 परीक्षार्थी प्रतिभाग करेंगे। परीक्षा अपराह्न 02:00 बजे से सायं 05:00 बजे एक पाली में होगी। परीक्षार्थियों को अपने संबंधित परीक्षा केंद्र पर अपराह्न 1:30 बजे तक पहुंचना होगा। उन्होंने बताया कि परीक्षार्थियों की बायोमेट्रिक उपस्थिति की जाएगी, साथ ही परीक्षा केंद्र पर इलेक्ट्रॉनिक गैजेट्स जैसे मोबाइल, केलकुलेटर आदि ले जाना प्रतिबंधित रहेगा। सभी परीक्षा केंद्रो व कक्षों में सीसीटीवी कैमरे की व्यवस्था भी की जाएगी। उन्होंने बताया कि परीक्षा राष्ट्रीय परीक्षण एजेंसी (एन.टी.ए.) द्वारा आयोजित की जा रही है। एक परीक्षा कक्ष में अधिकतम 24 परीक्षार्थी बैठने की व्यवस्था होगी। उन्होंने बताया कि परीक्षा केन्द्र केदारनाथ महिला इण्टर कालेज बदायूँ में 480 परीक्षार्थी, एन.एम.एस.एन. दास पी.जी. कालेज बदायूँ में 480, श्री कृष्णा इण्टर कालेज बदायूँ में 720, पी.एम. श्री राजकीय इण्टर कालेज बदायूँ में 384, पी.एम. श्री राजकीय कन्या इण्टर कालेज बदायूँ में 384, पी.एम. श्री केन्द्रीय विद्यालय शेखूपुर में 288, हाफिज सिददीकी इस्लामियां इण्टर कालेज बदायूँ में 103 परीक्षार्थी परीक्षा देंगे। इस प्रकार कुल 2839 परीक्षार्थी प्रतिभाग करेंगे। इस अवसर पर अपर जिलाधिकारी प्रशासन, नगर मजिस्ट्रेट, परीक्षा केंद्र प्रभारी सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

डीएम ने महिला पीएसी बटालियन के निर्माण कार्यों का किया निरीक्षण

आई एम खान/दैनिक समाज जागरण ब्यूरो

बदायूँ। जिलाधिकारी अवनीश राय ने गुरुवार को तहसील दातागंज के सैजनी में निमार्णाधीन महिला पी.ए.सी. बटालियन के निर्माण कार्यों का अधिकारियों के साथ निरीक्षण किया। उन्होंने नक्शे का अवलोकन कर निर्माण कार्यों के सम्बंध में अधिकारियों व कार्यदायी संस्थाओं के अभियंताओं को निर्देशित किया। उन्होंने बटालियन के समीप पुलिस मॉडल स्कूल बनाए जाने के लिए ग्रामसभा की भूमि को चिन्हित करने के लिए कहा। जिलाधिकारी ने महिला पी.ए.सी. बटालियन में बनाए जा रहे आवासीय व अनावासीय परिसरों के निर्माण की स्थिति को जाना। उन्होंने कहा कि जो निर्माण कार्य शेष हैं उनको जल्द से जल्द पूर्ण किया जाए। उन्होंने निमार्णाधीन भवनों

में पानी की निकासी की स्थिति को भी जाना व इस संबंध में संबंधित को दिशा निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि निर्माण कार्यों में गुणवत्ता का विशेष ध्यान रखा जाए। इस अवसर पर सीडीओ केशव कुमार, एसडीएम दातागंज धर्मेन्द्र कुमार सहित अन्य अधिकारी मौजूद रहे।

असमोली में अवैध खनन पर बड़ी कार्रवाई, दो ट्रैक्टर-ट्रॉली व मिनी जेसीबी जब्त

दैनिक समाज जागरण
मौ० अली नकवी

जनपद सम्भल के असमोली थाना क्षेत्र में अवैध खनन पर प्रशासन ने सख्त रुख अपनाते हुए बड़ी कार्रवाई को अंजाम दिया है। देर रात करीब एक बजे खनन निरीक्षक मोहम्मद हलीम ने मातीपुर ढकतोड़ा गांव में छापेमारी कर अवैध रूप से मिट्टी का खनन करते हुए दो ट्रैक्टर-ट्रॉली और एक मिनी जेसीबी मशीन को मौके से जब्त कर लिया।सूचना मिलने के बाद खनन निरीक्षक तत्काल मौके पर पहुंचे, लेकिन कार्रवाई के दौरान खनन माफिया अंधेरे का फायदा उठाकर भागने में सफल रहे। जब्त किए गए सभी वाहन असमोली थाना

परिसर में सीज कर दिए गए हैं।खनन निरीक्षक मोहम्मद हलीम ने बताया कि जब्त वाहनों पर भारी जुमार्ना लगाया जाएगा और दोषियों के विरुद्ध सख्त कानूनी कार्रवाई अमल में लाई जाएगी। उन्होंने स्पष्ट शब्दों में कहा कि, "खनिज संपदा की लूट किसी भी सूरत में बर्दाश्त नहीं की जाएगी। अवैध खनन करने वालों को किसी भी कीमत पर छोड़ा नहीं जाएगा।"प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, मातीपुर ढकतोड़ा समेत कई अन्य गांवों में अवैध खनन की शिकायतें पूर्व में भी मिल चुकी हैं। ऐसे में पुलिस और खनन विभाग की संयुक्त टीमें लगातार निगरानी रख रही हैं।खनन विभाग की रिपोर्ट के आधार पर जल्द ही आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की जाएगी। साथ ही यह भी जांच की जा रही है कि इस अवैध खनन के पीछे कोई संगठित गिरोह

श्रमिक है विकास का आधार= अजय शर्मा

श्रम विभाग में प्रत्येक श्रमिक का पंजीकरण अनिवार्य= विनोद कुमार शर्मा

दैनिक समाज जागरण

संभल। हिंदू जागृति मंच की ओर से श्रमिक दिवस के अवसर पर 20 श्रमिकों का माल्यार्पण करके और प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया तथा श्रमिक को हर प्रकार के विकास का आधार बताया गया।

तिरंगा मार्केट में आयोजित श्रमिक सम्मान कार्यक्रम को संबोधित करते हुए लेबर इंस्पेक्टर विनोद कुमार शर्मा ने कहा कि प्रत्येक मजदूर को श्रम विभाग में अपना पंजीकरण अवश्य करना चाहिए। श्रम विभाग में पंजीकरण से न केवल श्रमिक बल्कि इसका संपूर्ण परिवार सुरक्षित रहता है और किसी भी घटना दुर्घटना होने पर उसके परिवार के सदस्यों का जीवन यापन सरल भी होता है और सुरक्षित भी। उन्होंने सरकार द्वारा चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं की विस्तृत जानकारी देते हुए सभी श्रमिकों को श्रम विभाग में पंजीकरण करने के लिए प्रोत्साहित किया। हिंदू जागृति मंच के प्रदेश अध्यक्ष अजय कुमार शर्मा ने कहा कि हर प्रकार के विकास का आधार श्रमिक ही है। श्रमिक के बिना किसी भी विकास की कल्पना नहीं की जा सकती।। उन्होंने श्रमिक के जीवन को खुशहाल बनाने के लिए सरकार द्वारा चलाई जा रही सभी योजनाओं का लाभ देने दिलाने की वकालत की।

हिंदू जागृति महिला मंच की जिला अध्यक्ष मीनू रस्तोगी ने कहा कि श्रमिक का पसीना ऐसे मोती के बिंदुओं के समान है जो हर प्रकार के विकास को जन्म देता हैं। उसे सजाता है। उन्होंने 20 श्रमिकों को माल्यार्पण करके प्रतीक चिन्ह देकर अभिनंदन किया और बताया कि श्रमिक को दीन हीन नहीं समझना चाहिए।

मोबाइल रिचार्ज की आड़ में लूट, मिर्ची पाउडर झोंककर युवक से छीने रुपये

दैनिक समाज जागरण
मुस्कान खान जनपद बिजनौर

बिजनौर। जनपद के चांदपुर थाना क्षेत्र में एक चौंकाने वाली घटना सामने आई है, जहां मोबाइल रिचार्ज के बहाने एक युवक की आंखों में मिर्ची पाउडर झोंककर नकदी लूट ली गई। मामले में त्वरित कार्रवाई करते हुए पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है और उनके कब्जे से नकदी, मोबाइल, आधार और एटीएम कार्ड सहित वारदात में इस्तेमाल की गई बाइक बरामद कर ली है।

घटना 30 अप्रैल को नगर के अंबेडकर चौक स्थित मोबाइल दुकान पर हुई, जहां एक युवक रिचार्ज कराने के बहाने आया और मौका पाकर दुकानदार की आंखों में मिर्ची पाउडर फेंक दिया। इसके बाद वह गल्ले से नकदी निकालकर फरार हो गया। पीड़ित सुहैल नूर पुत्र नूर आलम निवासी मोहल्ला कटकई की तहरीर पर पुलिस ने मामला दर्ज किया और जांच शुरू की।

जांच के दौरान पुलिस की पकड़ में तीन युवक आए–फरमान पुत्र उस्मान निवासी ग्राम बगवाड़ा, थाना

स्योहारा, मुज्जमिल पुत्र अनवर और अयान पुत्र मेहराज, दोनों निवासी मोहल्ला सराय रफी, थाना चांदपुर। पूछताछ में तीनों ने साजिश रचकर वारदात को अंजाम देने की बात स्वीकार की। मुज्जमिल और फरमान ने दुकान की रैकी की, और फिर फरमान ने रिचार्ज के बहाने पहुंचकर मिर्ची पाउडर से हमला कर नकदी लूट ली।

पुलिस ने आरोपियों के पास से 7,050 रुपये नकद, तीन मोबाइल फोन, एक मोटरसाइकिल, तीन एटीएम कार्ड और दो आधार कार्ड बरामद किए हैं। जांच में यह भी सामने आया कि फरमान और मुज्जमिल पर पहले से कई संगीन आपराधिक मुकदमे दर्ज हैं, जिनमें अपहरण, जानलेवा हमला, मारपीट और धोखाधड़ी शामिल हैं। अयान की भूमिका भी मुख्य रूप से सक्रिय रही। इस सफल कार्रवाई में थाना प्रभारी संजय तोमर, स्वाट प्रभारी सतीश मलिक, सर्विलांस प्रभारी विकास कुमार सहित पुलिस टीम के अन्य सदस्य शामिल रहे। पुलिस अब इस गिरोह की पूर्व आपराधिक गतिविधियों की गहराई से जांच कर रही है।

निर्माण कार्यों में किसी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं - अवनीश राय

डीएम ने किया स्टेडियम के निर्माण कार्यों का निरीक्षण

आई एम खान/दैनिक समाज जागरण ब्यूरो

बदायूं। जिलाधिकारी अवनीश राय ने गुरुवार को स्टेडियम बदायूँ में खेल अवस्थापनाओं के जीर्णोद्वार व अन्य कराए जा रहे कार्यों का स्थलीय निरीक्षण करते हुए कार्यदायी संस्था यू.पी. सिडको के अधिकारियों से कहा कि यह सुनिश्चित किया जाए कि निर्माण कार्यों में अद्योमानक निर्माण सामग्री का प्रयोग न हो। निर्माण कार्यों में किसी प्रकार का समझौता स्वीकार नहीं होगा अन्यथा कड़ी कार्यवाही अमल में लाई जाएगी। कार्यों की गुणवत्ता व समयबद्धता का विशेष ध्यान रखा

जाए। अनुमन्य स्वीकृति के अनुरूप ही निर्माण कार्य कराए जाएं।

जिलाधिकारी के स्थलीय निरीक्षण के दौरान उनके संज्ञान में आया कि निर्माण कार्यों हेतु 977.82 लाख रुपए की स्वीकृति प्राप्त हुई है। वर्तमान में बालीवॉल कोर्ट, परिसर से पानी की निकासी हेतु नाली का निर्माण व मल्टीपरपज हॉल के जीर्णोद्वार व आर्चरी शेड, क्रिकेट की दो पिच, का निर्माण कार्य प्रगति में है। जिसको पूर्ण करने की समय सीमा फरवरी 2026 है। इस अवसर पर सीडीओ केशव कुमार, कार्यदायी संस्था यूपी सिडको के अभियंता आदि मौजूद रहे।

बिसौली : नाले में मिला युवक का शव, पुलिस जांच में जुटी

आई एम खान/दैनिक समाज जागरण ब्यूरो

बिसौली बदायूं। नगर के मुरादाबाद - फरुर्खाबाद हाईवे पर शराब की दुकान के निकट नाले में एक युवक का शव मिलने से सनसनी फैल गई। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए जिला मुख्यालय भेज दिया।

गुरुवार को रामलीला ग्राउंड के पास शराब की दुकान के समीप नाले में शव मिलने से हड़कंप मच गया। वहीं सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को नाले से बाहर निकलवाया। लोगों ने शव की पहचान नीरज सिंह पुत्र ठाकुर रामवीर सिंह निवासी बिसौली

जो की घड़ी मिस्त्री था और अविवाहित था। मृतक बुधवार शाम से घर से निकला हुआ था। जानकारी के अनुसार युवक शराब पीने का आदी था, हो सकता है कि नशे की हालत में नाले में डूबने से उसकी मौत हो गई हो। इंस्पेक्टर हरेंद्र सिंह ने बताया कि शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया गया है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।पोस्टमार्टम रिपोर्ट और परिजनों की तहरीर के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जिला अधिकारी संभल बहजोई के आफिस पर धरना करने के बाद ज्ञापन सौंपा

दैनिक समाज जागरण/पबांसा, बहजोई संवाददाता

जिला अध्यक्ष ने कहा आज प्रदेश कानून व्यवस्था ठीक नहीं है उन्होंने कहा हमारी पार्टी के दलित सांसद रामजी लाल सुमन का योगी सरकार उत्पीड़न कर रही है धरना संबोधित करते हुए संभल विधायक नबाब इकबाल महमूद ने कहा प्रदेश में जंगलराज कायम है दलितो का उत्पीड़न हो रहा है सांसद सुरक्षित नहीं है विधायक पिंकी सिंह यादव ने कहा रामराज्य की बात करने बाले आज प्रदेश न्याय नहीं दे पा रहे,विधायक राम खिलाड़ी यादव ने कहा दलित पिछड़ो का उत्पीड़न बन्द करे, सरकार ज्ञापन में समाजवादी पार्टी के दलित सांसद श्री राम जी लाल सुमन पर करणी सेना द्वारा हो रहे लगातार हमले के बाबजूद योगी सरकार द्वारा मुकदमा दर्ज न कर संविधान का मजाक वना दिया है समाजवादी पार्टी संभल करणी सेना

के खिलाफ मुकदमा दर्ज करने की मांग करती हैं एवं दलित सांसद रामजी लाल सुमन को सुरक्षा की मांग करती हैं धरना में कृष्ण मुरारी शंखधार जिला महासचिव संभल नेत्र पाल सिंह यादव जिला अध्यक्ष अधिवक्ता प्रकोष्ठ फिरोज खान पूर्व जिला अध्यक्ष संभल, एड. राम रईस यादव जिला उपाध्यक्ष, मास्टर अशोक यादव संभावित प्रत्याशी 13 वार्ड,सद्दाम कुरेशी सुभाष बालिमिक उमेश यादव शोभित कुमार काका बलवंत सिंह, उमेश गुप्ता सुभाष पाल सिन्धु यादव सुनील यादव वीरेश पाल सिंह मनवीर सिंह मुनीष यादव शारद पाल बोबी यादव राहुल यादव प्रेम सिंह हर किशोर सुनील जाटव जितेन्द्र सिंह जाटव एड.अशोक राणा मौ इरफान मौ नफीस सुनील यादव रघुवीर सिंह सोनू यादव कादिर राणा गौरव यादव विवेक शर्मा मनोज शर्मा सौरज सिंह बब्बन मोर्या निकुंज गंगवार पूरन लाल मौर्य ओम प्रकाश प्रजापति अन्य पिछड़ा वर्ग जिला अध्यक्ष, रविन्द्र सिंह विजय यादव सुनील यादव पूरन लाल मौर्य कामरेड रेवाराम विजय यादव अशोक कुमार राणा आदि।

सपा द्वारा बाबा साहेब के अपमान पर भाजपा का प्रदर्शन, शंकर स्कूल चौराहे पर फूंका गया अखिलेश यादव का पुतला

जिला अध्यक्ष चौधरी हरेंद्र सिंह के नेतृत्व में हुआ विरोध प्रदर्शन

दैनिक समाज जागरण
मौ० अली नकवी

भारतीय जनता पार्टी संभल इकाई ने समाजवादी पार्टी द्वारा बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर का अपमान किए जाने के विरोध में जोरदार प्रदर्शन किया। पार्टी कार्यकताओं ने जिला अध्यक्ष चौधरी हरेंद्र सिंह के नेतृत्व में शंकर स्कूल चौराहे पर समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव का पुतला दहन कर विरोध दर्ज कराया।इस अवसर पर चौधरी हरेंद्र सिंह ने कहा कि समाजवादी पार्टी द्वारा एक कार्यक्रम में बाबा साहेब भीमराव अंबेडकर और अखिलेश यादव का आधा-आधा फोटो लगाकर दोनों की तुलना की गई है, जो अत्यंत निंदनीय है। उन्होंने

कहा, "जो व्यक्ति अपने पिता का सम्मान नहीं कर सकता, वह देश के संविधान निमार्ता का क्या सम्मान करेगा?"

जिला अध्यक्ष ने इसे बाबा साहेब के विचारों और योगदान का अपमान बताते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी इस कृत्य की कड़े शब्दों में निंदा करती है और समाज के हर वर्ग में इसके प्रति जागरूकता फैलाकर विरोध जारी रखेगी। इस विरोध प्रदर्शन में जिला महामंत्री अर्जुन वाल्मीकि, विपिन गुप्ता, मुकुल कुमार रस्तोगी, जयप्रकाश गुप्ता, सौरभ गुप्ता, सोनू चहल, ऋतिक, महावीर, कशिश कौशल, शोभित गुप्ता, गोपाल शर्मा, सुनील राजपूत, आलोक भारती सहित अनेक पदाधिकारी और कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

दो बाइकों की भिड़ंत में तीन बाइक सवार घायल

दैनिक समाज जागरण मुस्कान खान जनपद बिजनौर

स्योहारा नूरपुर मार्ग पर उसे समय अफरातफरी मच गई जब दो बाइकों की

भिड़ंत में उन पर सवार तीन लोग गंभीर रूप से घायल हुए जिन्हें राहगीरों और पुलिस की मदद से सीएससी लाया गया

प्राप्त समाचार के अनुसार सादिक पुत्र मेहदी हसन ग्राम रावटी थाना चांदपुर दूसरी बाइक पर सवार अक्षय पुत्र सतपाल सिंह ग्राम मड्डयो थाना ठाकुरद्वारा व अन्य तीसरा युवक बाइक पर सवार होकर जा रहे थे तभी यहां नूरपुर मार्ग स्थित कुरी वाली नहर के पास दोनों की बाइक आपस में टकरा गई जिस कारण बाइक पर सवार तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए जीने राहगीरों की मदद से सीएससी लाया गया जहां से उनकी हालत चिंताजनक देखते हुए हायर सेंटर रेफर कर दिया गया जबकि तीनों के परिवार में गम का महौल बना हुआ है

ग्राम उद्योग बोर्ड लखनऊ द्वारा पॉपकोर्न मेकिंग मशीन वितरण किए जाने की योजना आयोजित

दैनिक समाज जागरण मुस्कान खान जनपद बिजनौर

बिजनौर उ०प्र० खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड, लखनऊ द्वारा ग्रामीण क्षेत्र में बढती बेरोजगारी के समाधान करने हेतु खादी नीति के अन्तर्गत, मुख्य कार्यपालक अधिकारी महोदय के पत्र सं० 139-231 दिनांक 28.04.2025 द्वारा वित्तीय वर्ष 2025-26 हेतु जनपद को दस पॉपकोर्न मेकिंग मशीन वितरण का लक्ष्य प्राप्त हुआ है। जिसके सापेक्ष जनपद में भुर्जी समाज के आवेदक आवश्यक प्रपत्रों के साथ विभागीय वेवसाईट ४स्त्र'ॅ्रु.ङ्क्रप्.ल्ल की ऑनलाईन सेवाओं के अन्तर्गत 'ऑनलाईन टूलकिट्स पंजीकरण एवं आवंटन' में आवेदन कर सकते हैं। आवेदक दिनांक 15.05.2025 तक आवेदन कर सकते हैं। आवेदन करने हेतु आवश्यक प्रपत्रः आधार कार्ड, जाति प्रमाण पत्र, फोटो, राशन कार्ड, शैक्षिक योग्यता प्रमाण पत्र।

अधिक जानकारी के लिये जिला ग्रामोद्योग कार्यालय बिजनौर से सम्पर्क कर सकते हैं सम्पर्क सूत्र, 9412657090, 9411044303, 7408410821

पेंशनर्स अपना जीवित प्रमाण पत्र जमा अथवा अपलोड करें

आई एम खान/दैनिक समाज जागरण ब्यूरो

बदायूँ। वरिष्ठ कोषाधिकारी विकास चौधरी ने कहा कि ऐसे समस्त पेंशनर व पारिवारिक पेंशनर जो कोषागार बदायूँ द्वारा पेंशन प्राप्त कर रहे हैं, जिन्होंने अपना जीवित प्रमाण पत्र अद्यतन जमा नहीं किया है। उनसे अपेक्षा की है कि वह अपना जीवित प्रमाण पत्र कोषागार कार्यालय में अथवा ऑनलाइन जीवन प्रमाण पत्र की वेवसाइट पर जमा अथवा अपलोड कर दें, जिससे उनकी पेंशन ससमय उनके बैंक खातो में प्रेषित की जा सके। उन्होंने बताया कि इस सम्बंध में कोषागार निदेशालय लखनऊ द्वारा भी प्रत्येक त्रैमास में प्रचार प्रसार कराने के निर्देश दिए गए हैं।

जायंट्स ग्रुप महिला समृद्धि ने मई दिवस पर मजदूरों को किया सम्मानित

आई एम खान/दैनिक समाज जागरण ब्यूरो

बिसौली बदायूं। जायंट्स ग्रुप ऑफ महिला समृद्धि द्वारा 1 मई मजदूर दिवस के अवसर पर मजदूरों को सम्मानित किया गया। जिसके अंतर्गत मजदूरों को

ग्रुप की तरफ से सम्मानित किया गया। ग्रुप की अध्यक्षा अंजली अग्रवाल ने कहा कि कोई खेत में, कोई दफ्तर में काम करता है। उनकी गैर-मौजूदगी में मंजिल हमेशा दूर है, जो आपके ख्वाबों को पूरा करते है वो मजदूर है। इसलिए हमें सदा मजदूरों का सम्मान करना चाहिए। ग्रुप की सचिव आंचल वार्ष्णेय, कोषाध्यक्ष ऋतु साहनी, स्वाति गुप्ता, रूपम गुप्ता, सरिता वार्ष्णेय, ममता यादव, पारुल अग्रवाल, मानसी, शिवानी, रोचन, राखी, मेघा, स्मिता, रुबी, अंशिका, रोजी, कंचन, पिंकी, रुचि, सपना, सिम्मी, राधिका, रेनू आदि सदस्य उपस्थित रहे।

हज यात्रियों के लिए जरूरी हैं नुसुक कार्ड व हज सुविधा एप 2.0

आई एम खान/दैनिक समाज जागरण ब्यूरो

बदायूँ। जिला अल्पसंख्यक कल्याण अधिकारी मो. खालिद ने जानकारी देते हुए बताया कि हज कमेटी ऑफ इण्डिया द्वारा हज - 2025 के यात्रियों को यह खास निर्देश दिये गये हैं कि सऊदी अरब पहुँचने पर प्रत्येक हज यात्री को नुसुक कार्ड मिलेगा जो हज यात्री के लिए एक सरकारी पहचान पत्र होगा, जिसे वह अपने साथ हर समय रखें। सऊदी अरब में विभिन्न स्थानों जैसे मक्का, मदीना, मिना, अराफात व मुज्दलिफा की यात्राओं के समय नुसुक कार्ड हज यात्री के पास न उपलब्ध होने की दशा में कभी भी स्थानीय प्रशासन द्वारा उन्हें रोका जा सकता है। जिससे उन्हें कठिनाईयों का सामना करना पड़ सकता है। उन्होंने यह भी जानकारी दी है कि हज यात्रियों की सुविधा हेतु हज कमेटी ऑफ इण्डिया ने हज सुविधा एप 2.0 जारी किया है जो गूगल प्ले स्टोर या एपल एप स्टोर से डाउनलोड किया जा सकता है। इससे हज यात्रियों को उड़ान व वीजा की सूचना, शिकायत का निस्तारण, मक्का, मदीना, मिना, अराफात में जीपीएस के उपयोग से मार्गदर्शन, हज यात्री का चिकित्सीय इतिहास प्रबंधन, नमाज का समय, किबला रूख, आध्यात्मिक संसाधन, बैगेज ट्रैकिंग आदि में सुविधा मिलेगी।

कैल में क्रिकेट टूनार्मेंट का फीता काट किया उद्घाटन ब्लॉक प्रमुख

दैनिक समाज जागरण

गुन्नौर।गुन्नौर तहसील क्षेत्र गांव कैल में गुरुवार को क्रिकेट टूनार्मेंट का उद्घाटन मुख्य अतिथि ब्लॉक प्रमुख आशीष कुमार उर्फ हनी यादव ने फीता

काटकर शुभारंभ किया वही खिलाडियों के साथ प्रतिभाग कर छक्का लगाकर खेल की शुरूआत की गई जहां खिलाड़ियों का उत्साह बर्धन किया गया और उनसे हाथ मिलाकर खिलाडियों का हौसला बढ़ाया।
इस मौके पर ग्रामीण मौजूद रहे ।

डीएम ने जल जीवन मिशन के तहत हर घर जल योजना की समीक्षा

दैनिक समाज जागरण
अहोराम राजौरिया

अलीगढ़ : जिलाधिकारी संजीव रंजन की अध्यक्षता में कलैक्ट्रेट सभागार में गुरूवार को जल जीवन मिशन के तहत हर घर नल-हर घर जल योजना की समीक्षा की गई। बैठक में सीडीओ प्रखर कुमार सिंह, एक्सईएन लोकेश शर्मा, सभी बीडीओ एवं कार्यदायी संस्थाओं के प्रतिनिधि उपस्थित रहे। डीएम ने विगत दिनों सीडीओ द्वारा की गई 04 विकासखण्डों समीक्षा एवं बीडीओ द्वारा किए गए निरीक्षणों का हवाला देते हुए कहा कि बैठक में प्रस्तुत आंकड़ों एवं धरातल पर हुए वास्तविक कार्य में बहुत अंतर है। उन्होंने अधिशासी अभियंता को निर्देशित किया कि कार्यदायी संस्थाओं से धरातल पर गुणवत्तापरक कार्य कराना सुनिश्चित किया जाए। जिलाधिकारी ने सभी कार्यदायी संस्थाओं को निर्देशित किया कि

प्रस्तुत रिपोर्ट के अनुसार कार्य के प्रत्येक चरण में माह के अंत तक 25 प्रतिशत की प्रगति करना सुनिश्चित करें ताकि योजना का वास्तविक लाभ आमजन को मिल सके। उन्होंने कहा कि वर्तमान में गर्मी का प्रकोप अपने चरम पर है ऐसे में आमजन को शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराना शासन-प्रशासन की प्राथमिकता में शामिल है, धरातल पर कार्य करते हुए रेगुलर वाटर सप्लाई को बढ़ाया जाए। उन्होंने खोदी गई सड़कों का गुणवत्तापरक री-स्टोरेशन सुनिश्चित करने के लिए री-स्टोरेशन कार्यों की सूची सभी खण्ड विकास अधिकारियों को उपलब्ध कराने के निर्देश दिए ताकि उनका सत्यापन कराया जा सके। डीएम ने आकांक्षी ब्लॉक गंगीरी को प्राथमिकता देते हुए योजना का आमजन को शत-प्रतिशत लाभ देने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जिन स्थानों पर रिक्त स्थान है वहां समुचित वृक्षारोपण भी कराया जाए।

सपा सांसद पर हमले के विरोध में प्रदर्शन के दौरान पुलिस के साथ हुई धक्का-मुक्की

दैनिक समाज जागरण
अहोराम राजौरिया

अलीगढ़ : गुरुवार को समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं ने कलेक्ट्रेट के बाहर प्रदर्शन किया, कार्यकताओं ने सपा राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन पर हुए हमले का विरोध जताया। प्रदर्शन के दौरान सरकार विरोधी नारे लगाए गए। कलेक्ट्रेट के बाहर बड़ी संख्या में पुलिस और पीएसी तैनात की गई। सपा जिलाध्यक्ष लक्ष्मी धनगर ने सरकार पर सांसद की हत्या कराने का आरोप लगाया, उन्होंने कहा कि पुलिस ने कार्यवाही के नाम पर सिर्फ खानापूर्ति की है।सपा कार्यकताओं ने एडीएम सिटी अमित कुमार भट्ट को राष्ट्रपति

के नाम ज्ञापन सौंपा, इसके बाद सपा छात्र सभा के कार्यकर्ता पुतला जलाने के लिए आगे बढ़े। पुलिस ने पुतला छीनने का प्रयास किया, इस दौरान कार्यकताओं और पुलिस के बीच धक्का-मुक्की हुई, पुलिस क्षेत्राधिकारी अभय पांडेय भी इस झड़प में शामिल रहे। पूर्व जिला अध्यक्ष गिरीश यादव ने कहा कि रामजीलाल सुमन पर लगातार हमले सरकार के इशारे पर हो रहे हैं। इसलिए पुलिस कोई कड़ी कार्रवाई नहीं कर रही। कार्यकताओं ने राष्ट्रपति से सांसद रामजीलाल सुमन की सुरक्षा बढ़ाने की मॉग की है।

हॉर्न बजाने पर पत्रकार पर जान लेवा हमला कर कार के शीशे तोडे

दैनिक समाज जागरण - अहोराम राजौरिया

अलीगढ़ : थाना सिविल क्षेत्रार्गत जमालपुर में गत रात्रि एक पत्रकार की

कार पर नकाबपोश ने मारपीट हमला बोल दिया। क्वार्सी क्षेत्र निवासी रॉकी उर्फ आलोक जो एक समाचार पत्र और न्यूज चैनल में कैमरा मैन हैं, अपने कार्यालय से घर लौट रहे थे। बुधवार की रात्रि को रॉकी अकेले अपनी कार अपने घर जा रहे था, जमालपुर में ट्रैफिक के कारण उसने हॉर्न बजाया, तभी नकाबपोश हमलावरों ने उनकी कार रोक ली। हमलावरों ने पहले कार में तोड़फोड़ की और फिर आलोक को कार से बाहर खींच लिया। आलोक ने जब अपने मोबाइल से वीडियो बनाना शुरू किया तो एक हमलावर कार पर चढ़ गया और कार के शीशा तोड़ दिया।

हमलावरों ने आलोक के साथ मारपीट की और जान से मारने की धमकी देकर फरार हो गए, सूचना मिलते ही जमालपुर चौकी प्रभारी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। पुलिस ने घटनास्थल का निरीक्षण किया और स्थानीय लोगों की मदद से बदमाशों की पहचान की है। इस संबंध में उन्होने थाना सिविल लाइन में तहरीर दे दी है, पुलिस मामले की जॉच करते हुए आरोपियों की तलाश कर रही है।

एक राष्ट्र एक चुनाव देश का बड़ा बदलाव : धनखड़

दैनिक समाज जागरण
अहोराम राजौरिया

अलीगढ़ : मंगलायतन विश्वविद्यालय में एक राष्ट्र एक चुनाव विषय पर युवा परिचर्चा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। आयोजन का उद्देश्य युवाओं को देश की चुनाव प्रणाली में संभावित सुधारों को लेकर जागरूक करना था। वक्ताओं ने युवाओं को संबोधित करते हुए एक राष्ट्र एक चुनाव की आवश्यकता और संभावनाओं पर प्रकाश डाला। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि भाजपा के राष्ट्रीय सचिव ओम प्रकाश धनखड़, विशिष्ट अतिथि कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी नारायण चैधरी, मंगलायतन विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. पीके दशोरा व कुलसचिव ब्रिगेडियर समरवीर सिंह रहे। कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती के सम्मुख दीप प्रज्वलित करके किया गया। मुख्य अतिथि ओम प्रकाश धनखड़ ने कहा कि बार-बार चुनाव से देश की विकास प्रक्रिया बाधित होती है और सरकारी संसाधनों का अत्यधिक व्यय होता है। यदि देश में एक साथ चुनाव कराए जाएं तो इससे समय और धन दोनों की बचत होगी।एक बड़ी ऊर्जा चुनाव संपन्न कराने में चली जाती है। एक राष्ट्र एक चुनाव को जनमत बनाने के लिए उन्होंने युवाओं से आह्वान करते हुए कहा कि यह देश का बहुत बड़ा बदलाव होगा। कैबिनेट मंत्री लक्ष्मी नारायण चैधरी

ने युवाओं से एक राष्ट्र एक चुनाव जैसे मुद्दे पर जागरूक रहने की बात कहते हुए कहा कि यह भ्रष्टाचार की राजनीति को खत्म करने के लिए जरूरी कदम है। क्योंकि बार-बार चुनाव होने से नेता व अधिकारी इसी में व्यस्त रहते हैं। इससे देश का विकास बाधित होता। इस बदलाव को युवाओं के बिना किया जाना संभव नहीं है। कुलपति प्रो. पीके दशोरा ने कहा कि राष्ट्र हमारी संकल्पनाओं में है, हमें अपनी ताकत व आत्मबल से उजाला फैलाना है। जब हम सभी एक दिशा में सोचेंगे तभी संकटों से मुक्ति पाएंगे। चुनाव में होने वाला खर्च यदि विकास में लगेगा तो देश की विकास दर में वृद्धि होगी। हमारा भारत विश्व गुरु बनेगा और हम दुनिया का नेतृत्व करेंगे। वहीं कुलसचिव ब्रिगेडियर समरवीर सिंह ने अतिथियों को परिचय कराते हुए युवाओं से जागरूक रहने का आह्वान किया। अतिथियों को प्रतीक चिन्ह देकर सम्मानित किया गया। आभार व्यक्त धर्मवीर सिंह लोधी व संचालन प्रमेंद्र पाल सिंह गुड्डू ने किया। व्यवस्थाओं में प्रशासनिक अधिकारी गोपाल राजपूत का सहयोग रहा। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष विजया सिंह, जिलाध्यक्ष कृष्णपाल सिंह, खैर विधायक सुरेंद्र दिलेर, कोल इंडिया की डायरेक्टर शशि सिंह, मनीष गौतम आदि थे। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ।

तहसीलों का निजीकरण नहीं होंगे देंगे: विजय तेवतिया

दैनिक समाज जागरण
अहोराम राजौरिया

अलीगढ़ : उ0प्र0 सरकार द्वारा उत्तर प्रदेश की तहसीलों में खोले जा रहे फ्रंट ऑफिस के विरोध में विगत नौ दिनों से अलीगढ़ जनपद की कोल तहसील सहित समस्त तहसीलों में धरना प्रदर्शन जारी है। जिसके चलते गुरूवार को तहसील कोल में राजस्व बार एसोसिएशन के नेतृत्व में धरना स्थल पर एक पत्रकारवार्ता का आयोजन किया गया। पत्रकार वार्ता को सम्बोधित करते हुये अध्यक्ष विजय सिंह तेवतिया ने कहा कि उ0प्र0 सरकार की मंशा तहसीलों में फ्रंट ऑफिस खोलने के माध्यम से तहसीलों का निजीकरण करने की है। समाचार पत्रों के माध्यम से ज्ञात हुआ है कि फ्रंट ऑफिस खुलने से प्राईवेट कम्पनी के कर्मचारियों द्वारा ही रजिस्ट्री से सम्बन्धित सभी कार्य किये जायेंगे, जिससे अधिवक्ता, कातिब, स्टाम्प वेण्डर, टाईपिस्ट सहित अन्य लोग बेरोजगार हो जायेंगे। साथ ही उन्होंने कहा कि विगत 14 नवम्बर 2024 को प्रकाशित समाचार पत्रों की खबरे कि ह्यप्रदेश में बनेंगे निबंधन मित्र, कैबिनेट में रखा जायेगा प्रस्तावह्न से साफ है कि सरकार प्रदेश की तहसीलों में कार्यरत हजारों लोंगो बेरोजगार करने जा रही है, जिससे उनके परिवारों पर रोजी रोटी का खतरा मंडरा रहा है। जब इस सम्बन्ध में जिला प्रशासन, आई0जी0 व डी0आई0जी0 स्टाम्प व उपनिबन्धकों से सम्पर्क किया तो उन्होंने गुमराह करते हुये कहा कि फ्रंट ऑफिस का मतलब है कि उपनिबन्धक कार्यालयों में पर्याप्त सुविधाओं को देना है जैसे शौचालय, बैठने की उचित व्यवस्था, कम्प्यूटरों की संख्या बढ़ाना आदि। साथ ही उन्होंने कहा कि सरकार इस नीति को पूरे उ0प्र0 में एक साथ लागू नहीं कर रही है क्योंकि सरकार को डर है कि इस नीति को उ0प्र0 में एक साथ लागू होने से सभी अधिवक्ता, कातिब, स्टाम्प वेण्डर, टाईपिस्ट एक साथ आंदोलनरत हो जायेंगे, इसलिये

सरकार ने फूट डालों की राजनीति करते हुये प्रदेश में फिलहाल कुछ ही तहसीलों का चयन किया जिससे पूरा उ0प्र0 आंदोलनरत न हो। विजय सिंह तेवतिया ने कहा कि यदि प्रदेश सरकार जल्द ही फ्रंट ऑफिस खोलने के अपने निर्णय को वापस नहीं लेती है तो यह आंदोलन पूरे उ0प्र0 की सभी तहसीलों में होगा। वर्तमान में यह आंदोलन गोरखपुर, आगरा, हाथरस, मथुरा सभी तहसीलों में जारी है। इस मौके पर महेन्द्र सिंह धाकड़े, अनुज राघव, दीपक वर्मा, भूप सिंह, ओ0पी0 सिंह, चतुर सिंह, विवेक आनन्द, अतर सिंह, सुरेश बाबू, प्रदीप शर्मा, अवधेश चौहान, सत्यप्रकाश तौमर, आशीष सौखिया आदि उपस्थित रहे।

शॉर्ट सर्किट से जिला अस्पताल में लगी आग

दैनिक समाज जागरण - अहोराम राजौरिया

अलीगढ़ : मलखान सिंह जिला अस्पताल में गुरुवार सुबह सीएमएस

कार्यालय में अचानक आग लग गई। आग लगते ही अस्पताल में अफरा-तफरी मच गई। मौके पर मौजूद सुरक्षाकर्मी और स्टाफ तुरंत हरकत में आए, उन्होंने अस्पताल में रखे अग्निशमन यंत्रों से आग पर काबू पा लिया। प्रारंभिक जॉच में आग का कारण शॉर्ट सर्किट बताया जा रहा है। हादसे में किसी की जान को कोई नुकसान नहीं पहुंचा। हालांकि, कार्यालय में रखा सामान जलकर राख हो गया। दमकल विभाग को सूचना दी गई, लेकिन कोई दमकल कर्मी या गाड़ी मौके पर नहीं पहुंची। तो वहीं अस्पताल प्रशासन अब आग से हुए नुकसान का आकलन कर रहा है, स्टाफ की सूझबूझ से बड़ी दुर्घटना टल गई।

फर्जी जाति प्रमाण पत्र बनाने वाले पो पुलिस ने पकड़ा

दैनिक समाज जागरण

फिरोजाबाद। थाना खैरगढ पुलिस ने जालसाजी से फर्जी जाति प्रमाण पत्र बनवाकर अपनी जाति बदलने वाले शातिर अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसे जेल भेजा है।

प्रभारी निरीक्षक मनोज कुमार थाना खैरगढ ने पुलिस बल के साथ चैकिंग के दौरान एक जालसाज को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसे निकाऊ मोड थाना खैरगढ से गिरफ्तार किया है।

पुलिस को उसके बारे में पता चला था।

पुलिस ने पकड़े अभियुक्त का नाम नरेश सिंह पुत्र सूरज सिंह बताया है। वह निकाऊ थाना खैरगढ का रहने वाला है।

थाना प्रभारी ने बताया नरेश ने जालसाजी से फर्जी जाति प्रमाण पत्र बनवाकर अपनी जाति बदल ली थी। उसके खिलाफ थाने पर धारा 318(4), 338, 336(3), 340(2) बीएनएस के तहत मुकदमा दर्ज था।

पुलिस ने उसे कार्यवाही कर जेल भेजा है।

महिला शक्ति ने लगाया निशुल्क समर कैंप

दैनिक समाज जागरण - ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद! जायंटस ग्रुप आफ महिला शक्ति द्वारा उच्च माध्यमिक विद्यालय ,कटरा पठानन मे 1 मई से बच्चो के लिए एक माह का नि शुल्क समर कैप का शुभारंभ किया इस सरकारी स्कूल में बहुत ही जरूरतमंद परिवार के बच्चे पढ़ते हैं।

अध्यक्ष प्राची अग्रवाल ने बताया कि इस समर कैंप को लगवाने का उद्देश्य बच्चो को समय समय पर पढाई से हट कर भी कुछ गतिविधिया जरुर सिखनी चाहिए जिससे बच्चो मे कुछ कलात्मक कार्य एवम रचनात्मक कार्य भी उभरकर आये । मई के महीने में बच्चों को पढ़ाई से हटकर कुछ करने का समय मिलता है इन बच्चों को शिविर में जो रचनात्मक कलाएँ सिखाई जा रही है उससे भविष्य में वे अपनी आजीविका के रूप में भी काम कर सकते हैं

उ्ढअ रीना गर्ग ने बताया कि इस एक माह के शिविर में बच्चों को डिजाइनर मेहंदी ,एनवेलप मेकिंग ,रंगोली ,रोली चावल की पैकिंग ,राखी ,हैंडीक्राफ्ट के आइटम ,कैंडल मेकिंग आदि रचनात्मक कलाएँ सिखायी जाएंगी

उ्ढत्रद्वीपा अग्रवाल ने बताया कि गर्मी की वजह से बच्चे दोबारा स्कूल नहीं आना चाहते इसलिए यह रचनात्मक कार्य बच्चों की पढ़ाई के बाद वहीं पर स्कूल में ही सिखाये जाएँगे

प्रोजेक्ट कोर्डिनेटर श्रीमती कल्पना राजोरिया जोकि इस स्कूल की प्रधानाचार्या भी है उन्होंने महिला शक्ति के प्रयासों की बहुत ही प्रशंसा की ।

ग्रुप की पूर्व अध्यक्षा बिना चौहान दीपा अग्रवाल तनु माथुर आदि सदस्यों की सहभागिता रही

एम डी जैन इंटर कॉलेज में विद्यार्थियों ने किया संविधान की प्रस्तावना का पाठ

दैनिक समाज जागरण

सिरसागंज! नगर के प्रतिष्ठित विद्यालय श्री एम डी जैन इंटर कॉलेज, सिरसागंज में विद्यालय के प्रधानाचार्य नीरज जैन के निर्देशन एवं विद्यालय के प्रवक्ता अश्वनी कुमार जैन के संयोजन में कक्षा 12 के विद्यार्थियों ने संविधान की प्रस्तावना का पाठ किया गया।

अश्वनी कुमार जैन ने विद्यार्थियों को भारत के संविधान की प्रस्तावना का पाठ कराते हुए कि हम भारत के लोग भारत को एक सम्पूर्ण प्रभुत्व सम्पन्न समाजवादी, पंथनिरपेक्ष, लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए तथा उसके समस्त नागरिकों को सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय, विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म और उपासना की स्वतंत्रता, प्रतिष्ठा और अवसर की समता प्राप्त कराने के लिए तथा उन सब में व्यक्ति की गरिमा और राष्ट्र की एकता और अखंडता सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए दृढ़ संकल्प होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर 1949 ई. मिति मार्गशीर्ष शुक्ल सप्तमी सम्वत दो हजार छ विक्रमी को एतद्द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं। इस अवसर पर कु मोनिका, रोशनी, रजनी, शिखा, खुशी, ज्योति, कुलसुम, रिया, सिमरन, डौली, आयशा, लक्ष्मी, मोहिनी, रागिनी, रोशनी, विशाल, देवेन्द्र कुमार, शुभम प्रताप सिंह आदि विद्यार्थी उपस्थित रहे।

सपा सांसद पर हमला और बिगड़ती कानून व्यवस्था को लेकर पार्टी के कार्यकताओं ने धरना देकर ज्ञापन सौपा

दैनिक समाज जागरण- ब्रजमोहन सिंह

फिरोजाबाद! समाजवादी पार्टी के कार्यकताओं ने गुरुवार को जिलाध्यक्ष शिवराज सिंह यादव के नेतृत्व में जिला मुख्यालय दबरई पर प्रदेश के बिगड़ती हुई कानून व्यवस्था और सपा सांसद रामजी लाल सुमन पर हुए हमले को लेकर धरना दिया और सरकार के खिलाफ नारेबाजी की एवं प्रदेश के राज्यपाल के नाम सम्बोधित ज्ञापन जिला अधिकारी की अनुपस्थित में एसडीएम मुख्यालय को सौपा प्रदेश के राज्यपाल के नाम सम्बोधित ज्ञापन में कहा है, कि प्रदेश की कानून व्यवस्था चरमरा गयी है। लूट हत्या और महिलाओं के साथ अत्याचार की घटनाएं हो रही है। सपा सांसद (राज्य सभा सदस्य) रामजी लाल सुमन के आवास पर हमला बोला गया और तोड़फोड़ की गयी। इसके बाद 27 अप्रेल को बुलन्दशहर जाते समय अलीगढ़ में रामजी लाल सुमन के काफिले पर करणी सेना के लोगो ने हमला बोला जिसमे कई लोग घायल भी हुए, लेकिन पुलिस प्रशासन ने कोई कार्यवाही नही की , पुलिस प्रशासन सरकार के इशारे पर कार्य कर रहा है।बजह साफ है, कि सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं

पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव पीडीए के लिये काम कर रहे है। वह उन्हें न्याय दिलाने के लिये संघर्षरत है। ज्ञापन में आरोप लगाया है, कि प्रदेश सरकार बाबा साहब भीमराव अंबेडकर के संविधान की धज्जियां उड़ा रही है। ज्ञापन में कानून व्यवस्था में सुधार करने और सांसद के काफिले पर हमला करने वालो के खिलाफ कार्यवाही की मांग की है।

ज्ञापन देने वालो में शिवराज सिंह यादव (जिलाध्यक्ष), राम सेवक यादव (पूर्व जिलाध्यक्ष) डॉ मुकेश वर्मा विधायक, डॉ दिलीप यादव, सुरेश यादव, कमलेश यादव , राम प्रकाश यादव, अब्दुल बाहिद,सहित बड़ी संख्या में सपा कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शासन ने प्रधानमंत्री आवास सर्वेयर का कार्य 15 दिन तक बढ़ाया

दैनिक समाज जागरण

फिरोजाबाद! पात्र लाभाथीर्यो को ज्यादा से ज्यादा प्रधानमंत्री आवास योजना का लाभ दिलाने हेतु शासन ने प्रधानमंत्री आवास सर्वेयर का कार्य 15 दिनों तक बढ़ा दिया है

प्रधानमंत्री आवास के सर्वे का कार्य जो पहले 30 अप्रैल तक पूर्ण करना था, परंतु शासन ने इस महत्वपूर्ण काम को 15 दिनों के लिए और बढ़ाते हुए इसे 15 मई तक पूर्ण करने का निर्देश दिये।

अगर हम जनपद फिरोजाबाद की बात करें तो अभी तक जनपद में कुल 32588 सर्वेयर का कार्य पूर्ण हो चुका है, जिसमें 26776 सर्वे का कार्य खंड सर्वेयरों द्वारा किया गया है, जबकि 5812 सर्वे का कार्य स्वयं लाभार्थी द्वारा हुआ है, अगर हम ब्लॉक बार बात करें तो अरांव ब्लॉक में 2491, एका ब्लॉक में 5144, फिरोजाबाद में 4000, जसराना में 2597, खैरागढ़ में 3628, मदनपुर में 3879, नारखी में 4209, शिकोहाबाद में 4266, जबकि टूंडला में 2374 प्रधानमंत्री आवास सर्वे का कार्य हुआ है, इस तरह देखा जाए तो अरांव और टूंडला में सबसे कम आवास सर्वे का कार्य हुआ है, जिलाधिकारी ने इन ब्लॉकों के खंड विकास अधिकारी और सचिवों को सख्त निर्देश दिए हैं, कि इन बड़े हुए दिनों में ज्यादा से ज्यादा पात्र लाभार्थियों को प्रधानमंत्री आवास सर्वे में शामिल करें, जिससे ज्यादा से ज्यादा पात्र नागरिकों को इसकी श्रेणी में लाया जा सके, अगर इसमें किसी प्रकार की कोई लापरवाही होगी तो कड़े से कड़ा दंड दिया जाएगा, शासन कि यह जनहितकारी योजना है इसलिए सभी ब्लॉकों के खंड विकास अधिकारियों और सचिव इन बढे हुए दिनों में यह सुनिश्चित करें की कोई भी पात्र लाभार्थी इससे वंचित न रहे, इस कार्य को महज सरकारी दायित्व न समझ कर बल्कि एक पुनीत और लोक हितकारी कार्य समझकर पूरा करें, जिससे असहाय, निर्धन परिवारों को छत मिल सके और उनके परिवार को एक सुरक्षात्मक माहौल प्रदान किया जा सके।

पुलिस ने मोबाइल सहित चोर पकड़ा, असलाह बरामद

दैनिक समाज जागरण

फिरोजाबाद। थाना दक्षिण पुलिस ने एक अभियुक्त को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उसके पास से एक चोरी का मोबाइल बरामद किया है। उसके पास से पुलिस को असलाह भी मिले है।

प्रभारी निरीक्षक योगेन्द्र पाल सिंह थाना दक्षिण ने हमराह के साथ चैकिंग के दौरान मुखबिर की सूचना पर लालऊ बगिया के पास से गिरफ्तार किया हैं। पुलिस ने पकड़े गए अभियुक्त का नाम अनुज कुमार पुत्र राजेन्द्र बाबू बताता है। वह हाल में कटरा बल सिंह थाना कोतवाली जनपद इटावा में रहता है। अभियुक्त के पास से पुलिस ने एक तंमचा 315 बोर व 02 जिन्दा कारतूस 315 बोर बरामद किए है। उसके पास से एक चोरी का मोबाइल फोन भी मिला है। गिरफ्तारी व बरामदगी के आधार पर उसके खिलाफ धारा 3/25 आर्म्स एक्ट का मुकदमा पंजीकृत किया है।

जमीनी विवाद में एक को गोली मारी, गंभीर

दैनिक समाज जागरण

फिरोजाबाद। थाना लाइनपार क्षेत्र में गुरुवार को जमीनी विवाद में दबंगों ने एक एक वृद्ध को गोली मारकर घायल कर दिया।घटना की तहरीर दी गई है। पुलिस मामले की तहकीकात कर रही है।

रीता पत्नी अशोक कुमार की थाना लाइनपार के क्षेत्र आजाद नगर में जमीन है। उसी में एक मकान बना हुआ है। उस पर मुकदमा चल रहा था। न्यायालय ने 23 अप्रैल को रीता देवी के पक्ष में आदेश दिए।

रीता देवी अपने रिश्तेदारों के साथ गुरुवार को वहा पर कुछ काम कराने

गई थी। वह लोग देख कर रहे थे। उसी दौरान लगभग एक दर्जन लोग वहा पहुंच गए। उसमें महिलाएं भी शामिल हो थी।

उन लोगो ने गाली गलौज कर दी। विरोध करने पर मारपीट की। महिलाओं को भी मारा पीटा।उसी दौरान फायरिंग कर दी। फायरिंग के दौरान अरविंद पुत्र राम अवतार निवासी सिरसागंज के कंधे में गोली लग गई।

उनके गिरते ही हमलावर वहा से भाग गए।

घायल को पचार के लिए जिला अस्पताल लाया गया। पता चलते ही पुलिस अस्पताल पहुंची। घटना की तहरीर दी गई है। पुलिस मामले की तहकीकात कर रही है। परिजन घायल को आगरा उपचार को ले गए है।

पुलिस ने रास्ता भटकी बालिका को परिजनों के सुपुर्द किया

फिरोजाबाद। ऑपरेशन मुस्कान के तहत थाना लाइनपार पुलिस ने एक बालिका के परिजनों की तलाश कर सकुशल सकुशल उनके सुपुर्द किया। परिजनों ने पुलिस की सराहना की। हिमायु पुर निवासी एक बच्ची परी 6 वर्ष पुत्री शानू जैन रास्ता भटक जाने के कारण अकेली लेबर कालोनी में पाई गई।पुलिस ने पता चलने पर बच्ची के परिजनों की तलाश की। पुलिस ने त्वरित कार्यवाही कर बच्ची के परिजनो की पहचान कर उनसे संपर्क किया। थाना निरीक्षक संजुल पाण्डेय, कांस्टेबल कन्हैया सिंह तथा महिला कांस्टेबल सृष्टि शाक्य थाना लाइनपार ने परिजनो को 12 घंटे में तलाश कर बच्ची को उसकी माता संध्या एवं अन्य परिजनों के सुपुर्द कर दिया।

14 सूत्रीय मांगों को लेकर शिक्षकों ने बीएसए कार्यालय पर भरी हुंकार

दैनिक समाज जागरण

फिरोजाबाद! उत्तर प्रदेशीय प्राथमिक शिक्षक संघ के तत्वाधान में पुरानी पेंशन सहित 14 सूत्रीय मांगों को लेकर आज कार्यालय जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी फिरोजाबाद के सामने सैकड़ो शिक्षकों के साथ धरना प्रदर्शन किया गया।

जिला अध्यक्ष शौर्यदेव मणि व प्रत्येक ब्लॉक के अध्यक्ष और महिला शिक्षिकाओं द्वारा निम्न मांगे रखी गई

01 अप्रैल 2006 से बाद नियुक्त शिक्षकों को भी पुरानी पेंशन प्रणाली से आच्छादित किया जाये। विशिष्ट बी०टी०सी० 2004, बी०टी०सी० 2001 एवं 2004 तथा अन्य ऐसे परिषदीय शिक्षक जिनकी भर्ती का विज्ञापन 01 अप्रैल 2005 से पूर्व हुआ था, परन्तु नियुक्ति उसके पश्चात हुई थी को पुरानी पेंशन प्रणाली से आच्छादित किये जाने से सम्बन्धित शासनादेश निर्गत किया जाये। कोरोना काल के पश्चात टाइम एण्ड मोशन स्टडी आदेश के अन्तर्गत कोरोना काल में बाधित शिशक्षण कार्य को पूर्ण किये जाने हेतु ग्रीष्मकाल में विद्यालयों के संचालन का समय प्रातः 8.00 बजे से दोपहर 2.00 बजे तक निर्धारित किया गया था। प्रदेश में व्यापा मीषण गर्मी के कारण उक्त संचालन समय को पूर्व की भांति प्रातः 07.00 से चोपहर 12.00 बजे तक किया जाये। वर्ष 2015 के बाद उ०प्र०बेसिक शिक्षा परिषदीय शिक्षकों की कोई पदोन्नति नहीं हुई है। चयन वेतनमान में एक ही पद पर 12 वर्ष पूर्ण कर लेने के पश्चात प्रोन्नत वेतनमान प्रदान किये जाने की व्यवस्था है, परन्तु 2005 के पश्चात प्रोन्नत वेतनमान दिये जाने की कार्यवाही भी नहीं की गयी है। अतः एक माह के अन्दर शिक्षकों की पदोन्नति तथा प्रोन्नत वेतनमान प्रदान किये जाने हेतु निर्देश जारी किये जायें। अन्तः जनपदीय पारस्परिक स्थानान्तरण में भी अन्तर्जनपदीय स्थानान्तरण की भाँति प्रधानाध्यापक प्राथमिक विद्यालय एवं सहायक अध्यापक पूर्व माध्यमिक विद्यालय को एक दूसरे के साथ पास्परिक स्थानान्तरण की व्यवस्था प्रदान की जाये। उम्र बेसिक शिक्षा परिषदीय शिवाका क' अन्तः जनपदीय एवं अन्तर्जनपदीय सामान्य स्थानान्तरण विगत कई वर्षों से नहीं हो रहे है। सामान्य स्थानान्तरण किये जाने हेतु नादेश/निर्देश निर्गत किया जाये अन्तर्जनपदीय स्थानान्तरण में शिक्षक की सेवा अवधि को 50 पतिशत भारांक के अन्तर्गत रखा जायें अर्थात अन्य श्रेणी के भारांक कुल भारांक के 50 प्रतिशत से अधिक निर्धारित न किये जाये। आकांशी जनपदों के शिक्षकों का भी अन्तर्जनपदीय स्थानानारण किया जाये। महानिदेशक स्कूल शिक्षा उ०प्र० लखनऊ के द्वारा बेसिक शिक्षा परिषद के अधीन विद्यालयों में कार्यरत शिक्षक एवं शिक्षणेत्तर कर्मियों के सामान्य भविष्य निधि से अग्रिम आहरण, विभिन्न प्रकार के अनापत्ति प्रमाण पत्र के निर्गमन, प्रोन्नत वेतनमान एवं चयन वेतनमान की स्वीकृति, समस्त अनुशासनिक कार्यवाहियों एवं निर्गत नोटिसी का निस्तारण तथा मानव संपदा पोर्टल पर संशोधन अपडेशन सम्बन्धी प्रकरणो का निस्तारण मानव संपदा पोर्टल के माड्यूल के माध्यम से किये जाने के निर्देश जारी किये गये हैं। उक्त माड्यूल ठीक ढंग से कार्य नहीं कर रहा है जिसके कारण शिक्षकों से उक्त कार्य बाधित है। माड्यूल को ठीक ढंग से संचालित किये जाने की कार्यवाही की जाये साथ ही प्रोन्नत वेतनमान एवं चयन वेतनमान की स्वीकृति की प्रक्रिया में संशोधन करते हुए अन्य कार्यों की भाँति उत्सको मी शिक्षक के मानव संपदा पोर्टल के माध्यम से आवेदित किये जाने की व्यवस्था की जाये कतिपय शिक्षकों के मानव संपदा पोर्टल में उनके व्यक्तिगत विवरण एवं उनको प्राप्त होने वाले विभिन्न अवकाशों के अंकन में त्रुटियां होती हैं। उक्त त्रुटियों में संशोधन की प्रक्रिया अत्यन्त जटिल है। जिन शिक्षकों के मानय रापदा पोर्टल के विवरण में उक्त त्रुटियां पायी जाती है उस शिक्षक द्वारा ऑनलाईन आवेदन खण्ड शिक्षा अधिकारी को मेजा जाता है। खण्ड शिक्षा अभिकारी द्वारा उक्त आवेदन जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी के पोर्टल पर फारवर्ड किया जाता है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी द्वारा उक्त आवेदन को महानिदेशक कार्यालय में भेजा जाता है। यहाँ से त्रुटियों का संशोधन किया जाता है, परन्तु संशोधित विवरण का स्टेटस पोर्टल पर प्रदर्शित नहीं होता। ऐसी दशा में विवरण में संशोधन हुआ अथवा नहीं, इसकी जानकारी नहीं हो पाती। इस संशोधन की प्रक्रिया को यदि जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी कार्यालय से सम्पादित कराया जाये, तोत्रुटिपूर्ण विवरणों को संशोधित कराना सरल हो जायेगा।

दो दोषियों को 20-20 वर्ष की कठोर कैद

62 हजार रुपए अर्थदंड, न देने पर एक-एक माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी

ब्यूरो चीफ/ दैनिक समाज जागरण

सोनभद्र। साढ़े तीन वर्ष पूर्व 13 वर्षीय नाबालिग लड़की के साथ हुए दुष्कर्म के मामले में अपर सत्र न्यायाधीश / विशेष न्यायाधीश पाक्सो एक्ट सोनभद्र अमित वीर सिंह की अदालत ने वृहस्पतिवार को सुनवाई करते हुए दोषसिद्ध पाकर दो दोषियों को 20-20 वर्ष की कठोर कैद एवं 62 हजार रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर एक-एक माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। वहीं अर्थदंड की धनराशि में से 50 हजार रुपए पीड़िता को मिलेगी।

अभियोजन पक्ष के मुताबिक रायपुर थाना क्षेत्र के एक गांव निवासी पीड़िता के पिता ने 31 जनवरी 2022 को रायपुर थाने में दी तहरीर मे अवगत कराया था कि उसकी 13 वर्षीय नाबालिक बेटी को 30 जनवरी 2022 को दोपहर 2 बजे सुशीला पत्नी राम परिखा निवासी सहपुरवा (पड़री), थाना रायपुर जिला सोनभद्र ने साजिश के तहत खेत पर बने अपने मकान में भेज दिया। जहां पर पहले से ही मकान में मौजूद रामेश्वर यादव पुत्र रामजग यादव निवासी ग्राम पड़री, थाना रायपुर, जिला सोनभद्र ने मुंह बंद करके जबरन बेटी के साथ दुष्कर्म किया। उस समय घर पर पति-पत्नी नहीं थे। शाम करीब 6 बजे घर आया तो बेटी ने सारी बात बताया। इस तहरीर पर पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर मामले की विवेचना शुरू कर दिया। विवेचक ने पर्याप्त सबूत मिलने पर कोर्ट में चार्जशीट दाखिल किया था।

मामले की सुनवाई के दौरान अदालत ने दोनों पक्षों के अधिवक्ताओं के तर्कों को सुनने, 10 गवाहों के बयान एवं पत्रावली का अवलोकन करने पर दोषसिद्ध पाकर दुष्कर्म के दोषी रामेश्वर यादव को 20 वर्ष की कठोर कैद एवं 21 हजार रुपए अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर एक माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। वहीं दुष्कर्म में सहयोग करने पर दोषसिद्ध पाकर दोषी सुशीला को 20 वर्ष की कठोर कैद व 41 हजार रुपये अर्थदंड की सजा सुनाई। अर्थदंड न देने पर एक माह की अतिरिक्त कैद भुगतनी होगी। जेल में बितायी अवधि सजा में समाहित होगी। जबकि अर्थदंड की धनराशि में से 50 हजार रुपये पीड़िता को मिलेगा। अभियोजन पक्ष की तरफ से सरकारी वकील दिनेश प्रसाद अग्रहरि, सत्य प्रकाश त्रिपाठी एवं नीरज कुमार सिंह ने बहस की।

जिला मुख्यालय पर सपाइयों का उमड़ा जन सैलाब

ब्यूरो चीफ/ दैनिक समाज जागरण।

सोनभद्र। समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव जी के निदेर्शानुसार जिला मुख्यालय पर पहुंच कर सफाईयों ने महामहिम राष्ट्रपति महोदय भारत नई दिल्ली के नाम ज्ञापन जिलाधिकारी सोनभद्र को सोपा गया जिसकी अध्यक्षता समाजवादी पार्टी जिला अध्यक्ष राम निहोर यादव ने किया एवं संचालन जिला महासचिव मोहम्मद सईद कुरैशी ने किया ।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए समाजवादी पार्टी के जिला अध्यक्ष राम निहोर यादव ने कहा कि उत्तर प्रदेश में आए दिन जनता के उत्पीड़न हत्या लूट महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार और अराजकता की घटनाएं आम हो गई है। कानून व्यवस्था ध्वस्त हो गई है। अपराधियों के हौसले बढ़ गए हैं, उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार कानून का शासन स्थापित करने में पूरी तरह विफल हो गई है। बीते कई सप्ताह से समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं सांसद राज्यसभा रामजी लाल सुमन को करणी सेवा द्वारा निरंतर जान से मारने की धमकी दी जा रही है। तथा उनके आवास पर हमला भी किया गया। पांच दिन पुर्व दिनांक 27 अप्रैल 2025 को बुलंदशहर जाते समय अलीगढ़ में उनके काफिले पर करनी सेना ने हमला किया, जिससे कुछ वाहन क्षतिग्रस्त हुए और लोगों को गंभीर चोटे भी आई। इस घटना के बाद भी अराजक तत्वों पर शासन प्रशासन में कोई कार्रवाई नहीं किया, जिससे यह स्पष्ट है कि उन्हें सरकार का खुला संरक्षण प्राप्त है। इससे उत्तर प्रदेश सरकार की दलित विरोधी मानसिकता उजागर होती है। भाजपा सरकार में पीडीए का सोषण चरम सीमा पर है।

आप भारतीय संविधान की संरक्षक है, ऐसे में समाजवादी पार्टी उत्तर प्रदेश में बिहार कानून व्यवस्था, श्री रामजी लाल सुमन के साथ अलोकतांत्रिक व्यवहार सहित प्रदेश में लगातार हो रहे संविधान विरोधी कृत्यों को आपके संज्ञान में ला रही है, जिससे आपके द्वारा संविधान एवं लोकतंत्र की मजबूती की दिशा में ठोस निर्णय हो। यदि पीडीए समाज का उत्पीड़न बंद नहीं हुआ तो समाजवादी पार्टी सड़क पर उतरने के लिए बाध्य होगी जिसकी सारी जिम्मेदारी शासन प्रशासन की होगी।

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए पूर्व विधायक अविनाश कुशवाहा एवं रमेश चंद्र दुबे ने कहा कि उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं पूर्व मुख्यमंत्री श्री अखिलेश यादव पीडीए का नारा देकर समाज के सभी शोषित उत्पीडित वर्गों के सम्मान एवं संविधान प्रदत्त अधिकार की लड़ाई मजबूती से लड़ रहे हैं। इसको उत्तर प्रदेश में प्रभुत्ववादी एवं वर्चस्ववादी समूह बर्दाश्त नहीं कर पा रही है और संविधान विरोधी मानसिकता का खुलेआम प्रदर्शन कर रहे हैं। इन लोगों की लोकतंत्र और बाबा साहब डॉक्टर भीमराव अंबेडकर द्वारा निर्मित भारतीय संविधान में कोई स्थान नहीं है। इसलिए इन समूहों द्वारा निर्मित भारतीय संविधान में कोई आस्था नहीं है। इसलिए इन समूहों द्वारा पीडीए समाज में उत्पीड़न की घटनाओं में तेजी से बढ़ोत्तरी हुई है। भाजपा सरकार में कोई वर्ग सुरक्षित नहीं है भाजपा सरकार केवल पूंजीपतियों की सरकार है इसे गरीबों से कोई लेना-देना नहीं है।

ज्ञापन देने वालों में मुख्य रूप से जिला महासचिव मोहम्मद शईद कुरैशी पुर्व जिला अध्यक्ष संजय यादव विजय यादव राम भरोसे सिंह पटेल अनिल प्रधान विधानसभा अध्यक्ष बाबूलाल यादव विजय शंकर जायसवाल परमेश्वर यादव जिला उपाध्यक्ष वेदमानी शुक्ला अशोक पटेल रामप्यारे सिंह पटेल रमेश सिंह यादव त्रिपुरारी गौड़ रामाशंकर यादव रमेश कुमार वर्मा सुनील गौड़ महिला सभा अध्यक्ष गीता गौर बिंदु यादव सरदार पारब्रह्म सिंह बबलू धागर ज्यूतेश गौतम पवन पटेल सत्यम पांडे फर्रुखअली जिलानी कृपा शंकर चौहान प्रदीप कनौजिया रमजान अली अखिलेश यादव संजय यादव अजय कुमार निषाद प्रमोद यादव शिवनारायण चौहान हीरालाल यादव कामरान खान सनी पटेल राम सजीवन अहीर विमलेश पटेल रामेश्वर भाई पटेल राजेश विश्वकर्मा लालव्रत यादव सहित सैकड़ों कार्यकर्ता पदाधिकारी उपस्थित थे।

भारतीय संविदा श्रमिक संगठन ने मनाया मई दिवस

संवाददाता शिव प्रताप सिंह
दैनिक समाज जागरण

ओबरा सोनभद्र। स्थानीय सी प्लांट गेट के पास गुरुवार को भारतीय संविदा श्रमिक संगठन के कार्यकताओं ने अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस मनाया। संगठन के अध्यक्ष मणिशंकर पाठक ने बताया कि यह दिन श्रमिकों के अधिकारों और उनकी उपलब्धियों का जश्न मनाने के लिए समर्पित है। क्योंकि कामगार इस राष्ट्र की अटूट शक्ति के रूप में सदैव काम करती है जिसकी क्षमता एवं कार्य कुशलता से किसी भी प्रदेश एवं देश के विकास का रास्ता प्रशस्त किया जाता है। संगठन के उपाध्यक्ष रणजीत तिवारी ने कहा कि बड़े से बड़े उद्योग एवं कल कारखानो का सहज दृश्य एवं कार्य प्रणाली को दिनो रात संजोने का काम एक मजदूर अपनी लगन से करता है और उसके ऐवज में महज वेतन लेकर नई सोच और नई दिशा में काम करने को तैयार रहता है। महामंत्री कृष्ण कुमार पाठक ने बताया कि मई दिवस श्रमिकों के अधिकारों, उनकी सुरक्षा और उनके कल्याण के लिए जागरूकता बढ़ाने के अवसर के रूप में कार्य करता है। यह दिन हमें श्रमिकों के योगदान को पहचानने और उनके अधिकारों की रक्षा करने के लिए प्रेरित करता है। मजदूर हित में सरकार के द्वारा जारी श्रम कानूनों के पालन एवं मजदूरों के मौलिक अधिकार को दिलाने का काम भारतीय संविदा श्रमिक संगठन करता आ रहा है एवं आज विशेष दिवस पर सभी पदाधिकारी संकल्प लेते हुए मजदूर के शोषण एवं उत्पीड़न के प्रति सदैव संघर्ष करने को लेकर तत्पर रहेंगे ऐसा विचार प्रकट किए।

बोलेरो के धक्के से बाइक सवार पतिझपत्नी समेत तीन लोग घायल।

संवाददाता दैनिक समाज जागरण

दुद्धी/ सोनभद्र। स्थानीय कस्बे के पत्ता गोदाम के पास गुरुवार की दोपहर पौने दो बजे एक बोलेरों वाहन की धक्के से एक बाइक पर सवार पति पत्नी समेत उनका नाती घायल हो गया, उधर बोलेरों सवार बाइक सवार को धक्का मारकर कर मौके से फरार हो गया। मौके पर मौजूद डॉ लालू समेत अन्य राहगीरों की मदद से सभी घायलों को उठाया गया और एम्बुलेंस की सहायता से दुद्धी सीएचसी भिजवाया गया। सूचना पर घटना स्थल पहुँची पुलिस ने घायलों से घटना के बावत पूछताछ कर अग्रिम कार्रवाई में जुट गई। बाइक सवार 50 वर्षीय रामलखन गुप्ता पुत्र गुलाबचंद अपनी 45 वर्षीय पत्नी बचिया देवी दोनों निवासी म्योरपुर अपने 10 वर्षीय नाती हरिओम पुत्र राजेश गुप्ता निवासी तुमिया, कचनरवा से बैठाकर वे अपने घर के लिए निकले थे कि जैसे ही वे जाबर पेट्रोल पंप को क्रास किये पीछे आ रही तेज रफ्तार वाहन ने उन्हें जोरदार धक्का मार दिया जिससे वे अनियंत्रित होकर गिर पड़े और उनकी पत्नी को गंभीर चोटें आईइसके साथ वे और उनका नाती भी चोटिल हो गया। उन्होंने बताया कि तुमिया, कचनरवा रिश्तेदारी में गए थे जहां से वे अपने घर वापस हो रहे थे कि तभी यह घटना घट गयी

वन नेशन वन इलेक्शन विषयक युवा परिचर्चा का किया गया आयोजन

दैनिक समाज जागरण

चोपन/ सोनभद्र। स्थानीय ब्लॉक परिसर के सभागार में गुरुवार को "वन मिशन वन इलेक्शन" विषयक युवा परिचर्चा का आयोजन किया गया जहां मुख्य अतिथि के रूप में उपस्थित कामेश्वर सिंह को पूर्व मंडल अध्यक्ष एवं जिला प्रतिनिधि सुनील सिंह के द्वारा अंग वस्त्र देकर स्वागत एवं अभिनंदन किया गया। संगोष्ठी कार्यक्रम की अध्यक्षता कर रहे जिला प्रतिनिधि सुनील सिंह ने संबोधन कर एक राष्ट्र-एक चुनाव की अवधारणा पर विस्तार से विचार साझा किए। उक्त कार्यक्रम में ओबरा विधानसभा प्रभारी उमेश सिंह पटेल, वरिष्ठ नेता रामनिवास तोमर, जिला कार्य समिति सदस्य प्रदीप अग्रवाल, मंडल महामंत्री विकास चौबे, महामंत्री रामदुलार, रामेश्वर गौड़, राहुल सिंह, चोपन आईटी सेल विकास सिंह छोटकू, शबनम मिश्रा, धरमशिला, सोनी रावत, हेमलता, हिमांशु प्रियदर्शी, ओमप्रकाश, अमित सिंह बड़कू, चंद्रकांत सिंह अरविंद जायसवाल, मुकेश पटेल आदि प्रमुख रूप से उपस्थित रहे।

अध्यक्ष ने प्रतिबंधित पॉलिथीन का उपयोग न करने को दिलाई शपथ

दैनिक समाज जागरण

सोनभद्र। शासन के निदेर्शानुसार प्रतिबंन्धित पॉलिथीन का उपयोग पूर्णत्या प्रतिबन्धित कर दिया गया है जिसके कम में गुरुवार को रूबी प्रसाद अध्यक्ष नगर पालिका परिषद सोनभद्र एवं विजय कुमार यादव अधिशासी अधिकारी नगर पालिका परिसद सोनभद्र द्वारा मेरा प्लास्टिक मेरी जिम्मेदारी अभियान के अन्तर्गत नागरिको व नगर पालिका के सदस्यगण को झोला वितरण का कार्यकम नगर पालिका परिषद सोनभद्र के सभाकक्ष में किया गया।

उक्त अवसर पर अध्यक्ष द्वारा उपस्थित लोगों से अपील की गयी कि प्रतिबंन्धित पॉलिथीन का उपयोग न करे यह हमारे स्वास्थ्य एवं पर्यावरण के लिए नुकसान देय है।

उक्त कार्यक्रम में सदस्यगण मनोज चौबे, राकेश कुमार, भैयालाल, विरेन्द्र सिंह, अशोक कुमार हीरावती देवी व नजबुन निशा अजीत सिंह ,सुजीत, विमलेश,संत सोनी कर्मचारी उपस्थित रहे।

जयंत चौधरी ने पूर्वांचल में खेला बड़ा दांव, श्रीकांत त्रिपाठी को राष्ट्रीय लोक दल सोनभद्र की दी कमान

ब्यूरो चीफ
दैनिक समाज जागरण

सोनभद्र। भारतीय जनता पार्टी के साथ मिलकर लोकसभा चुनाव लड़कर केन्द्र सरकार में स्थान बनाने के बाद राष्ट्रीय लोक दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष जयंत चौधरी उत्तर प्रदेश में मजबूत संगठनात्मक ढांचा तैयार करने में लग गए हैं। उत्तर प्रदेश राष्ट्रीय लोक दल के प्रदेश अध्यक्ष रामाशीष राय ने पत्र जारी कर बताया कि राष्ट्रीय अध्यक्ष के निर्देश पर राष्ट्रीय लोक दल सोनभद्र का जिलाध्यक्ष श्रीकांत त्रिपाठी को मनोनीत किया गया है। प्रशांत विष्णु प्रताप सिंह जिला अध्यक्ष युवा ने कहा कि पिछले तीन दशक से सोनभद्र सहित पूर्वांचल क्षेत्र के जनपदों में पूर्वांचल नव निर्माण मंच एवं पूर्वांचल नव निर्माण किसान मंच के माध्यम से श्रीकांत त्रिपाठी किसानों और कामगारों की आवाज बुलंद करते आये हैं। साल 1995 में अपनी ग्राम पंचायत से बीडीसी निर्वाचित होने के बाद श्रीकांत त्रिपाठी ने बीडीसी एसोसिएशन की स्थापना करते हुए भ्रष्टाचार के खिलाफ बड़ा आंदोलन कर तत्कालीन भ्रष्ट अधिकारियों पर नकेल कसने और भ्रष्ट अधिकारियों पर दंडात्मक कार्रवाई करवाने को लेकर चर्चा में आये थे। तब से लेकर अब तक विभिन्न सामाजिक संगठनों में रहकर सामाजिक सरोकार जनहित की बात करते हैं। राष्ट्रीय लोक दल के राष्ट्रीय अध्यक्ष मा० चौ० जयंत सिंह का यह पूर्वांचल में पार्टी विस्तार के लिए बड़ा दांव माना जा रहा है। रोहित सिंह ने कहा कि सोनभद्र में लोकदल के कार्यकताओं में श्रीकांत त्रिपाठी को जिलाध्यक्ष बनाये जाने पर खुशी का माहौल है। मिडिया प्रभारी सोनभद्र विकास पाण्डेय ने बताया कि दो मई को नव नियुक्त जिलाध्यक्ष श्रीकांत त्रिपाठी के लखनऊ से सोनभद्र प्रथम आगमन पर सोनभद्र की सीमा में भव्य स्वागत की तैयारी में लोकदल एवं पूर्वांचल नव निर्माण मंच के कार्यकर्ता जुटे हुए हैं। पूर्वांचल नव निर्माण किसान मंच के नेता गिरीश पाण्डेय ने नव नियुक्त जिलाध्यक्ष श्रीकांत त्रिपाठी को फोन पर बात कर बधाई दी। विवेक चतुर्वेदी प्रदेश सचिव युवा ने कहा कि श्रीकांत त्रिपाठी के नेतृत्व में निश्चित रूप से सोनभद्र सहित पूर्वांचल के जनपदों की आवाज अब दिल्ली और लखनऊ तक पहुंचेगी।

श्रमिक दिवस पर डाला में शहीदों को श्रद्धांजलि, श्रमिक अधिकारों के लिए एकजुटता का संकल्प

संवाददाता विनोद कुमार सिंह
दैनिक समाज जागरण

डाला/ सोनभद्र। नगर क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर डाला सीमेंट फैक्ट्री श्रमिक संघ और इंटक के महामंत्री उत्तम कुमार मिश्र के नेतृत्व में एक विशेष कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस मौके पर शहीद स्थल पर मजदूर आंदोलन के शहीदों को श्रद्धांजलि अर्पित की गई और मजदूरों के हक व हकूक की लड़ाई को और मजबूत करने का संकल्प लिया गया। कार्यक्रम का संचालन अवनीश पांडेय ने किया, जिसमें संगठन के कार्यकताओं और स्थानीय मजदूरों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

कार्यक्रम की शुरूआत शहीद स्थल पर पुष्पांजलि और मौन धारण के साथ हुई। इसके बाद उत्तम कुमार मिश्र ने मजदूर दिवस के ऐतिहासिक महत्व पर विस्तार से प्रकाश डाला। उन्होंने बताया कि 1 मई का दिन विश्व भर में मजदूरों के संघर्ष, एकजुटता और उनके अधिकारों की रक्षा के लिए समर्पित है। उन्होंने कहा,"मजदूर समाज की रीढ़ हैं। उनके बिना किसी भी देश की प्रगति संभव नहीं है। लेकिन आज भी कई जगह मजदूरों का शोषण हो रहा है। हमें एकजुट होकर उनके हक और सम्मान की लड़ाई लड़नी होगी।"

मिश्र ने मजदूरों से संगठित रहने और अपने अधिकारों के प्रति जागरूक रहने की अपील की। उन्होंने कहा कि डाला सीमेंट फैक्ट्री श्रमिक संघ और इंटक मजदूरों के कल्याण के लिए निरंतर प्रयासरत है। उन्होंने श्रमिकों के लिए बेहतर वेतन, सुरक्षित कार्यस्थल, स्वास्थ्य सुविधाएं और सामाजिक सुरक्षा जैसे मुद्दों पर जोर दिया। कार्यक्रम में उपस्थित अन्य वक्ताओं ने भी मजदूरों के सामने आने वाली चुनौतियों और उनके समाधान पर अपने विचार रखे। कार्यक्रम के समापन के बाद श्रमिक संघ के कार्यकताओं ने सामाजिक एकजुटता और भाईचारे का अनूठा उदाहरण पेश किया। उन्होंने शहीद स्थल के पास राहगीरों को ठंडा शरबत वितरित किया, जिसे गर्मी के मौसम में राहत देने वाला कदम बताया गया। इस दौरान कार्यकताओं ने एक-दूसरे को गले लगाकर मजदूर दिवस की बधाई भी दी और आपसी एकता को और मजबूत करने का संदेश दिया। शरबत वितरण के इस कार्य में संगठन के सभी कार्यकताओं ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया, जिसे स्थानीय लोगों ने खूब सराहा। इस अवसर पर उत्तम कुमार मिश्र, दिलिप सिंह, अवनीश पांडेय, अतीश पाठक, सज्जन मनी, लखन लाल कुशवाहा, अशोक, ब्रह्म प्रकाश पांडेय, नवल किशोर त्रिपाठी, राधेश्याम, मानेंद्र सिंह, अनिल सिंह, अनिल मांझी सहित कई अन्य कार्यकर्ता और मजदूर उपस्थित रहे।

सड़क हादसाः 24 घंटे के दौरान हुए दर्जनों हादसा

दैनिक समाज जागरण

दुद्धी/ सोनभद्र। दुद्धी कोतवाली क्षेत्र में बीते 24 घण्टे में दर्जनों सड़क हादसे हुए जिसमें दर्जनों लोग घायल हो गए. बीते रात विंढ़मगंज थाना क्षेत्र के मुड़ीसेमर निवासी अधेड़ रामलाल 58 पुत्र बालकिशुन का घिवहीं गांव में एक बाइक सवार ने रौंद दिया. बुरी तरह से जख्मी रामलाल को जिला अस्पताल के लिए रिफर होना पड़ा. वहीं झारोकला गांव में अजय पुत्र राजेन्द्र, विकास पुत्र शिकन्दर, रामबाबु पुत्र लालमन सड़क हादसे में जख्मी हुए जिनका उपचार सीएचसी में हो रहा. अखिलेश पुत्र परसुराम निवासी कटौली, रामलखन पुत्र गुलाबचंद को किसी अज्ञात वाहन के चपेट में आने से बुरी तरह से घायल हो गए जिन्हें जिला अस्पताल रिफर किया गया. इस तरह बाइक सवार लगातार वैवाहिक कार्यक्रम में आने जाने गिरते टकराते रहे।

ब्लॉक शिक्षा अधिकारी दुद्धी महेंद्र मौर्य की विदाई समारोह में शिक्षक हुए भावुक

दैनिक समाज जागरण

दुद्धी/ सोनभद्र। दुद्धी ब्लॉक संसाधन केंद्र सभागार में वृहस्पतिवार को बीईओ महेंद्र मौर्य के विदाई समारोह में शिक्षक भावुक होकर विदाई किया. शिक्षकों ने बीईओ को प्रतीक चिन्ह व अंगवस्त्र भेंटकर उनका सम्मान किया. बीईओ महेंद्र मौर्य भी शिक्षकों के प्रेम और अपनापन को देखकर भावुक हो गए. संतोष सिंह, भोला अग्रहरी, जितेंद्र चौबे, सदानंद मिश्र, धर्मेंद्र सिंह, अवधेश कनौजिया, नीरज कनौजिया, शैलेश मोहन सहित अन्य शिक्षकों ने विदाई समारोह में बीईओ द्वारा किये गए कार्यों को सराहा और प्रशंसा व्यक्त किया. बीईओ के जाने से कमी महसूस होने की बात कही. बीईओ महेंद्र मौर्य ने सम्बोधित करते हुए कहा कि हम आपको हमेशा मिलते रहेंगे.उन्होंने कहा योग एक वृहद आधारित ज्ञान है. स्वयं में आप अपने दिनचर्या में स्वस्थ रहने के लिए योग करें. स्वस्थ रहना ही हमारी पूंजी है. अपने दिनचर्या में बदलाव करें. जिला मुख्यालय पर अब हमारी जिम्मेदारी बढ़ गई है. आप सभी का सहयोग मिला इसका हम आभारी हैं. इस अवसर पर मुसाई राम, आशीष कुमार, निरंजन अग्रहरि, रेणु कनौजिया, स्वाति झा, बिहारी लाल, विवेक शांडिल्य, विजय गुप्ता, राकेश शर्मा, ज्ञानचंद, आजम खान, युसूफ अंसारी, विवेक पांडेय, पीयूष सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

सर्पदंश से बचने के लिए जागरूक होना अति आवश्यक - जिलाधिकारी

दैनिक समाज जागरण

सोनभद्र। जिलाधिकारी ने आगामी वर्षा के मौसम को देखते हुए सर्पदंश से बचाव साप काटने के उपरान्त प्राथमिक उपचार के बारे में बताया कि सर्पदंश से बचने के लिए जागरूक होना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि सर्पदंश को राज्य आपदा श्रेणी में भी शामिल किया गया हैं। जिलाधिकारी ने बताया कि प्रायः सर्पदंश के एक गम्भीर आपदा के रूप में प्रकाश में आया है। सर्पदंश से होने वाली जनहानि को रोकने के प्राथमिक उपचार के रूप में लोगो को सर्पदंश के बचने के उपायो के प्रति जागरूक होना आवश्यक है। वर्षा के मौसम में सांप अक्सर बाहर निकल आते है इससे बचने के उपाय आवश्यक है। उन्होंने बताया कि सर्पदंश में तुरंत अस्पताल नहीं ले जा सकते तो यह प्राथमिक उपचार दें सबसे पहले पीड़ित व्यक्ति को यह भरोसा दिलाए की 80-90 प्रतिशत सांप जहरीले नहीं होते हैं। शरीर के प्रभावित हिस्से से अंगूठियां घड़ी जूते वह तंग कपड़े आभूषण इत्यादि को हटा दें ताकि प्रभावित हिस्से में रक्त का संचरण ना रुके। सर्पदंश प्रभावित अंग को स्थिर कर दें एवं इस हिलने डुलने से बचाए। पीड़ित व्यक्ति को जितनी जल्दी हो सके निकटतम स्वास्थ्य केंद्र ले जाएं। सांप के रंग और जाकर को देखने एवं याद रखने की कोशिश करें। घाव को साफ पानी और साबुन से साफ करें सर्पदंश के प्राथमिक उपचार सबसे पहले सर्पदंश से पीड़ित व्यक्ति को किसी प्रकार की शारीरिक क्रिया न करने दें।

मा0 सदस्य महिला आयोग ने सर्किट हाउस चुर्क में की जन सुनवाई

दैनिक समाज जागरण

सोनभद्र। सदस्य सचिव, उ०प्र० राज्य महिला आयोग लखनऊ गीता विश्वकर्मा जी द्वारा आज अपने भ्रमण कार्यक्रम के दौरान चुर्क गुरमा जेल महिला बन्दी गृह, जिला अस्पताल, वन स्टाफ सेन्टर, कस्तूरबा गॉधी बालिका विद्यालय का निरीक्षण किया गया। चुर्क गुरमा जेल के निरीक्षण के दौरान मा0 सदस्य ने जेल में विचाराधीन महिला कैदियों से सीधा संवाद किया और जेलर को निर्देशित करते हुए कहा कि जेल में बंद सजायाफ्ता कैदियों को कौशल विकास का प्रशिक्षण दिलाये जाने हेतु उच्च स्तर पर पत्राचार किया जाये, इस दौरान महिला बन्दी गृह में महिला स्वीपर न होने की शिकायत पर उन्होंने जेलर को निर्देशित करते हुए कहा कि अधिशासी अधिकारी नगर पंचायत चुर्क को पत्राचार कराकर सफाई कर्मी की नियुक्ति की कार्यवाही सुनिश्चित करायी जाये, उन्होंने कहा कि महिला बन्दियों को निर्धारित मीनू के अनुसार समय से नाश्ता व भोजन उपलब्ध कराया जाये, इसके बाद मा0 सदस्य महोदय द्वारा जिला संयुक्त चिकित्सालय का निरीक्षण किया, निरीक्षण के दौरान इमरजेंसी वार्ड में बेड से सटाकर रखे हुए डस्टवीन को देखकर मा0 सदस्य महोदया ने नाराजगी व्यक्त करते हुए सी0एम0एस0 को निर्देशित करते हुए कहा कि साफ-सफाई का व्यवस्था बेहतर तरीके से सुनिश्चित करायी जाये, वार्ड में गंदगी न रहें। इसी प्रकार से मा0 सदस्य ने पोस्ट डिलेवरी वार्ड का भी निरीक्षण किये, डिलिवरी वार्ड में महिला मरीजों हेतु लगायी गयी ए0सी0 खराब स्थिति में पायी गयी, जिस पर मा0 सदस्य ने नाराजगी व्यक्त करते हुए सी0एम0एस0 को निर्देशित करते हुए कहा कि खराब ए0सी0 को तत्काल ठीक करायी जाये, जिससे महिला मरीजों को किसी प्रकार की समस्या का सामना न करना पड़ें, इसी प्रकार से मा0 सदस्य ने कस्तूरबा गॉधी आवासीय बालिका विद्यालय का भी निरीक्षण की, इस दौरान उन्होंने कहा कि विद्यालय परिसर में साफ-सफाई बेहतर रखा जाये, बच्चों को निर्धारित मीनू के अनुसार नास्ता, भोजन आदि की व्यवस्था और बेहतर किया जाये, छात्राओं को खेल के प्रति भी रूचि रखें, इसके लिए प्रयास किया जाये, उन्होंने कहा कि बच्चों को स्वस्थ्य रहने के लिए साफ-सफाई के लिए प्रति प्रेरित किया जाये और उन्हें साफ-सफाई न रखने से होने वाली बीमारी से अवगत कराया जाये।

इसी प्रकार से मा0 सदस्य जी द्वारा सर्किट हाउस सभागार चुर्क में जन सुनवाई की, इस दौरान उन्होंने कहा कि सोनभद्र जिले की महिला बहनों को सुरक्षित रखा जाये, महिलाओं के उत्पीड़न की जानकारी होने पर तत्परता से कदम उठायें हुए, हर हाल में महिलाओं की सुरक्षा सुनिश्चित किया जाये। महिलाएं भी अपने-अपने घर परिवार को देखते हुए समाज की मुख्य धारा से जुड़े और महिलाओं को ज्यादा से ज्यादा जागरूक करें। महिलाएं अपने लड़के व लड़कियों को हर हाल में स्कूल भेजे और शिक्षा के प्रति भी सजग रहें, तभी वे खुद के साथ अपने परिवार का विकास कर, आत्मनिर्भर की ओर अग्रसर हो सकेंगीं। इस दौरान उन्होंने मौके पर मौजूद सम्बन्धित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहाकि महिला उत्पीड़न के प्रकरणों को समयबद्ध तरीके से निस्तारित करते हुए महिलाओं के मान-सम्मान को बनाये रखा जाय। दूर-दराज से आयी महिलाओं ने अपने दुःख-दर्द को सुनाया, जिस पर सम्बन्धितों को प्रकरणों की जॉच कर न्याय दिलाने के निर्देश सम्बन्धितों को दिया गया। इस दौरान जिला प्रोबेशन अधिकारी श्रीमती इंद्रावती कुमारी, अपर जिला सूचना अधिकारी विनय कुमार सिंह, महिला थानाध्यक्ष सरिता सरोज, गायत्री दुबे, आकांक्षा पाण्डेय आदि उपस्थित रहे।

सपा राष्ट्रीय महासचिव, सांसद रामजी लाल सुमन को जान से मारने की धमकी, आवास एवं काफिले पर हमले के विरोध में धरना

दैनिक समाज जागरण संवाददाता
बरेली। समाजवादी पार्टी ने आज बरेली के सेठ दामोदर स्वरूप पार्क में साम्प्रदायिक सौहार्द, संविधान की रक्षा और सामाजिक न्याय के लिए एक विशाल धरना-प्रदर्शन आयोजित कर इतिहास रच दिया। यह प्रदर्शन समाजवादी पार्टी के वरिष्ठ नेता व राज्यसभा सांसद रामजी लाल सुमन को करणी सेना द्वारा दी गई जानलेवा धमकी और जाति विशेष के खिलाफ अपमानजनक टिप्पणियों के विरोध में था। पार्टी के युवा तुर्क अशोक यादव के नेतृत्व में हजारों की संख्या में कार्यकताओं और आमजन ने एकजुट होकर जातिवाद और अन्याय के खिलाफ हुंकार भरी।

जातिवाद मुदार्बाद, संविधान जिंदाबाद
धरना स्थल पर गूंजे गगनभेदी नारों ने माहौल को गरमा दिया। ह्लसंविधान बचाओ, लोकतंत्र बचाओह्व, ह्लनफरत नहीं, भाईचारा चाहिएह्व जैसे नारों के साथ उपस्थित जनसैलाब ने संदेश दिया कि बरेली

अब जातीय विद्वेष और हिंसा को बर्दाश्त नहीं करेगा। प्रदर्शनकारियों ने रमेश लाल सुमन के साथ एकजुटता जताते हुए संविधान की रक्षा और सामाजिक समरसता के लिए संकल्प लिया।

नेताओं ने भरी हुंकार, जातिवाद के खिलाफ जनता की ललकार
जिला अध्यक्ष शिव चरण कश्यप ने कहा कि उत्तर प्रदेश में आए दिन जनता के उत्पीड़न, हत्या, लूट, महिलाओं के साथ दुर्व्यवहार और अराजकता की घटनाएं आम हो गई हैं। कानून व्यवस्था ध्वस्त हो गई है। अपराधियों के हौसले बढ़ गए हैं। उत्तर प्रदेश की भाजपा सरकार कानून का शासन स्थापित करने में पूरी तरह विफल हो गई है।
बीते कई सप्ताह से समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव एवं सांसद (राज्यसभा) रामजी लाल सुमन को करणी सेना द्वारा निरंतर जान से मारने की धमकी दी जा रही है तथा उनके आवास पर हमला भी किया गया। पांच दिन पूर्व दिनांक 27 अप्रैल को बुलंदशहर जाते समय अलीगढ़ में उनके काफिले पर करणी सेना ने हमला किया, जिससे कुछ वाहन क्षतिग्रस्त हुए और लोगों को गंभीर चोटें भी आईं। इस घटना के बाद भी अराजक तत्वों पर शासन , प्रशासन द्वारा कोई कार्यवाही नहीं की गई, जिससे यह स्पष्ट है कि उन्हें सरकार का खुला संरक्षण प्राप्त है। इससे उत्तर प्रदेश सरकार की दलित विरोधी मानसिकता उजागर होती है।
और संविधान विरोधी मानसिकता खुलेआम प्रदर्शन कर रहे हैं। इन लोगों की लोकतंत्र और बाबा साहब डॉ. भीमराव अंबेडकर द्वारा निर्मित भारतीय संविधान में कोई आस्था नहीं है। इसीलिए इन समूहों द्वारा पी डी ए समाज में उत्पीड़न की घटनाओं में तेजी से बढ़ोत्तरी हुई है।
धरना में जिलाध्यक्ष शिव चरन कश्यप , महानगर अध्यक्ष शमीम खां सुल्तानी , पूर्व मंत्री भगवत शरन गंगवार, पूर्व विधायक विजय पाल, इंजीनियर अनीस, डॉक्टर अनीस वेग, सुभलेश यादव , अशोक यादव , भारती चौहान , जीराज यादव , दीपक शर्मा , रणवीर, महिपाल सिंह , आर के शर्मा आदि मौजूद रहे।

300 बेड के अस्पताल का निरीक्षण करने पहुंचे जिलाधिकारी, मरीजों से की बातचीत, गंदगी मिलने पर सीएमओ को लगाई फटकार

दैनिक समाज जागरण संवाददाता
बरेली। जिलाधिकारी अविनाश सिंह गुरुवार को अचाकन 300 बेड हॉस्पिटल जा पहुंचे। डीएम की गाड़ी पहुंचते ही अस्पताल के डॉक्टरों और कर्मचारियों में खलबली मच गई। निरीक्षण के दौरान डीएम ने चिकित्सकों और वहां मौजूद मरीजों से बात की। डीएम ने मौके पर मौजूद सीएमओ को निर्देश दिए कि समस्त चिकित्सकों के कक्ष के बाहर उनके नाम और किस रोग के डॉक्टर हैं यह अवश्य लिखा जाए, जिससे मरीजों को डॉक्टर के पास पहुंचने में दिक्कत न हो। जिलाधिकारी ने अस्पताल में साफ-सफाई की स्थिति पर विशेष ध्यान दिया। कुछ वार्डों में गंदगी और अव्यवस्था पाए जाने पर उन्होंने नाराजगी जताई और सीएमओ तथा उटर को कड़ी फटकार लगाई। उन्होंने सख्त निर्देश देते हुए कहा कि अस्पताल में सफाई व्यवस्था में किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।
हॉस्पिटल में निःशुल्क एक्स-रे होने का होर्डिंग लगाने का दिया निर्देश

जिलाधिकारी ने नेत्र चिकित्सक कक्ष, सिटी स्कैन, एक्स-रे, वैक्सीनेशन, आईसीयू वार्ड सहित पूरे अस्पताल में घूमकर देखा। सीएमओ को निर्देश दिए कि हॉस्पिटल में निःशुल्क एक्स-रे होने से संबंधित होर्डिंग या फ्लैक्सी लगाई जाए, जिससे मरीजों से एक्स-रे के नाम पर वसूली ना हो सके। डीएम के सामने किसी ने नहीं की कोई शिकायत निरीक्षण के दौरान डीएम ने ने मरीजों से वार्ता कर उनका हाल-चाल जाना। डीएम ने पूछा- अस्पताल से फ्री में दवाएं मिलती हैं या नहीं। क्या डॉक्टर समय पर देखने आते हैं। कर्मचारियों से कोई दिक्कत तो नहीं है। हालांकि डीएम से किसी मरीज या उनके तीमारदार ने कोई शिकायत नहीं की।
डीएम ने मानसिक अस्पताल का किया औचक निरीक्षण
इसके बाद डीएम ने मानसिक चिकित्सालय का निरीक्षण किया। यहां भी मरीजों से वार्ता कर चिकित्सकीय सुविधाओं के बारे में जानकारी ली, जिस पर मरीजों सभी व्यवस्थाएं दुरूस्त बतायीं। जिलाधिकारी ने ओपीडी, पर्चा कक्ष व चिकित्सकों के कक्षों का निरीक्षण किया और आवश्यक निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान सीएमओ डॉ विश्राम सिंह और अस्पताल के डॉक्टर व स्टाफ उपस्थित रहे।

जेसीबी की टक्कर से बाइक पर सवार भतीजी की मौत चाचा घायल

दैनिक समाज जागरण संवाददाता
बरेली। मोटरसाइकिल सवार चाचा भतीजी को तेजी से आ रही जेसीबी ने टक्कर मार दी इलाज के दौरान भतीजी की मौत हो गई चाचा घायल हो गया। सीबीगंज थाने के गांव पुन्नापुर निवासी डॉक्टर अरविंद पाठक की 18 वर्षीय बेटी शिवानी की बीती रात एक निजी अस्पताल से इलाज के लिए दिल्ली को जाते समय रास्ते में मौत हो गई मृतक के घर वालों ने बताया कि शिवानी पाठक 22 अप्रैल को अपने चाचा अनुभव पाठक के साथ भोजीपुरा थाना क्षेत्र में बिलवा गांव में स्थित अपने पिता के क्लीनिक पर गई थी शाम के समय मोटरसाइकिल से

चाचा अरविंद पाठक के साथ घर लौटते समय हाईवे से गांव की ओर आने वाले लिंक रोड की ओर आते समय तेजी से आ रही जेसीबी ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी जिससे पीछे बैठी शिवानी गंभीर रूप से घायल हो गई और बाइक चला रहे अरविंद पाठक चोटिल हो गए सूचना मिलने पर पहुंचे घर वालों ने दोनों को इलाज के लिए निजी अस्पताल में भर्ती कराया और घटना की शिकायत पुलिस से कर दी लेकिन पुलिस ने घटना की रिपोर्ट दर्ज नहीं कि घर वालों ने आरोप लगाया कि थाने में तैनात दरोगा के जेसीबी मलिक ललित से अच्छे संबंध है जिसके चलते वह उसके विरुद्ध मुकदमा दर्ज नहीं कर रहा है इधर बीती रात शिवानी की हालत बिगड़ने पर घर वाले उसे इलाज के लिए अस्पताल से दिल्ली ले जाने लगे लेकिन रास्ते में ही उसने दम तोड़ दिया पुलिस ने लाश को पोस्टमार्टम के लिए भेजा और जांच शुरू कर दी। मृतका के पिता का आरोप हैं थाना सीबी गंज में तैनात दरोगा संजय कुमार के जेसीबी मालिक ललित कुमार से अच्छे संबंध हैं इसलिए दरोगा संजय कुमार धमकी दे रहे हैं कि जेसीबी हटा दो और दूसरी गाड़ी दिखा दो नहीं तो तुम्हारे जो गवाह है में उनको तोड़ दूंगा , दारोगा जी मेरे केस में लापरवाही कर रहे हैं।

आतंकी हमले में मारे गए लोगों को इनरविल क्लब ऑफ बरेली ग्लो ने की शोकसभा

दैनिक समाज जागरण संवाददाता
बरेली। इनरविल क्लब ऑफ बरेली ग्लो के समस्त पदाधिकारियों एवं सदस्यों ने पहलगाँव में हुए आतंकी हमले में निर्दोष पर्यटकों की मृत्यु पर चौकी चौराहा पर एक शोकसभा का आयोजन चार्टर प्रेसिडेंट डॉक्टर चारू मेहरोत्रा के नेतृत्व में आयोजित किया।
डॉ चारू ने कहा यह आतंकवादी हमला मानवता के विरुद्ध और देश के लिए ही नहीं वरण संपूर्ण विश्व के लिए एक गंभीर चेतावनी है।आतंकवादियों का कोई धर्म नहीं

होता हमारी सरकार ने जो कठोर कदम पाकिस्तान के खिलाफ उठाए वे वाकई में प्रशंसनीय है। जैसा कि हम सभी जानते हैं के आतंकवाद के खिलाफ भारत की नीति सहिष्णुता की है। हम सभी की संवेदनाएं मृत पर्यटकों के परिवार के साथ हैं ।
क्लब की अध्यक्ष डॉ अल्का मेहरोत्रा ने कहा पहलगाम की घटना एक आतंकवादी घटना नहीं है बल्कि भारत की एकता और अखंडता के खिलाफ एक साजिश है। हम सभी देशवासियों को मिलकर देश को सुरक्षित रखना है बरखा गुप्ता ने कहा ये हमला वास्तव में निंदनीय है चूँकि जब हम किसी कोई जीवन दे नहीं सकते तो हमें मारने का भी अधिकार नहीं है अंत में सभी ने एक मिनट का मौन रखकर उन सभी मृत आत्माओं की शांति के लिए एवं उनके परिवार को इस दुखद घड़ी में शक्ति और सहनशीलता प्रदान करने के लिए ईश्वर से प्रार्थना की शोक सभा में डॉ अंजना , डॉ अनुराधा, शैफाली, सीमा गुप्ता, वंदना पांडे ,प्रीति पांडे, शिवानी, अनुष्का,अंशु सरीन आदि उपस्थित रहे।

अहसन मियां की सदारत में दरगाह आला हजरत पर मनाया जायेगा उर्स-ए-ताजुशशरिया

दैनिक समाज जागरण संवाददाता
बरेली। सातवां दो रोजा उर्स-ए-ताजुशशरिया बरेली में 04 और 05 मई को मनाया जायेगा। इसी कड़ी में दरगाह आला हजरत परिसर में 05 मई को दरगाह के सज्जादनशीन मुफ्ती अहसन रजा कादरी(अहसन मियां) की सदारत में मनाया जायेगा। मुफ्ती सलीम नूरी बरेलवी ने बताया कि बाहर से आने वाले जायरीन के लिए मदरसा मंजर-ए-इस्लाम,अफ्रीकी हॉस्टल,मेहमान खाने में ठहराने के साथ लंगर की भी व्यवस्था दरगाह प्रमुख की ओर से की गई है ताकि बाहर से आने वाले जायरीन को किसी तरह की परेशानी न हो।
दरगाह से जुड़े नासिर कुरैशी ने बताया कि 05 मई को बाद नमाज ए फज्र कुरानख्वानी होगी। दिन में नात-ओ-मनकबत का दौर चलेगा। मुख्य कार्यक्रम दोपहर बाद 4 बजे से शुरू होगा। उलेमा-ए-इकराम की खुसूसी तकरीर होगी। जिसमें आला हजरत,मुफ्ती आजम हिंद और हुजूर ताजुशशरिया द्वारा मजहब व मसलक के लिए की गई खिदमात पर रोशनी डालेंगे। कुल शरीफ की रस्म अपने तय शुदा वक्त 7 बजकर 14 मिनट पर अदा की जायेगी। सज्जादानशीन मुजाहिद रजा, ताहिर अल्वी,शान रजा, इशरत नूरी, आलेनबी, नाजिम रजा, साजिद नूरी, जोहिब रजा,

मुफ्ती अहसन मियां की खुसूसी दुआ होगी। उर्स की तैयारियों को लेकर आज दरगाह पर सज्जादानशीन मुफ्ती अहसन मियां की सदारत में एक बैठक हुई। जिसमें मुफ्ती अहसन मियां ने सभी रजाकारों को जायरीन की खिदमत करने का निर्देश दिया। इस मौके पर औरंगजेब नूरी,हाजी जावेद खान, शाहिद नूरी, परवेज नूरी, मंजूर रजा,अजमल नूरी, सय्यद माजिद अली, डॉक्टर अब्दुल माजिद, युनुस गद्दी, मोहसिन रजा, इरशाद रजा, सबलू अल्वी, जीशान कुरैशी, साकिब रजा, अजमल रजा, सुहैल रजा, शाद रजा, आदिल रजा, काशिफ रजा, गौहर खा, समी रजा, अश्मीर रजा, शारिक बरकाती, हाजी शारिक नूरी, खालिद नूरी, तारिक सईद, आसिफ नूरी, नईम नूरी, रोमान रजा, आदि लोग शामिल रहे।

बिथरी चैनपुर में 30 बीघे अनाधिकृत कॉलोनी पर फिर चला बुल्डोजर

दैनिक समाज जागरण संवाददाता
बरेली। भाजपा नेता कम प्रॉपर्टी कारोबारी का आईवीआरआई के सामने गुलजार मार्केट ध्वस्त करने के बाद बीडीए का बुल्डोजर शांत नहीं है। बरेली विकास प्राधिकरण की प्रवर्तन टीम ने बृहस्पतिवार को बिथरी चैनपुर में 30 बीघे की अवैध कॉलोनी को एक बार फिर से जमींदोज कर दिया। दोनों कॉलोनियों का निर्माण, भूखंड चिन्हांकन और विकास डेवलपमेंट अथारिटी से मानचित्र स्वीकृत कराए बिना चल रहा था।
बीडीए की तरफ से जारी प्रेस विज्ञप्ति में बताया कि प्रॉपर्टी डीलर शिवेन्द्र प्रताप सिंह तोमर पुत्र शैलेन्द्र सिंह की तरफ से ग्राम बिथरी चैनपुर में 10 बीघा क्षेत्रफल में बिना विकास प्राधिकरण की स्वीकृति लिए सड़क, नाली, बाउन्ड्रीवाल, भूखण्डों का चिन्हांकन कार्य करते हुए अवैध कालोनी का निर्माण कराया जा रहा था। इसी क्रम में प्रॉपर्टी कारोबारी शमशुल और अजीम ग्राम महलऊ थाना इज्जतनगर में 20 बीघा क्षेत्रफल में बिना विकास प्राधिकरण की स्वीकृति के सड़क, बाउन्ड्रीवाल के निर्माण कार्य कराकर भूखण्डों का चिन्हांकन करने में लगे थे। अवैध निर्माण पर उ0प्र0 नगर योजना एवं विकास अधिनियम-1973 की सुंसगत धाराओं के अन्तर्गत कार्यवाही करते हुए प्राधिकरण के अवर अभियन्तागण अजीत साहनी,

सीताराम, बौद्धमणि गौतम, सहायक अभियन्ता रमन कुमार अग्रवाल एवं प्रवर्तन टीम ने अवैध कालोनी ध्वस्त कर दी।

बिना मानचित्र स्वीकृत हुए न खरीदें प्लॉट या मकान
बीडीए की तरफ से बताया गया कि नगर योजना एवं विकास अधिनियम-1973 के प्राविधानों के अन्तर्गत किसी भी व्यक्ति को प्राधिकरण सीमा के अंतर्गत कहीं भी निर्माण या प्लाटिंग करने से पूर्व बरेली विकास प्राधिकरण से मानचित्र स्वीकृत कराना अनिवार्य है। बिना मानचित्र स्वीकृत कराये प्लाटिंग करना या भवन निर्माण करना पूरी तरह से अवैध है। इस तरह के निर्माण का ध्वस्तीकरण प्राधिकरण द्वारा कभी भी किया जा सकता है। भवन और भूखण्ड क्रेताओं को सलाह है कि किसी भी परेशानी से बचने के लिए भवन या भूखण्ड क्रय करने से पूर्व उसकी मानचित्र स्वीकृति सम्बन्धी जानकारी प्राधिकरण से अवश्य प्राप्त कर लें। मानचित्र स्वीकृत न होने की स्थिति में खरीदारी से बचें। अन्यथा की दशा में प्राधिकरण द्वारा उ0प्र0 नगर नियोजन एवं विकास अधिनियम-1973 की सुसंगत धाराओं के अन्तर्गत प्रभावी कार्यवाही की जायेगी। उसका उत्तरदायित्व निर्माणकताओं का स्वयं का होगा।

लड़की भगा ले जाने के मामले में युवक को प्रताड़ित करने का आरोप पुलिस पर लगा

दैनिक समाज जागरण संवाददाता
बरेली। प्रेम प्रेसंग और फिर लड़की भगा ले जाने के मामले में युवक को

प्रताड़ित करने का आरोप पुलिस पर लगा है। पुलिस की पिटाई से युवक इतना सदमे में था कि फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। अब परिवार वाले आरोपी दरोगा और लड़की के परिजनों पर कार्रवाई की मांग कर रहे हैं।
पूरा मामला भुता थाना क्षेत्र के गांव म्यूडी खुर्द थाना क्षेत्र का है। जहां 18 वर्षीय सलमान पर क्लोड़िया थाना क्षेत्र के ग्राम सतवन पट्टी की एक लड़की को भगा ले जाने का आरोप लगा था। आरोप है कि क्लोड़िया पुलिस ने सलमान की पिटाई कर दी। जिससे परेशान होकर बुधवार रात में ग्राम म्यूडी थाना भुता स्थित अपने घर के कमरे में सलमान ने फांसी लगाकर सुसाइड कर लिया। जानकारी मिलने के बाद थाना प्रभारी निरीक्षक भारत सिंह व फॉरेंसिक टीम मौके पर पहुंची और जांच पड़ताल की।
बेटे की मौत के बाद परिजनों में आक्रोश है। परिजन आरोप लगा रहे हैं कि पुलिस की पिटाई से परेशान होकर सलमान ने ये कदम उठाया है। मृतक के परिजन दरोगा व लड़की के परिजनो के खिलाफ मुकदमा दर्ज होने के बाद ही पीएम कराने की मांग पर अड़े रहे। हालांकि पुलिस परिजनों को समझाने का प्रयास कर रही थी।

गर्मी में पेयजल के लिए नहीं भटकेंगे शहरवासी, सांसद ने अरुणा फाउंडेशन ने शहर की विभिन्न स्थानों पर लगाया प्याऊ

दैनिक समाज जागरण संवाददाता
बरेली। चिलचिलाती गर्मी में राहगीरों को राहत पहुंचाने के लिए अरुणा फाउंडेशन की ओर से हर साल की तरह इस साल भी शहर भर में प्याऊ लगाने की शुरूआत की गई है। इस पुनीत कार्य की शुरूआत बरेली के सांसद

छत्रपाल सिंह गंगवार ने की। उनके साथ वरिष्ठ भाजपा नेता पूरन लाल लोधी जी भी मौजूद रहे।
अरुणा फाउंडेशन के अध्यक्ष और पूर्व उपसभापति अतुल कपूर ने बताया कि संस्था की ओर से हर साल गर्मी में राहगीरों को स्वच्छ शीतल पेयजल उपलब्ध कराने के लिए मटकों की व्यवस्था शहरभर में की जाती है। इसी पहल को आगे बढ़ाते हुए इस साल भी शहर के सेलेक्शन प्वाइंट, शील चौराहा, कालीबाड़ी, कंपनी गार्डन, पटेल चौक, गुलाबबाड़ी श्मशान भूमि सहित लगभग डेढ़ दर्जन से भी अधिक जगहों पर प्याऊ की व्यवस्था की गई है। जल ही जीवन है के इस मुहिम को ध्यान में रखते हुए सदैव इस पुनीत कार्य को करने के वह लिए तत्पर रहते है।
इस अवसर पर अरुणा कपूर , पार्षद सोनिया अतुल कपूर, रोहित खंडेलवाल, समर्थ अग्रवाल,विशाल मल्होत्रा मनीष,इन्ना टंडन, अंशु शर्मा, वंदिता शर्मा, शैफाली खंडेलवाल, छवि अग्रवाल, मीतू अग्रवाल ,अमित कपूर , मीनू कपूर, संजीव गर्ग,रीना गर्ग,धीरज खंडेलवाल, शिवी खंडेलवाल, मन्नू विग, नीरज खंडेलवाल,पायल खंडेलवाल, विनीति, नरेंद्र कुमार, मोना लूथरा, लतेश शर्मा, धीरज सेठी, डॉ आर पी कक्कड़ आदि मौजूद थे।

मजदूरों का पसीना सूखने से पहले उनका मेहताना उनको मिल जाए : डीएम

दैनिक समाज जागरण संवाददाता
बरेली। अंतर्राष्ट्रीय मजदूर दिवस पर जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने अटल आवासीय विद्यालय के छात्र-छात्राओं को पुरस्कृत किया। डीएम ने निर्माण श्रमिकों को हित लाभ स्वीकृत प्रमाण पत्र, ई पंजीकरण कार्ड भी वितरित किए। इस मौके पर जिलाधिकारी ने कहा कि हम सबका पहला दायित्व यह है कि श्रमिकों का मेहताना उनका पसीना सूखने से पहले मिल जाए।
अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर आईएमए हाल में आयोजित ई श्रम पंजीकरण श्रमिक कैंप में डीएम ने निर्माण श्रमिकों के हितलाभ स्वीकृति प्रमाण पत्र प्राप्त करने वाले व अटल आवासीय विद्यालय के मेधावी छात्र/छात्राओं को बधाई दी। डीएम ने कहा कि एक मजदूर देश के निर्माण और विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। हमें श्रमिक साथियों का सम्मान करना चाहिए। दुनिया में आधुनिकता की चमक पर हम गर्व कर रहे हैं। यह सब उन्हीं मेहनतकश मजदूरों की देन है। इसके लिए हमें मेहनतकश कामगारों को धन्यवाद करना चाहिए।

श्रमिकों को तक पहुंचाएं योजनाओं का लाभ
जिलाधिकारी ने उप श्रमायुक्त से कहा कि श्रमिकों के लिए संचालित लोक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उन तक पहुंचाएं। यह योजनाएं मात्र कागजों में कैद होकर न रह जाएं। सरकार की योजनाओं से श्रमिकों को बहुत फायदा होगा और उनकी आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। हमें प्रयास करना चाहिए कि मजदूरों का पसीना सूखने से पहले उनका पारिश्रमिक उन्हें मिल जाए। डीएम ने उप श्रमायुक्त को निर्देश दिए कि जितनी भी आरसी कलेक्ट्रेट में भेजी गई हैं, उसकी सूची उपलब्ध कराएं और जिससे उस पर कार्रवाई करायी जा सके।

टॉपर्स छात्राओं को डीएम से मिला सम्मान
इस अवसर पर अटल आवासीय विद्यालय

की वार्षिक परीक्षा-2025 में अधिकतम अंक प्राप्त करने वालों में क्लास 06 की टॉपर काव्या वर्मा, क्लास 07 की टॉपर खुशबू यादव व क्लास 09 के टॉपर अंश को प्रतीक चिन्ह देकर पुरस्कृत किया गया। निर्माण श्रमिकों के कल्याण के लिए संचालित विभिन्न योजनाओं के लाभार्थियों को स्वीकृति प्रमाण पत्र वितरित किए। कन्या विवाह सहायता योजना के लाभार्थी सुरेश चन्द्र, ठाकुर दास, जगदीश, भानु प्रताप व भगवत शरण को 55 हजार की धनराशि के स्वीकृति प्रमाण पत्र प्रदान किये गये।

12 लाभार्थियों को 225 लाख की एफडी मिली
निर्माण कामगार मृत्यु एवं दिव्यांगता सहायता योजना के लाभार्थी नंदराम, उमेश चन्द्र, हरिशंकर, प्रमोद कुमार व रामेश्वर दयाल सहित कुल 12 लाभार्थियों को 02 लाख 25 हजार की दर से एमआईएस (एफडी) प्रदान की गयी। मातृत्व शिशु बालिका मदद योजना के लाभार्थी तेजराम, फिरासत अली व जहांनन को 20-20 हजार रुपए की आर्थिक सहायता स्वीकृति प्रमाण पत्र प्रदान किये गये। अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर कुल 700 निर्माण श्रमिकों को लाभान्वित किया गया। श्रम विभाग द्वारा आईएमए हॉल स्थित ब्लड बैंक में रक्तदान शिविर का भी आयोजन किया गया। रक्तदान शिविर में श्रम विभाग के कर्मियों ने रक्तदान किया। कार्यक्रम में सीडीओ जग प्रवेश, उप श्रमायुक्त डॉ0 दिव्य प्रताप सिंह, सहायक श्रमायुक्त बाल गोविन्द, सहायक निदेशक कारखाना कपिल शर्मा, श्रम प्रवर्तन अधिकारी, श्रमिक संघों के प्रतिनिधि आरपी सिंह उपस्थित थे। संचालन बरेली कॉलेज की प्रोफेसर डॉ0 वन्दना वर्मा ने किया ।

मजदूर दिवस पर प्रदेश में छुट्टी, कर्मचारियों की नियमित रोजगार देने की मांग की

दैनिक समाज जागरण संवाददाता
बरेली। आंबेडकर पार्क में मजदूर दिवस का आयोजन शानदार तरीके से किया गया,सैकड़ों की संख्या में श्रमिक और कर्मचारियों ने भागीदारी की कुछ संगठन रैली के रूप में अंबेडकर पार्क पहुंचे, कार्यक्रम की शुरूआत जोशीले तरानों से की गई अपने आरंभिक संबोधन में अध्यक्ष मुकेश सक्सेना ने कहा कि आर्थिक उदारीकरण की नीतियों के बाद मजदूरों और कर्मचारियों की स्थिति खराब हुई है काम के घंटे जो कानूनी रूप से आठ ही हैं उनको बढ़ाने की मांग लगातार पूंजिपतियों द्वारा की जा रही है मजदूर वर्ग को इसके खिलाफ और अधिक मुखर होने और इसका पुरजोर विरोध जारी रखने की जरूरत है।
महामंत्री संजीव मेहरोत्रा ने कहा कि श्रम ब्यूरो के हाल में जारी आंकड़ों के अनुसार केवल 7% भारतीय श्रमिक संगठित क्षेत्र में शेष हैं और 83% कार्यबल असंगठित क्षेत्र में हैं गीग इकनॉमी के उभार से स्थिति और जटिल हो गई है आज की अर्थ व्यवस्था में कामगारों को संगठित करने और नए तेवर से आगे लाने की कोशिश जारी है।
उप महामंत्री गीता शांत ने कहा के आउट सोर्सिंग ठेका प्रथा संविदा की व्यवस्था निजीकरण की देन है आगामी 20 मई की देशव्यापी हड़ताल इस व्यवस्था के खिलाफ होने जा रही है उन्होंने आवाहन किया कि आंदोलनों के जोश और आवेग को बढ़ा कर

ही इस पूंजीवादी व्यवस्था से लड़ा जा सकता है।
उपाध्यक्ष ध्यान चन्द्र मौर्य ने कहा कि असंगठित क्षेत्रों में काम करने वाले मजदूरों/श्रमिकों की स्थिति दिन प्रतिदिन बदतर हो रही है उन्होंने बाजारवाद को मजदूर विरोधी बताया और कामगारों को संघर्ष का रास्ता अपनाने पर जोर दिया यूनियन बैंक स्टाफ एसोसिएशन के महामंत्री पी के महेश्वरी ने विभागों में खाली पड़े पदों को भरने और अस्थाई सभी कर्मचारियों की नियमित रोजगार देने की मांग रखी। डॉ अंचल अहरी और डॉ मुनीश गंगवार ने पुरानी पेंशन योजना को बहाल करने की मांग की और सरकार से अपने हठधर्मी रवैया को छोड़ने का आवाहन किया। कार्यक्रम का संचालन ललित चौधरी ने किया और उन्होंने महंगाई बेरोजगारी और ठेकाकरण के खिलाफ जम कर संघर्ष का आवाहन किया. उन्होंने कहा कि मई दिवस के शहीदों को सच्ची श्रद्धांजलि तभी होगी जब हम उनके द्वारा तय संघर्ष के मार्ग को अपनाए, तमाम अन्य वक्ताओं ने भी मजदूर दिवस के संबंध में अपने विचार रखे जिसमें सर्व श्री राजेंद्र सिंह,,जितेंद्र मिश्रा,सलीम अहमद,अमीर खा, टी डी भास्कर,अवतार सिंह,शैलेंद्र,मिशन पाल,मुशर्रफ अली, प्रवीण राठौड़, एस के गुप्ता चरण सिंह यादव हरि शंकर,के पी सिंह,अमित कुमार दिनेश सक्सेना,मो फैसल,कैलाश , मोहित,दिशा, निशा आदि शामिल रहे।

श्री हरि मंदिर प्रबंध समिति द्वारा छबील सेवा शुरू

दैनिक समाज जागरण संवाददाता
बरेली। श्री हरि मंदिर प्रबंध समिति बरेली एवं महिला मंडल बरेली द्वारा आज से शरबत की छबील सेवा मंदिर के मुख्य द्वार पर शुरू हो गई है। मंदिर सचिव रवि छाबड़ा जी ने बताया कि हर वर्ष की भांति इस वर्ष भी श्री ठाकुर जी अपार कृपा से भीषण गर्मियों में श्री हरि मंदिर प्रबंध समिति एवं महिला मंडल द्वारा राहगीरों,स्कूली बच्चों व आम जनता के लिए आज से दोपहर 12.30 बजे से शरबत का छबील सेवा श्री हरि मंदिर मुख्य द्वार पर शुरू हो गई जो कि प्रभु इच्छा तक चलेगी। रवि छाबड़ा ने यह भी बताया बीच बीच में शरबत से साथ साथ आलू पूरी,राजमा चावल, ब्रेड माखन, चने चावल आदि का भी वितरण समिति द्वारा किया जाता है। आज की सेवा में मुख्य रूप से मंदिर अध्यक्ष सुशील अरोरा,सचिव रवि छाबड़ा,गोविंद तनेजा,मिक्की आहूजा, दीपक साहनी, तुषार छाबड़ा ,समीर अरोरा आदि उपस्थित रहे।

अक्षय तृतीया के शुभ अवसर पर, संपन्न हुआ मुख्यमंत्री सामूहिक विवाह, निकाह योजना अंतर्गत 70 कन्याओं का विवाह सम्पन्न

जिला प्रशासन बना मेजबान और जन प्रतिनिधि बने बराती, ढोल-ढमाके, बाजे-गाजे, आतिशबाजी के साथ निकली बारात

जितेंद्र शर्मा

शहडोल। मुख्य मंत्री सामूहिक विवाह, निकाह योजना अंतर्गत जिले के जयसिंहनगर के हनुमान मंदिर प्रांगण में सामूहिक विवाह का आयोजन सम्पन्न हुआ। आयोजन में 70 जोड़ों का विवाह वैदिक रीति रिवाज एवं मत्रोच्चारण के साथ संपन्न हुआ। कार्यक्रम के आयोजन कि जिम्मेवारी जिला प्रशासन सम्हाल रहा था। वहीं जनप्रतिनिधि एवं आम जन बाराती थे। जयसिंहनगर के हनुमान मंदिर प्रांगण में सुबह से ही खुशनुमा माहौल था। ग्रामीण जन अतिथियों के स्वागत सत्कार की व्यवस्था में जुड़े हुए थें। घराती एवं बाराती पक्ष अपने मेहमानों के साथ कार्यक्रम स्थल में पहुंच रहे थे। ढोल ढमाके, बाजे,गाजे के साथ बारात निकली, जिसकी अगुआई जिला प्रशासन की तरफ से कलेक्टर डॉ केदार सिंह, प्रभारी मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत नरेंद्र सिंह धुर्वे, अनुविभागीय अधिकारी राजस्व जयसिंहनगर श्रीमती प्रगति वर्मा, तहसीलदार जयसिंहनगर श्रीमती सुषमा धुर्वे, अतिरिक्त मुख्य कार्यपालन अधिकारी जिला पंचायत मुद्रिका सिंह, मुख्य कार्यपालन अधिकारी जनपद पंचायत जयसिंहनगर अशोक मरावी द्वारा की गई। सात फेरों एंव मत्रोच्चारण के साथ वैदिक परंपरा के अनुसार 70 जोड़ों का विवाह सम्पन्न हुआ। अतिथियों द्वारा नव वर-वधू को राज्य सरकार के प्रावधान के अनुरूप 49 हजार रुपए के चेक भेंट किए गए। जो नव दम्पत्ति को गृहस्थी के सामान एवं अन्य कार्यों के लिए व्यय किए जा सकेगे। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए विधायक जयसिंहनगर

श्रीमती मनीषा सिंह ने कहा कि प्रदेश सरकार गरीब परिवारों की कन्याओं के विवाह की जवाबदारी अपने हाथों में ले रखी है। कन्याओं का विवाह पूरे उत्साह के साथ आयोजित किया गया। अब कन्या विवाह के लिए अभिभावकों को अपनी जमीन या जायजाद गिरवी रखने की जरूरत नहीं पड़ेगी। कन्या पक्ष वर तलाश कर ऑनलाइन आवेदन करें। विवाह की सम्पूर्ण जिम्मेवारी राज्य सरकार की होगी। आयोजित सामूहिक विवाह में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती प्रभा मिश्रा, जनपद अध्यक्ष जनपद पंचायत जयसिंहनगर श्रीमती मालती सिंह, नगर नगर परिषद अध्यक्ष जयसिंहनगर श्रीमती सुशीला शुक्ला, उपाध्यक्ष जनपद पंचायत जयसिंहनगर श्रीमती रक्षा शिबू सिंह सहित अन्य जनप्रतिनिधि, अधिकारी एवं कर्मचारी एंव काफी संख्या में आमजन उपस्थित रहे।

जमोड़ी पुलिस ने लूट के दो आरोपियों को महज 6 घंटों के भीतर लिया हिरासत में

पुलिस सीसीटीव्ही के मदद से आरोपियों को किया गया चिन्हित।

समाज जागरण

सीधी पुलिस अधीक्षक डॉ रवीन्द्र वर्मा के कुशल निर्देशन व अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक अरविन्द श्रीवास्तव एवं उप पुलिस अधीक्षक मुख्यालय सीधी श्रीमती गायत्री तिवारी के मार्गदर्शन मे तथा थाना प्रभारी जमोड़ी उनि दिव्य प्रकाश त्रिपाठी के नेतृत्व मे जमोड़ी पुलिस ने लूट के दो आरोपियों तथा एक विधि विरुद्ध बालक को लूट करने के बाद महज 6 घंटों में हिरासत मे लिया है।

बीते दिनांक थाना जमोड़ी में फरियादी मुकेश कुमार साकेत पिता श्री निवास साकेत उम्र 31 वर्ष निवासी ग्राम भगड़ा थाना सेमरिया जिला रीवा (म.प्र.) ने रिपोर्ट लेख कराया कि मैं दिनांक आज दिनांक 30/04/2025 को अपने ससुराल पड़रा से समय करीबन 10.30 बजे दिन बाईपास रोड पर नाश्ता लेने आया था नाश्ता लेकर जाते समय बाईपास रोड पर ही दो लड़के मिले जो मेरे से लिफ्ट मांगे और मेरे मोटरसायकल पर बैठ गये थोड़ी दूर जाने पर दोनों ने मेरी मोटरसायकल रुकवा दिये तब तक एक तीसरा लड़का मेरे जेब से मेरी मोबाइल जबरदस्ती छीन लिया और दोनों लड़के मेरे साथ मारपीट करके मेरी पल्सर मोटरसायकल जबरन ले गये हैं मारपीट से मुझे कई जगह चोट भी लगी है। रिपोर्ट पर अपराध पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया। एवं थाना प्रभारी जमोड़ी उनि0 दिव्य प्रकाश त्रिपाठी द्वारा पुलिस टीम का गठन कर आरोपियों की धर पकड़ हेतु रवाना किया गया एवं पुलिस टीम ने पुलिस सीसीटीव्ही कण्ट्रोल रूम पहुँच कर सीसीटीव्ही फूटेज देखा और सीसीटीवी फुटेज के आधार पर संदिग्धों को चिन्हित किया गया एवं घटना कारित करने वालों की पहचान आस पास के क्षेत्रीय लोगों से कराई गई। तथा संदेही संजीव साकेत पिता नरेश साकेत उम्र 18 वर्ष निवासी पडरा, 2. नीरज साकेत पिता स्वर्गीय तीरथ प्रसाद साकेत उम्र 18 वर्ष निवासी पड़रा थाना जमोड़ी तथा एक विधि विरुद्ध बालक को हिरासत में लेकर पूछताछ की गई जो अपना अपराध स्वीकार किये एवं लुटे गए मोबाइल फोन तथा मोटरसाइकिल को जप्त करवाये। जिसके पश्चात वैधानिक कार्रवाई उपरांत आरोपियों को माननीय न्यायालय के समक्ष पेश किया गया है।

इनकी रही अहम भूमिका

थाना प्रभारी उनि0 दिव्य प्रकाश त्रिपाठी, सउनि गोविन्द, प्रधान आर0- लल्लू विश्वकर्मा, अवनीश बघेल,गुरुप्रसन्न, आर0 - के पी सिंह, ललित मिश्रा, राजू यादव, योगेश जाटव एवं साइबर सेल से कृष्ण मुरारी द्विवेदी का महत्वपूर्ण योगदान रहा है।

अनूपपुर जिला खेल परिसर में समर कैंप का हुआ शुभारंभ

- समर कैंप में बच्चों को अलग अलग खेल विधाओं में किया जाएगा पारंगत- चैतन्य मिश्रा
- बच्चों के मनोरंजन तथा आनंद का साधन भी है समर कैंप-केरकट्टा

समाज जागरण

अनूपपुर। मुख्यालय स्थित जिला खेल परिसर में ग्रीष्मकालीन खेल प्रशिक्षण शिविर का औपचारिक शुभारम्भ किया गया।जिला कलेक्टर अनूपपुर हर्षल पंचोली,पुलिस अधीक्षक मोतीउर रहमान तथा मुख्य कार्यपालन अधिकारी तन्मय वशिष्ठ शर्मा जिला पंचायत अनूपपुर के कुशल मार्गदर्शन एवं अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक इशरार मंसूरी एवं प्रभारी जिला खेल और युवा कल्याण अधिकारी के कुशल निर्देशन में खेल और युवा कल्याण विभाग जिला अनूपपुर के द्वारा 01 मई से 31 मई तक पूर्णतः निःशुल्क खेल प्रशिक्षण शिविर का आयोजन किया जा रहा है।

जिसका शुभारम्भ 01 मई को प्रातः 07 बजे एसडीओपी अनूपपुर सुमित केरकेटा,थाना प्रभारी कोतवाली अनूपपुर अरबिन्द कुमार जैन एवं जिला व्हालीवाल संघ के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ पत्रकार चैतन्य मिश्रा के आतिथ्य में संपन्न हुआ।

जिला व्हालीवाल संघ के अध्यक्ष एवं वरिष्ठ पत्रकार चैतन्य मिश्रा ने आयोजन के विषय में बताया कि खेल समर कैंप से बच्चों को शारीरिक विकास बच्चो का मानसिक विकास, बच्चों का सामाजिक

विकास और बच्चों को विभिन्न खेलों में अपने कौशल में सुधार करने का अवसर प्रदान करना।यह एक यादगार और विकासात्मक अनुभव हो सकता है। समर कैंप के माध्यम से जिले के चारों विकासखंडों में अलग अलग खेल विधाओं में बालक बालिकाओं को पारंगत किया जाएगा।शिविर में व्हालीबाल खेल का प्रशिक्षण रामचंद्र यादव जिला व्हालीबाल प्रशिक्षक खेल विभाग,कराते का प्रशिक्षण संजय जोगी ब्लैक बेल्ट एवं सीनियर खिलाड़ी,कबड्डी का प्रशिक्षण इन्द्रनारायण काछी एवं रामायण वर्मा खेल अधिकारी कन्या महाविद्यालय अनूपपुर के द्वारा जिला खेल परिसर में दिया जा रहा है।साथ ही उत्कृष्ट उच्च.माध्य.विद्यालय अनूपपुर में धनीराम बनवासी,व्यायाम शिक्षक द्वारा फुटबॉल खेल का प्रशिक्षण प्रदान किया जा रहा है।साथ ही नियमित प्रशिक्षण प्राप्त करने वाले बालक बालिकाओं को विभाग द्वारा प्रमाण पत्र भी प्रदान किया जाएगा।

उक्त आयोजन में उपस्थित एसडीओपी अनूपपुर सुमित केरकटा द्वारा समर कैंप से बच्चों के अन्दर होने वाले फायदों तथा उनके शारीरिक,मानसिक,सामाजिक, विकास के बारे में बताते हुए कहा कि ऐसे आयोजनों से बच्चों में आत्मविश्वास तथा निर्णय लेने की क्षमता बढ़ती है साथ ही यह समर कैंप बच्चों के मनोरंजन तथा आनंद का साधन भी बनता है।

कार्यक्रम का मंच संचालन किशोर साकेत सचिव अनूपपुर डिस्ट्रिक कराते डेवलपमेंट एसोसिएशन के द्वारा किया गया।कार्यक्रम में सचिन चंद्र सिंह प्राचार्य सरस्वती शिशु मन्दिर अनूपपुर,अशुतोष त्रिपाठी अध्यक्ष मैकल क्लब अनूपपुर, कडीयाम ए.ई. जल संसाधन विभाग अनूपपुर, शोभनाथ प्रचेता उपाध्यक्ष जिला व्हालीवाल संघ अनूपपुर,दीपू बैगा शिक्षक,अजय मंडलोई सहायक ग्रेड तीन,पूरन सिंह श्याम खेल विभाग, सिनियर खिलाड़ी ए.विश्वास, विजय पटेल,वृजेश शुक्ला, अयोध्या प्रसाद सोनी,खेल प्रेमी और खिलाड़ियों के परिजन उपस्थित रहे। कर्मक्रम के सफल आयोजन मे रामचन्द्र यादव जिला खेल प्रशिक्षक खेल एवं युवा कल्याण विभाग का विशेष योगदान रहा।

जिले में अब तक 11 हजार 740 किसानों से 77 हजार 84 मीट्रिक टन गेहूँ उपार्जित

समाज जागरण

कटनी ।रबी विपणन वर्ष 2025-26 में जिले में समर्थन मूल्य पर अब तक 85 खरीदी केन्द्रों के माध्यम से 11 हजार 740 किसानों से 77 हजार 84 मीट्रिक टन गेहूँ का उपार्जन किया जा चुका है।

गेहूँ उपार्जन में बहोरीबंद अव्वल

गेहूँ खरीदी के मामले में बहोरीबंद तहसील अग्रणी है। यहां अब तक 2876 कृषकों से 18 हजार 982 मीट्रिक टन गेहूँ उपार्जित किया गया है। गेहूँ उपार्जन के मामले में ढीमरखेड़ा तहसील दूसरे स्थान पर है। जहां 2867 किसानों से 17 हजार 440 मीट्रिक टन गेहूँ खरीदा गया है। वहीं तीसरे स्थान पर जिले की विजयराघवगढ़ तहसील है। जहां 1679 किसानों ने 12 हजार 102 मीट्रिक टन गेहूँ की बिक्री की है। इसी प्रकार स्लीमनाबाद तहसील गेहूँ खरीदी के मामले में जिले में चौथे स्थान पर है। जहां 1197 किसानों ने 8 हजार 916 मीट्रिक टन गेहूँ की बिक्री की है। इसके अलावा रीठी तहसील जिले में पांचवे स्थान पर है। जहां के 1116 किसानों ने 6 हजार 727 मीट्रिक टन गेहूँ की बिक्री किया है। जबकि बरही तहसील छठवें पायदान पर है। जहां अब 800 किसानों ने 4 हजार 618 मीट्रिक टन गेहूँ की बिक्री की है। वहीं कटनी ग्रामीण एवं कटनी नगर संयुक्त रूप से सातवें स्थान पर हैं। जहां अब तक 589 किसानों ने 4 हजार 492 मीट्रिक टन गेहूँ की बिक्री की है। जबकि बड़वारा तहसील के 616 किसानों ने 3 हजार 808 मीट्रिक टन गेहूँ की बिक्री किया है। इस प्रकार बड़वारा गेहूँ उपार्जन के मामले में जिले में अंतिम पायदान पर है।

नागरिकों के सेल्फ कंट्रोल से चल रही यातायात व्यवस्था - महेश भागदेव

शहडोल। भारतीय जनता पार्टी के वरिष्ठ नेता एवं नपा शहडोल के पूर्व सभापति महेश भागदेव ने अपने जारी एक बयान में शहडोल नगर की यातायात व्यवस्था पर चिंता व्यक्त करते हुए कहा कि वर्तमान में नागरिकों के सेल्फ कंट्रोल सिस्टम से ही नगर की यातायात व्यवस्था संचालित हो रही है, वरना कोई ट्रैफिक पुलिस कर्मी तो इसे देखने वाला नहीं है। नगर के चौक चौराहों एवं व्यस्त मार्गों में लोग स्वयं को बचाते हुए अपने वाहनों को क्रॉस करते हुए नजर आते हैं, जब एक दिशा से वाहनों का आना कम हो जाता हैं तब दूसरी दिशा के लोग अपने वाहनो को आगे बढ़ाते हैं। कई बार वाहनों के परस्पर भिड़ंत की नौबत भी आ जाती है। यातायात व्यवस्था को कोई देखने सुनने वाला नहीं है, जबकि नगर में वाहनों की भीड़भाड़ में बेतहाशा वृद्धि हुई है। श्री भागदेव ने कहा कि कई वर्ष से नगर के ट्रैफिक सिग्नल खराब पड़े हुए हैं, जब तक उन्हें दुरुस्त नहीं करवाया जाता है तब तक यातायात कर्मियों को चाहिए कि चौराहों पर यातायात का मैनुअल नियंत्रित करें जैसा कि पूर्व में किया जाता रहा है लेकिन देखने में यह आता है कि या तो चौराहों पर कोई ट्रैफिक कर्मी दिखाई नहीं देगा अथवा होगा भी तो वह या तो मोबाइल फोन में व्यस्त रहता दिखाई देगा या फिर किनारे खड़े बातचीत करता हुआ।शाम के समय बस यातायात विभाग की कोई गाड़ी निकलेगी और वह कुछ चौराहों पर सायरन मारती हुई कुछ दिशा निर्देश देती हुई आगे बढ़ जाएगी मानों उन्होंने यह करके अपनी ड्यूटी पूरी कर ली हो।भाजपा नेता ने जिले के पुलिस अधीक्षक से मांग की है कि वह चौराहों पर खड़े ट्रैफिक पुलिस कर्मियों को पूरी मुस्तैदी से मैन्युअल ट्रैफिक कंट्रोल (वन बाय वन) किए जाने एवं ट्रैफिक सिग्नल्स को शीघ्रता से सुधार करवाए जाने के निर्देश दिए जाने हेतु अपेक्षा की है, क्योंकि जन नित में किसी व्यवस्था को अनंत काल के लिए नजरअंदाज नहीं किया जा सकता।

नृत्य प्रतियोगिता में दो सगी बहनों ने लहराया जीत का परचम

शहडोल। कर्मनिष्ठा फाउंडेशन द्वारा आयोजित सोलो नृत्य प्रतियोगिता में शहडोल नगर की दो सगी बहनों ने जीत का परचम लहराया है। जीत का परचम लहराने वाली बहनों में नित्या शर्मा औरि श्रया शर्मा के नाम शामिल हैं। नित्या शर्मा ने तीन से छह वर्ष आयु वर्ग में पहला स्थान अर्जित किया जबकि श्रया शर्मा ने सात से ग्यारह वर्ष आयु वर्ग में दूसरा स्थान अर्जित किया है। नित्या औरि श्रया जिला सत्र न्यायाधीश के सेवा निवृत्त स्टेनों शिव शंकर शर्मा की पोतियां हैं। इनकी सफलता पर श्रीमती चंदा शर्मा, दीपा शर्मा, नेहा शर्मा, एड्वोकेट महेन्द्र सराफ, नरेन्द्रि त्रपाठी, राजेन्द्रि द्ववेदी, भाजपा नेता संतोष लोहानी, श्रीनिकेत शर्मा, साकेत शर्मा ने हर्ष व्यक्त किया है।

बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व में ड्रोन से होगी निगरानी

उमरिया। बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व सहित एम पी के वन्य जीव बाहुल्य जंगलों में वन्य जीव ड्रोन कैमरे की नजर में होंगे,जिसके लिए बी टी आर द्वारा दो दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन कर ड्रोन कैमरे के माध्यम से वन्य जीवों की दिनचर्या पर नजर रखने का प्रशिक्षण प्राप्त किया गया है।जिले के विश्व प्रसिद्ध बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व के ईको सेन्टर ताला में मंगलवार को डायलॉग आईटीईएस भोपाल से आए एयर कोमोडोर राजीव मित्तल एवं उनकी टीम द्वारा वन एवं वन्यजीव सुरक्षा एवं मॉनिटरिंग हेतु थर्मल इमेजिंग ड्रोन को संचालित करने की ट्रेनिंग दी गई।थर्मल ड्रोन से रेस्क्यू कार्य, वन्यजीव-मॉनिटरिंग, सेंसटिव एरिया की लाइव मॉनिटरिंग जैसे महत्वपूर्ण कार्य भी किया जा सकेगा।प्रशिक्षण में बांधवगढ़ टाइगर रिजर्व टीम के अलावा प्रदेश के वीरांगना रानी दुर्गावती टाइगर रिजर्व,संजय टाइगर रिजर्व,दक्षिण शहडोल,उत्तर शहडोल,रीवा एवं मंदसौर वन मंडल से उपस्थित अधिकारियों एवं कर्मचारियों ने प्रशिक्षण प्राप्त किया है।

कार्यालय नगरपालिका परिषद बिजुरी, जिला-अनूपपुर (म०प्र०)

Phone/Fax No.1 07658-264242, E-mail: cmobijark@mpurban.gov.in.

क्र०/108//न.पा./लो.नि./ 2025 बिजुरी, दिनांक 29/04/2025

ई-निविदा आमंत्रण सूचना

एतद् द्वारा मध्यप्रदेश लोक निर्माण विभाग में केन्द्रीकृत प्रणाली के अन्तर्गत पंजीकृत ठेकेदार, पंजीकृत फर्म को सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित कार्य की निकाय द्वारा ई-निविदा आमंत्रित की गई है।

क्र०स०	ई- निविदा क्रमांक	कार्य का नाम	अनुमानित लागत	अमानत राशि	निविदा प्रपत्र शुल्क	आनलाईन निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	
1	2	3	4	5	6	7	8
1	2025_UAD _419625_1	CONSTRUCTION OF CC ROAD FORM NEAR SANKAR HOUSE TO JITENDRA HOUSE AT WARD NO 13	05.02 लाख	5021.00	2000.00	05-05-2025 (17:30 HRS)	2nd CALL
2	2025_UAD _419624_1	CONSTRUCTION OF CC ROAD FORM LALVA PAV HOUSE TO SHA-HEED MOTU HOUSE AT WARD NO 13	07.05 लाख	7057.00	2000.00	05-05-2025 (17:30 HRS)	2 nd CALL
3	2025_ UAD 419623_1	RENOVATED AND REPAIRED OF BANGALI DURGA PANDALAT WARD NO 04	27.39 लाख	20,549.00	5000.00	28-05-2025 (17:30 HRS)	

1. निविदा प्रस्तुत करने संबंधी सभी जानकारी वेब साईट (https://mptenders.gov.in) में निःशुल्क देखी व प्राप्त की जा सकती है।
2 बिड प्रस्तुतीकरण (ऑनलाईन) तिथि एवं अन्य जानकारी BID DATA SHEET व "KEY DATES" में देखी जा सकती है।
3. निविदा के किसी भी प्रकार का संशोधन का प्रकाशन केवल बेबसाईट में किया जावेगा, समाचार पत्र में नहीं ।

मुख्य नगर पालिका अधिकारी
नगरपालिका परिषद् बिजुरी
जिला-अनूपपुर (म०प्र०)
बिजुरी, दिनांक 29.04.2025

मजदूर दिवस पर श्रमिकों का सम्मान कानूनी अधिकार की दी गई जानकारी

समाज जागरण विश्व नाथ त्रिपाठी

प्रतापगढ़। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण के प्लान ऑफ एक्शन के अंतर्गत जनपद न्यायाधीश/अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण अब्दुल शाहिद के आदेशानुसार अपर जिला जज/सचिव जिला विधिक सेवा प्राधिकरण सुमित पंवार के कुशल निर्देशन में विश्व मजदूर दिवस के अवसर पर रानीगंज नगर पंचायत कार्यालय सभागार में तहसीलदार रानीगंज अजय संतोषी के अध्यक्षता में कानूनी जागरूकता एवं श्रमिक सम्मान कार्यक्रम आयोजित किया गया । इस अवसर पर लोगो को संबोधित करते हुए तहसीलदार ने कहा कि मजदूरों की मेहनत ही विकास की बुनियाद है सरकारी एवं गैर सरकारी उद्योगों में बड़ी संख्या में श्रमिक कार्य करते हैं सरकार द्वारा मजदूरों के कल्याणार्थ अनेक योजनाएं संचालित हैं जागरूकता के अभाव में लोग योजनाओं से वंचित हो जाते हैं लोगो को उनके कानूनी अधिकार एवं उसका लाभ प्राप्त हो, शोषण के खिलाफ श्रमिको को न्याय मिल सके इसके लिए विधिक सेवा प्राधिकरण द्वारा जनजागरूकता शिविर का आयोजन किया जाता है, कोई भी व्यक्ति प्राधिकरण में निःशुल्क कानूनी सहायता प्राप्त कर सकता है । पीएलवी महेंद्र कुमार त्रिपाठी ने बाल सेवा योजना, महिला उत्पीड़न, बाल श्रम, वैवाहिक विवाद समाधान विषय पर जानकारी दी। पीएलवी दिनेश कुमार मिश्र ने लोक अदालत के माध्यम से निस्तारित किए जाने वाले मामलो के बारे में विस्तार से बताया। पीएलवी सुरेंद्र कुमार सरोज ने रानीगंज तहसील में संचालित लीगल एड क्लीनिक के कार्यों और उद्देश्य को बताया। कार्यक्रम का संचालन पीएलवी अधिवक्ता अनिल कुमार पांडेय ने किया। अधिशाषी अधिकारी महेंद्र कुमार सिंह ने अतिथियों का आभार व्यक्त किया। कार्यक्रम में तहसीलदार द्वारा हरिकेश मौर्य, राम किशोर, संतोष गुप्ता, सुभाष, शोभनाथ, मुकेश, सीमा, गीता, विद्या, मालती सहित एक दर्जन से अधिक महिला पुरुष श्रमिको का माल्यार्पण कर अंगवस्त्र देकर सम्मानित किया गया। इस दौरान नगर पंचायत के सभासद सुपरवाइजर सफाई कर्मी सहित कई लोग मौजूद रहे।

मोहनलालगंज क्षेत्र के जबरौली गांव की इंटरमीडिएट छात्रा ने किया टॉप

विवेक कुमार समाज जागरण संवाददाता

राजधानी लखनऊ। मोहनलालगंज क्षेत्र के जबरौली गांव निवासी समाजसेवी दुर्गेश शर्मा की पुत्री सारिका ने इंटरमीडिएट परीक्षा में 98.25% अंक प्राप्त कर परिवार व जबरौली गाँव सहित क्षेत्र में अपने स्कूल व मां-बाप के साथ ही गांव वालों का नाम रोशन किया है। हाई स्कूल और इंटरमीडिएट परीक्षा का परिणाम में बालिकाओं ने फिर भारी संख्या में बाजी मारी है, तो वही सिटी मंटेंसरी स्कूल की होनहार छात्रा सारिका निवासी ग्राम जबरौली ने 98.25% अंक प्राप्त कर परिवार व जबरौली गाँव सहित क्षेत्र में अपने स्कूल व मां-बाप के साथ ही गांव वालों का नाम रोशन किया है। 98.25% अंक प्राप्त करने से स्कूल व परिवार सहित जबरौली गाँव के लोगों में खुशी का माहौल बना हुआ है। 98.25% अंक प्राप्त करने वाली जबरौली गांव की छात्रा सारिका को फूल मालाओं के साथ मुंह मीठा करा कर उसका हर्षवर्धन किया गया। ग्रामीणों ने बिटिया को आशीर्वाद देते हुए उज्जवल भविष्य की कामना की एवं परिजनों को शुभकामनायें दी।

पार्टी की बाते पार्टी फोरम में और सरकार की जन कल्याणकारी योजनाओं का प्रचार प्रसार पब्लिक प्लेटफॉर्म में हो --- प्रभारी मंत्री जायसवाल

- सर्किट हाउस में आयोजित हुई कार्यकताओं की बैठक

समाज जागरण विजय तिवारी

* सीधी। भारतीय जनता पार्टी की महत्वपूर्ण बैठक स्थानीय सर्किट हाउस में जिले के प्रभारी मंत्री तथा कुटीर एवं ग्रामोद्योग विभाग के राज्य मंत्री स्वतंत्र प्रभार दिलीप जायसवाल के मुख्य आतिथ्य एवं भाजपा जिला अध्यक्ष देव कुमार सिंह चौहान की अध्यक्षता और मध्य प्रदेश भाजपा के प्रदेश महामंत्री एवं पूर्व विधायक शरदेन्दु तिवारी, लोकसभा संसदीय क्षेत्र के सांसद डॉ राजेश मिश्रा, सीधी विधायक श्रीमती रीती पाठक, धौंहनी विधायक कुँवर सिंह टेकाम की विशिष्ट उपस्थिति में संपन्न हुई।

कार्यकताओं से परिचय प्राप्त करने के पश्चात जिले के प्रभारी मंत्री श्री जायसवाल ने कार्यकताओं को संबोधित करते हुए कहा कि प्रदेश एवं केंद्र सरकार की जनकल्याणकारी नीतियों एवं योजनाओं का प्रचार प्रसार गली-गली, मोहल्ले मोहल्ले और नुक्कड़, चौपाल में करें , किंतु पार्टी की कुछ विशिष्ट बातें पार्टी फोरम पर ही रखें। अपने नेतृत्व और अपनी पार्टी के प्रति समर्पण, श्रद्धा भाव अनिवार्य रूप से रहे क्योंकि हमारी पार्टी और हमारा नेतृत्व जो भी करेगा वह हमारे और देश हित में ही होगा। प्रभारी मंत्री श्री जायसवाल ने पार्टी कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी से विभिन्न विषयों पर सरकार का फीडबैक लिया और सरकार और पार्टी कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी के बीच समन्वय के संदर्भ में कई बातें कार्यकताओं के समक्ष रखी। जिसका कार्यकताओं ने तालियो की गड़गड़ाहट से एक स्वर से अभिनंदन किया। भाजपा जिला अध्यक्ष देव कुमार सिंह चौहान ने प्रभारी मंत्री श्री जायसवाल का पार्टी कार्यकर्ता एवं पदाधिकारी की ओर से अभिनंदन किया और पार्टी पदाधिकारी का परिचय कराया। साथ ही जिले में चल रही पार्टी गतिविधियों एवं कार्यक्रमों की भी जानकारी प्रभारी मंत्री श्री जायसवाल को दी।

मनरेगा श्रमिकों की बकाया मजदूरी की धनराशि भारत सरकार द्वारा अवमुक्त की गयी

दैनिक समाज जागरण विश्व नाथ त्रिपाठी

प्रतापगढ़। उपायुक्त श्रम रोजगार अश्वनी कुमार ने बताया है कि भारत सरकार द्वारा मनरेगा श्रमिकों की बकाया मजदूरी की धनराशि रुपए 2343.80 करोड़ दिनांक 21 अप्रैल को अवमुक्त कर दी गयी है, शीघ्र ही मनरेगा श्रमिकों की बकाया मजदूरी की धनराशि उनके अपने बैंक खाते में पहुॅच जायेगी। प्राप्त जानकारी के अनुसार सामग्री मद में भी भुगतान हेतु धनराशि शीघ्र ही अवमुक्त होने वाली है। मनरेगा श्रमिकों को बकाया मजदूरी सम्बन्धी किसी प्रकार की असुविधा होने पर अपने विकास खण्ड के कार्यक्रम अधिकारी अथवा विकास भवन स्थित उपायुक्त श्रम रोजगार कार्यालय से सम्पर्क कर सकते है।

कुंडा का चकबंदी अधिकारी घूंस लेते पकड़ा गया ।

समाज जागरण विश्व नाथ त्रिपाठी

प्रतापगढ़ ।कुंडा के चकबंदी अधिकारी को एन्टी करप्शन ने दस हजार रुपए की रिश्वत लेते हुए किया गिरफ्तार। बताया गया कि नंबरी जमीन के खाते में बटा दुरुस्ती के नाम पर मांगी थी दस हजार रुपए की रिश्वत। बाघराय थाना क्षेत्र के काशीपुर डुबकी गांव की ग्राम प्रधान पुष्पा देवी के पैरोकार सुरेश कुमार गुप्ता पुत्र खेमराज गुप्ता की शिकायत पर जाल बिछाकर एन्टी करप्शन की टीम ने सीओ चकबन्दी कुंडा राजेश त्रिपाठी को कुंडा रेलवे स्टेशन के प्लेटफार्म नम्बर एक से सुबह करीब साढ़े 8 बजे किया गिरफ्तार। ग्राम प्रधान पुष्पा देवी द्वारा बीते वर्ष सितम्बर माह में सीओ चकबन्दी के न्यायालय में बटा दुरुस्ती का किया गया था मुकदमा। चकबन्दीकर्ता एवं सहायक चकबंदी अधिकारी से रिपोर्ट लग जाने के बाद प्रधान का बड़ा काम होने के एवज में सीओ चकबन्दी राजेश त्रिपाठी द्वारा मांगी गई दस

बिधनोई में एक मवेशी पालक के बाड़े में आग लगाने के मामले में एक व्यक्ति का नाम सामने आया है आरोपित को पुलिस ने गिरफ्तार कर विभिन्न आपराधिक धाराओं में किया मामला दर्ज

दैनिक समाज जागरण,
(महेन्द्र जावला बहल)

बहल, 1 मई। गत मंगलवार की रात गांव बिधनोई में एक मवेशी पालक के बाड़े में आग लगाने के मामले में एक व्यक्ति का नाम सामने आया है। आरोपित को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। आरोपित प्रताप के खिलाफ विभिन्न आपराधिक धाराओं में मामला दर्ज किया गया है। इस आगजनी में पशुपालक रामकिशन की एक बकरी व दो बकरी के बच्चे झुलस कर दम तोड़े जाने व एक के झुलसने से घायल होने की पुष्टि आज हुई है। मवेशी पालक रामकिशन ने उसके बकरियों के बाड़े में आग लगने की शिकायत दर्ज कराई थी और पुलिस को प्रताप वासी ख्याली जिला झुंझुनूं राजस्थान के द्वारा आग लगाने को आरोपित किया है। मंगलवार की रात करीब साढ़े 11 बजे मवेशी पालक रामकिशन नायक के बकरियों के बाड़े में अचानक आग की लपटे धधक उठी थी और बाड़े में बंधी एक बकरी व दो बकरी के झुलसने से मौत व एक बच्चा गंभीर रूप से झुलस से घायल होने की शिकायत दर्ज कराई है। मामले के जांच अधिकारी एएस-ाआई कृष्ण कुमार ने बताया कि मवेशी पालक रामकिशन नायक की शिकायत पर आरोपित प्रताप के खिलाफ विभिन्न आपराधिक धाराओं में मामला दर्ज किया गया है और मामले की जनता से जांच की जा रही है।

कस्बे के श्रीराम इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थी अमन, छात्रा मुस्कान एवं छात्र शौर्य व छात्रा जयांशु को ग्लोबल स्पोटलाइट व आनर अवार्ड से नवाजा गया

दैनिक समाज जागरण,
(महेन्द्र जावला बहल)

बहल,1 मई। कस्बे के श्रीराम इंटरनेशनल स्कूल के विद्यार्थी अमन, छात्रा मुस्कान को भविष्य के निर्माण में तकनीकी का महत्त्व विषय तथा छात्र शौर्य व छात्रा जयांशु ने जलवायु परिवर्तन और हमारी जिम्मेदारी विषय के लिए ग्लोबल स्पोटलाइट व आनर अवार्ड से नवाजा गया है। यह पु-रस्कार अभयति फाउंडेशन द्वारा आयोजित अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन के लिए दिया गया। इस प्रतियोगिता में तीन देशों के 54 विद्यालयों से कुल 163 प्रविष्टियां प्राप्त हुईं थी। विद्यालय के कक्षा 9 के छात्र अमन और छात्रा मुस्कान ने भविष्य के निर्माण में तकनीकी का महत्त्व विषय पर प्रस्तुति दी। जिसमें उन्होंने दूसरा स्थान प्राप्त करते हुए 'ग्लोबल स्पोटलाइट अवार्ड प्राप्त किया। यह सम्मान वैश्विक स्तर पर उनकी उत्कृष्ट सोच और प्रस्तुति कौशल का प्रमाण है। वहीं कक्षा 9 के छात्र शौर्य और कक्षा 10 की छात्रा जयांशु ने जलवायु परिवर्तन और हमारी जिम्मेदारी विषय पर प्रस्तुति दी थी। जिसके लिए इन्हें 'ग्लोबल आनर अवार्ड' प्रदान किया। विद्यालय की प्राचार्या नीलू जे तेवतिया ने विद्यार्थियों की इस शानदार उपलब्धि पर हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह सफलता बच्चों की प्रतिभा, परिश्रम और विद्यालय के गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन का परिणाम है। डा. वीरेन्द्र श्योराण और सुशील केडिया ने भी बच्चों को बधाई देते हुए कहा कि विद्यालय का करियर काउंसलिंग प्रकोष्ठ आगे भी विद्यार्थियों को अंतरराष्ट्रीय मंचों तक पहुंचने के लिए प्रेरित करता रहेगा। श्रीराम इंटरनेशनल स्कूल परिवार इन होनहार विद्यार्थियों को शुभकामनाएं देते हुए उनके उज्वल भविष्य की मंगलकामना की है।

झूठ की प्रकाष्ठा धराशाई होती जा रही है और सच्चाई देश के सामने आ रही है : पूर्व विधायक चौधरी सोमवीर सिंह

दैनिक समाज जागरण, (महेन्द्र जावला बहल)

बहल, 1 मई। वरिष्ठ कांग्रेस नेता एवं पूर्व विधायक चौधरी सोमवीर सिंह ने कहा कि झूठ की प्रकाष्ठा धराशाई होती जा रही है और सच्चाई देश के सामने आ रही है। पिछले 11 वर्षों में देश में झूठ परोसा जा रहा है झूठ दिखाया जा रहा है। जैसा कहा जाता है सच्चाई को दबाए जाने से दब नहीं सकती और वह निश्चित रूप से उजागर होती है। झूठ की राजनीति हार गई और कांग्रेस फिर सच साबित हुई है। जो हुआ है और भविष्य में बहुत कुछ ऐसे ही होंने वाला है। फिर से बीजेपी, अन्ना गैंग और गोदी मीडिया बेनकाब हुआ है। पूर्व विधायक ने कहा कि पहले 2जी घोटाले के आरोप फर्जी साबित हुए, अब सीडब्ल्यूजी घोटाले के आरोप भी फर्जी निकले और रही नेशनल हेराल्ड केस की बात तो सालों की जांच के बाद भी अभी तक कोई ठोस आरोप साबित नहीं है। अब देश पूछ रहा है। इतने सालों तक कांग्रेस को झूठे मामलों में घसीटने की साजिश किसने रची। यह भी स्पष्ट होता जा रहा है। उन्होंने ने बताया कि असल में 2 जी, सीडब्ल्यूजी (कामनवेल्थ गेम्स घोटाला) कोई घोटाला था ही नहीं। इसे घोटाला बताकर राजनीतिक फायदा उठाया गया। और लोगों को ये झूठ परोसा गया और वर्तमान सत्तारूढ़ बीजेपी सत्ता में आई और मोदी प्रधानमंत्री बने, किरण बेदी राज्यपाल, केजरीवाल सीएम, विनोद राय बैंक बोर्ड का अध्यक्ष बनाए यह रेवड़ियां बराबर बटी यूपीए सरकार के दौरान घोटालों के नाम चले वो आंदोलन, वो लोकपाल का झुनझुना और महंगाई की मार एक संयोग नहीं प्रयोग था। जो तत्कालीन डा.मनमोहन की सरकार को बदनाम करने के लिए झूठ की दम पर चलाया गया था। चौ. सोमवीर सिंह ने बताया कि गोदी मीडिया की भी बड़ी भूमिका रही। इन झूठे आरोपों ने कांग्रेस की छवि को साजिश के तहत खराब करने का काम किया। क्या अब झूठे आरोप लगाने पर साजिशकताओं के खिलाफ का-र्रवाई होगी। क्या वो झूठा प्रोपेगेंडा फैलाने वाले लोग देश की जनता से माफी मांगेंगे। 11 साल बाद स्व.डा. मनमोहन सिंह और स्व.शीला दीक्षित को इंसाफ मिला है। उन्होंने ने कहा कि सच को जितना चाहो दबा लो, सच कभी हारता नहीं। हाल ही में 15 साल पुराना कामनवेल्थ गेम्स घोटाला कोर्ट पहुंचकर खत्म हो गया। ईडी की जांच में मनीलान्ड्रिंग का कोई सुबूत नहीं मिला। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने ईडी की क्लोजर रिपोर्ट स्वीकार ली है। सीबीआई पहले ही सभी को बरी कर चुकी है। कांग्रेस नेता ने कहा कि सालों तक भाजपा की इकोसिस्टम ने 2 जी, सीडब्ल्यूजी, राबर्ट वाड्रा और कोयला मामलों को लेकर कांग्रेस को बदनाम करने के लिए झूठ का हथियार बनाया। आज सच्चाई मजबूती से खड़ी है और उनके झूठ धराशायी हो चुके हैं। ये मामले कभी न्याय के लिए थे ही नहीं, ये केवल राजनीतिक प्रताड़ना, सुर्खियों में बने रहने और अपनी असफलताओं से ध्यान भटकाने का षड्यंत्र मात्र थे। इन गढ़े हुए मामलों का पतन सिर्फ कानूनी विजय नहीं है। बल्कि भाजपा की झूठे विमर्श की राजनीति पर एक नैतिक और राजनीतिक अभियोग है। सच कभी टीवी स्टूडियोज में चिल्लाता नहीं है। वह शांति से, सशक्त रूप से और अनिवार्यता के साथ सामने आता है। इन जुमलेबाज लोगों ने भले झूठ बोल कर, जनता को गुमराह करके बैकडोर से सत्ता हासिल कर ली हो। इन्होनें अपनी विफलता और अदूरदर्शिता कि वजह से देश को पतन के मुहाने पर खड़ा कर दिया है।

ब्राह्मण समाज को छतीस बिरादरी एकजुट होकर समाज को नया रास्ता दिखाना चाहिए। भगवान परशुराम भी शांति के समर्थक थे लेकिन अन्याय सहना उन्होंने नहीं सीखा : सांसद धर्मबीर सिंह

कहा -प्रत्येक व्यक्ति को अपने समाज की युवा पीढी को संस्कारयुक्त शिक्षा देने के लिए तत्पर रहना चाहिए

दैनिक समाज जागरण,
(महेन्द्र जावला बहल)

बहल, 1 मई। ब्राह्मण सभा सिंदौलिया खाप चौरासी द्वारा ब्राह्मण भवन में भगवान परशुराम जन्मोत्सव कार्यक्रम आयोजित किया गया और सांसद धर्मबीर सिंह, विधायक उमेद पातुवास, एसडीएम मनोज दलाल व अध्यक्ष अमरचंद चैहड़ इत्यादि के सानिध्य में विश्वशांति जनकल्याण महायज्ञ में आहुति डाली गई। समाज की मेद्यावी प्रतिभाओं व सामाजिक सेवाओं में अग्रणी पदाधिकारियों को सम्मानित भी किया गया। सिंदौलिया खाप का यह कार्यक्रम बाढ़डा के ब्राह्मण भवन में आयोजित किया गया। उपस्थित पदाधिकारियों ने एक दूसरे को बधाई दी। इस अवसर पर सांसद धर्मबीर सिंह ने कस्बे के ब्राह्मण भवन में खाप सरंक्षक व हरियाणा छात्र संघर्ष समिति के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष विजय मोटू व ब्राह्मण सभा सिंदौलिया खाप चौरासी अध्यक्ष मा.अमरचंद चैहड़ की अध्यक्षता में आयोजित भगवान परशुराम जन्मोत्सव कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि ब्राह्मण समाज को छतीस बिरादरी एकजुट होकर समाज को नया रास्ता दिखाना चा-हिए। भगवान परशुराम भी शांति के समर्थक थे लेकिन अन्याय सहना उन्होंने नहीं सीखा। वह महापुरुष भगवान विष्णुजी के छटे अवतार व चिरंजीवी रहते हुए कई सदियों तक विश्वविजेता रहे जो उनके पराक्रम का उदाहरण है। इससे हमें सीख मिलती है धरती पर कभी अधर्म का सामना होने पर उसके विस्तार की बजाए उसको खत्म करना चाहिए। विधायक उमेद पातुवास ने कहा कि भगवान परशुराम जन्मोत्सव भी अन्य धार्मिक पर्वो की भांति आपसी भाईचारे का प्रतिक है। ब्राह्मण सभा प्रतिवर्ष इस तरह के कार्यक्रमों का आयोजन कर समाज को एकसूत्र में पिरोने का काम करती है। हमें छतीस बिरादरी को एकजुट समाज को कुरीतियों से मुक्त करवाना चाहिए। एसडीएम मनोज दलाल ने कहा कि प्रत्येक व्यक्ति को सामाजिक गतिविधियों में पूरी तरह सक्रिय रहना चाहिए। मानव जीवन में परोपकार का समावेश जरुरी है। प्रत्येक व्यक्ति को अपने समाज की युवा पीढी को संस्कारयुक्त शिक्षा देने के लिए तत्पर रहना चाहिए। आज युवा पीढी पथभ्रष्ट हो रही है जिसको बचाने व समाज से नशा दूर करने के लिए मुहिम संचालित करना जरुरी है। कार्यक्रम में जिला परिषद चेयरमैन मंदीप डालावास, बीएसएफ कमांडेट बजरंग लाल पहाड़ी, सिंदौलिया खाप चौरासी अध्यक्ष मा. अमरचंद चैहड़, खाप सरंक्षक व हरियाणा छात्र संघर्ष समिति के पूर्व प्रदेशाध्यक्ष विजय मोटू, दी केन्द्रिय सहकारी बैंक चेयरमैन सुधीर चांदवास, कोषाध्यक्ष सीताराम शर्मा, पूर्व चेयरमैन सुनील शर्मा, महेन्द्र शर्मा, रामकिशन हालुवास, रामकिशन शर्मा, मा. रामनाथ शर्मा, कुलदीप शास्त्री, प्रताप शर्मा, रामनिवास पिचौपा, कन्नी प्रधान प्रताप शर्मा, कमलसिंह ओबरा, प्रो. सोमदत शास्त्री, रामेश्वर बेरला, बलवान आर्य, धनसिंह श-स्त्री, पवन भांडवा, अनिल जेवली, रामकिशन हालुवासिया, जगबीर शर्मा, बिहारी, धनपत सिंह, पूर्व वा-ईस चेयरमैन संदीप बाढड़ा, जगदीश थानेदार, रामप्रताप, रमेश शास्त्री भांडवा, पूर्ण उमरवास, पवन शर्मा काकड़ौली, जगबीर शर्मा, सत्यव्रत डालावास, पूर्ण उमरवास, प्रदीप बा-ढड़ा, मा. सतपाल श्योराण इत्यादि मौजूद रहे।

जल जीवन मिशन की प्रगति की समीक्षा बैठक जल निगम के साथ हुआ संपन्न

समाज जागरण रंजीत तिवारी

वाराणसी। आज चंदौली लोकसभा क्षेत्र के सांसद वीरेन्द्र सिंह की अध्यक्षता में जल जीवन मिशन की प्रगति की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में जल निगम के अधिशासी अभियंता, एलएण्डटी के परियोजना प्रबंधक सहित अन्य संबंधित अभियंता उपस्थित रहे।
बैठक में अधिशासी अभियंता द्वारा जानकारी दी गई कि जनपद वाराणसी की कुल 531 परियोजनाओं में से 179 योजनाएं चंदौली लोकसभा क्षेत्र के अंतर्गत आती हैं। इनमें से 126 योजनाओं में जल आपूर्ति प्रारंभ की जा चुकी है, जबकि 67 योजनाओं के मूलभूत कार्य पूर्ण कर लिए गए हैं। सांसद श्री सिंह ने योजनाओं की प्रगति पर संतोष व्यक्त करते हुए कार्यों में और तेजी लाने के निर्देश दिए। उन्होंने यह भी कहा कि अंतिम मजरों तक पानी का दबाव पर्याप्त बना रहे, इसका विशेष ध्यान रखा जाए, ताकि सभी परिवारों को गुणवत्तापूर्ण जल आपूर्ति सुनिश्चित की जा सके।सांसद ने यह भी निर्देशित किया कि निकट भविष्य में किसी योजना पर संयुक्त निरीक्षण हेतु समय निर्धारित किया जाएगा, जिससे कार्य की गुणवत्ता एवं प्रगति का प्रत्यक्ष मूल्यांकन किया जा सके।अधिशासी अभियंता श्री ज्ञानेंद्र कुमार चौधरी,परियोजना प्रबंधक एल एंड टी मो. शमशेर आलम एवं इंजीनियर जगदीश गायकवाड़ , अमन उपस्थित रहे।

कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर ने एल एंड टी आफिस में किया श्रम पंजीयन कैंप का शुभारंभ

समाज जागरण
रंजीत तिवारी वाराणसी

आज अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस के अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार के श्रम एवं सेवा योजन मंत्री, माननीय कैबिनेट मंत्री अनिल राजभर ने जल जीवन मिशन के अंतर्गत एलएंडटी द्वारा संचालित टंकी निर्माण हेतु प्रीकास्ट यार्ड (शिवपुर) का दौरा किया। मंत्री अनिल राजभर ने कार्यक्रम का शुभारंभ फीता काटकर श्रमिक पंजीकरण शिविर का उद्घाटन किया, जिसके माध्यम से यार्ड में कार्यरत श्रमिकों का मौके पर ही पंजीकरण कराया गया, ताकि वे विभिन्न श्रमिक कल्याणकारी योजनाओं का लाभ उठा सकें। इसके पश्चात एलएंडटी परियोजना प्रबंधक एवं उत्तर प्रदेश जल निगम के अधीक्षण अभियंता ने मंत्री अनिल राजभर का पारंपरिक रूप से अंग वस्त्र एवं श्री काशी विश्वनाथ जी की प्रतिमा भेंट कर भव्य स्वागत किया। मंत्री अनिल राजभर ने अपने उद्बोधन में कहा:"हमारी सरकार जन्म से मृत्यु तक श्रमिकों के लिए जनकल्याणकारी योजनाएं चला रही है। सभी श्रमिक अपना पंजीकरण कराएं ताकि कोई भी इन योजनाओं से वंचित न रह सके। उन्होंने उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले कुशल श्रमिकों को प्रमाणपत्र एवं पुरस्कार देकर सम्मानित भी किया। मंत्री राजभर ने करसड़ा स्थित केंद्रीय विद्यालय की प्रशंसा करते हुए श्रमिकों से अपील की कि वे अपने मेधावी बच्चों का नामांकन इस विद्यालय में कराएं, क्योंकि यह अन्य स्कूलों की तुलना में कहीं बेहतर है। कार्यक्रम के दौरान मंत्री ने शिवपुर विधानसभा क्षेत्र में जल जीवन मिशन के अंतर्गत हर घर जल योजनाओं की प्रगति की समीक्षा भी की। उन्होंने घोषणा की कि अगले सप्ताह वे स्वयं क्षेत्र का भ्रमण कर पूर्ण योजनाओं का निर-ीक्षण करेंगे एवं आमजन से संवाद स्थापित करेंगे। इस अवसर पर उप श्रम आयुक्त श्री डी के सिंह ,अधिक्षण अभियंता श्री ज्ञानेंद्र कुमार चौधरी,प्रोजेक्ट मैनेजर मोहम्मद शमशेर आलम, ,प्लानिंग इंजीनियर आनंद कुशवाहा सहित अन्य लोग उपस्थित रहे।

श्रम विभाग ने लगाया जागरूकता शिविर

दैनिक समाज जागरण

सिरसा (सुरेश जोरासिया) श्रम विभाग द्वारा में विभिन्न राय एवं केंद्रीय योजनाओं के तहत श्रमिकों के पंजीकरण के लिए एक कानूनी जागरूकता शिविर

आयोजित किया गया। उन्होंने बताया कि पैनल अधिवक्ता प्रेरणा और पैरा लीगल वॉलंटियर बलवान की अध्यक्षता में आयोजित इस शिविर में मजदूरों को उनके अधिकारों की विस्तृत जानकारी दी गई। उन्होंने श्रमिकों से उनकी समस्याएं सुनीं और नालसा टोल-फ्री नंबर 15100 के बारे में बताया।

बप्पा नहर पुल के पास तेज रफ्तार कार पलटी, चालक बाल बाल बचा

दैनिक समाज जागरण

सिरसा,कालांवाली 1मई(सुरेश जोरासिया) निकटवर्ती गांव बप्पा नहर पुल चोराहे के पास वीरवार को एक तेज रफ़्तार कार अचानक दूसरी तरफ से ट्रैक्टर ट्राली आने पर बचाते समय अनियंत्रित होकर पलट गई। कार में सवार चालक शीशा तोड़ कर बाहर निकला।मिली जानकारी के अनुसार कार

चालक पवन कुमार अपने गांव बुढाभाना से बप्पा की तरह जा रहा था कि चौराहे से पहले बने टी पाइंट पर अचानक मल्लेवाला की तरफ से एक ट्रैक्टर ट्राली इसी रोड़ पर आगे आने पर उसे बचाने के चक्कर में ब्रेक लगाते समय गाड़ी अनियंत्रित होकर सड़क पर पलट गई, और गाड़ी का नुकसान हो गया है। गाड़ी पलटने की आवाज सुनकर आसपास लोग मौके पर पहुंचे और सड़क पर पलटी हुई गाड़ी को सीधा करवाया ।

श्रमिकों को सौ दिन के रोजगार मुहैया को लेकर सचिवों को दिए निर्देश।

समाज जागरण अनिल कुमार

हरहुआ वाराणसी विकास खंड हरहुआ में सचिव एवं ब्लॉक टी ए तथा सेक्टर प्रभारी की उपस्थित में समीक्षा बैठक संपन्न हुई।जिसमे सौ दिन के श्रमिकों के रोजगार की उपलब्धता और उनके सम्मान के लिए बीडीओ हरहुआ बद्री प्रसाद वर्मा ने सचिवों को कड़े निर्देश दिया। बैठक में मुख्य रूप से मनरेगा ,आवास योजना , आवास प्लस सर्वे, फैमिली आईडी, सामूहिक शादी, पीएम विश्वकर्मा योजना, पीएम सूरज घर योजना , जीरो पॉवर्टी, मुख्यमंत्री युवा उद्यमी योजना पर समीक्षा की गई' खंड विकास अधिकारी हरहुआ श्री वर्मा ने मनरेगा के अंतर्गत सभी ग्राम पंचायतो में कार्य चलते रहने, श्रमिक नियोजन, चेक डैम, चक मार्गो के निर्माण, कृषि पर आधारित कार्य, शोक पिट,रेन वाटर हार्वेस्टिंग, व्यक्तिगत तालाब, सामुदायिक तालाब, आंगनबाड़ी केंद्रभवन, खाद्यान्न भवन निर्माण, श्रमिकों को 100 दिन के रोजगार, लंबित जॉब कार्ड वेरीफिकेशन, वृक्षारोपण कार्य योजना वर्ष 25 - 26, आवास के लाभार्थियों को 90 दिन की मजदूरी की समीक्षा किया। समीक्षा बैठक में गांव मे निष्प्रयोज्य पड़े पूर्व के री - बोर इंडिया मार्का हैंडपंप पर रेन वाटर हार्वेस्टिंग बनवाने पर बल दिया। ऐसे इंडिया मार्का हैंडपंपों की सूची एक सप्ताह के अंदर प्रस्तुत करने के लिए कहां गया है जिनमे अवैधानिक रूप से समरसेबल डाला गया है। बैठक में मुख्य रूप से सहायक विकास अधिकारी आ-ईएसबी रवि प्रकाश सिंह, एडीओ(संख्या) शैलेंद्र सिंह, एडीओ कृषि देवेंद्र कुमार पांडेय , एडीओ पंचायत रवि कुमार सिंह, सचिव दीक्षा श्रीवास्तव,स्वाति सिंह,सीमा यादव, जयप्रकाश, गौरव विश्वकर्मा, अभिलाष कुमार, वीरेंद्र राम,अमीषा सोनकर, चन्दा सिंह, सत्येंद्र कुमार,आनन्द गोंड, ,चंचल रेड्डी ,सौरभ श्रीवास्तव, मनरेगा कंप्यूटर ऑपरेटर मुकेश कुमार ,सेक्टर प्रभारी अंजनी कुमार श्रीवास्तव एवं अमितेश कुमार श्रीवास्तव शामिल रहे।

सड़क दुर्घटना में 6 लोग घायल सभी घायलों का राजगढ़ अस्पताल में चल रहा इलाज

समाज जागरण

राजगढ़ मीरजापुर /राजगढ़ थाना क्षेत्र के अलग-अलग स्थान पर हुई दुर्घटना में छह लोग घायल हो गए जिसे पुलिस ने अस्पताल में भर्ती कराया और इलाज करिने के बाद उन्हें छोड़ दिया गया। इसी थाना क्षेत्र के रामपुर 38 गांव मे बुधवार की रात सोनभद्र जनपद के खुटहा गांव से एक बारात आई थी जिसमें शामिल होने के लिए इसी गांव का 23 वर्षीय ओमप्रकाश अपने साथी 32 वर्षीय हरिओम शाहगंज बाजार एवं एवं विसुंदरी गांव निवासी हरिओम को एक ही बाइक पर बैठा कर बारात में शामिल होने आ रहा था जैसे ही वह राजगढ़ पटेल नगर मार्केट के पास पहुंचा सामने से आ रही एक कार से पास लेने के चक्कर में उससे टकरा गया और तीनों सड़क पर गिर गए लोगों ने एंबुलेंस को सूचित कर उन्हें अस्पताल भिजवाया जहां पर उनका इलाज हुआ।
दूसरी घटना इसी थाना क्षेत्र के ददरा पहाड़ी में घटी जहां पर दो मोटरसाइकिल में टक्कर हो गई जिसमें से एक मोटरसाइकिल पर तेंदुआ खुर्द निवासी 24 वर्षीय नंदू कुमार की सोनभद्र के शीलहटा गांव निवासी 20 वर्षीय पंकज से हो गई जिसमें दोनों घायल हो गए तथा तीसरी घटना इसी थाना क्षेत्र के धंनसिरिया गांव के पास अमहवा मैं हुई यहां पर एक बाईक सवार प्रीतम 18 वर्ष अनियंत्रित होकर सड़क के किनारे गिर गया जिसे चोट आई पुलिस ने सभी घायलों को राजगढ़ अस्पताल में भर्ती कराया जहां पर सभी का इलाज हुआ और इलाज के बाद सभी को छोड़ दिया गया। इस संबंध में थाना अध्यक्ष महेंद्र पटेल ने ने बताया कि सड़क दुर्घटना में घायलों को राजगढ़ में भर्ती कराया गया और इलाज कराने के बाद सभी को छोड़ दिया गया मामूली चोट लगी थी।

जिला पंचायत सदस्य के पति एवं सपा नेता की मोटरसाइकिल चोरी

समाज जागरण

राजगढ़ मीरजापुर /राजगढ़ थाना क्षेत्र के सेमरी गांव से जिला पंचायत सदस्य शील कुमारी कोल के पति एवं सपा नेता जग्गू कोल की मोटरसा-इकिल चोरों ने उड़ा दिया उन्होंने इस संबंध में थाने में सूचना दी पुलिस मोटरसाइकिल को बरामद करने एवं चोरों को पकड़ने के लिए प्रयासरत है। मंगलवार शाम को सपा नेता अपने कुछ साथियों के साथ गांव के किसी दूसरे के घर पर अपनी मोटरसाइकिल खड़ा करके बात कर रहे थे और बात करते-करते लगभग रात्रि के 9:00 बज गए जब बात समाप्त हो गई और घर चलने की तैयारी की तो अपनी मोटरसाइकिल खोजने लगे लेकिन उन्हें कहीं भी उनकी मोटरसाइकिल नहीं मिली। अगले दिन भी उन्होंने उसको खोजने का प्रयास किया जब नहीं मिली तो उन्होंने राजगढ़ थाने में इसकी रिपोर्ट दर्ज कराई। उप निरीक्षक रामकिशोर ने बताया कि जिला पंचायत सदस्य के पति की मोटरसाइकिल चोरी होने पर तारीफ मिली है। जल्द ही मोटरसाइकिल बरामद हो जाएगी।

हरहुआ ब्लाक के आठ आंगनबाड़ी केंद्र में बच्चों का स्वागत कर कार्य हुआ शुरू।

समाज जागरण अनिल कुमार

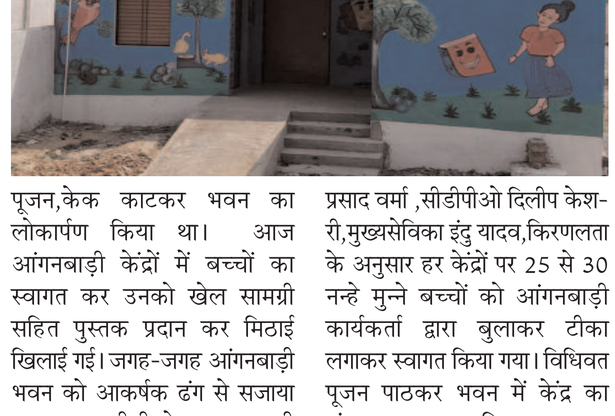

हरहुआ वाराणसी होनहार नन्हे मुन्ने बच्चों के स्वास्थ, शिक्षा को एक छत के नीचे मुहैया कराने के उद्देश्य से हरहुआ ब्लाक के आठ ग्राम पंचायतों में नवनिर्मित आंगनबाड़ी केंद्र का पीएम के डिजिटल लोकार्पण के बाद बच्चों का स्वागत कर कार्य प्रारंभ हो गया। ब्लाक क्षेत्र के सुलेमापर के प्रधान सुनील कुमार'दिनेश', बैजलपट्टी दासेपुर में प्रधान सोनू प्रसाद, मुर्दहा में प्रधान रविन्द्र यादव, भटौली में प्रधान जय देबी व प्रतिनिधि राजनारायण पटेल, काजीसराय में प्रधान भोलानाथ, नोनौटी के प्रधान रविकुमार ,गोसाईपुर "छोटा" प्रधान विजय कुमार ,जयपार के प्रधान निर्जला देवी अपने आंगनबाड़ी कार्यकर्ता के साथ वैदिक मंत्रोच्चार कलश स्थापना पूजन,केक काटकर भवन का लोकार्पण किया था। आज आंगनबाड़ी केंद्रों में बच्चों का स्वागत कर उनको खेल सामग्री सहित पुस्तक प्रदान कर मिठाई खिलाई गई। जगह-जगह आंगनबाड़ी भवन को आकर्षक ढंग से सजाया गया था। बीडीओ हरहुआ बद्री प्रसाद वर्मा ,सीडीपीओ दिलीप केश-री,मुख्यसेविका इंदु यादव,किरणलता के अनुसार हर केंद्रों पर 25 से 30 नन्हे मुन्ने बच्चों को आंगनबाड़ी कार्यकर्ता द्वारा बुलाकर टीका लगाकर स्वागत किया गया। विधिवत पूजन पाठकर भवन में केंद्र का संचालन शुरू करा दिया गया।

NRAI ने नई दिल्ली में फूड डिलीवरी समिट 2025 के चौथे संस्करण का सफलतापूर्वक आयोजन किया

~ 25+ शहरों से 300+ ब्रांड, 50+ वक्ता और 2000+ उपस्थित लोगों के साथ एक पावर-पैक इवेंटप्त

दैनिक समाज जागरण मुख्य संवाददाता

नई दिल्ली, : भारतीय रेस्तरां उद्योग की आवाज नेशनल रेस्टोरेंट एसोसिएशन ऑफ इंडिया (NRAI) ने आज नई दिल्ली के ले मेरिडियन में NRAI फूड डिलीवरी समिट 2025 के चौथे संस्करण का समापन किया। अपने फूड बिजनेस को बढ़ावा देने के लिए नए विचार प्रदान करना थीम के साथ, इस समिट में भारत के फूड डिलीवरी इकोसिस्टम से 2000+ से अधिक प्रमुख हितधारकों ने एक दिन के लिए अंतर्दृष्टि, नेटवर्किंग और भविष्य की सोच के साथ एक साथ आए। इस समिट का उद्घाटन माननीय सांसद बांसुरी स्वराज द्वारा दीप प्रज्वलन समारोह के साथ किया गया। इस कार्यक्रम को भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला की विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थिति से और भी सम्मानित किया गया। सहयोग और विचार-विमर्श के लिए एक मंच के रूप में काम करने वाले इस शिखर सम्मेलन में रेस्तरां उद्योग, क्लाउड किचन संचालकों, एग्रीगेटर्स, डिलीवरी पार्टनर्स और तकनीकी उद्यमियों की शीर्ष आवाजें एक साथ आईं। विकसित हो रहे उपभोक्ता परिदृश्य, हाइपर-दक्षता की बढ़ती मांग और टिकाऊ डिलीवरी मॉडल की तत्काल आवश्यकता पर चर्चा की गई। अपने उद्घाटन भाषण में, NRAI के अध्यक्ष, सागर दरयानी ने कहा, "भारतीय खाद्य वितरण परिदृश्य में बड़े पैमाने पर परिवर्तन हो रहा है, जो उपभोक्ता व्यवहार में बदलाव और तेजी से तकनीकी अपनाने से प्रेरित है। ठफ्अक खाद्य वितरण शिखर सम्मेलन सभी हितधारकों, रेस्तरां मालिकों से लेकर तकनीकी सक्षमकताओं तक, को एक समान दृष्टिकोण के इर्द-गिर्द लाने के लिए एक महत्वपूर्ण मंच है। दीर्घकालिक विकास को अनलॉक करने के लिए, हमें अब सहयोग, नवाचार और मानकीकरण को प्राथमिकता देनी चाहिए। यह केवल ग्राहकों तक तेजी से पहुँचने के बारे में नहीं है, बल्कि ज़िम्मेदारी से, पारदर्शी तरीके से और टिकाऊ तरीके से ऐसा करने के बारे में भी है।" उन्होंने आगे कहा, "हमें इस महत्वपूर्ण उद्योग संवाद का नेतृत्व करने का सम्मान मिला है और इसमें भाग लेने वाले सभी हितधारकों के आभारी हैं। साथ मिलकर हम एक ऐसा खाद्य सेवा पारिस्थितिकी तंत्र बना रहे हैं जो न केवल आगे की सोच रखता है, बल्कि नवाचार, दक्षता और जिम्मेदारी से भी प्रेरित है। यह शिखर सम्मेलन भारत में अधिक एकीकृत और प्रगतिशील खाद्य वितरण परिदृश्य बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।" एनआरएआई के अथक और निरंतर प्रयासों पर टिप्पणी करते हुए, भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने संकट के समय में लोगों को मुनाफे से ऊपर रखने के लिए एनआरएआई नेतृत्व, विशेष रूप से एनआरएआई अध्यक्ष सागर दरयानी और एनआरएआई उपाध्यक्ष जोरावर कालरा की सराहना की। उन्होंने विस्तार से बताया कि कैसे एनआरएआई सदस्यों ने कोविड के दौरान एक महीने में 1 करोड़ मुफ्त भोजन का योगदान दिया और सुरक्षित रूप से काम करने के लिए सभी कर्मचारियों को अनिवार्य रूप से टीका लगाने के माननीय प्रधान मंत्री मोदी के आह्वान पर अपने पूरे कर्मचारियों को टीका लगवाया। शिखर सम्मेलन में बोलते हुए, कोका कोला इंडिया के मुख्य ग्राहक अधिकारी, अभिषेक गुप्ता ने कहा, "शिखर सम्मेलन में बोलते हुए, कोका कोला इंडिया के मुख्य ग्राहक अधिकारी, अभिषेक गुप्ता ने कहा, "कोका-कोला में, हम सार्थक अनुभव बनाने और हर उपभोक्ता टचपॉइंट पर मूल्य प्रदान करने से प्रेरित हैं, और खाद्य वितरण दोनों के लिए एक प्रभावी उपकरण है। चूंकि उपभोक्ता प्राथमिकताएँ विकसित होती रहती हैं, इसलिए पारिस्थितिकी तंत्र के लिए चपलता, नवाचार और जिम्मेदारी के साथ प्रतिक्रिया करना महत्वपूर्ण है। हमें NRAI शिखर सम्मेलन का समर्थन करने पर गर्व है, जो खुले संवाद और समाधानों को बढ़ावा देता है जो रसोई से लेकर ग्राहकों तक पूरी मूल्य श्रृंखला को लाभान्वित करते हैं।" २२२इस अवसर पर टिप्पणी करते हुए, रेस्ट्रोवर्क्स के सह-संस्थापक और सीईओ, श्री आशीष तुलसियान ने कहा, तकनीक अब खाद्य वितरण में सहायक कार्य नहीं है; यह रीढ़ की हड्डी है। एक प्रमुख आकर्षण कोका-कोला फूडमार्क्स 2.0 का आधिकारिक शुभारंभ था, जो भारत के सबसे प्रतिष्ठित पाक स्थलों का जश्न मनाने वाली एक पहल है। प्रमुख सत्रों में टेक एज ए मार्जिन मल्टीप्लायर, रीलो के साथ मार्जिन जो मायने रखते हैं, और पिज का सत्र एग्रीगेटर निर्भरता के लिए विजयी विकल्प शामिल थे। द लास्ट माइल इज द लॉन्गेस्ट और क्विक कॉमर्स पर चचाओं ने महत्वपूर्ण वितरण मुद्दों को संबोधित किया। मिस्टर टिक्कू, सिद्धार्थ जोगानी, राघव जोशी और अन्य लोगों ने प्रभावशाली मार्केटिंग, लाभप्रदता और स्केलिंग रणनीतियों के बारे में बात की। इनोवेशन शोकेस, फायरसाइड चैट और नेटवर्किंग क्षेत्रों ने भविष्य के उद्योग विकास का मार्ग प्रशस्त किया।

CSR इनिशिएटिव के तहत दिल्ली जल बोर्ड की अभिनव पहल, पूरे शहर में चरणबद्ध तरीके से लगेंगी और मशीनें

दैनिक समाज जागरण मुख्य संवाददाता/ सुषमा रानी

दिल्ली की भीषण गर्मी और बढ़ते तापमान को देखते हुए आम जनता को शुद्ध और ठंडा पानी उपलब्ध कराने के लिए दिल्ली सरकार ने एक नई पहल की शुरूआत की है। आज कश्मीरी गेट ISBT पर पहली स्मार्ट वॉटर डिस्पेंसिंग मशीन का जल मंत्री प्रव्श साहिब सिंह वर्मा द्वारा उद्घाटन किया गया। यह परियोजना दिल्ली जल बोर्ड (DJB) द्वारा कॉरपोरेट सोशल रिस्पॉन्सिबिलिटी (CSR) के अंतर्गत चलाई जा रही है। इस मशीन का उद्घाटन दिल्ली सरकार के जल मंत्री प्रवेश साहिब सिंह वर्मा ने किया। उन्होंने मशीन का निरीक्षण किया, इसकी कार्यप्रणाली को समझा और उपस्थित अधिकारियों को इस पहल को पूरे शहर में लागू करने के निर्देश दिए। यह स्मार्ट मशीन आधुनिक तकनीक से युक्त है और 24x7 आम जनता को ठंडा, शुद्ध और सुरक्षित पेयजल उपलब्ध कराएगी। हीट एक्शन प्लान 2025 के तहत शुरू की गई इस पहल का उद्देश्य न केवल गर्मी से राहत देना है, बल्कि दिल्ली को स्मार्ट और जनकल्याणकारी शहर के रूप में विकसित करना भी है। इस अवसर पर जल मंत्री प्रवेश वर्मा ने कहाः हम चाहते हैं कि दिल्ली में कोई भी व्यक्ति प्यासा न रहे। यह स्मार्ट वॉटर डिस्पेंसिंग मशीन सिर्फ एक तकनीकी समाधान नहीं, बल्कि जनसेवा की भावना से जुड़ी एक क्रांतिकारी पहल है। आने वाले समय में हम दिल्ली के प्रमुख स्थलों पर ऐसी कई मशीनें लगाएंगे, जिससे हर नागरिक को साफ, ठंडा और मुफ्त पानी उपलब्ध हो सके। स्मार्ट वॉटर डिस्पेंसिंग मशीन की प्रमुख खूबियां :

जनरल स्पेसिफिकेशनः

आकारः 4x4 फीट का बेस, लगभग 7 फीट ऊंचाई शुद्धिकरण प्रणालीः RO/UF आधारित, कम से कम 100 लीटर प्रति घंटाभंडारण क्षमताः कुल 800 लीटर (कच्चा और शुद्ध जल)कूलिंगः इन-बिल्ट चिलर (15°C - 20°C तापमान बनाए रखता है) आउटलेटः 4 टोंटियाँ

निर्माण और अनुपालनः

मानकः क्र 10500 के अनुसार पीने योग्य जल बॉडीः फूड-ग्रेड स्टेनलेस स्टील 304, गैल्वेनाइज्ड/पाउडर कोटेड, एंटी-रस्ट

मॉड्यूलर डिजाइनः आसान इंस्टॉलेशन व ट्रांसपोर्टेशन (2-3 लोगों द्वारा संभाला जा सकता है)

मौसम प्रतिरोधीः दिल्ली की गर्मी, धूल और बारिश के अनुसार अनुकूल

स्मार्ट टेक्नोलॉजी फीचर्स :

डिजिटल डिस्प्लेः 43 वाटरप्रूफ, डे-लाइट रीडेबल स्क्रीनIoT सेंसर्सः जल आपूर्ति, TDS, फिल्टर स्टेटस और टैंक लेवल की निगरानी अककैमराः उपयोगकर्ता गिनती के लिए क्लाउड डैशबोर्डः रियल टाइम डेटा मॉनिटरिंग कनेक्टिविटीः इनबिल्ट Wi-Fi/4G CMS: रिमोट कंटेंट मैनेजमेंट सिस्टम

4. मुख्य लाभः

24x7 ठंडे और शुद्ध पानी की मुफ्त सुविधा लगातार मॉनिटरिंग से गुणवत्ता सुनिश्चित भीषण गर्मी में यात्रियों, राहगीरों और श्रमिकों के लिए राहत इस स्मार्ट समाधान से दिल्ली के लाखों नागरिकों को लाभ मिलेगा और भविष्य में इस पायलट प्रोजेक्ट के तहत कई अन्य सार्वजनिक स्थानों जैसे बाजार, अस्पताल, स्कूल, और बस स्टैंडों पर भी मशीनें स्थापित की जाएंगी।

जाति जनगणना पारदर्शी, समावेशी और राजनीतिक दखल से मुक्त होनी चाहिएः प्रोफेसर सलीम इंजीनियर*

दैनिक समाज जागरण मुख्य संवाददाता

नई दिल्ली, 01मई :जमाअत-ए-इस्लामी हिंद के उपाध्यक्ष प्रोफेसर सलीम इंजीनियर ने आगामी राष्ट्रीय जनगणना में जातिगत जनगणना को शामिल करने के केंद्रीय मंत्रिमंडल के फैसले का स्वागत किया है।

मीडिया को जारी एक बयान में जमाअत उपाध्यक्ष ने कहा, "हम आगामी राष्ट्रीय जनगणना में जातिगत जनगणना को शामिल करने के केंद्रीय मंत्रिमंडल के फैसले का स्वागत करते हैं। जाति अभी भी भारत में एक मजबूत सामाजिक संरचना है जो शिक्षा, रोजगार और राजनीतिक प्रतिनिधित्व तक पहुंच को आकार देती है। यह पिछड़ी जातियों, दलितों और आदिवासियों द्वारा सामना किए गए ऐतिहासिक अन्याय को सुधारने के लिए एक सामाजिक, कानूनी, प्रशासनिक और नैतिक आवश्यकता है।यह सकारात्मक कार्रवाई नीतियों की निगरानी के लिए सटीक डेटा प्रदान करेगा और इन समुदायों को सामाजिक और आर्थिक रूप से विकसित करने में मदद करेगा। यह सर्वविदित तथ्य है कि केवल मापी गई चीज का ही प्रबंधन किया जा सकता है, और इसलिए सूचित नीति निर्माण और समावेशी विकास के लिए जातिगत डेटा आवश्यक है। जाति जनगणना इन उपेक्षित समुदायों के लिए सकारात्मक व्यवहारिक नीतियों की निगरानी और उन्हें मजबूत करने के लिए सटीक आंकड़े उपलब्ध कराएगी, विशेष रूप से बढ़ते निजी क्षेत्र और घटती सरकारी नौकरियों के संदर्भ में। सरकार के निर्णय को स्वीकार करते हुए प्रोफेसर

सलीम इंजीनियर ने जाति जनगणना कराने में सरकार की पूर्व अनिच्छा पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा, "जैसा कि संसद में दिए गए आधिकारिक बयानों से पता चलता है, सरकार अनुसूचित जातियों (एससी) और अनुसूचित जनजातियों (एसटी) से परे जाति जनगणना के पूरी तरह से खिलाफ थी। लेकिन ऐसा लगता है कि उसने अंततः इसकी प्रभावशीलता को स्वीकार कर लिया है।" खराब मंसूबा और क्रियान्वयन के कारण 2011 की सामाजिक-आर्थिक और जाति जनगणना की विफलता एक मजबूत ढांचे की आवश्यकता को रेखांकित करती है। हालांकि, हमारा मानना है कि हाशिए पर पड़े समुदायों को सशक्त बनाने और अनुच्छेद 14, 15 और 16 के तहत संवैधानिक गारंटी को बरकरार रखने के लिए यह प्रक्रिया पारदर्शी, समावेशी और राजनीतिक दखल से मुक्त होनी चाहिए।"जमाअत उपाध्यक्ष ने आगे कहा, "सरकार द्वारा पूरी प्रक्रिया के लिए एक निश्चित समयसीमा जारी की जानी चाहिए। जाति जनगणना के लिए पर्याप्त बजट आवंटित किया जाना चाहिए। जाति जनगणना का मुख्य उद्देश्य सामाजिक न्याय होना चाहिए न कि राजनीतिक लाभ। टेक्नोलॉजी का उपयोग, जैसे कि प्री-लोडेड जाति विकल्पों के साथ इंटरनेट-सक्षम डिवाइस, सटीकता और दक्षता सुनिश्चित करेगा। हम उन लोगों से सहमत नहीं हैं जो जाति जनगणना का विरोध करते हैं और दावा करते हैं कि यह विभाजन को मजबूत करती है या प्रशासनिक रूप से जटिल है। भारत की जनगणना में पहले से ही धर्म और भाषा की गणना होती है, तथा 1951 से एससी/एसटी की गणना होती आ रही है। इनसे संघर्ष को बढ़ावा नहीं मिला है। गणना संभव है, जैसा कि बिहार और तेलंगाना जैसे राज्यों ने सफलतापूर्वक प्रदर्शित किया है।हम सभी हितधारकों से इस परिवर्तनकारी अभ्यास का समर्थन करने का आह्वान करते हैं, ताकि यह सुनिश्चित हो सके कि इससे राष्ट्रीय एकता मजबूत होगी और हाशिए पर पड़े लोगों को न्याय मिलेगा।

पंजाब के पानी पर सिर्फ पंजाब का हक, केंद्र व राज्य सरकारें राजनीतिक दबाव बंद करें - ब्रह्मपुरा

जमीनी हकीकत में जीरो, वादों में हीरोः ब्रह्मपुरा का आप सरकार पर तीखा हमला

रघुनंदन पराशर जैतो समाज जागरण पंजाब चीफ ब्यूरो

जैतो, 1 मई : शिरोमणि अकाली दल के उपाध्यक्ष व पूर्व विधायक रविंदर सिंह ब्रह्मपुरा ने कहा कि उन्होंने पंजाब के पानी के मुद्दे पर गंभीर चिंता व्यक्त की है। उन्होंने कहा कि पंजाब, जिसकी धरती पर गुरुओं और पीरों के चरण पड़े हैं, एक कृषि प्रधान राज्य है और तटवर्ती सिद्धांत के अनुसार यहां के पानी पर केवल पंजाबियों का ही अधिकार है। उन्होंने कहा कि पंजाब पहले ही इस पानी के बंटवारे में अन्याय का शिकार रहा है, जिसके कारण राज्य की अर्थव्यवस्था और किसानों की हालत बहुत खराब हो गई है। ब्रह्मपुरा ने केंद्र सरकार और मुख्यमंत्री भगवंत मान के नेतृत्व वाली आम आदमी पार्टी (आप) की राज्य सरकार दोनों की कड़ी निंदा की। उन्होंने कहा कि केंद्र सरकार लगातार पंजाब के साथ भेदभाव कर रही है और उसके अधिकारों का दमन कर रही है। उन्होंने राज्य सरकार पर हमला बोलते हुए कहा कि मुख्यमंत्री भगवंत मान इस संवेदनशील मुद्दे पर पूरी तरह विफल साबित हुए हैं और पंजाब के हितों की रक्षा करने में विफल रहे हैं। उन्होंने कहा कि यह सरकार सिर्फ वादे करती है, लेकिन जमीनी हकीकत से कोसों दूर हैहरियाणा को पानी देने के मुद्दे पर राज्य सरकार ढिलाई बरत रही है। ब्रह्मपुरा ने कहा कि भाखड़ा ब्यास प्रबंधन बोर्ड द्वारा हरियाणा को 8,500 क्यूसेक पानी छोड़ने का निर्णय पंजाब के लिए एक और झटका है, विशेषकर तब जब पंजाब के अधिकारियों ने बताया है कि हरियाणा पहले ही अपने हिस्से से अधिक पानी का उपयोग कर चुका है। उन्होंने कहा कि यह बड़े अफसोस की बात है कि केंद्र की भाजपा सरकार और हरियाणा सरकार पंजाब के खिलाफ एकजुट हो गई है, जिसे पंजाब कभी बर्दाश्त नहीं करेगा। ब्रह्मपुरा ने सभी राजनीतिक दलों से इस संवेदनशील मुद्दे का राजनीतिकरण करने से बचने की अपील की। उन्होंने कहा कि यह मुद्दा पंजाब के भविष्य, किसानों और आम लोगों के जीवन से जुड़ा हुआ है। इसलिए सभी को एकजुट होकर राज्य के अधिकारों की रक्षा करनी चाहिए। उन्होंने कहा कि अकाली दल पंजाब के अधिकारों की रक्षा के लिए हमेशा तत्पर रहेगा तथा इस मुद्दे पर हर संभव संघर्ष करेगा। पंजाब पहले ही बहुत कुछ झेल चुका है और अब और अधिक तबाही नहीं झेल सकता। हमें अपना भविष्य बचाने के लिए एकजुट होना होगा। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि पंजाब के पानी पर केवल पंजाब का ही अधिकार है और इस अधिकार को किसी भी कीमत पर छीनने नहीं दिया जाएगा।

क्रॉम्पटन ने MEDA से सौर जल पंप ऑर्डर के साथ हरित ऊर्जा के प्रति प्रतिबद्धता को मजबूत किया

दैनिक समाज जागरण मुख्य संवाददाता

ह्लऊर्जा विकास एजेंसी ने 10.60 करोड़ मूल्य के 433 सौर जल पंपों का ऑर्डर देकर नवीकरणीय ऊर्जा में क्रॉम्पटन की भूमिका को और भी मजबूती दी पंप उद्योग में अपनी नवोन्मेषी समाधानों के लिए प्रसिद्ध क्रॉम्पटन ग्रीव्स कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ने नवीकरणीय ऊर्जा के क्षेत्र में एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है। कंपनी को प्रतिष्ठित प्रधानमंत्री-कुसुम योजना (पीएम-कुसुम) के अंतर्गत सौर जल पंपिंग प्रणाली के लिए ऑर्डर मिला है। इस क्षेत्र में अपनी स्थिति मजबूत करते हुए, कंपनी को महाराष्ट्र ऊर्जा विकास एजेंसी (MEDA) से महाराष्ट्र के विभिन्न स्थानों पर 10.60 करोड़ से अधिक मूल्य के सौर फोटोवोल्टिक जल पंपिंग सिस्टम (एसपीडब्ल्यूपीएस) के डिजाइन, निर्माण, आपूर्ति, परिवहन, स्थापना, परीक्षण और कमीशनिंग के लिए लेटर ऑफ अवार्ड (एलओए) प्राप्त हुआ है। इस ऑर्डर के साथ, क्रॉम्पटन विश्वसनीय और कुशल सौर जल पंपिंग समाधानों के माध्यम से टिकाऊ खेती को सुलभ करने की अपनी प्रतिबद्धता को पूरा करना जारी रखेगा। क्रॉम्पटन के पंप टिकाऊपन और प्रदर्शन के लिए डिजाइन किए गए हैं, जो पांच-चरणीय उत्पाद विकास प्रक्रिया, उन्नत विनिर्माण क्षमताओं और गहन अनुसंधान एवं विकास विशेषज्ञता से सुज्जित हैं। अगले कुछ वर्षों में पीएम-कुसुम योजना के तहत अधिक से अधिक सौर ऊर्जा से चलने वाले पंप लगाने की योजना के साथ, क्रॉम्पटन इस क्षेत्र में आगे बढ़ रहा है। अगले कुछ वर्षों में पीएम-कुसुम योजना के अंतर्गत और अधिक सौर ऊर्जा चालित पंप लगाने की योजना के साथ, क्रॉम्पटन ऊर्जा दक्षता श्रेणी में प्रभाव डालने की दिशा में एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। यह पहल स्वच्छ ऊर्जा समाधानों के माध्यम से कृषि में सतत प्रगति को बढ़ावा देने की क्रॉम्पटन की प्रतिबद्धता को और मजबूत करता है। पीएम-कुसुम योजना के कंपोनेंट-बी के हिस्से के रूप में यह पहल किसानों को पारंपरिक ऊर्जा स्त्रोतों से नवीकरणीय ऊर्जा की ओर स्थानांतरित करने में सीधे योगदान देती है – जिससे आर्थिक और पर्यावरणीय दोनों लाभ होते हैं। यह प्रगति ऐसे समय में हुई है जब भारत के सबमर्सिबल वाटर पंप बाजार में तेजी से वृद्धि देखी जा रही है, जो कृषि, ग्रामीण जल आपूर्ति, शहरी बुनियादी ढांचे और औद्योगिक उपयोग जैसे क्षेत्रों में बढ़ती मांग से प्रेरित है। कृषि में, गहरे कुओं की सिंचाई के लिए निरंतर जल उपलब्धता सुनिश्चित करने में सबमर्सिबल पंप महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं - खासकर उन क्षेत्रों में जहाँ वर्षा असमान होती है- नवीकरणीय ऊर्जा पर बढ़ता जोर विशेष रूप से ग्रामीण और ऑफ-ग्रिड क्षेत्रों में सौर ऊर्जा आधारित समाधानों को तेजी से अपनाने को बढ़ावा दे रहा है। इस अवसर पर रजत चोपड़ा, बिजनेस हेड झ होम इलेक्ट्रिकल्स एवं पंप्स, क्रॉम्पटन ग्रीव्स कंज्यूमर इलेक्ट्रिकल्स लिमिटेड ने कहा, ह्लहम पीएम-कुसुम योजना के तहत महाराष्ट्र ऊर्जा विकास एजेंसी (MEDA) के साथ साझेदारी करके गौरवान्वित महसूस कर रहे हैं, जो हमारे उन्नत और टिकाऊ पंपिंग समाधानों को प्रदान करने के प्रयासों में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह ऑर्डर हमारे सौर ऊर्जा पर आधारित सबमर्सिबल पंपों की गुणवत्ता, टिकाऊपन और नवाचार के प्रति हमारी प्रतिबद्धता की पुष्टि करता है। स्टेनलेस स्टील की जंग-रहित बनावट से बने ये पंप विभिन्न अनुप्रयोगों–जैसे सिंचाई, भूजल निकालनते और दूरदराज ग्रामीण क्षेत्रों में लंबी अवधि तक विश्वसनीय प्रदर्शन के लिए डिजाइन किए गए हैं। क्रॉम्पटन ने हरियाणा, महाराष्ट्र, राजस्थान और मध्य प्रदेश सहित चार राज्यों में टेंडर प्रक्रिया में सक्रिय रूप से भाग लिया। प्रारंभिक ढांचा एसईसीआई और एमएनआरई द्वारा स्थापित किया गया था, जो अब संबंधित राज्य नोडल एजेंसियों–हरियाणा अक्षय ऊर्जा विभाग , महाराष्ट्र ऊर्जा विकास एजेंसी , महाराष्ट्र राज्य विद्युत वितरण कंपनी लिमिटेड , मध्य प्रदेश ऊर्जा विकास निगम लिमिटेड , और राजस्थान उद्यान विकास सोसाइटी को अंतिम निष्पादन के लिए हस्तांतरित कर दिया गया है। क्रॉम्पटन पहले से ही हरियाणा, राजस्थान और महाराष्ट्र में सक्रिय है और अब मध्य प्रदेश में कार्य शुरू करने की तैयारी में है, साथ ही अन्य राज्यों में भी विस्तार के लिए पूरी तरह तैयार है।

हेरोइन केस में गिरफ्तार बर्खास्त कांस्टेबल अमनदीप कौर को मिली जमानत

रघुनंदन पराशर समाज जागरण पंजाब चीफ ब्यूरो प्रमुख

जैतो ,1 मई ; हेरोइन तस्करी के आरोप में गिरफ्तार की गई पंजाब पुलिस की बर्खास्त महिला कांस्टेबल अमनदीप कौर को बठिंडा की अदालत से बड़ी राहत मिली है। अदालत ने गुरुवार को 50 हजार रुपये के निजी मुचलके पर उसकी जमानत मंजूर कर ली। अमनदीप कौर को 2 अप्रैल को बठिंडा पुलिस ने 17.71 ग्राम हेरोइन के साथ गिरफ्तार किया था। गिरफ्तारी के बाद मामला काफी चर्चा में रहा था। डीजीपी ने उसे तत्काल प्रभाव से सेवा से बर्खास्त कर दिया था। मामले में उसके कई पुलिस अधिकारियों से कथित संबंधों की भी जांच हुई थी, हालांकि अब तक कोई ठोस खुलासा नहीं हो पाया। कौर के वकील विश्वदीप सिंह ने 29 अप्रैल को अदालत में जमानत अर्जी दाखिल की थी। गुरुवार को एनडीपीएस मामलों की विशेष अदालत में सुनवाई के दौरान उन्होंने दलील दी कि अमनदीप कौर को झूठे केस में फंसाया गया है और उसके पास से कोई मादक पदार्थ बरामद नहीं हुआ। विशेष न्यायाधीश महेश कुमार ने पुलिस द्वारा समय पर चालान पेश न किए जाने को आधार मानते हुए उसे जमानत दे दी। अब अमनदीप कौर के शुक्रवार तक केंद्रीय जेल बठिंडा से रिहा होने की संभावना है।

जाने - माने समाजसेवी एवं युवा पुरस्कार विजेता डॉ. भगतुआना ने मजदूरों के साथ मनाया मई दिवस

रघुनंदन पराशर जैतो समाज जागरण पंजाब चीफ ब्यूरो

जैतो, 1 मई : आज से 139 साल पहले 1 मई 1886 को अमेरिका के शिकागो शहर में मजदूरों ने आठ घंटे कार्यदिवस की मांग को लेकर प्रदर्शन किया था, लेकिन मिल मालिकों की समर्थक पुलिस ने मजदूरों पर गोलियां चला दीं, जिसमें मजदूर नेता माइकल साब, अल्बर्ट पारसोज, सैमुअल फील्डन, ऑगस्ट स्पाइस, ऑस्कर नासिब, जॉर्ज ईगल, लुइस लिग और एडोल्फ फिशर मारे गए, जिनके खून से सफेद झंडा लाल हो गया और कई लोगों को फांसी पर लटका दिया गया। जाने -माने समाजसेवी एवं युवा पुरस्कार विजेता डॉ. गुरचरण भगतुआना ने कहा कि एक मई को दुनिया भर के मेहनतकश लोग शिकागो के शहीदों को श्रद्धांजलि देते हैं। उन्होंने कहा कि आज भी जब मेहनतकश लोग आर्थिक कटौती, मितव्ययिता योजनाओं, निजीकरण, महंगाई, बेरोजगारी और उत्पीड़न के खिलाफ आवाज उठाने की कोशिश करते हैं तो उन्हें भी सरकार और गुंडा गठजोड़ के उत्पीड़न का सामना करना पड़ता है। डॉ. भगतुआना ने आज भगतुआना में मजदूरों के साथ मई दिवस मनाते हुए कहा कि यह समय मजदूरों के लिए चुनौतियों से भरा है, बेरोजगारी और महंगाई ने सारे रिकार्ड तोड़ दिए हैं, किसान आत्महत्या कर रहे हैं और बेरोजगार युवा नशे के चंगुल में फंस रहे हैं। लेकिन शासक फूट डालो और राज करो की नीति अपना रहे हैं, जिसका मिलकर विरोध किया जाना चाहिए। इस अवसर पर पंजाब यूनियन (पल्लेदार) कार्यकर्ता नायब सिंह, गुरमेल सिंह, पिंदर सिंह, दर्शन सिंह, लड्डू, मोहिनी, बेअंत सिंह, गेली, सूबा सिंह व गोरी उपस्थित थे। जाने -माने समाजसेवी डॉ. गुरचरण भगतुआना मजदूरों के साथ मई दिवस मनाते हुए।

गरीब लोगों के लिए कैम्प लगाना पुण्य कार्य :लायन नरेश मित्तल

मन्नू शर्मा पराशर दैनिक समाज जागरण पंजाब चीफ ब्यूरो

जैतो',1 मई(रघुनंदन पराशर)ः इलाके की प्रसिद्ध समाजसेवी संस्था लायन क्लब जैतो गंगसर द्वारा संचालित लायन आई केयर सेंटर जैतो ने आज कोटकपूरा के श्याम मंदिर में विशाल आई चेकअप कैंप लगाया। इस कैम्प में

डा अकरीती सिंगला और उनकी टीम प्रियंका यादव, डिम्पल, हरजिंदर कौर, अंजना कुमारी, सिमरन कौर, सुखबीर सिंह, लाली, राजपाल सिंह ने 224 मरीजों की आंखों को चेक किया और मामूली बिमारी वाले 190 मरीजों को मुफ्त दवाइयां दी और 34 मरीजों के जैतो में सफल आपरेशन किए गए। लायन आई केयर सेंटर जैतो के चेयरमैन लायन राकेश रोमाना, प्रधान कुलभूषण महेश्वरी, कैम्प चेयरमैन लायन नरेश मित्तल ने बताया कि आपरेशन के बाद सभी मरीजों को दवाईयां और चश्मे निशुल्क दिये गये। डायरैक्टर लायन प्रदीप सिंगला ने कहा कि सभी मरीजों के लिए लंगर चाय पानी, रहने की व्यवस्था लायन आई केयर सेंटर जैतो की और से निशुल्क की गई। सभी मरीज आपरेशन के बाद खुश दिखाई दे रहे थे। इस कैम्प में लायन महेश गोयल, लायन भूषण रोमाना, लायन दिनेश गोयल, लायन सपन कोठारी, लायन नरेश गर्ग, लायन मनू गोयल, लायन राम अवतार वर्मा और श्याम मंदिर कोटकपूरा के प्रधान श्री मोहन लाल सिंगला का विशेष सहयोग रहा।

किसानों और केंद्र सरकार के बीच बैठक स्थगित

केंद्र सरकार ने किसानों के सामने यह शर्त रखी

समाज जागरण रघुनंदन पराशर जैतो

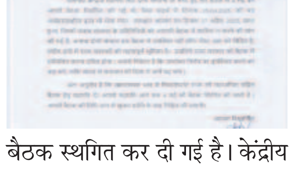

जैतो, 1 मई : किसानों और केंद्र सरकार के बीच 4 मई को होने वाली बैठक स्थगित कर दी गई है। केंद्रीय मंत्रियों ने किसानों से कहा कि पंजाब के मंत्रियों को बैठक में शामिल होने की अनुमति दी जानी चाहिए।इसके अलावा बैठक की अगली तारीख तभी दी जाएगी जब किसान बैठक में पंजाब के मंत्रियों की मौजूदगी को स्वीकार करेंगे।

अलायंस इंटरनैशनल स्कूल जैतो में मजदूर दिवस मनाया

प्रिंसिपल गुरसेवक कौर मान के नेतृत्व में स्कूल हर क्षेत्र में मार रहा है बाजी

रघुनंदन पराशर जैतो समाज जागरण पंजाब चीफ ब्यूरो

जैतो,1 मई :अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस हर वर्ष 1 मई को पूरे विश्व में मनाया जाता है। इस दिवस को मनाने का महत्व श्रमिकों का सम्मान करना और उन्हें उनके अधिकारों के प्रति जागरूक करना है। यह उन मेहनती लोगों को श्रद्धांजलि देने का अवसर है जिन्होंने समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस को मजदूर दिवस या मई दिवस के नाम से भी जाना जाता है। इस दिवस को मनाने का महत्व उन सभी श्रमिकों के संघर्षों को याद करना है, जिन्होंने कठिन परिस्थितियों का सामना किया और कम वेतन तथा शोषण के खिलाफ आवाज उठाई।आज अलियाँस इंटरनेशनल स्कूल जैतो में मजदूर दिवस मनाया गया। बच्चों ने मजदूर वर्ग से संबंधित एक नाटक ,नृत्य प्रस्तुत किया। इस अवसर पर नर्सरी से यूकेजी तक के बच्चों के बीच फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता का आयोजन किया गया, जिसमें नर्सरी से तविशा व दीक्षित ने प्रथम स्थान, कक्षा एल से आदिया व अनहद ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। केजी से कायर परिषा ने प्रथम, जक्षा, अर्नव ने द्वितीय स्थान प्राप्त किया। कक्षा यूकेजी में सक्षम ने प्रथम व सौरीश ने दूसरा स्थान प्राप्त किया। इस अवसर पर स्कूल प्रिंसिपल गुरसेवक मान ने सभी स्कूल कर्मचारियों का धन्यवाद किया तथा विद्यार्थियों ने सभी को कार्ड देकर सम्मानित किया। अलायंस इंटरनैशनल स्कूल जैतो में आयोजित प्रोग्राम का दृश्य। उल्लेखनीय है कि स्कूल की प्रिंसिपल गुरसेवक कौर मान की शानदार प्रबंध के कारण अलायंस इंटरनैशनल स्कूल इकाई जैतो ने क्षेत्र में अपनी विशेष पहचान बनाई है। दूसरी तरफ स्कूल प्रबंधक कमेटी भी मौजूद सुविधाएं बच्चों को उपलब्ध करवा रहा है

ठाकुर प्रसाद महाविद्यालय में 3 मई को विदाई-सह-सम्मान समारोह, मेधावी छात्रों को मिलेगा विशेष सम्मान

दैनिक समाज जागरण मधेपुरा। ठाकुर प्रसाद महाविद्यालय के स्नातकोत्तर गणित विभाग द्वारा 3 मई (शनिवार) को विदाई-सह-सम्मान समारोह का भव्य आयोजन किया जा रहा है। इस अवसर पर सत्र 2023-25 के विद्यार्थियों को सम्मानित किया जाएगा, साथ ही विभिन्न प्रतियोगिताओं में उत्कृष्ट प्रदर्शन करने वाले छात्र-छात्राओं को भी विशेष पुरस्कार प्रदान किए जाएंगे। विभागाध्यक्ष ले. गुड्डु कुमार ने जानकारी दी कि समारोह में महाविद्यालय के प्रधानाचार्य प्रो. कैलाश प्रसाद यादव मुख्य अतिथि के रूप में शिरकत करेंगे, जबकि दर्शनशास्त्र विभागाध्यक्ष डॉ. सुधांशु शेखर विशिष्ट अतिथि के रूप में उपस्थित रहेंगे। उन्होंने बताया कि यह आयोजन विद्यार्थियों की उपलब्धियों को सम्मान देने के उद्देश्य से किया जा रहा है, ताकि उन्हें प्रोत्साहन मिल सके और भविष्य में वे और बेहतर प्रदर्शन कर सकें। कार्यक्रम की तैयारियां अंतिम चरण में हैं और विभागीय शिक्षक-शिक्षिकाएं तथा छात्र स्वयं इसके आयोजन को सफल बनाने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

वसुधैव कुटुम्बकम् पर होगा ऑनलाइन संवाद, प्रो. अरविंद विक्रम सिंह देंगे व्याख्यान

6 मई को ठाकुर प्रसाद महाविद्यालय के दर्शनशास्त्र विभाग द्वारा आयोजित कार्यक्रम में प्रतिभागियों को मिलेगा प्रमाण-पत्र

दैनिक समाज जागरण मधेपुरा । ठाकुर प्रसाद महाविद्यालय, मधेपुरा के स्नातकोत्तर दर्शनशास्त्र विभाग के तत्वावधान में "वसुधैव कुटुम्बकम्" विषय पर एक ऑनलाइन संवाद का आयोजन 6 मई (मंगलवार) को अपराह्न 3:00 बजे से किया जाएगा। यह संवाद भारत सरकार के शिक्षा मंत्रालय के अधीन भारतीय दार्शनिक अनुसंधान परिषद् (ICPR), नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित है। मुख्य वक्ता होंगे प्रो. अरविंद विक्रम सिंह, जो राजस्थान विश्वविद्यालय, जयपुर के दर्शनशास्त्र विभाग के पूर्व अध्यक्ष रह चुके हैं और वर्तमान में आईसीपीआर, नई दिल्ली के सदस्य भी हैं। यह पहला अवसर होगा जब वे ठाकुर प्रसाद महाविद्यालय के किसी कार्यक्रम में भाग लेंगे। विभागाध्यक्ष डॉ. सुधांशु शेखर ने जानकारी देते हुए बताया कि प्रो. सिंह न केवल एक प्रख्यात शिक्षाविद हैं, बल्कि उन्होंने शिक्षा क्षेत्र में कई प्रशासनिक जिम्मेदारियां भी निभाई हैं। वे राजस्थान विश्वविद्यालय में सिंडिकेट सदस्य और संकायाध्यक्ष जैसे पदों पर कार्य कर चुके हैं। उनके नाम 6 पुस्तकें और 36 से अधिक शोध-पत्र प्रकाशित हैं, साथ ही उन्होंने राष्ट्रीय-अंतरराष्ट्रीय स्तर के कई सेमिनारों और सम्मेलनों का आयोजन भी किया है। उनके निर्देशन में अब तक 12 शोधार्थी पीएचडी की उपाधि प्राप्त कर चुके हैं। यह कार्यक्रम पूरी तरह निःशुल्क होगा और इसमें भाग लेने वाले प्रतिभागियों को फीडबैक फॉर्म भरने के उपरांत ई-प्रमाण-पत्र प्रदान किया जाएगा। डॉ. शेखर ने बताया कि यह संवाद न केवल शैक्षणिक दृष्टिकोण से उपयोगी होगा, बल्कि भारतीय संस्कृति के "वसुधैव कुटुम्बकम्" जैसे मूलभूत सिद्धांत को समकालीन संदर्भों में समझने का एक महत्वपूर्ण अवसर भी प्रदान करेगा।

सीमांचल से मिथिलांचल तक ओवैसी का मिशन मजलिस, सीमांचल की सियासत में फिर बजेगा अक्टक्ट का नगाड़ा

3 मई को रानी चौक पर कार्यकर्ताओं से करेंगे रू ब रू, मुर्शीद आलम के नेतृत्व में दिखेगी मजलिस की ताकत

दैनिक समाज जागरण जोकीहाट बिहार की सीमांचल बेल्ट में एक बार फिर AIMIM अपनी खोई जमीन वापस लेने की तैयारी में है। इसी कड़ी में पार्टी प्रमुख असदुद्दीन ओवैसी 3 मई को किशनगंज पहुंच रहे हैं और उसी दिन अररिया जिले के जोकीहाट विधानसभा क्षेत्र के रानी चौक पर दरभंगा जाने के क्रम में कार्यकर्ताओं से मुलाकात करेंगे। AIMIM अररिया जिलाध्यक्ष एवं पूर्व विधानसभा प्रत्याशी मुर्शीद आलम ने बताया कि यह सिर्फ दौरा नहीं, मजलिस की सीमांचल में वापसी की शुरूआत है। जोकीहाट से दरभंगा तक ओवैसी साहब का सफर पार्टी की राजनीतिक दिशा तय करेगा। यह वही जोकीहाट सीट है जहां से AIMIM को पहली बड़ी जीत मिली थी, लेकिन बाद में विधायक ने पार्टी छोड़ राजद का दामन थाम लिया। मजलिस को यह धोखा गहरे तक चुभा, लेकिन अब पार्टी कार्यकर्ता और समर्थक फिर से लामबंद हो रहे हैं। मुर्शीद आलम, जिन्हें पिछली बार टिकट की दौड़ में उपेक्षित किया गया था, अब पार्टी की अगली पंक्ति में माने जा रहे हैं। जनता समझ चुकी है कि मजलिस के सिद्धांतों के साथ कौन खड़ा है और कौन मौकापरस्त निकला, उन्होंने कहा। ओवैसी का यह दौरा कई राजनीतिक संदेश दे रहा है सीमांचल में अल्पसंख्यक वोट पर पकड़ बनाए रखने की चुनौती दरभंगा जैसे नए क्षेत्रों में सियासी विस्तार की तैयारी मजलिस के वफादार और जमीनी कार्यकताओं को सम्मान देने की पहल AIMIM की नजर अब सीमांचल को दोबारा मजलिस का गढ़ बनाने पर है, और ओवैसी की यह यात्रा उसी रणनीति का हिस्सा है। रानी चौक का यह पड़ाव आने वाले चुनावी समीकरणों में निर्णायक हो सकता है। जोकीहाट में ओवैसी की मौजूदगी सिर्फ औपचारिक मुलाकात नहीं, बल्कि मजलिस के पुनर्जीवन का बिगुल है। सीमांचल की सियासत एक बार फिर करवट लेने को तैयार है – और ओवैसी इस बार 'खामोश दर्शक' नहीं, 'निर्णायक खिलाड़ी' बनकर लौटना चाहते हैं।

केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री श्री पंकज चौधरी ने आज नई दिल्ली में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के 69वें स्थापना दिवस की अध्यक्षता की

आर्थिक रूप से सुरक्षित भारत में प्रवर्तन निदेशालय का योगदान अत्यंत महत्वपूर्ण होगा: वित्त राज्य मंत्री श्री पंकज चौधरी

2014 से 2024 के बीच, 5,113 नई पीएमएलए जांचें शुरू की गईं: ईडी निदेशक श्री राहुल नवीन

एएसजी श्री एसवी राजू ने ईडी अधिकारियों से बदलते एमएल परिदृश्यों से अवगत रहने का आग्रह किया और पीएमएलए के तहत उपलब्ध विभिन्न उपकरणों का उपयोग करने के बारे में विस्तार से बताया

श्री चौधरी ने वित्त वर्ष 2024-25 के लिए ईडी की वार्षिक रिपोर्ट भी जारी की

ईडी ने अपने अधिकारियों और क्षेत्रीय इकाइयों को विभिन्न श्रेणियों के तहत 23 पुरस्कार भी प्रदान किए

केंद्रीय वित्त राज्य मंत्री श्री पंकज चौधरी ने आज नई दिल्ली में प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के 69वें स्थापना दिवस की अध्यक्षता की। मंच पर अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल श्री एसवी राजू, ईडी के निदेशक श्री राहुल नवीन, ईडी के विशेष निदेशक श्री सुभाष अग्रवाल और श्री प्रशांत कुमार तथा वित्त मंत्रालय के राजस्व विभाग में संयुक्त सचिव श्री नवल किशोर राम भी उपस्थित थे। 69वें स्थापना दिवस समारोह में प्रवर्तन निदेशालय के पूर्व निदेशकों, विभिन्न जांच एजेंसियों के प्रमुखों, विभिन्न संगठनों के अंतरराष्ट्रीय प्रतिनिधियों, संयुक्त निदेशक और उससे ऊपर के स्तर के अखिल भारतीय अधिकारियों, भारत सरकार के वरिष्ठ अधिकारियों और राजस्व विभाग, वित्त मंत्रालय के अधिकारियों ने भी भाग लिया। इस अवसर पर अपने संबोधन में श्री चौधरी ने कहा, "हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी का विजन है कि कोई भी आर्थिक अपराधी आम व गरीब नागरिकों को उनके अधिकारों से वंचित न कर सके, इसके लिए रोकथाम के साथ-साथ अपराधी को उचित सजा दिलाना भी जरूरी है। दोनों ही क्षेत्रों में प्रवर्तन निदेशालय की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।" श्री चौधरी ने यह भी कहा कि जैसे-जैसे भारत विकसित भारत 2047 के लक्ष्य को प्राप्त करने की दिशा में आगे बढ़ रहा है, अर्थव्यवस्था और आर्थिक गतिविधियों की प्रकृति भी बदल रही है, और ऐसे में जटिलताएं भी बढ़ेंगी, जिसके परिणामस्वरूप आर्थिक अपराधों की प्रकृति में बदलाव आ सकता है। श्री चौधरी ने भविष्य में प्रवर्तन निदेशालय की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। श्री चौधरी ने कहा, "विकसित भारत के विजन में सुरक्षित भारत का विजन भी शामिल है। आर्थिक रूप से सुरक्षित भारत में प्रवर्तन निदेशालय का योगदान बेहद महत्वपूर्ण होगा।" इस अवसर पर अपने संबोधन में, श्री नवीन ने 2014 से 2024 तक प्रवर्तन संबंधी गतिविधि में उल्लेखनीय वृद्धि पर जोर दिया, जिसमें 5,113 नई पीएमएलए जांच शुरू की गईं, जो औसतन प्रति वर्ष 500 से अधिक मामले हैं। इस गति को आगे बढ़ाते हुए, श्री नवीन ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2024-25 में, 775 नई पीएमएलए जांच शुरू की गईं, 333 अभियोजन शिकायतें दर्ज की गईं, जिसके परिणामस्वरूप 34 व्यक्तिगत दोषसिद्धि हुईं। श्री नवीन ने बताया कि इस अवधि के दौरान ईडी ने 30,036 करोड़ रुपये मूल्य के 461 अनंतिम कुर्की आदेश जारी किए हैं - पिछले वर्ष की तुलना में कुर्की की संख्या में 44 प्रतिशत की वृद्धि और उनके कुल मूल्य में 141 प्रतिशत की उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। 31 मार्च, 2025 तक अनंतिम कुर्की के तहत संपत्तियों का कुल मूल्य 1,54,594 करोड़ रुपये था। श्री नवीन ने उपस्थित लोगों को यह भी अवगत कराया कि न्यायालयों की स्वीकृति से वित्त वर्ष 2024-25 के दौरान 30 मामलों में 15,261 करोड़ रुपये की प्रतिपूर्ति की गई तथा वित्त वर्ष 2025-26 में इस प्रक्रिया में तेजी आने की संभावना है। श्री नवीन ने कहा, "ईडी ने पिछले वर्ष 333 अभियोजन शिकायतें दर्ज की हैं, जिससे 31 मार्च, 2025 तक विभिन्न चरणों में विचाराधीन मामलों की कुल संख्या 1,739 हो गई है;

जलवायु परिवर्तन पर विचार-विमर्श, शिक्षा और व्यवहार परिवर्तन पर दिया गया जोर

वीमेंस कॉलेज, कौशल्या ग्राम में आयोजित एक दिवसीय व्याख्यान में विशेषज्ञों ने कहा – प्रकृति से संतुलन ही जलवायु संकट से बचाव का रास्ता

दैनिक समाज जागरण मधेपुरा । वीमेंस कॉलेज, कौशल्या ग्राम, मधेपुरा में मंगलवार को "जलवायु परिवर्तनः कारक एवं प्रभाव" विषय पर एक दिवसीय शैक्षणिक व्याख्यान का आयोजन किया गया। कार्यक्रम में बीएन मंडल विश्वविद्यालय सहित विभिन्न संस्थानों के शिक्षकों, विशेषज्ञों और विद्यार्थियों ने भाग लिया। वक्ताओं ने पर्यावरणीय असंतुलन के कारणों पर प्रकाश डालते हुए समाधान के व्यावहारिक उपाय भी प्रस्तुत किए। कार्यक्रम का शुभारंभ बीएनएमयू के स्नातकोत्तर अर्थशास्त्र विभाग की सह-प्राध्यापक श्रीमती प्रज्ञा प्रसाद के उद्घाटन वक्तव्य से हुआ। उन्होंने कहा, "मानव जीवन और पर्यावरण का अटूट संबंध है। सीमित संसाधनों का संयमित उपयोग ही पर्यावरण संरक्षण की कुंजी है। हमारी छोटी-छोटी आदतें पृथ्वी के भविष्य को प्रभावित करती हैं।" मुख्य वक्ता डॉ. मिथिलेश कुमार सिंह, विभागाध्यक्ष, भूगोल विभाग, बीएनएमयू, ने कहा कि "जलवायु परिवर्तन का प्रभाव केवल पर्यावरण तक सीमित नहीं है, यह सामाजिक, आर्थिक और जैविक विविधता पर भी गहरा असर डालता है। पारिस्थितिक तंत्र आधारित समाधान जैसे–वनों की रक्षा, जल स्रोतों का संरक्षण और स्थानीय संसाधनों का विवेकपूर्ण उपयोग–इस संकट से निपटने में कारगर हो सकते हैं।" सहायक प्राध्यापक श्री अमित विश्वकर्मा ने कहा कि ग्रीनहाउस गैसों के उत्सर्जन में वृद्धि जीवाश्म ईंधनों के अत्यधिक प्रयोग और वनों की कटाई जैसे मानवीय कार्यों का परिणाम है। उन्होंने बताया कि "इससे वैश्विक तापमान में अप्रत्याशित वृद्धि हो रही है, जो मौसमीय असंतुलन, बाढ़, सूखा और जैव विविधता के ह्रास का कारण बन रहा है।" विशिष्ट अतिथि एवं संस्थापक डॉ. अशोक कुमार ने शिक्षा की भूमिका पर जोर देते हुए कहा, "शिक्षक समाज के दिशा-निर्देशक होते हैं। पर्यावरणीय चेतना के बीज सबसे पहले कक्षा में बोए जाने चाहिए। पाठ्यक्रम में पर्यावरण शिक्षा को मजबूत रूप से शामिल किया जाना चाहिए, ताकि छात्र-छात्राएं न केवल जागरूक बनें, बल्कि समाज में जागरूकता का प्रसार भी करें।" कार्यक्रम संयोजक डॉ. अमरेश कुमार अमर, सहायक प्राध्यापक, अर्थशास्त्र विभाग ने कहा, "जलवायु परिवर्तन के दो प्रमुख कारक हैं–प्राकृतिक और मानवीय। परंतु वर्तमान संकट का मुख्य कारण मानवीय गतिविधियां हैं। उपभोक्तावादी संस्कृति से बाहर निकलकर हमें 3R– Reduce, Reuse, Recycle – की नीति को व्यवहार में लाना होगा।" कार्यक्रम के अंत में डॉ. माधव कुमार ने सभी वक्ताओं, उपस्थितजनों और आयोजकों का आभार व्यक्त किया। इस व्याख्यान में महाविद्यालय के विभिन्न विभागों के शिक्षकगण एवं छात्र-छात्राएं बड़ी संख्या में उपस्थित थे, जिनमें डॉ. नीलू, डॉ. काजल, डॉ. नीलू सिंह, डॉ. प्रिया, डॉ. रवीना, डॉ. उपासना, डॉ. प्रभात रंजन, डॉ. मुकेश, डॉ. कौशल, डॉ. ललन, डॉ. ब्रजेश कुमार मंडल, डॉ. विजेंद्र मेहता, डॉ. माधव, राहुल, जयश्री, अंकिता, खुशखुश, रजनी, मिनी, काजल, शबनम, पूनम, रितु, अनिल, प्रिंस आदि प्रमुख रूप से शामिल रहे।

"ललना रे लाल होइहैं कुलवा के दीप..." – मंत्री विजय कुमार मंडल बने दादा

नंदकेशर महल बटराहा में गूंजीं खुशियों की नगाड़ियां छोटे पुत्र जोशी मंडल और बहू संध्या को पुत्र रत्न की प्राप्ति, छठी पूजन की तैयारी शुरू, बधाइयों का लगा तांता

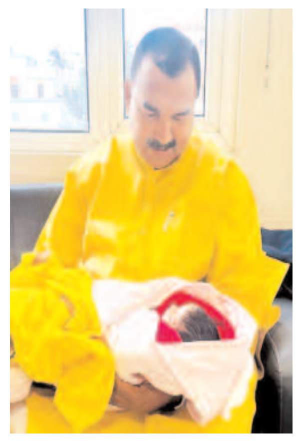

दैनिक समाज जागरण बटराहा से लौटकर डा. रूद्र किंकर वर्मा। बिहार सरकार के कैबिनेट मंत्री विजय कुमार मंडल के घर खुशियों की लहर दौड़ गई है। उनके छोटे पुत्र जोशी मंडल और बहू संध्या कामत को पुत्र रत्न की प्राप्ति हुई है। जैसे ही यह शुभ समाचार फैला, पूरे गांव और क्षेत्र में हर्ष की लहर दौड़ गई। नंदकेशर महल, बटराहा में बधाइयों का तांता लग गया और माहौल पूरी तरह उत्सवमय हो उठा। नवजात को गोद में लेकर भावुक हुए मंत्री विजय मंडल ने कहा, बाबा सुन्दरनाथ की कृपा से मेरे जीवन में एक नया रंग भर गया। घर में दीपक आया है, कुल का दीप प्रज्वलित हुआ है। यह क्षण मेरे लिए अविस्मरणीय और अतुलनीय है। मैं ईश्वर से प्रार्थना करता हूं कि यह बालक दीघार्यु, स्वस्थ और यशस्वी जीवन जिए। जैसे ही यह शुभ समाचार फैला, अवतरण डीह बटराहा और नंदकेशर महल को सजाया जाने लगा। नवजात के छठी पूजन की तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। घर-आंगन में पारंपरिक रीति-रिवाजों के अनुसार उत्सव की तैयारियों में परिवार के सदस्य और शुभचिंतक जुट गए हैं। भाजपा के युवा नेता जोशी मंडल और उनकी धर्मपत्नी संध्या को बधाइयों का सिलसिला जारी है। परिजनों, कुटुंब, मित्रों और स्थानीय जनप्रतिनिधियों ने जच्चा-बच्चा के उत्तम स्वास्थ्य की मंगलकामनाएं दी हैं। सिकटी, बटराहा और आसपास के गांवों में भी यह खबर चर्चा का विषय बन गई है। मंत्रीजी के समर्थकों और शुभचिंतकों के बीच उत्साह का माहौल है। ग्रामीणों ने कहा कि यह केवल एक पारिवारिक प्रसंग नहीं, बल्कि क्षेत्रीय गौरव का क्षण है।

"आप हैं तो हम हैं..." – अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस पर ई. मनोज झा ने मजदूर साथियों को किया सम्मानित

सोहागमारो फर्म हाउस में अंगवस्त्र और मिठाई के साथ हुआ अभिनंदन, बोले मजदूरों का सम्मान ही असली राष्ट्र निर्माण

दैनिक समाज जागरण सिकटी । अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के पावन अवसर पर सिकटी विधानसभा क्षेत्र के लोकप्रिय जनप्रतिनिधि चेहरा और महागठबंधन से टिकट के प्रबल दावेदार ई. मनोज झा ने अपने निज निवास सोहागमारो फर्म हाउस पर श्रमवीरों को ससम्मान आमंत्रित कर भव्य सम्मान समारोह का आयोजन किया। कार्यक्रम में दर्जनों मजदूर साथियों को अंगवस्त्र पहनाकर और मिठाई खिलाकर उनके तप, परिश्रम और समर्पण को नमन किया गया। ई. मनोज झा ने कहा आप हैं तो हम हैं। मजदूर सिर्फ श्रमिक नहीं, समाज की असली शक्ति हैं। मैं हर सुख-दुख में आपके साथ खड़ा था, खड़ा हूं और खड़ा रहूंगा। इस अवसर पर कई स्थानीय मजदूर साथी उपस्थित रहे, जिनमें प्रमुख रूप सेः परमानंद मंडल, झमेली हरिजन, बुचय सदा, मोहम्मद सफीक आलम, बेचन मंडल, मोहम्मद मियां मेंहदी चाचा, मुकेश कुमार, सुनील मंडल, हरिलाल मंडल, उदयानंद हरिजन, झब्बू लाल मंडल, अनिरुद्ध कुमार, खबरी लाल चाचा, नीरज मंडल, उमेश पासवान, सत्तन पासवान, महेश पासवान, देव कुमार मंडल, फूलकुमार मंडल, अनमोल मंडल, उमेश मंडल, चंदन मंडल, शिवानंद मंडल, बबलू कुमार, संतोष मंडल, विद्यानंद राम, मनोज राम, गयानंद राम आदि शामिल रहे। कार्यक्रम में आपसी संवाद, स्नेह और सामाजिक जुड़ाव की भावना देखने को मिली। सभी मजदूर साथियों ने एक स्वर में कहा कि ई. मनोज झा जैसे जनसेवक का साथ पाकर हमें गर्व है। ई. मनोज झा का यह आयोजन केवल एक प्रतीकात्मक श्रद्धांजलि नहीं, बल्कि उस बदलते राजनीतिक विमर्श का संकेत है जिसमें आमजन, श्रमिक और समाज का अंतिम व्यक्ति केंद्र में है।

यूआर कॉलेज, रोसड़ा में श्रमिकों को समर्पित रहा अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस

प्रधानाचार्य डॉ. घनश्याम राय की अगुवाई में श्रमिकों को किया गया सम्मानित, समाज में उनके योगदान पर डाली गई रोशनी

दैनिक समाज जागरण रोसड़ा ।

यू आर कॉलेज, रोसड़ा में अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस के अवसर पर एक गरिमामय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। कार्यक्रम की अगुवाई कॉलेज के प्रधानाचार्य डॉ. घनश्याम राय ने की। इस अवसर पर कॉलेज परिसर में कार्यरत श्रमिकों को सम्मानित किया गया और उन्हें मिठाइयां वितरित कर

उनके योगदान के प्रति कृतज्ञता प्रकट की गई। डॉ. राय ने अपने संबोधन में कहा कि "श्रमिक समाज की रीढ़ होते हैं। उनके बिना किसी भी संस्था या देश की प्रगति संभव नहीं है।" उन्होंने कहा कि मजदूर दिवस केवल एक आयोजन नहीं, बल्कि श्रमिकों के अधिकार, सम्मान और सामाजिक सहभागिता को रेखांकित करने का दिन है। कार्यक्रम में कॉलेज के शिक्षकगण, कर्मचारी और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। सभी ने एकमत होकर श्रमिकों के योगदान की सराहना की और उन्हें समाज का आधार स्तंभ बताया।

फैक्टनेब राज्य समिति की बैठक अब 6 मई को पटना में, आंदोलन पर बनेगी रणनीति

स्थगित बैठक की नई तिथि घोषित, शिक्षकों-कर्मचारियों से समय पर उपस्थित होने का आग्रह

दैनिक समाज जागरण पटना ।

बिहार राज्य संबद्ध डिग्री महाविद्यालय शिक्षक-शिक्षकेतर कर्मचारी महासंघ (फैक्टनेब) की प्रस्तावित राज्य समिति बैठक जो पूर्व में 4 मई को निर्धारित थी, अब अपरिहार्य कारणों से स्थगित करते हुए 6 मई 2025 (मंगलवार), सुबह 10:30 बजे बिहार हिंदी साहित्य सम्मेलन, कदमकुआं, पटना में आयोजित की जाएगी। महासंघ के अध्यक्ष डॉ. शंभुनाथ प्रसाद सिन्हा और महासचिव प्रो. राजीव रंजन ने एक संयुक्त अपील में सभी विश्वविद्यालय, जिला और महाविद्यालय स्तर के पदाधिकारियों से अनुरोध किया है कि वे बैठक में समय पर उपस्थित होकर संगठन की आगामी रणनीति निर्धारण में अपनी भूमिका निभाएं। बैठक में निम्नलिखित महत्वपूर्ण एजेंडों पर चर्चा की जाएगी 1. गत बैठक की कार्यवाही की संपुष्टि 2. विगत आंदोलनात्मक कार्यक्रमों की समीक्षा 3. परीक्षा परिणाम आधारित वेतनानुदान की जगह प्रतिमाह वेतन भुगतान को लेकर सरकार के रवैए पर विचार 4. आगामी आंदोलनात्मक रणनीति पर विमर्श 5. संगठन और कोष की स्थिति पर विचार6. अन्य विषय– अध्यक्ष की अनुमति से महासंघ की यह बैठक शिक्षकों एवं कर्मचारियों के हक में निर्णायक रणनीति के लिहाज से अहम मानी जा रही है।

भारत के सतत भविष्य को ऊर्जा प्रदान करने के लिए पंप स्टोरेज परियोजनाओं पर विचार-विमर्श सत्र का आयोजन स्कोप कॉम्प्लेक्स में किया गया

"पंप स्टोरेज परियोजनाएंः भारत के नवीकरणीय भविष्य को सशक्त बनाना" विषय पर एक उच्च स्तरीय विचार-मंथन सत्र का सफलतापूर्वक आयोजन आज नई दिल्ली के स्कोप कन्वेंशन सेंटर में किया गया। टीएचडीसी इंडिया लिमिटेड और केंद्रीय विद्युत प्राधिकरण (सीईए) ने एनटीपीसी के साथ सीबीआईपी तथा आईएनसीओएलडी के सहयोग से इस कार्यक्रम का आयोजन किया। इस कार्यक्रम में देश भर के लगभग 95 संगठनों और संस्थानों के शीर्ष सरकारी अधिकारियों, नीति निमार्ताओं, डेवलपर्स, पर्यावरण विशेषज्ञों, नियामकों और सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों के वरिष्ठ प्रतिनिधियों सहित 300 से अधिक प्रतिष्ठित प्रतिनिधियों ने भाग लिया। पूरे दिन चलने वाले इस सत्र में भारत के नवीकरणीय ऊर्जा का समर्थन करने और 2070 तक शुद्ध शून्य कार्बन उत्सर्जन के राष्ट्रीय लक्ष्य को प्राप्त करने में पंप स्टोरेज परियोजनाओं (पीएसपी) की बढ़ती भूमिका पर ध्यान केंद्रित किया गया। इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप में भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के सचिव श्री पंकज अग्रवाल (आईएएस) तथा विशिष्ट अतिथि के रूप में भारत सरकार के विद्युत मंत्रालय के अतिरिक्त सचिव (हाइड्रो) श्री आकाश त्रिपाठी (आईएएस) उपस्थित थे। समारोह में उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों में सीईए के सदस्य (हाइड्रो) श्री एमजी गोखले; एनटीपीसी के सीएमडी श्री गुरदीप सिंह; टीएचडीसीआईएल के सीएमडी श्री आरके विश्नोई; विद्युत मंत्रालय के संयुक्त सचिव (हाइड्रो) श्री मोहम्मद अफजल; टीएचडीसी आईएल के निदेशक (तकनीकी) श्री भूपेंद्र गुप्ता, सीबीआईपी के सचिव श्री एके दिनकर तथा भारत में विद्युत क्षेत्र के अन्य वरिष्ठ अधिकारी शामिल थे। इस कार्यक्रम में चार केंद्रित पैनल चचाएं की गई। इन चचाओं में चार महत्वपूर्ण विषयों को शामिल किया गया। ह्लपंप स्टोरेज परियोजनाओं (पीएसपी) के लिए नीति, योजना और विनियामक ढांचा, पीएसपी विकास में भूवैज्ञानिक, नागरिक और भौतिक विचार, पर्यावरण और वन मंजूरी ढांचा- चुनौतियां और सुव्यवस्थितीकरण, तथा ह्लभारत में पीएसपी के लिए कार्यान्वयन चुनौतियां और आगे का रास्ताह्व विषय पर चर्चा की गई। इन चचाओं ने प्रत्येक क्षेत्र के भीतर जटिलताओं और अवसरों के बारे में मूल्यवान अंतर्दृष्टि प्रदान की और नीति निमार्ताओं, डेवलपर्स, तकनीकी विशेषज्ञों और पर्यावरण पेशेवरों के बीच एक उत्पादक संवाद को बढ़ावा मिला। विद्युत मंत्रालय के सचिव श्री पंकज अग्रवाल (आईएएस), अपने संबोधन में जोर देते हुए कहा कि ग्रिड स्थिरता सुनिश्चित करना तत्काल राष्ट्रीय प्राथमिकता का विषय है और प्रत्येक राज्य को इस प्रयास में सक्रिय रूप से योगदान देना चाहिए। उन्होंने ग्रिड प्रबंधन के दृष्टिकोण से राज्यों के भीतर उप-क्षेत्रों को आत्मनिर्भर बनने की आवश्यकता पर बल दिया और कहा कि लचीले उत्पादन और लोड शिफ्टिंग पर विशेष ध्यान दिया जाना चाहिए। उन्होंने बताया कि पीएसपी विकास को तेज करने के लिए विचार-मंथन और नीतिगत संवाद की आवश्यकता है, जिसमें प्रक्रियागत देरी की समीक्षा करने और प्रक्रियाओं और प्लेटफार्मों को सुव्यवस्थित करने पर ध्यान केंद्रित किया जाना चाहिए, जो आम सहमति बनाने और समन्वित क्षेत्रीय कार्रवाई को सक्षम करने के लिए महत्वपूर्ण हैं। इस अवसर पर विद्युत मंत्रालय में अतिरिक्त सचिव (हाइड्रो) श्री आकाश त्रिपाठी, (आईएएस) ने कहा कि इस कार्यशाला की शुरूआत पंप स्टोरेज परियोजनाओं (पीएसपी) के विकास में तेजी लाने के लिए सहयोग करने हेतु सम्बंधित हितधारकों को एक साथ लाने की आवश्यकता में निहित है। उन्होंने कहा कि कार्यशाला का उद्देश्य पीएसपी कार्यान्वयन को तेजी से आगे बढ़ाने के तरीकों पर विचार-विमर्श और प्रमुख नीतिगत दृष्टिकोणों के आदान-प्रदान को बढ़ावा देना है। सीईए के सदस्य (हाइड्रो) श्री एमजी गोखले ने भारत में पंप स्टोरेज परियोजनाओं (पीएसपी) की विशाल संभावनाओं पर प्रकाश डाला तथा विश्वसनीय ऊर्जा भंडारण के माध्यम से देश के नेट जीरो कार्बन लक्ष्यों को प्राप्त करने में उनकी महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि 2025-26 में लगभग 3 गीगावाट पीएसपी क्षमता जुड़ने की उम्मीद है, जिसमें आने वाले महीनों में 1000 मेगावाट टिहरी पीएसपी का चालू होना भी शामिल है। एनटीपीसी के सीएमडी श्री गुरदीप सिंह ने बड़े पैमाने पर पंप स्टोरेज परियोजनाओं (पीएसपी) की तैनाती की तत्काल आवश्यकता पर बल देते हुए बताया कि मजबूत भंडारण समाधानों के बिना ऊर्जा परिवर्तन सफल नहीं हो सकता। नवीकरणीय ऊर्जा की अस्थायी प्रकृति को देखते हुए, उन्होंने नवीकरणीय ऊर्जा और विश्वसनीय ग्रिड प्रबंधन के लिए स्थिर बदलाव के लिए भंडारण क्षमताओं की आवश्यकता पर जोर दिया। टीएचडीसीआईएल के सीएमडी श्री आरके विश्नोई ने उपस्थित गणमान्य व्यक्तियों का स्वागत किया और इस बात पर बल दिया कि कार्यशाला का उद्देश्य पंप स्टोरेज परियोजनाओं (पीएसपी) के विकास पर विचार-विमर्श करना है। उन्होंने कहा कि बाधाओं की पहचान करने और जमीनी स्तर पर परियोजनाओं के तेज और अधिक कुशल निष्पादन को सुनिश्चित करने के तरीकों की खोज करने पर ध्यान केन्द्रित किया जाएगा। श्री विश्नोई ने परिचालन के विभिन्न पहलुओं में स्वचालन के दायरे, इसके निर्बाध संचालन को सुनिश्चित करने तथा दक्षता बढाने के बारे में भी बताया। सीबीआईपी के सचिव श्री ए.के. दिनकर ने धन्यवाद ज्ञापन प्रस्तुत किया तथा पैनल सदस्यों को उनकी भागीदारी और योगदान के लिए आभार व्यक्त किया। उन्होंने एक लचीले और सतत भविष्य के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाने वाले पंप स्टोरेज परियोजनाओं के विकास में तेजी लाने के महत्व पर प्रकाश डाला। पहली पैनल चर्चा "पीएसपी के लिए नीति, योजना और विनियामक ढांचा" विषय पर केंद्रित थी, जिसका संचालन विद्युत मंत्रालय के संयुक्त सचिव (हाइड्रो) श्री मोहम्मद अफजल ने किया। पैनल में निदेशक (तकनीकी) श्री भूपेंद्र गुप्ता शामिल थे

पटना में डिवाइडर से टकराई कार, बाल बाल बचे सवार

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ राजधानी पटना के कोतवाली थाना क्षेत्र के अंतर्गत आने वाले वीरचंद पटेल मार्ग पर बुधवार देर रात एक कार हादसे का शिकार हो गई। यह हादसा उस वक्त हुआ जब एक तेज रफ्तार कार अदालतगंज की ओर से आ रही थी और अचानक अनियंत्रित होकर डिवाइडर से जा टकराई। इस दुर्घटना में हालांकि कोई जानमाल का बड़ा नुकसान नहीं हुआ, लेकिन सड़क पर मौजूद ई-रिक्शा चालक और तीन राहगीर बाल-बाल बच गए।घटना के समय कार चला रहा व्यक्ति पूरी तरह नशे में था। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार कार बहुत तेज रफ्तार में थी और चालक के पास वाहन पर नियंत्रण नहीं था। टक्कर के बाद कार का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घटना के तुरंत बाद इलाके में अफरातफरी का माहौल बन गया। स्थानीय लोगों ने तत्परता दिखाते हुए पहले कार को सड़क से किनारे हटाया और फिर जब देखा कि चालक नशे की हालत में भागने की कोशिश कर रहा है, तो उसे पकड़ लिया। पकड़े जाने के बाद लोगों ने उसकी जमकर पिटाई की और फिर पुलिस के हवाले कर दिया। कार में चालक के अलावा एक और युवक सवार था, जो हादसे के तुरंत बाद मौके से फरार हो गया। उसकी तलाश फिलहाल पुलिस कर रही है। प्रत्यक्षदर्शियों का कहना है कि वह युवक हादसे के बाद चुपचाप कार से उतरा और मौका पाकर वहां से भाग गया। कोतवाली थाने की पुलिस ने मौके पर पहुंचकर चालक को हिरासत में ले लिया। थानाध्यक्ष के अनुसार चालक बार-बार अपना नाम बदल रहा है और पूरी तरह नशे में है, जिससे उसकी पहचान करना मुश्किल हो रहा है। पुलिस फिलहाल उसकी सही पहचान और पिछली गतिविधियों की जांच कर रही है। घटना के बाद ट्रैफिक थाना को सूचित किया गया और पुलिस ने कार को जब्त कर लिया है। कार के नंबर और रजिस्ट्रेशन की जानकारी के आधार पर वाहन मालिक की भी तलाश की जा रही है। बिहार में पूर्ण शराबबंदी लागू है, लेकिन इस घटना ने एक बार फिर शराब के अवैध सेवन और बिक्री पर सवाल खड़े कर दिए हैं। राजधानी में खुलेआम शराब पीकर वाहन चलाना, कानून व्यवस्था की स्थिति पर गंभीर चिंता पैदा करता है। यह घटना यह दशार्ती है कि नशे में गाड़ी चलाना केवल कानून का उल्लंघन नहीं बल्कि आम लोगों की जान को खतरे में डालने जैसा अपराध है। पुलिस को इस तरह की घटनाओं पर सख्ती से कार्रवाई करनी चाहिए ताकि भविष्य में ऐसे हादसों से बचा जा सके।

पटना जिले के पालीगंज में वेल्डिंग मिस्त्री की गोली मारकर हत्या

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ बिहार की राजधानी पटना के पालीगंज इलाके में बुधवार देर रात एक वेल्डिंग मिस्त्री की गोली मारकर हत्या कर दी गई। इस घटना से पूरे क्षेत्र में हड़कंप मच गया है। मृतक की पहचान रानीपुर गांव निवासी रोशन कुमार उर्फ झगरू के रूप में हुई है। वह एक तिलक समारोह से लौटते वक्त अपराधियों का शिकार बना। रोशन कुमार बुधवार को पालीगंज में आयोजित एक तिलक समारोह में शामिल होने गया था। समारोह में खाना खाने के बाद वह देर रात अपनी बाइक से घर लौट रहा था। जैसे ही वह रानीपुर कुरकुरी पंचायत के रानीपुर गांव के बधार के पास पहुंचा, पहले से घात लगाए बैठे अपराधियों ने उसे घेर लिया और उस पर ताबड़तोड़ गोलियां चला दीं। गोली लगते ही रोशन कुमार की मौके पर ही मौत हो गई। रात में सुनसान इलाके में हुई इस वारदात का पता किसी को नहीं चला। गुरुवार सुबह जब ग्रामीण टहलने के लिए बाहर निकले तो उन्होंने खून से लथपथ शव को सड़क किनारे देखा। तत्काल पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही पालीगंज डीएसपी प्रीतम कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए पटना एम्स भेजा गया। साथ ही पटना से फॉरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) की टीम को भी बुलाया गया ताकि घटनास्थल से सुराग इकट्ठा किए जा सकें। पुलिस आसपास के लोगों और मृतक के परिजनों से पूछताछ कर रही है। बताया गया है कि रोशन कुमार मूल रूप से रानीपुर गांव का निवासी था, लेकिन वह पालीगंज बाजार में किराए के मकान में अपने परिवार के साथ रह रहा था। उसकी मौत की खबर मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।फिलहाल पुलिस के अनुसार हत्या के पीछे का कारण स्पष्ट नहीं हो पाया है। डीएसपी प्रीतम कुमार ने बताया कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है। अपराधियों की पहचान और गिरफ्तारी के लिए विशेष टीम गठित कर दी गई है। डीएसपी ने कहा कि मृतक के परिजनों से बातचीत की जा रही है और उनके द्वारा लिखित आवेदन देने के बाद मामला दर्ज कर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। पुलिस हत्या में शामिल अपराधियों को पकड़ने के लिए संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही है। इस हत्या की घटना के बाद से पूरे इलाके में डर और तनाव का माहौल है। स्थानीय लोगों का कहना है कि अपराधियों के हौसले इतने बुलंद हैं कि अब आम नागरिकों की जान भी सुरक्षित नहीं रह गई है।

पटना में महिला डांसर के साथ गैंगरेप, दो गिरफ्तार

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ बिहार की राजधानी पटना के दानापुर क्षेत्र में एक दर्दनाक और शर्मसार कर देने वाली घटना सामने आई है, जिसमें एक महिला डांसर के साथ गैंगरेप किया गया। यह घटना शाहपुर थाना क्षेत्र की है, जिसने पूरे इलाके को झकझोर कर रख दिया है। घटना के अनुसार पीड़िता अपने पति के साथ शादी समारोह में डांस परफॉर्मेंस देने के बाद बुधवार की सुबह घर लौट रही थी। शादी का कार्यक्रम पूरा होने के बाद जब पीड़िता और उसका पति घर के लिए निकले, तो रास्ता न पता होने के कारण उन्होंने एक स्थानीय व्यक्ति मनोज कुमार से रास्ता पूछा। मनोज ने मदद के बहाने दो अन्य लोगों–मनीष कुमार और नागेंद्र कुमार–को बाइक के साथ बुलाया और यह भरोसा दिलाया कि वे दोनों पति-पत्नी को स्टेशन तक छोड़ देंगे। इस भरोसे पर पीड़िता और उसका पति दोनों उनकी बाइक पर सवार हो गए।तीनों आरोपी उन्हें गांव के बाहर खेत में बने एक झोपड़ी के पास ले गए। वहां पहुंचने के बाद आरोपियों ने पहले पीड़िता के पति को बंधक बना लिया और उसके साथ मारपीट की। इसके बाद तीनों ने मिलकर महिला डांसर के साथ जबरदस्ती की। इस भयावह घटना के दौरान पीड़िता का पति बेबस होकर सबकुछ देखता रहा और किसी तरह की मदद नहीं कर सका। घटना के बाद पीड़ित दंपत्ति किसी तरह दिघवारा थाने पहुंचे और पुलिस को इस भयावह वारदात की जानकारी दी। दिघवारा पुलिस ने तुरंत शाहपुर थाना को सूचना दी, क्योंकि घटना स्थल शाहपुर थाना क्षेत्र में आता था। सूचना मिलते ही शाहपुर पुलिस मौके पर पहुंची और तत्काल कार्रवाई करते हुए दो आरोपियों–मनीष कुमार और मनोज कुमार–को गिरफ्तार कर लिया। तीसरा आरोपी नागेंद्र कुमार फिलहाल फरार है और पुलिस उसकी तलाश में जुटी हुई है। पीड़िता ने शाहपुर थाना में लिखित रूप से अपनी शिकायत दर्ज कराई, जिसके आधार पर पुलिस ने मामला दर्ज किया और त्वरित कार्रवाई शुरू की। पुलिस का कहना है कि पीड़िता की मेडिकल जांच कराई जा रही है और आरोपियों के खिलाफ पुख्ता सबूत जुटाए जा रहे हैं ताकि उन्हें सख्त सजा दिलाई जा सके। यह घटना न केवल कानून-व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है, बल्कि समाज में महिलाओं की सुरक्षा को लेकर गहरी चिंता भी पैदा करती है। दिनदहाड़े शादी से लौट रही महिला के साथ इस तरह की हैवानियत ने एक बार फिर यह सोचने पर मजबूर कर दिया है कि महिलाएं आज भी कितनी असुरक्षित हैं। यह आवश्यक है कि दोषियों को सख्त से सख्त सजा मिले ताकि भविष्य में कोई इस तरह की जघन्य हरकत करने से पहले सौ बार सोचे।

पटना के मसौढ़ी में ट्रैक्टर से कुचलकर ययवक की मौत

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ गुरुवार की सुबह पटना जिले के मसौढ़ी अनुमंडल में एक दर्दनाक सड़क हादसे में एक युवक की जान चली गई। यह हादसा उस समय हुआ जब एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने सड़क किनारे पैदल चल रहे युवक को कुचल दिया। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई और ट्रैक्टर चालक वाहन छोड़कर फरार हो गया। यह हादसा मसौढ़ी के ओकरी पथ पर कादिरगंज बाजार के पास गुरुवार सुबह के समय हुआ। आम दिनों की तरह लोग अपने-अपने कामों में व्यस्त थे, तभी तेज गति से आ रहा एक ट्रैक्टर अनियंत्रित हो गया और सड़क किनारे चल रहे एक युवक को कुचलते हुए निकल गया। घटना इतनी भीषण थी कि युवक की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में जान गंवाने वाले युवक की पहचान कादिरगंज थाना क्षेत्र के मुदफ्फरपुर गांव निवासी 32 वर्षीय जितेंद्र कुमार के रूप में की गई है। जितेंद्र अपने किसी काम से मसौढ़ी आया हुआ था और वह पैदल ही बाजार की ओर जा रहा था। लेकिन तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने उसकी जीवनलीला समाप्त कर दी। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और घटनास्थल का मुआयना किया। घायल अवस्था में युवक को मसौढ़ी अनुमंडल अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। इसके साथ ही पुलिस ने हादसे के लिए जिम्मेदार ट्रैक्टर को जब्त कर लिया है। हालांकि चालक घटनास्थल से फरार होने में सफल रहा, जिसकी तलाश में पुलिस ने छानबीन शुरू कर दी है। घटना के बाद क्षेत्र में मातम पसर गया। स्थानीय लोग इस दर्दनाक हादसे से स्तब्ध हैं और ट्रैक्टर चालक की लापरवाही को लेकर आक्रोशित भी हैं। उनका कहना है कि ट्रैक्टर चालकों की मनमानी और लापरवाही की वजह से इस तरह की घटनाएं लगातार हो रही हैं, लेकिन प्रशासन की ओर से सख्त कदम नहीं उठाए जा रहे हैं। यह हादसा न केवल एक व्यक्ति की जान लेकर गया बल्कि यह भी दिखाता है कि कैसे सड़कों पर लापरवाह वाहन चालकों की वजह से आम नागरिकों की जान खतरे में पड़ रही है। प्रशासन को ऐसे मामलों में न सिर्फ त्वरित कार्रवाई करनी चाहिए बल्कि सड़क सुरक्षा के नियमों को भी सख्ती से लागू करना चाहिए, ताकि भविष्य में इस तरह की घटनाओं को रोका जा सके।

पटना के बिहटा में दो दिनों से लापता व्यक्ति का हुआ शव बरामद

समाज जागरण पटना जिला संवाददाता:- वेद प्रकाश

पटना/ जिले के बिहटा थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति का शव झाड़ियों से मिलने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई है। मृतक की पहचान राघोपुर मूसहरी गांव निवासी चितरंजन मांझी के रूप में हुई है, जो बीते दो दिनों से लापता थे। चितरंजन मांझी 29 अप्रैल की रात से अचानक लापता हो गए थे और परिजन उनकी लगातार खोजबीन कर रहे थे, लेकिन कोई सुराग नहीं मिला। 1 मई की सुबह उनके परिजनों को जानकारी मिली कि राघोपुर तीनमुहानी के पास झाड़ियों में एक अज्ञात शव पड़ा है। यह सूचना गांव के पास चल रहे एक तिलक समारोह के दौरान मिली। सूचना मिलते ही परिजन घटनास्थल पर पहुंचे और शव की पहचान चितरंजन मांझी के रूप में की। इसके बाद उन्होंने तुरंत स्थानीय पुलिस को मामले की जानकारी दी। बिहटा थानाध्यक्ष राजकुमार पांडे के अनुसार, सूचना मिलते ही पुलिस की टीम मौके पर पहुंची और पूरे क्षेत्र को घेरकर जांच शुरू की गई। पटना से फॉरेंसिक साइंस लैब (FSL) की टीम को भी बुलाया गया ताकि घटनास्थल से साक्ष्य एकत्रित किए जा सकें। पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए अस्पताल भेज दिया है। मृतक के छोटे भाई निरंजन मांझी ने थाने में लिखित शिकायत दर्ज कराई है और पूरे मामले की गहराई से जांच की मांग की है। उन्होंने आशंका जताई है कि यह हत्या का मामला हो सकता है। हालांकि, पुलिस ने अभी तक इस बारे में कोई स्पष्ट जानकारी नहीं दी है। अधिकारियों का कहना है कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत के असली कारणों का पता चल सकेगा। पुलिस पूरे मामले को गंभीरता से लेते हुए जांच में जुटी हुई है। स्थानीय लोगों से पूछताछ की जा रही है और क्षेत्र में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज भी खंगाली जा रही है ताकि घटना के पीछे की सच्चाई सामने आ सके। फिलहाल, यह स्पष्ट नहीं हो सका है कि चितरंजन मांझी की मृत्यु दुर्घटना से हुई है या यह किसी साजिश का नतीजा है। यह दुखद घटना एक बार फिर इलाके में सुरक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है। चितरंजन की असमय मृत्यु ने उनके परिवार को गहरे शोक में डाल दिया है। अब सभी की नजरें पुलिस जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट पर टिकी हैं, जिससे इस रहस्यमयी मौत का पदार्फाश हो सके।

उत्पाद विभाग के टीम पर बारातियों का हमला दारोगा सहित चार घायल

दैनिक समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार) नबीनगर प्रखंड के टंडवा थाना क्षेत्र के पिछुलिया गांव के समीप बारातियों और उत्पाद विभाग के टीम के बीच झड़प होने की खबर

मिली है जिसमें बारातियों ने उत्पाद विभाग के टीम पर हमला कर दिया जिसमें एक दारोगा समेत चार की घायल होने की खबर है।जानकारी के अनुसार टंडवा थाना क्षेत्र के बिहार झारखंड की सीमा के नजदीक पिछुलिया गांव के समीप उत्पाद विभाग की टीम शराब को लेकर चेकिंग अभियान चला रही थी जिसमें बाराती गाड़ी को टीम द्वारा रोक दिया गया जिसपर बारातियों ने उत्पाद विभाग के टीम पर हमला कर दिया।इस हमले में उत्पाद विभाग के दारोगा बिनोद यादव सहित सिपाही धर्मेंद्र,वरुण और सुमंत कुल चार लोग घायल हो गए।सभी घायलों का प्राथमिक उपचार कुटुंबा रेफरल अस्पताल मे करने के बाद सभी को सदर अस्पताल औरंगाबाद रेफर कर दिया गया है।

छापेमारी में ओवरलोडेड बालू लदा हाईवा ट्रक जब्त,लगाया गया जुमार्ना

दैनिक समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार) नवीनगर थाना पुलिस और खनन विभाग के साथ संयुक्त छापेमारी में ओवरलोड बालू लदा एक हाईवा ट्रक जब्त किया गया है।थानाध्यक्ष मृत्युंजय कुमार उपाध्याय ने बताया कि संयुक्त छापेमारी में हाईवा ट्रक को -नवीनगर टंडवा पथ के उतर कोयल नहर सिचाई कॉलोनी के समीप से जब्त किया गया है। ट्रक को फिलहाल पुलिस कब्जे में रखकर जांच-पड़ताल कर रही है। जांच के क्रम में ट्रक पर क्षमता से अधिक बालु लदा पाया गया।जिसमें जुमार्ना लगाया गया है। जुमार्ना की राशि खनन विभाग द्वारा वसूला जाएगा। थानाध्यक्ष ने बताया कि जुमार्ना देने के बाद ही ट्रकों को मुक्त किया जाएगा। पुलिस की इस कार्रवाई से ओवरलोडेड वाहन चालकों में हड़कंप मच गया है। इस अभियान में नवीनगर थानाध्यक्ष मृत्युंजय कुमार उपाध्याय के साथ जिला खनन के अधिकारी भी मौजूद थे।

डायन अधिनियम के आरोपित दो अभियुक्त गिरफ्तार, भेजा गया जेल

दैनिक समाज जागरण अनील कुमार संवाददाता नबीनगर (औरंगाबाद)

नबीनगर (बिहार) नबीनगर प्रखंड के माली थाना पुलिस ने थाना क्षेत्र के बनारसी विगहा गांव से डायन अधिनियम मामले में फरार चल रहे दो अभियुक्त को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया है। गिरफ्तार अभियुक्त माली थाना क्षेत्र के बनारसी विगहा गांव निवासी कृष्णा राम तथा राम सुन्दर राम है।थानाध्यक्ष दीपक कुमार राय ने बताया कि थाना कांड संख्या 91/24 दिनांक 19 मई 2024 के डायन अधिनियम के तहत दोनों नामजद अभियुक्त है। जो काफी दिनों से फरार चल रहा था। पुलिस ने गुप्त सूचना पर उसे उसके घर से गिरफ्तार कर न्यायिक हिरासत जेल भेज दिया है। वहीं इस छापामारी अभियान में थानाध्यक्ष दिपक कुमार राय समेत अन्य पुलिस बल शामिल थे।

केंद्रीय मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव और श्री वी. सोमन्ना ने संसद भवन में श्री बसवेश्वर को ऐतिहासिक श्रद्धांजलि अर्पित की, प्रेरणा स्थल पर पहली बार पुष्पांजलि अर्पित की गई

12वीं सदी के सुधारक संत बसवन्ना की विरासत का राष्ट्रीय स्तर पर सम्मान किया गया; नेताओं ने उनके लोकतांत्रिक आदर्शों, समानता और समावेशी समाज के लिए उनके दृष्टिकोण का स्मरण किया केंद्रीय रेल मंत्री श्री अश्विनी वैष्णव और रेल राज्य मंत्री श्री वी. सोमन्ना ने आज नई दिल्ली में संसद भवन स्थित प्रेरणा स्थल पर जगज्योति श्री बसवेश्वर की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। यह उनकी 894वीं जयंती के उपलक्ष्य में था। यह पहली बार था जब इस अवसर को इस स्थल पर मनाया गया, जो कि सरकार द्वारा प्रतिष्ठित समाज सुधारक की विरासत को मान्यता देने को दशार्ता है। संत बसवन्ना 12वीं शताब्दी के एक क्रांतिकारी व्यक्ति थे, जिन्होंने समानता का संदेश दिया और "कर्म ही पूजा है" के सिद्धांत का प्रचार किया। उन्होंने श्रम की गरिमा पर आधारित समाज के निर्माण के लिए अथक प्रयास किया। यह स्वीकार करना महत्वपूर्ण है कि 12वीं शताब्दी में उनके दूरदर्शी कार्यों ने आधुनिक लोकतंत्र को आधार देने वाले कई सिद्धांतों के लिए आवश्यक आधार तैयार किया। भगवान बसवेश्वर एक महान सुधारक और महान प्रशासक थे। भगवान बसवेश्वर की शिक्षाएँ आध्यात्मिक ज्ञान का स्रोत हैं, साथ ही हमारे जीवन के लिए व्यावहारिक मार्गदर्शक के रूप में भी काम करती हैं। उनकी शिक्षाएँ हमें एक बेहतर मनुष्य बनना और समाज को उदार, दयालु और मानवीय बनाना सिखाती हैं। उन्होंने कई शताब्दियों पहले सामाजिक और लैंगिक समानता के मुद्दों पर समाज का मार्गदर्शन किया था। भगवान बसवेश्वर ने एक ऐसे लोकतंत्र की नींव रखी, जो समाज के अंतिम पायदान पर खड़े व्यक्ति के अधिकारों को प्राथमिकता देता है और उन्हें प्रोत्साहन देता है। उन्होंने सिर्फ व्यक्तियों या समाज में जो सुधार चाहते थे, उनका उपदेश ही नहीं दिया, बल्कि उन्हें अपने जीवन में अपनाया और आत्मसात भी किया। संत बसवन्ना जातिविहीन समाज में विश्वास करते थे और एक समान और न्यायपूर्ण समाज के लिए इसके उन्मूलन की वकालत करते थे। उन्होंने सभी जीवों के लिए प्रेम और करुणा के विचार को प्रोत्साहन दिया। संत बसवन्ना ने सैकड़ों साल पहले अनुभव मंडपम के माध्यम से कन्नड़ समाज में सार्वभौमिक और सर्वव्यापी लोकतंत्र का उदाहरण पेश किया था। संत बसवन्ना ने अपने उपदेशों के माध्यम से समाज के हर वर्ग की समस्याओं का उत्कृष्ट और सरल समाधान दिया। संत बसवन्ना की शिक्षाएं न केवल कर्नाटक बल्कि पूरे देश और दुनिया को शांति, सद्भाव और समावेशी लोकतंत्र के मार्ग पर आगे बढ़ने में सहायता करेंगी। समारोह में कुडलसंगम लिंगायत पंचमसाली पीठ के जगद्गुरु श्री बसव जया मृत्युंजय स्वामीजी की दिव्य उपस्थिति ने शोभा बढ़ाई। केंद्रीय मंत्री श्री किरेन रिजिजू, और श्री प्रल्हाद जोशी, केंद्रीय राज्य मंत्री श्रीमती शोभा करंदलाजे, श्री रवनीत सिंह बिट्टू, और श्री राजभूषण चौधरी, साथ ही संसद सदस्य श्री पीसी गद्दीगौदर, श्री तेजस्वी सूर्या, राज्यसभा सांसद श्री लार्ना बी. कडाडी, श्री अन्नासाहेब जोले, और श्रीमती शशिकला जोले सहित अन्य गणमान्य व्यक्ति और श्रद्धेय आध्यात्मिक नेता उपस्थित थे।

डॉ. जितेंद्र सिंह का शासन के बदलते परिदृश्य के मद्देनजर गतिशील पाठ्यक्रम का आह्वान

साथ ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों द्वारा संचालित तेजी से बदलती आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए लोक प्रशासन प्रशिक्षण मॉड्यूल में निरंतर विकास का आह्वान भारतीय लोक प्रशासन संस्थान (आईआईपीए) में लोक प्रशासन में 50वें उच्च स्तरीय व्यावसायिक कार्यक्रमह्व (एपीपीपीए) के दीक्षांत समारोह को संबोधित किया जो हम आज सीखते हैं, वह कल अप्रचलित हो सकता हैह्व: केंद्रीय मंत्री का एपीपीपीए अधिकारियों से नए विचारों को अन्य से पहले अपनाने का आग्रह जनरलों से सर्वसाधारण तक: एपीपीपीए की स्वर्ण जयंती के साथ ही आईआईपीए द्वारा अपनी पहुंच का विस्तार केंद्रीय मंत्री डॉ. जितेंद्र सिंह ने शासन के बदलते परिदृश्य के मद्देनजर बुधवार को गतिशील पाठ्यक्रम साथ ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और क्वांटम कंप्यूटिंग जैसी उभरती प्रौद्योगिकियों द्वारा संचालित तेजी से बदलती आवश्यकताओं की पूर्ति के लिए लोक प्रशासन प्रशिक्षण मॉड्यूल में निरंतर विकास का आह्वान किया।

भारतीय लोक प्रशासन संस्थान (आईआईपीए) में लोक प्रशासन में 50वें उच्च स्तरीय व्यावसायिक कार्यक्रम (एपीपीपीए) के दीक्षांत समारोह को संबोधित करते हुए डॉ. जितेंद्र सिंह ने कहा, जो आज प्रासंगिक है, हो सकता है कि कल वह प्रासंगिक न रहे। प्रासंगिक बने रहने के लिए हमें हर दिन सीखने की जरूरत है।ह्व डॉ. जितेंद्र सिंह आईआईपीए कार्यकारी परिषद के अध्यक्ष भी हैं। मिशन कर्मयोगी और विकसित भारत पर सरकार के फोकस पर प्रकाश डालते हुए डॉ. सिंह ने कहा कि एपीपीपीए कार्यक्रम ने अपने पारंपरिक पाठ्यक्रम से आगे बढ़कर इसमें आकांक्षी जिलों, रक्षा संस्थानों, ग्रामीण और शहरी विकास योजनाओं और भारत की समृद्ध पारंपरिक ज्ञान प्रणालियों को शामिल किया है। उन्होंने कहा, मुझे खुशी है कि पाठ्यक्रम आत्मनिर्भर भारत और शासन में सुधार जैसे विषयों को एकीकृत करते हुए समय के साथ विकसित हुआ है। डॉ. जितेंद्र सिंह ने अपने स्पष्ट और व्यापक संबोधन में तेज गति से हो रही तकनीकी प्रगति के मद्देनजर निरंतर सीखने और अनुकूल नीति निर्माण की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने प्रशासनिक ज्ञान को अद्यतन रखने की आवश्यकता पर जोर देते हुए कहा, हम 50वें एपीपीपीए के प्रतिभागियों को 55वें वर्ष तक रिफ्रेशर कोर्स के लिए वापस आता देख सकते हैं। एपीपीपीए के स्वर्ण जयंती कार्यक्रम के आयोजन के लिए आईआईपीए की पहल की सराहना करते हुए डॉ. जितेन्द्र सिंह ने नागरिक-सैन्य तालमेल के महत्व को रेखांकित किया। उन्होंने पाठ्यक्रम के भावी संस्करणों में संचार कौशल पर ज्यादा ध्यान देने का आह्वान करते हुए कहा, मौजूदा दौर के सैन्य अधिकारी अलग-थलग नहीं रहते; उनसे मीडिया को जानकारी देने, नागरिकों से बातचीत करने और आपदा प्रभावित क्षेत्रों में मिलकर काम करने की अपेक्षा की जाती है। डॉ. सिंह ने प्रतिभागियों से प्रशासनिक सुधार एवं लोक शिकायत विभाग द्वारा तैयार किए जा रहे विजन दस्तावेज में अपने क्षेत्र-विशिष्ट ज्ञान का योगदान देकर भारत@2047की परिकल्पना में सहायता करने का आग्रह किया। उन्होंने कहा, हमें 2047 को 2025 के प्रिज्म से नहीं देखना चाहिए। बदलाव बहुत तेजी से हो रहा है। हमें भविष्यवादी सोच के साथ आगे बढ़ना चाहिए। डॉ. जितेंद्र सिंह ने आईआईपीए द्वारा निर्वाचित सरपंचों और पंचायती राज प्रतिनिधियों के लिए प्रशिक्षण कार्यक्रम आरंभ कर हाल ही में की गई जमीनी स्तर की पहल की भी सराहना करते हुए इसे सभी के क्षमता निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम करार दिया। उन्होंने कहा, आईआईपीए ने अब वरिष्ठ सिविल सेवकों को प्रशिक्षण देने से लेकर जमीनी स्तर के प्रतिनिधियों को सशक्त बनाने तक अपनी गतिविधियों का विस्तार किया है। पाठ्यक्रम निदेशक प्रो. नीतू जैन और डॉ. साकेत बिहारी के योगदान की सराहना करते हुए उन्होंने चुनौतीपूर्ण समय के दौरान पाठ्यक्रम पूरा करने के लिए 50वें एपीपीपीए बैच के प्रतिभागियों की भी सराहना की। डॉ. जितेन्द्र सिंह ने घोषणा की कि कार्मिक एवं प्रशिक्षण विभाग (डीओपीटी) ने 51वें एपीपीपीए बैच से शुल्क वृद्धि को मंजूरी दे दी है, जिससे आईआईपीए को अतिरिक्त अनुभव दौरों और नए मॉड्यूल के माध्यम से कार्यक्रम को मजबूत करने के लिए अधिक अवसर मिलेगा।

डॉ. जितेंद्र सिंह ने अपने संबोधन का समापन आशावादिता के साथ करते हुए प्रतिभागियों को जुड़े रहने और राष्ट्र निर्माण में योगदान जारी रखने के लिए प्रोत्साहित किया। उन्होंने कहा, हालांकि पाठ्यक्रम का आज समापन हो रहा है, लेकिन इन दस महीनों में बना बंधन हमेशा के लिए है।

आईआईपीए के महानिदेशक एस.एन. त्रिपाठी ने अपने आरंभिक भाषण में आईआईपीए द्वारा शुरू किए गए विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रमों की मुख्य विशेषताओं को रेखांकित किया।

तेज आंधी पानी के बीच पेड़ टूटा , कार पर गिरा ,दो व्यक्ति घायल

मिंटू कुमार संवाददाता दैनिक समाज जागरण हजारीबाग सदर

दिनांक 1मई 2025 । रोला हजारीबाग ।दोपहर 2:30 बजे तेज हवा और आंधी पानी , बिजली के गर्जन के बीज आम के विशाल पेड़ की डाली सडक चल रहे एक कार पर गिरी। गाड़ी पर सवार दो व्यक्ति घायल हो गये। स्थानीय लोगों के सहयोग से उन्हें गाड़ी से निकाला गया और शेख भिखारी मेडिकल कॉलेज और अस्पताल में भर्ती कराया गया। जानकारी मिली की एक व्यक्ति को बेहतर इलाज हेतु रांची रेफर किया गया ।यह घटना हजारीबाग सदर प्रखंड के रोला गाँव में एन एच 100 जो अब एन एच 522 के नाम से जाना जाता है, पर दारू तरफ से आ रही एक कार के उपर आम का पेड़ गिरने से हुआ । पेड़ उस समय गिरा जब तेज आंधी चल रही थी और जोर से पानी बरस रहा था । रह रहकर बिजली चमक रही थी और बादल का गड़गड़ाहट था ।विशाल पेड़ की एक डाली एक ट्रक के पिछले भाग को भी क्षतिग्रस्त किया । कार का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया है । मालूम हो कि इस तरह की घटना कुछ महीने पहले भी रोला और अमृत नगर के बीच हुआ था जिसमें पेड़ एक स्कूटी पर गिरा और सडक पर चल रहे स्कूटी पर सवार दो युवक घायल हो गए थे। स्कूटी भी क्षतिग्रस्त हो गया था ।

*पहलगाम में कायरतापूर्ण आतंकी हमले पर ओरिया में आक्रोश रैली का हुआ आयोजन, निर्दोष भारतीयों की हत्या पर की कडी निंदा

आतंकवादियों पर त्वरित कार्यवाई कर कठोरतम सजा देने का किया मांग, आतंकी हमले में मृतकों के प्रति ग्रामीणों ने गहरी संवेदना किया व्यक्त

मनोज कुमार ब्यूरो चीफ दैनिक समाज जागरण हजारीबाग।

जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में आंतकी हमला काफी दुखद एवं निंदनीय है। पुरे भारत में निर्दोष पर्यटकों की हत्या से आंतकवाद एवं पाकिस्तान के प्रति काफी आक्रोश है। गुरूवार को हजारीबाग सदर प्रखण्ड स्थित ओरिया में पहलगाम में कायरतापूर्ण एवं अमानवीय आतंकी हमले को लेकर आक्रोश रैली का आयोजन किया गया। जिसकी शुरूआत प्रेम चौक से नुतन नगर, हनुमान चौक, स्कूल चौक होते हुए जागृति चौक में आक्रोश रैली का समापन किया गया। इस दौरान आतंकवाद के खिलाफ जमकर नारेबाजी की गई। पाकिस्तान मुदार्बाद, पाकिस्तान आतंकियों को पनाह देना बंद करो, अब ईंट का जवाब पत्थर से होगा एवं पाकिस्तान होश में आओ की तख्तियां एवं नारेबाजी कर जमकर विरोध प्रदर्शन किया। निर्दोष एंव निहत्थे भारतीयों की हत्या पर कड़ी निंदा की गई। आतंकवादियों पर त्वरित कार्यवाई कर कठोर से कठोर सजा देने का मांग किया। आतंकी हमले में मृतकों के प्रति ग्रामीणों ने गहरी संवेदना व्यक्त किया। इस क्रम में ईश्वर से दिवंगत आत्मा को शांति एवं शोकाकुल परिवारों के असहनीय दुख प्रति सहनशक्ति प्रदान करने की कामना की। दो मिनट का सामुहिक मौन धारण कर ईश्वर से मृतकों के प्रति गहरी संवेदनाएं व्यक्त किया।

सांसद- विधायक ने कटकमदाग प्रखंड क्षेत्र में आधा दर्जन पंचायतो कुल 5 करोड़ 82 लाख की योजनाओं का किया उद्घाटन- शिलान्यास,

शिक्षा- स्वास्थ्य क्षेत्र संग सड़कों का तेजी से होगा विकास
हमारा निरंतर प्रयास से हो रहा क्षेत्र का सकारात्मक विकास : मनीष जायसवाल।

मनोज कुमार ब्यूरो चीफ दैनिक समाज जागरण हजारीबाग।

गुरुवार का दिन हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सदर विधानसभा क्षेत्र स्थित कटकमदाग प्रखंड के लिए सौगात भरा रहा। हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल और सदर विधानसभा क्षेत्र के विधायक प्रदीप प्रसाद ने संयुक्त रूप से कटकम दाग प्रखंड क्षेत्र के आधा दर्जन पंचायतों का तूफानी दौरा कर क्षेत्र में विकास के नए आयाम करने के लिए विभिन्न सरकारी योजनाओं के तहत 5 करोड़ 82 लाख रुपए की लागत के कार्यों का उद्घाटन- शिलान्यास किया। इस दौरान नेताद्वय ने कटकमदाग प्रखंड क्षेत्र के बेस, ढ़ेंगुरा, पसई, सलगांवा, मसरातु और कटकमदाग पंचायत के आधा दर्जन से अधिक गांवों में शिक्षा, स्वास्थ्य के क्षेत्र के साथ सड़कों की दशा में सकारात्मक बदलाव करने हेतु आधारशिला रखा। शुरूआत बेस मध्य विद्यालय उन्नयन कार्य के शिलान्यास से किया। जिसके बाद हारम के स्कूल उन्नयन कार्य का शिलान्यास, सिरसी में आयुष्मान आरोग्य केंद्र भवन का उद्घाटन, पसई में स्कूल उन्नयन कार्य का शिलान्यास, लुटा में लुटा से गोंदा डैम होते हुए बानादाग पथ निर्माण कार्य का शिलान्यास, कृष्णा नगर में स्कूल उन्नयन कार्य का शिलान्यास, कटकमदाग में स्कूल उन्नयन कार्य का शिलान्यास और अंत में उनके पूर्व के विधायक निधि की राशि से कटकमदाग में निर्मित संस्कृतिक भवन का उद्घाटन फीता काटकर और शिलापट्ट का अनावरण कर किया। इस दौरान सभी गांव में स्थानीय लोगों ने गाजा- बाजा के साथ फूल माला पहनाकर नेताद्वय का भव्य स्वागत और अभिनंदन किया । इस दौरान सांसद मनीष जायसवाल ने कहा कि हम कृत संकल्पित हैं कि हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र का हर गांव और हर घर में विकास हो और इसी दिशा में निरंतर प्रयासरत हैं। हमारे प्रयासों का ही नतीजा है कि सदर विधानसभा क्षेत्र के कट कम दाग प्रखंड में स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव और उत्थान संभव हुआ, सड़कों की दशा में व्यापक सुधार आया और अन्य क्षेत्रों में भी सर्वांगीण विकास के दिशा में कार्य जारी है। उन्होंने कहा कि योजना बनाना और धरातल पर उतरना हमारा जिम्मेवारी है लेकिन क्षेत्र वासियों इन योजना में गुणवत्तापूर्ण कार्य हो ये सुनिश्चित जरूर करें। सदर विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा कि विकास एक सतत प्रक्रिया है और यह जारी रहेगा लेकिन जनता ने जिस विश्वास के साथ हमें जिताया है हम उसे पर खडा उतरने का पूर्ण प्रयत्न कर रहे हैं और भविष्य में भी करेंगे ।मौके पर विशेषरूप से जिला परिषद सदस्य जीतन राम, मुखिया दीपक यादव, बीजेपी किसान मोर्चा के जिला अध्यक्ष इन्द्रनारायण कुशवाहा, भाजपा के वरिष्ठ नेता कैलाशपति ओझा, खपरियावां मुखिया राजेश गुप्ता, उप प्रमुख विमल गुप्ता, पूर्व प्रमुख अशोक यादव, अजय कुमार साहू, किशोरी राणा,प्रियंका कुमारी, कटकमदाग मुखिया प्रतिनिधि सुनील यादव, बसंत यादव, अरुण राणा, संजय राणा, जगन्नाथ साव, अजय पाण्डेय, कुणाल कुमार उर्फ हैप्पी, राजेश यादव, चंदन सिंह, राहुल मंडल, सागर कुमार, सुरेंद्र गुप्ता, आशीष गुप्ता, आनंद सिंह, सुनील ठाकुर, बिरजू रविदास, बीरेंद्र कुमार, पीयूष राणा, हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मीडिया प्रतिनिधि रंजन चौधरी सहित अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहें ।

हजारीबाग में विकास की नई इबारत

विधायक प्रदीप प्रसाद के नेतृत्व में शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत संरचना के क्षेत्र में अभूतपूर्व कार्य

मनोज कुमार ब्यूरो चीफ दैनिक समाज जागरण हजारीबाग।

हजारीबाग, 1 मई 2025 : हजारीबाग विधानसभा क्षेत्र में सर्वांगीण विकास की दिशा में एक के बाद एक ऐतिहासिक पहलें की जा रही हैं। विधायक श्री प्रदीप प्रसाद के नेतृत्व में आज कई महत्वपूर्ण योजनाओं का शिलान्यास और लोकार्पण संपन्न हुआ, जिससे क्षेत्र की जनता को शिक्षा, स्वास्थ्य और व्यापारिक सुविधाओं के क्षेत्र में नए आयाम प्राप्त होंगे।

व्यापारिक विकास को नई गति

हजारीबाग स्टेडियम के सामने एनएच-33 स्थित बाजार हाट में ₹1.09 करोड़ की लागत से शेड, बोरिंग, वेबर ब्लॉक, हाई मास्ट लाइट, शौचालय एवं नाली निर्माण जैसे आधारभूत सुविधाओं का शिलान्यास किया गया। इस परियोजना से स्थानीय व्यापारियों एवं खरीददारी करने आने वाले नागरिकों को सुव्यवस्थित एवं सुरक्षित वातावरण मिलेगा।

***शिक्षा के क्षेत्र में ऐतिहासिक कदम**

उत्क्रमित मध्य विद्यालय, बेस में ₹82 लाख, उर्दू प्राथमिक विद्यालय पसई में ₹26 लाख, बानादाग प्राथमिक विद्यालय में ₹1.27 करोड़ तथा टोला कृष्णानगर, मसरतु के विद्यालय में ₹1.67 करोड़ की लागत से विभिन्न उन्नयन कार्यों का शिलान्यास किया गया। इन योजनाओं के तहत विद्यालयों में चारदीवारी, शौचालय, फ्लोर टाइल्स, मरम्मत और अन्य आवश्यक निर्माण कार्य किए जाएंगे। स्वास्थ्य अवसंरचना को सशक्त करने की दिशा में बड़ी पहल प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत स्वास्थ्य अवसंरचना मिशन (PM-ABHIM) के अंतर्गत कटकमदाग प्रखंड के ग्राम सिरसी में ₹55 लाख की लागत से नवनिर्मित स्वास्थ्य उपकेंद्र का लोकार्पण किया । यह उपकेंद्र प्राथमिक चिकित्सा, मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाएं तथा अन्य जरूरी चिकित्सा सुविधाएं ग्रामीण जनता को उपलब्ध कराएगा।

सड़क एवं आधारभूत संरचना का सुदृढ़ीकरण

कटकमदाग प्रखंड के ग्राम लुटा में पीपल चौक से गोंदा डेम होते हुए बानादाग एनएच-100 तक जाने वाली सड़क परियोजना का शिलान्यास भी किया गया। यह योजना डी.एम.एफ.टी. मद से स्वीकृत की गई है, जो ग्रामीण क्षेत्र में आवागमन, आर्थिक एवं सामाजिक गतिविधियों को बल प्रदान करेगी।

स्थानीय स्वरोजगार को मिला नया संबल

हजारीबाग में डीपीएस ऑटोमोबाइल के उद्घाटन समारोह में सांसद श्री मनीष जायसवाल के साथ विधायक प्रदीप प्रसाद ने संयुक्त रूप से भाग लिया। इस अवसर पर उन्होंने डायरेक्टर सागर कुमार के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा, यह पहल न केवल स्थानीय युवाओं को रोजगार देगी, बल्कि व्यापारिक गतिविधियों को भी बढ़ावा देगी। ऐसे नवाचार हमारे क्षेत्र को आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में एक प्रेरक उदाहरण हैं। इन सभी अवसरों पर विधायक प्रदीप प्रसाद के साथ सांसद मनीष जायसवाल एवं अन्य जनप्रतिनिधि भी उपस्थित रहे। विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा, हमारा उद्देश्य हजारीबाग को एक आधुनिक, समृद्ध और सशक्त विधानसभा क्षेत्र बनाना है। शिक्षा, स्वास्थ्य और आधारभूत ढांचे को मजबूत करना हमारी सर्वोच्च प्राथमिकता है। जनता के विश्वास और सहयोग से हम विकास के हर मोर्चे पर मजबूत कदम उठा रहे हैं। विधायक प्रदीप प्रसाद ने कहा, मैं सदैव अपने क्षेत्र के आर्थिक, शैक्षिक और सामाजिक विकास के लिए प्रतिबद्ध हूं। जनता के विश्वास और सहयोग से ही हम एक आधुनिक, समृद्ध और आत्मनिर्भर हजारीबाग की कल्पना को साकार कर रहे हैं। इस अवसर पर कटकमदाग जिला परिषद सदस्य जीतन राम, पूर्व जिला परिषद सदस्य प्रियंका कुमारी, भाजपा नेता इन्द्रनारायाण कुशवाहा, मंडल अध्यक्ष अरूण राणा, मुखिया संघ अध्यक्ष राजेश गुप्ता, उप प्रमुख विमल गुप्ता, प्रमेश्वर गोप, रामअवतार शर्मा, बिरजू राम, राजू प्रसाद, शशि ठाकुर, अमृत पासवान, अजय साहू, किशोरी राणा, विजय साहू, पूर्व प्रमुख अशोक यादव

रैयत विस्थापित कार्यालय गिद्दी में मजदूर दिवस मनाया गया।

मजदूरों के साथ में हमेशा रैयत विस्थापित मोर्चा खड़ा रहता है_सैनाथ गंझू।
आज का दिन मजदूरों के लिए होता है_लखनलाल महतो।

समाज जागरण गुलचंद महतो,डाड़ी संवाददाता हजारीबाग।

आज दिनांक 1 मई 2025 को रैयत विस्थापित मोर्चा के पदाधिकारियों द्वारा गिद्दी कार्यालय में मजदूर दिवस को अंतरराष्ट्रीय दिवस के रूप में मनाया गया। इस ऐतिहासिक कार्यक्रम में मुख्य रूप से झारखंड कोलवरी मजदूर यूनियन के जोनल उपाध्यक्ष सैनाथ गंझू, एवं अरगड्डा क्षेत्र झारखंड कोलवरी मजदूर यूनियन के अध्यक्ष लखनलाल महतो, सचिव प्रकाश महली अनन्या मुखर्जी, श्रीनाथ महतो, पप्पू सिंह,सुनिल गंझू, आशीष करमाली,समशुल, अमरलाल बेदिया, राजेश्वर महतो, विकास बेदिया एवं काफी संख्या में लोग मौजूद थे।

06 बहनों को दिया लहंगा, मेसर्स डीपीएस ऑटोमोबाइल का किया उद्घाटन

आर्यन कुमार संवाददाता दैनिक समाज जागरण कटकमदाग।

हजारीबाग लोकसभा क्षेत्र के सांसद मनीष जायसवाल ने गुरुवार को अपने कटकमदाग प्रखंड क्षेत्र दौरे के क्रम में सदर विधायक प्रदीप प्रसाद की

उपस्थिति में प्रखंड क्षेत्र के बेस, सलगांवा और कटकमदाग पंचायत की कुल 06 बहनों को उनके शादी से पूर्व लहंगा भेंट किया और शादी की अग्रिम शुभकामनाएं दी। दौरे के क्रम में कटकमदाग प्रखंड क्षेत्र के चतरा रोड स्थित बानादाग में मेसर्स डीपीएस ऑटोमोबाइल नामक नवीन प्रतिष्ठान का फीता काटकर उद्घाटन किया। इस प्रतिष्ठान में इलेक्ट्रिक स्कूटी, ई-रिक्शा और कृषि इक्विपमेंट एक ही छत पर उपलब्ध है और यहां लोन की भी सुविधा लोगों को मिलेगी। सांसद मनीष जायसवाल और विधायक प्रदीप प्रसाद ने इस नवीन प्रतिष्ठान के संचालक सागर कुमार को बधाई दिया और उनके प्रतिष्ठान के उज्जवल भविष्य की कामना की ।

मेंस यूनियन के द्वारा मनाया गया अंतरराष्ट्रीय मजदूर दिवस

दैनिक समाज जागरण 01.05.2025 जिला संवाददाता चांद कुमार लायेक पूर्वी सिंहभूम जमशेदपुर

मजदूर दिवस के अवसर पर मेंस यूनियन के द्वारा टाटा शाखा -1 &2 में सभी शाखा सदस्यों के साथ मनाया गया। इस मौके पर मंडल संयोजक में चक्रधरपुर कामरेड मनोज कुमार सिंह जी ने सभी मजदूरों को कहां कि अपने अधिकारों को जाने और समझे और उसे पाने के लिए संघर्ष करते रहें। क्योंकि मजदूरों के बिना किसी भी देश का विकास संभव नहीं है उसके बाद सिंह जी ने मजदूर दिवस के अहमियत के बारे में कर्मचारियों को बताएं की मजदूर दिवस सन 1886 में शिकागो के हेमार्केट में एक दंगा हो गया था। इसके पीछे मजदूरों से 15-15 घंटे लगातार काम करवाना था। इससे परेशान होकर मजदूर सड़कों पर उतर आए। उन्होंने एकजुट होकर मांग की कि उनके काम के घंटों को 8 घंटे कर दिया जाए। साथ ही हफ्ते में कम से कम 1 छुट्टी तो जरूर दी जाए। ऐसा बताया जाता है कि उस झड़प में कई पुलिस कर्मियों सहित लोगों की जान भी चली गई थी।इस घटना की याद में तीन साल बाद 1 मई 1889 में एक अंतराष्ट्रीय सामाजिक सम्मेलन हुआ। इसमें सुझाव दिया गया कि यह दिन दुनियाभर में मजदूरों को न्याय दिलाने और समानता के लिए मनाया जाएगा। इस तरह से मजदूर दिवस की नींव रखी गई। इसके बाद अमेरिकी मजदूरों की तरह ही दूसरे देशों में भी श्रमिकों के लिए 8 घंटे काम करने का नियम लागू कर दिया गया। इस समारोह में शामिल नेतागण कॉम मनोज कुमार सिंह, शिव जी शर्मा, जवाहरलाल, अजय कुमार सिंह, संजय सिंह, शिव नारायण शिव, एम पी गुप्ता, जे बी सिंह, गौतम विश्वाश, नीतीश कुमार इत्यादि।

नेताजी सुभाष विश्वविद्यालय में विशेष रूप से मना "अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस"

दैनिक समाज जागरण 01.05.2025 जिला संवाददाता चांद कुमार लायेक पूर्वी सिंहभूम जमशेदपुर

मजदूर दो वक्त की रोटी को मजबूर हो सकते हैं, पर एक सच तो ये भी है कि उनकी सबसे ज्यादा जरूरत हमें ही है। मजदूर हमारे समाज का वह अमूल्य अंग है, जिसके बिना न सिर्फ हमारे काम रुक जाएंगे बल्कि हमारे सपने भी अधूरे रह जाएंगे। 01 मई "अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस" के रूप में मनाया जाता है। यह एक दिन हम अपने मजदूर भाई बहनों को समर्पित करते हैं। वे हर रोज किसी न किसी तरह से हमारे जीवन का हिस्सा बनते हैं कभी चाय का कप पकड़े हुए, कभी पौधों को पानी देते हुए, कभी हमारी रोज मर्रे की चीजों का ध्यान रखते हुए। ये एक दिन उनके मेहनत को उजागर करने का दिन है। कोई काम छोटा या बड़ा नहीं होता है, बल्कि मजदूर के बिना हमारे बाकी सारे काम रुक जाएंगे। जमशेदपुर के पोखारी स्थित नेताजी सुभाष विश्विद्यालय में बड़े ही शानदार तरीके से "अंतरराष्ट्रीय श्रमिक दिवस" का आयोजन किया गया। इसका मूल उद्देश्य मजदूरों के प्रति सद्भावना एवं सम्मान को उजागर करना था। कार्यक्रम की शुरूआत माननीय अतिथियों द्वारा दीप प्रज्वलन के साथ विधिवत रूप से किया गया इसके पश्चात विश्वविद्यालय की छात्रों ने गणेश वंदना पर नृत्य प्रस्तुत किया। इसके पश्चात, इस कार्यक्रम के अतिथि नेताजी सुभाष विश्वविद्यालय के तमाम वर्कर्स को सम्मानित किया गया। इसके बाद छात्रों ने बॉलीवुड गानों पर नृत्य प्रदर्शन कर सभी का मनोरंजन किया। इसी बीच विश्वविद्यालय के कुछ छात्रों ने एक नाटक प्रस्तुत किया। जिससे उन्होंने यह स्थापित किया कि कोई भी काम छोटा या बड़ा नहीं होता है और सभी का काम समान रूप से मुश्किल होता है। इसके पश्चात, विश्विद्यालय के एक छात्र ने अपनी कविता के माध्यम से एक मजदूर की ज़िंदगी को बखूबी टटोला और सभी के समक्ष प्रस्तुत किया। कुलपति डॉ. प्रभात कुमार पाणी ने इस खास अवसर पर विश्वविद्यालय के सभी कर्मचारियों को विशेष धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि हमारे विश्विद्यालय के सबसे प्रमुख अंग हैं हमारे सभी स्टाफ। इनके होने से हमारे विश्वविद्यालय की खूबसूरती बनी रहती है। नेताजी सुभाष विश्विद्यालय के माननीय शैक्षणिक विभाग के अधिष्ठाता प्रो. दिलीप शोम ने अतिथि गण को संबोधित किया और कहा "इस समाज में हर व्यक्ति किसी न किसी रूप से एक दूसरे पर निर्भर होता ही है।आज आप लोग अपना काम अच्छे से करते हैं, तभी हम अपने काम में मन लगा पाते हैं।" कुलपति प्रो. डॉ. पी. के. पाणी, प्रो. नाजिम खान, शैक्षणिक विभाग के अधिष्ठाता प्रो. दिलीप शोम, आईटी विभाग के अधिष्ठाता, प्रो. डॉ. रंजन मिश्रा, विभिन्न विभागों के विभागाध्याक्षा और संकाय सदस्यों ने अपनी उपस्थिति से इस कार्यक्रम की शोभा बढ़ाई।

केंद्रीय मंत्री डॉ मनसुख मांडविया ने ओलंपियन सात्विक-चिराग को मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार प्रदान किया

केंद्रीय मंत्री ने भारतीय जोड़ी की उपलब्धि की सराहना करते हुए कहा - तिरंगे के साथ पोडियम पर खड़ा होना राष्ट्र के लिए गौरव का क्षण

केंद्रीय युवा कार्यक्रम एवं खेल तथा श्रम एवं रोजगार मंत्री डॉ. मनसुख मांडविया ने आज नई दिल्ली में ओलंपियन सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी को मेजर ध्यानचंद खेल रत्न पुरस्कार प्रदान किया। 2023 में बैडमिंटन वर्ल्ड फेडरेशन (बीडब्ल्यूएफ) रैंकिंग में नंबर 1 रैंक पर पहुंचने और हांग्जो में एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतने वाली इस शीर्ष बैडमिंटन जोड़ी को 2023 में खेल रत्न पुरस्कार के लिए चुना गया था। हालांकि, उस समय टूनामेंट की प्रतिबद्धताओं के कारण वे इसे प्राप्त करने में असमर्थ थे। मौजूदा विश्व नंबर 11 जोड़ी की प्रशंसा करते हुए डॉ. मांडविया ने कहा, "मेजर ध्यानचंद खेल रत्न देश का सर्वोच्च खेल सम्मान है। सात्विक और चिराग, आप दोनों ने असाधारण कौशल और कड़ी मेहनत के माध्यम से अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में पदक जीतकर देश को गौरवान्वित किया है। जब आप प्रतिष्ठित पदक प्राप्त करने के लिए तिरंगे के साथ पोडियम पर खड़े होते हैं, तो यह न केवल आपके लिए बल्कि पूरे देश के लिए सम्मान की बात होती है। देश का गौरव बढ़ाने और तिरंगे के सम्मान को बढ़ाने के लिए आप दोनों को खेल रत्न से सम्मानित किया गया है।" खेल रत्न मिलने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए चिराग शेट्टी ने कहा कि यह सम्मान काफी पहले मिलना चाहिए था। उन्होंने कहा, "आखिरकार, आज हमें यह सम्मान मिल ही गया। यह काफी समय पहले मिलना चाहिए था। इसकी घोषणा 2023 में की गई थी। इसलिए, हम अपने माननीय खेल मंत्री से खेल रत्न पाकर बहुत खुश हैं। जब से मुझे और सात्विक को साथ जोड़ा गया है, तब से भारत सरकार का समर्थन जबरदस्त रहा है। हमारी सभी बड़ी जीत - चाहे विश्व नंबर 1 बनना हो, एशियाई खेलों में स्वर्ण पदक जीतना हो या थॉमस कप का खिताब जीतना हो - इसका बहुत सारा श्रेय भारत सरकार को जाता है, जिसने हमें लगातार समर्थन दिया है।" सात्विक ने भी अपनी भावनाओं को अभिव्यक्ति देते हुए कहाः "हम पिछले साल खेल रत्न पुरस्कार लेने के लिए राष्ट्रपति भवन नहीं जा पाए थे। आखिरकार, अब इसे प्राप्त करना हमारे आत्मविश्वास के लिए बहुत बड़ा बढ़ावा है, क्योंकि हम अगले कुछ महीनों तक खेल से दूर जा रहे हैं और नहीं खेल पाएंगे। यह हमें वापस आने और आगामी टूनामेंटों में अच्छा प्रदर्शन करने के लिए प्रेरित करता है। सरकार एक बड़ी भूमिका निभा रही है, क्योंकि आज युवाओं को कई योजनाओं और पहलों - खेलो इंडिया, टारगेट ओलंपिक पोडियम स्कीम (टॉप्स) आदि के माध्यम से समर्थन दिया जा रहा है। शुरू में, जब मैंने और चिराग ने खेलना शुरू किया तो हम आर्थिक रूप से संघर्ष कर रहे थे। बाद में, सरकार ने हमारा समर्थन किया और फिर हमने पीछे मुड़कर नहीं देखा।"

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग ने हेक्टर एशिया होल्डिंग्स और केआईए ईबीटी ।। योजना से केकेआर द्वारा हेल्थकेयर ग्लोबल एंटरप्राइजेज लिमिटेड में अधिग्रहण से जुड़े प्रस्तावित संयोजन को मंजूरी दी

भारतीय प्रतिस्पर्धा आयोग ने हेक्टर एशिया होल्डिंग्स और केआईए ईबीटी II योजना के माध्यम से केकेआर द्वारा हेल्थकेयर ग्लोबल एंटरप्राइजेज लिमिटेड में अधिग्रहण से जुड़े प्रस्तावित संयोजन को मंजूरी दे दी है। हेक्टर एशिया होल्डिंग्स प्राइवेट लिमिटेड (हेक्टर) सिंगापुर में निगमित एक निजी कंपनी है। यह अप्रत्यक्ष रूप से निवेश निधियों, वाहनों और/या खातों द्वारा पूर्णतः स्वामित्व वाली कंपनी है। इसे केकेआर एंड कंपनी इंक ("केकेआर एंड कंपनी" और इसकी सहायक कंपनियों के साथ, "केकेआर ") की विभिन्न सहायक कंपनियों द्वारा सलाह दी जाती है और प्रबंधित किया जाता है। केआईए ईबीटी क्कयोजना 1, केआईए ईबीटी ट्रस्ट क्क (ईबीटी) की एक कर्मचारी लाभ योजना है। केआईए ईबीटी ट्रस्ट क्क, भारतीय ट्रस्ट अधिनियम, 1882 के तहत स्थापित ट्रस्ट की कर्मचारी लाभ योजना है। इसके लाभार्थी केकेआर के कर्मचारी हैं। केकेआर एक वैश्विक निवेश फर्म है जो वैकल्पिक परिसंपत्ति प्रबंधन के साथ-साथ पूंजी बाजार और बीमा समाधान भी प्रदान करती है। केकेआर ऐसे निवेश फंड प्रायोजित करती है जो निजी इक्विटी, ऋण और अचल संपत्तियों में निवेश करते हैं और इसके रणनीतिक साझेदार हैं जो हेज फंड का प्रबंधन करते हैं।

हेल्थकेयर ग्लोबल एंटरप्राइजेज लिमिटेड (टारगेट) एक सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध कंपनी है। यह भावनगर, अहमदाबाद, राजकोट और हुबली में मल्टी-स्पेशलिटी अस्पताल और व्यापक कैंसर देखभाल केंद्र संचालित करने; कैंसर देखभाल सेवाएं, निदान और उपचार प्रदान करने; डे केयर क्लीनिक, प्रजनन केंद्र, रेडियोलॉजी और पीईटी-सीटी सुविधाएं संचालित करने; प्रजनन चिकित्सा सेवाएं प्रदान करने; और जीवन विज्ञान, शैक्षणिक अनुसंधान और नैदानिक परीक्षण, और निदान का संचालन करने और सटीक चिकित्सा समाधान प्रदान करने के व्यवसाय में सक्रिय है। हेक्टर ने ईबीटी के साथ मिलकर एसेसो कंपनी प्राइवेट लिमिटेड से दो चरणों में लक्ष्य की 54 प्रतिशत तक की वोटिंग शेयर पूंजी हासिल करने का प्रस्ताव रखा है। सेबी (शेयरों का पर्याप्त अधिग्रहण और अधिग्रहण) विनियम, 2011 के अनुसार, भारत में एक अनिवार्य निविदा प्रस्ताव शुरू किया जाएगा, जिसके तहत हेक्टर को टारगेट के विस्तारित वोटिंग शेयर पूंजी के 26 प्रतिशत तक के अधिग्रहण के लिए टारगेट के सार्वजनिक शेयरधारकों के समक्ष एक खुला प्रस्ताव पेश करना होगा। खुले प्रस्ताव में शेयरों की निविदा के आधार पर, अधिग्रहणकताओं के पास लक्ष्य की विस्तारित वोटिंग शेयर पूंजी के 54 प्रतिशत से लेकर 77 प्रतिशत तक की हिस्सेदारी होने की उम्मीद है (प्रस्तावित संयोजन) आयोग का विस्तृत आदेश बाद में दिया जाएगा।

क्या वजन घटाने के लिए आप भी करते हैं ये गलतियां? हो जाएं सावधान

अक्सर वजन घटाने के चक्कर में हम कई ऐसी गलतियां कर बैठते हैं, जो कभी नहीं करनी चाहिए. अगर बिना किसी एक्सपर्ट की सलाह या न्यूट्रिशनिस्ट की सलाह से हम वजन घटाने की कोशिश कर रहे हैं या फिर ऐसे नुस्खों का अनुसरण कर रहे हैं, जो बेहद सामान्य हैं, जिन्हें किसी के मुंह से भी सुनकर लोग फॉलो करने लगते हैं, तो सावधान होने की जरूरत है, क्योंकि ऐसी स्थिति में पछताना पड़ सकता है. अगर आपका वजन ज्यादा है और आप वेट लॉस (द्वीं३ छङ्ग२२) करने की सोच रहे हैं, तो सबसे पहले किसी अच्छे न्यूट्रिशनिस्ट से मिलें और उसके द्वारा बताई गई डाइट प्लान ही फॉलो करें. ध्यान रहे कि खुद से अपनी डाइट प्लान न बनाएं या फिर इंटरनेट पर देखकर वजन घटाने के नुस्खों या टिप्स का अनुसरण न करें. पोषक विशेषज्ञ के दिशा-निर्देश में ही बनाई गई डाइट प्लान, का अनुसरण करें और खुद डॉक्टर न बनें. अक्सर देखा गया है कि लोग वजन घटाने के लिए खुद ही डॉक्टर की भूमिका में आ जाते हैं और जिसका खामियाजा उनको बाद में भुगतना पड़ता है. न्यूट्रिशनिस्ट तान्या वालिया मालगुड़ी का कहना है कि वजन घटाने के लिए प्रतिदिन डाइट प्लान का अनुसरण करना बेहद जरूरी है. इससे आपको पता लगता है कि आप कितना अतिरिक्त खाना खाते हैं.अभी तक कितनी कैलोरी ले रहे थे और वास्तव में कितनी कैलोरी लेने की जरूरत है. उनका कहना है कि वजन कम करने के लिए कभी भी प्रोटीन लेना नहीं छोड़ना चाहिए. एकदम से खाना भी नहीं छोड़ना चाहिए, क्योंकि ऐसा करने से ब्लड शुगर लेवल कम हो जाता है और थकान महसूस होने लगती है. कई बार ऐसी स्थिति में तनाव भी हो सकता है. वजन घटाने के चक्कर में ज्यादा एक्सरसाइज भी न करें, एकदम से ऐसा करने से मांसपेशियों में दर्द हो सकता है. कभी भी वजन घटाने के लिए गलत फूड का कॉम्बिनेशन न लें. अपने भोजन में 50 फीसदी सब्जियां जिनमें सलाद भी शामिल हो, 25 फीसदी प्रोटीन, 25 फीसदी काबोर्हाइड्रेट लें. आप छाछ या दही के तौर पर 5 फीसदी प्रोबायोटिक जरूर लें. उचित अनुपात में उचित भोजन संयोजन करने का प्रयास करें. दरअसल, मोटापे की समस्या तेजी से युवाओं को चपेट में ले रही है. अनियमित लाइफस्टाइल की वजह से यह बीमारी कॉमन हो गई है. लेकिन अगर सही से डाइट प्लान फॉलो किया जाए तो बढ़ते वजन पर काबू पाया जा सकता है. कई बीमारियों के कारण भी वजन बढ़ने लगता है ऐसी स्थिति में डॉक्टर को जरूर दिखाएं और परामर्श लें.

अगर है हाई ब्लड शुगर? सुबह की इन 5 आदतों से ऐसे हो सकता है नियंत्रित

अगर मनुष्य अपनी जीवनशैली में सुधार कर ले तो कई बीमारियों से बच सकता है. लाइफस्टाइल की अनियमितता के कारण कई सारी बीमारियां इंसान को घेर लेती हैं, और धीरे-धीरे ये रोग घातक होते जाते हैं. अगर आप बीमारियों की सूची सर्च मारेंगे, तो कई ऐसी होंगी जिनकी मुख्य वजह डिस्टर्ब और अनबैलेंस लाइफस्टाइल होगी. हाई ब्लड शुगर भी ऐसा ही एक रोग है, जो जीवनशैली से जुड़ा हुआ है. इस बीमारी में व्यक्ति का ब्लड शुगर का स्तर जरूरत से अधिक बढ़ जाता है, जिससे दिक्कतें शुरू हो जाती हैं. इस बीमारी के आम संकेत वजन का अचानक कम होना, ज्यादा प्यास लगना, अचानक भूख बढ़ जाना, पेशाब से महक आना, धुंधला दिखाई देना और हमेशा थकान रहना है. लेकिन जीवनशैली में सुधार करके इसे कंट्रोल किया जा सकता है.

पानी

हाइड्रेशन सबसे पहली और सबसे महत्वपूर्ण आवश्यकता है. तभी कहा भी जाता है कि हमेशा हाइड्रेड रहें. पानी रक्त शर्करा (लँ इ'ङ्गङ्ग र४१) के स्तर को कम करने और संतुलन बनाए रखने में मदद करता है. यह रक्त प्रवाह में शर्करा के स्तर को पतला करता है. पर्याप्त पानी न पीने से कई समस्याएं हो सकती हैं. इसलिए सुबह उठते ही जमकर पानी पिएं और दिनभर शरीर में पानी की मात्रा को बरकरार रखें.

प्रोटीन नाश्ता

प्रोटीन एक और पोषक तत्व है जो रक्त शर्करा के स्तर को कम करने में मदद करने के लिए जाना जाता है. इसलिए अपने ब्रेकफास्ट में प्रोटीन को शामिल करें. ऐसा करने से आप पूरे दिन ऊजार्वान रहेंगे. सुबह का नाश्ता जरूर करें और उसे छोड़े ना. अक्सर हमारी आदत सुबह का नाश्ता नहीं करने की होती है.

एक्स्ट्रा कैफीन से बचें

कॉफी आपके ब्लड शुगर लेवल को बढ़ा सकती है. इसलिए सीमित मात्रा में कॉफी का सेवन करें. कॉफी में कैफीन होता है और इससे ब्लड शुगर लेवल बढ़ जाता है. सुबह उठते ही बार-बार कॉफी न पिएं.

सुबह व्यायाम जरूर करें

सुबह उठते ही व्यायाम जरूर करें और टहलें. जब हम व्यायाम करते हैं, तो हमारा रक्त शर्करा का लेवल मेन्टेंन रहता है.

तनाव को बाई-बाई कह दें

तनाव एक ऐसी चीज है जो हमें कई सारी बीमारियां दे जाती है. इसलिए बिल्कुल भी तनाव न लें. अगर आप सुबह उठते ही तनाव लेने लगते हैं तो ऐसा करने से आपको कई सारी बीमारियां घेर सकती हैं और आपका ब्लड शुगर लेवल भी बढ़ जाता है. अपने दिन की शुरूआत शांति और धैर्य से करें. उठते ही घूमें, व्यायाम करें और योग करें.

डायबिटीज-आंखों के लिए बहुत लाभकारी है गाजर का जूस, बस एक महीने में पा सकते हैं ऐसे गजब के फायदे

शरीर के लिए आवश्यक पोषक तत्वों की आसानी से पूर्ति के लिए फलों-सब्जियों के सेवन की आदत बनाना काफी लाभकारी माना जाता है। हर मौसम की कुछ खास सब्जियां-फल होते हैं जो शरीर को कई प्रकार के स्वास्थ्य लाभ प्रदान कर सकते हैं। इस मौसम में गाजर बहुतायत में उपलब्ध होते हैं, इसे सेहत के लिए बहुत फायदेमंद माना जाता है। स्वास्थ्य विशेषज्ञ कहते हैं गाजर के जूस का सेवन करना कई तरह की बीमारियों के जोखिम को कम करके आपको बेहतर स्वास्थ्य प्राप्त करने में सहायक है। अध्ययनों में इसे डायबिटीज से लेकर हृदय रोग और आंखों की सेहत को ठीक रखने में भी फायदेमंद पाया गया है।

डॉक्टर्स कहते हैं, बस एक महीने नियमित रूप से गाजर के जूस का सेवन करके आप शरीर में कई प्रकार के सकारात्मक बदलाव महसूस कर सकते हैं। गाजर में फाइबर, विटामिन-ए, विटामिन सी और के, पोटैशियम जैसे अति महत्तपूर्ण पोषक तत्व पाए जाते हैं जो शरीर के अंगों को स्वस्थ रखने और गंभीर क्रोनिक बीमारियों के जोखिम से बचाने में आपकी मदद कर सकते हैं।

गाजर का रस कैरोटीनॉयड पिगमेंट ल्यूटिन और जेक्सैन्थिन भी प्रदान करता है, जो शरीर में एंटीऑक्सिडेंट के रूप में कार्य करते हैं। एंटीऑक्सिडेंट्स का सेवन कई गंभीर रोगों के विकास को कम करने में सहायक है। आइए गाजर के जूस से होने वाले फायदों के बारे में जानते हैं।

आंखों के लिए फायदेमंद है गाजर का जूस

गाजर के जूस में लगभग वे सभी पोषक तत्व होते हैं जो आपकी आंखों के लिए बहुत आवश्यक माने जाते हैं। 200 ग्राम गाजर के जूस से दैनिक विटामिन-ए की

आवश्यकताओं को पूरा किया जा सकता है। आंखों को स्वस्थ रखने के लिए विटामिन-ए महत्वपूर्ण है। अध्ययनों में पाया गया है कि विटामिन-ए वाली चीजों का सेवन करना अंधेपन और उम्र से संबंधित नेत्र रोगों के जोखिम से सुरक्षित रखने में आपके लिए विशेष लाभकारी हो सकता है।

इम्युनिटी बूस्टर है यह जूसडायबिटीज रोगियों के लिए फायदेमंद है गाजर

गाजर का जूस पीने से रक्त शर्करा के स्तर को भी कम करने में मदद मिल सकती है। टाइप-2 डायबिटीज वाले चूहों पर किए गए अध्ययन से पता चलता है कि गाजर का रस रक्त शर्करा को कम करने और इससे संबंधित अन्य मार्करों में भी आपके लिए मददगार है। किण्वित जूस में प्रोबायोटिक्स होते हैं, जो आंत के गुड बैक्टीरिया के लिए अच्छे माने जाते हैं। गाजर एंटी-इंफ्लामेटरी गुण के लिए भी जाना जाता है, इसके कारण भी इसे डायबिटीज रोगियों के लिए फायदेमंद पाया गया है।

गाजर का जूस आपके इम्यून सिस्टम को बूस्ट कर सकता है। इसमें पाए जाने वाले विटामिन-ए और सी, दोनों ही एंटीऑक्सिडेंट के रूप में कार्य करते हैं और प्रतिरक्षा कोशिकाओं को मुक्त कणों से होने वाले नुकसान से बचाते हैं। इसके अतिरिक्त, यह जूस विटामिन-बी 6 का भी समृद्ध स्रोत है। प्रतिरक्षा प्रतिक्रिया को बेहतर रखने के लिए विटामिन-बी 6 वाली चीजों को आहार में जरूर शामिल करें। गाजर के जूस का सेवन आपके लिए बेहतर विकल्प हो सकता है।

जहरीली हवा से कैसे रहे सुरक्षित,स्वामी रामदेव से जानिए योग और आयुर्वेदिक उपचार

दिल्ली-एनसीआर में पटाखे जलाने का दिखने लगा असर। दिल्ली के कई इलाकों में 10 गुना ज्यादा प्रदूषित हुई हवा। दिल्ली और आस-पास के जिलों में अदकलेवल 300 के पार। दिल्ली-एनसीआर के आसमान में धुंध और धुएं का गुबार। बढ़ते प्रदूषण की वजह से लोगों को सांस लेने में हो रही दिक्कत। फिर वही कहानी एकबार फिर दिल्ली-ठउफ की हवा और भी ज्यादा जहरीली होने लगी है। सड़कों पर चल रही करोड़ों गाड़ियां, कंसंट्रक्शन वर्क और पराली के धुएं के बाद दिवाली के पटाखों ने रही सही कसर पूरी कर दी है। दुख तो इस बात का है कि ऐसी नौबत हर साल आती है। सर्दी गिरते ही पराली के धुएं का डर सताने लगता है फिर पटाखे जलाने को लेकर डिबेट शुरू होती है। देखते-देखते ना सिर्फ दिल्ली-ठउफ खराब हवा से पूरे उत्तर भारत का दम घुटने लगता है।

ऐसे में जरूरी है एक उस फिल्टर की जो प्रदूषित हवा के हमले को रोककर वातावरण को साफ कर दे। कुछ वैसे ही जैसे इंद्र देव के क्रोध से बचाने के लिए भगवान श्री कृष्ण ने गोवर्धन पर्वत उठा लिया था। जिसके नीचे आकर लोगों ने अपनी जान बचाई थी। पॉल्यूशन से बचने के लिए गोवर्धन पर्वत उठाने जैसे चमत्कार की ही जरूरत है। क्योंकि एयर पॉल्यूशन बढ़ते ही सांस से जुड़ी परेशानियां बढ़ने लगती हैं। उडढऊ

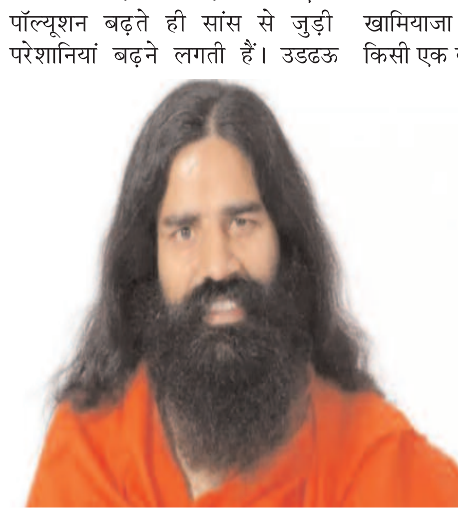

ब्रोंकाइटिस, टीबी, अस्थमा जैसी बीमारिया ट्रिगर हो जाती हैं। इतना ही नहीं जो लोग हेल्दी हैं वो भी थकान,सिरदर्द,स्ट्रेस, आंख-नाक और गले में जलन की शिकायत करने लगते हैं। खराब हवा का असर न्यूरो सिस्टम और कार्डियोवैस्कुलर सिस्टम पर भी दिखाई देता है। सांस लेने के लिए कुदरत हमें जो साफ हवा देती है उसे हम सब मिलकर जहरीली बनाते है और फिर खामियाजा भी भुगतते हैं अब ऐसे में किसी एक की कोशिश से उसे ठीक भी नहीं किया जा सकता। पॉल्यूशन से बचने के लिए हर किसी को अपने हिस्से की हवा साफ करनी होगी। ये सब होगा ज्यादा से ज्यादा पेड़ लगाकर। गाड़ियों का इस्तेमाल कम करके पराली और इंडस्ट्रियल पॉल्यूशन को कंट्रोल करने का सही सॉल्यूशन ढूंढकर। जिस तरह रातों-रात हवा बद से बदतर हो जा रही है। वो चुटकी बजाते ही साफ तो नहीं हो सकती। ऐसे में सांसों पर लगने वाली इमरजेंसी से बस योगिक फिल्टर ही बचा सकता है तो बेहतर है योग के चमत्कार को समझिए और अन्नकूट और गोवर्धन पूजा के इस मौके पर योग कीजिए।

गले में कुछ फंस जाए तो फौरन करें ये 4 काम

खाने के दौरान कभी-कभी खाने का गले में फंसना सामान्य बात नहीं है। खाना निगलना एक जटिल प्रक्रिया है। जब भी हम कुछ खाते हैं तो खाने को मुंह से पेट तक पहुंचने में लगभग 50 से ज्यादा मांसपेशियां और कई नर्व्स मिलकर काम करती हैं। जब आप भोजन करते हैं, तो आपके मुंह से आपके पेट तक भोजन को स्थानांतरित करने के लिए लगभग 50 जोड़ी मांसपेशियां और कई तंत्रिकाएं मिलकर काम करती हैं। इस प्रक्रिया के दौरान खाना गले में फंसना कोई असामान्य बात नहीं है।

जब आप सॉलिड फूड खाते हैं तो तीन चरणों वाली प्रक्रिया शुरू होती है। आप भोजन को चबाकर निगलने के लिए तैयार करते हैं। यह प्रक्रिया भोजन को लार के साथ मिक्स करती है जिससे फूड नम प्यूरी में बदल जाता है। जब आपकी जीभ भोजन को आपके गले के पीछे धकेलती है तो आपके निगलने की प्रक्रिया शुरू हो जाती है। इस दौरान आपकी श्वसन नली कसकर बंद हो जाती है और आपकी सांस रुक जाती है।

यह प्रक्रिया भोजन को गलत पाइप में जाने से रोकती है। इस प्रक्रिया के दौरान भोजन आपकी खाने की नली में प्रवेश करता है और आपके पेट में जाता है। कई बार खाते समय प्रक्रिया में कुछ गड़बड़ी हो जाती है और खाना फूड पाइप में फंस जाता है। इस दौरान आपके सांस लेने पर कोई असर नहीं पड़ता क्योंकि खाने ने आपकी सांस की पाइप को पहले ही साफ कर दिया है।

फूड पाइप में खाना फंसते ही उसके लक्षण दिखने लगते हैं। सीने में दर्द होना, लार का ज्यादा अनुभव होना, लगातार खांसी आना, चेहरे का रंग खांसते-खांसते पीला

पड़ना कुछ मामलों में बेहोशी भी हो सकती है। अगर खाना गले में फंस गया है और गंभीर लक्षण नहीं दिख रहे तो आप घर में ही गले में फंसे खाने को आसानी से निगल सकते हैं।

स्थिति कब गंभीर हो सकती है:

जब खाना फंसने की वजह से बात नहीं कर पा रहा है

सांस लेने में कठिनाई हो रही है

सांस जोर जोर से ले रहा है

सांस लेते समय कर्कश आवाज आ रही है

खांसी या कमजोर होने पर

चेहरा लाल या पीला या नीला पड़ जाने पर

बेहोश हो जाने पर स्थिति गंभीर हो सकती है।

गले में फंसा खाना निकालने के उपाय

कई शोध से पता चलता है कि कोक या अन्य काबोर्नेटेड ड्रिंक का सेवन करने से फूड पाइप में फंसे भोजन को हटाने में मदद मिल सकती है। डॉक्टर और इमर्जेंसी वर्कर अक्सर भोजन को तोड़ने के लिए इस सरल तकनीक का उपयोग करते हैं।

गैस के दर्द का इलाज करने की दवाएं फूड पाइप में फंसे भोजन को हटाने में मदद कर सकती हैं। यह दवाएं फूड पाइप में दबाव बढ़ाती है और भोजन को ढीला कर सकती है।

पानी ज्यादा पीएं। पानी के कुछ बड़े घूंट आपके फूड पाइप में फंसे भोजन को नीचे करने में मदद करते हैं। यदि आपने खाना ठीक से चबाया नहीं है तो यह बहुत अधिक सूखा हो सकता है। पानी के बार-बार घूंट से अटका हुआ भोजन गीला हो सकता है और आसानी से नीचे चला जाता है।

कभी-कभी फूड पाइप को अतिरिक्त ग्रीस की आवश्यकता होती है ऐसे में एक चम्मच मक्खन खाने से मदद मिल सकती है। एक चम्मच मक्खन फूड पाइप को नम करने में मदद करता है और अटके हुए भोजन को आपके पेट में नीचे ले जाना आसान बनाता है।

सर्दी में इन दो विटामिन की कमी आपको बना सकती है बीमार, इन फूड्स से करें कमी को पूरा

सर्दी का मौसम आ चुका है और ठंडी हवाएं कुछ ही दिनों में अपनी रफ्तार पकड़ सकती है। इस मौसम में सेहत का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। इस मौसम में कुछ मौसमी बीमारियां जैसे सर्दी जुकाम, बंद नाक, छींके आना, सिरदर्द होना, शरीर में दर्द होना, खांसी जैसी परेशानियां बेहद परेशान करती हैं। इस मौसम में इम्युनिटी कमजोर हो जाती है और बॉडी के बीमार होने के आसार ज्यादा होते हैं। सर्दी में हेल्दी रहने के लिए डाइट का ध्यान रखना बेहद जरूरी है। डाइट में कुछ खास विटामिन का सेवन करने से इम्युनिटी स्ट्रॉन्ग रहती है और बॉडी हेल्दी रहती है। इस मौसम में मौसमी बीमारियों से बचने के लिए कुछ विटामिन का सेवन बेहद फायदेमंद होता है। सर्दी में विटामिन उ और ऊकी कमी आपको बीमार बना सकती है। आइए जानते हैं कि कैसे ये विटामिन बॉडी को हेल्दी रखते हैं और इनकी कमी को कैसे पूरा करें।

विटामिन सी की कमी बीमार बना सकती है:

विटामिन सी की कमी आपको बीमार बना सकती है। सर्दी में सर्दी-खांसी, फ्लू, साइनस और संक्रमण का खतरा अधिक होता हैं। इस मौसम में इम्युनिटी को स्ट्रॉन्ग बनाने के लिए डाइट में विटामिन सी वाले फूड्स का सेवन करें। विटामिन सी की

कमी को पूरा करने के लिए आप संतरे, स्ट्रॉबेरी, ब्लैककरंट, लाल मिर्च, ब्रोकोली और ब्रसेल्स स्प्राउट्स का सेवन बेहद फायदेमंद होता है। नींबू और आंवला का सेवन भी विटामिन सी की कमी को पूरा करता है। इन फूड्स का सेवन करने से इम्युनिटी स्ट्रॉन्ग होती है। भोजन में एंटीआक्सीडेंट तत्व जैसे मशरूम, पालक, टमाटर, कढ़ी पत्ता का सेवन भी इस मौसम में फायदा पहुंचाता है।

विटामिन डी की कमी बीमार बना सकती है:

सर्दी में विटामिन डी का सेवन सेहत को फायदा पहुंचा सकता है। सर्दी में बॉडी को धूप कम मिलती है तो ऐसे में बॉडी में विटामिन डी की कमी होने लगती है। विटामिन डी ना सिर्फ हड्डियों को मजबूत करता है बल्कि बॉडी को हेल्दी भी रखता है। विटामिन डी का सेवन हाई ब्लड प्रेशर को कंट्रोल करता है और दिल के रोगों से बचाव करता है।

विटामिन डी बॉडी को तब मिलता है जब स्किन पर सूरज की किरणें पड़ती हैं। ये शरीर को कैल्शियम और फॉस्फेट पचाने में मदद करता है जो हड्डियों, दांतों और मांसपेशियों को मजबूत बनाता है। बॉडी में विटामिन डी की कमी को पूरा करने के लिए डाइट में दूध, दही, मशरूम,बादाम, ब्रोकली, अंडा, दूध, पनीर, सोया उत्पाद, मछली, मक्खन, दलिया और संतरे के जूस का सेवन करें।

काली मिर्च खाने से सेहत को मिलते हैं ये 6 फायदे, जानें नुकसान भी

अधिकतर भारतीय घरों में काली मिर्च का उपयोग मसाले के तौर पर किया जाता है। वहीं कुछ लोग काली मिर्च का काढ़ा बनाकर भी पीते हैं। काली मिर्च औषधीय गुणों से भरपूर होती है। इसमें एंटीबैक्टीरियल, एंटीमाइक्रोबियल, एंटीओबेसिटी और एंटीइंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं। ये सभी गुण कई स्वास्थ्य समस्याओं को दूर करने में मददगार हो सकते हैं।

1. पाचन बेहतर बनाए

काली मिर्च पाचन संबंधी समस्याओं को ठीक करने में मदद कर सकता है। काली मिच में पाइपरिन होता है, जो पाचन क्षमता को बढ़ाने में मदद कर सकता है। साथ ही पाचन प्रक्रिया को भी बेहतर बनाता है। इससे पाचन से जुड़ी समस्याएं जैसे गैस, कब्ज और अपच से छुटकारा मिल सकता है।

2. सर्दी-जुकाम से राहत दिलाए

काली मिर्च में मौजूद पाइपरिन सर्दी, जुकाम और खांसी की समस्या से भी छुटकारा दिला सकता है। काली मिर्च शरीर की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाती है। जब इम्यूनिटी तेज होती है, तो शरीर को बैक्टीरियल और वायरस से लड़ने में मदद मिलती है। अगर आपको खांसी या जुकाम है, तो काली मिर्च का सेवन जरूर करें।

3. ओरल हेल्थ के लिए लाभकारी

काली मिर्च में एंटीमाइक्रोबियल और एंटीइंफ्लेमेटरी गुण पाए जाते हैं। ये सभी मुंह में मौजूद हानिकारक बैक्टीरिया को मारते हैं। साथ ही सूजन आदि से भी राहत मिल सकती है। काली मिर्च खाने से दांत भी सुरक्षित रहते हैं। काली मिर्च ओरल हाइजीन को मेंटेन रखने में मदद कर सकता है।

4. वेट लॉस में सहायक

अगर आप वजन घटाना चाहते हैं, तो काली मिर्च का सेवन करना शुरू कर सकते हैं। काली मिर्च में पाइपरिन और एंटीओबेसिटी प्रभाव होते हैं, जो वेट लॉस करने में मदद कर सकते हैं। आप काली मिर्च को खाने में शामिल कर सकते हैं या फिर इसका काढ़ा बनाकर भी पी सकते हैं।

5. जोड़ों के दर्द से राहत दिलाए

काली मिर्च जोड़ों के दर्द को कम करने में भी सहायक हो सकता है। काली मिर्च में एंटी इंफ्लेमेटरी और एंटीआर्थराइटिस प्रभाव पाया जाता है। ये गुण गठिया की वजह से होने वाले दर्द और सूजन को कम करने में असरदार साबित हो सकते हैं।

6. इंफेक्शन से बचाव

इंफेक्शन से बचने के लिए भी आप काली मिर्च का सेवन कर सकते हैं। काली मिर्च बैक्टीरिया से लड़ने में मदद कर सकता है। काली मिर्च में एंटीबैक्टीरियल गुण पाए जाते हैं। ये गुण लोगों को बैक्टीरिया से लड़ने में मदद करते हैं।

काली मिर्च के नुकसान

एक तरफ जहां काली मिर्च सेहत के लिए काफी फायदेमंद होती है, वहीं इसके कुछ नुकसान भी देखने को मिल सकते हैं।

काली मिर्च की तासीर बेहद गर्म होती है। इसलिए पित्त प्रकृति के लोगों को काली मिर्च का सेवन करने से बचना चाहिए।

छोटे बच्चों को अधिक मात्रा में काली मिर्च खिलाने से बचना चाहिए।

गर्भवती और स्तनपान कराने वाली महिलाओं को काली मिर्च का सेवन डॉक्टर की सलाह पर ही करना चाहिए।

काली मिर्च औषधीय गुणों से भरपूर होता है। आप भी काली मिर्च का सेवन कर सकते हैं। लेकिन काली मिर्च की तासीर गर्म होती है, इसलिए इनका सेवन कम मात्रा में ही करना चाहिए। बहुत अधिक मात्रा में काली मिर्च का सेवन करने से बचना चाहिए।

डिसकलेमरः

इस जानकारी की सटीकता, समयबद्धता और वास्तविकता सुनिश्चित करने का हर सम्भव प्रयास किया गया है हालांकि इसकी नैतिक जिम्मेदारी ओन्लीमायहेल्थ डॉट कॉम की नहीं है। हमारा आपसे विनम्र निवेदन है कि किसी भी उपाय को आजमाने से पहले अपने चिकित्सक से अवश्य संपर्क करें। हमारा उद्देश्य आपको जानकारी मुहैया कराना मात्र है।

लिवर के लिए वरदान है बथुआ, डायट में शामिल किया तो मिलेंगे बेहिसाब फायदे

सर्दियों के मौसम में हरी सब्जियों की भरमार रहती है. इम्यूनिटी और सेहत के लिहाज से ये मौसम काफी अच्छा होता है. सर्दियां आते ही आपको कई तरह की हरी पत्तेदार सब्जियां खाने का मौका मिलता है और ये तो हम सभी जानते हैं कि हरी सब्जियां हमारी सेहत के लिए कितनी फायदेमंद हैं.

हेल्थ एक्सपर्ट बताते हैं कि अगर आप कैलोरी कॉन्शियस हैं, तब भी आप बथुआ का सेवन बेहद आसानी से कर सकते हैं. दरअसल, अन्य सभी हरी सब्जियों की तरह, बथुआ में भी कैलोरी काफी कम पाई जाती है. 100 ग्राम बथुआ से आपको लगभग 43 कैलोरी की मिलती है. यानि फिटनेस के लिहाज से हिट है बथुआ.

बथुआ के पत्तों में अमीनो एसिड की उच्च मात्रा पाई जाती है. अमीनो एसिड्स शरीर के लिए बेहद जरूरी माने जाते हैं, क्योंकि यह कोशिका निर्माण और कोशिका की मरम्मत के लिए आवश्यक हैं. ऐसे में बथुआ के पत्ते खाने से आपकी इम्यूनिटी के साथ-साथ सेल्स रिपेयरिंग की क्षमता भी बढ़ती है.

हेल्थ एक्सपर्ट बताते हैं कि अगर आप बथुआ को अपनी डायट का हिस्सा बनाते हैं तो इससे आपके लिवर को भी काफी फायदा मिलता है. इसका अंदाजा आप

इसी बात से लगा सकते हैं कि इसे ब्लड प्यूरिफायर के रूप में जाना जाता है. इसमें मौजूद कंपोनेंट आपके लिवर को टॉक्सिन्स से बचाने में मदद करता है और आपका लिवर रहता है हैप्पी.

हाई फाइबर डायट का सबसे बड़ा काम ये है कि ये आपको ओवर ईटिंग से बचाती है, और वजन को नियंत्रित रखने में मदद देती है. बथुआ में उच्च मात्रा में फाइबर पाया जाता है, जो आपको लंबे समय तक फुल रखता है. इससे ओवर ईटिंग से बच जाते हैं. फाइबर पाचन तंत्र के लिए भी बेहद लाभदायक माना जाता है.

बथुआ में कैल्शियम, पोटेशियम, मैग्नीशियम और विटामिन ए, सी और बी 6 से भरपूर होता है. ये सभी सूक्ष्म पोषक तत्व आपके शरीर की कार्यप्रणाली को सुचारू रूप से कार्य करने में मदद करते हैं. हरी पत्तेदार सब्जियां आयरन का भी अच्छा सोर्स होती हैं.